RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 96
लखनऊ, सोमवार, 24 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल का एकल खिताब जीता
स्पोर्ट्स-12

अब गलतियों को ठीक कर रहा देशः मोदी

- कहा, महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का प्रयास हुआ
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया गेट पर बोस की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि आजादी के बाद देश की संस्कृति और संस्कारों के साथ ही अनेक महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का काम किया गया लेकिन आज देश उन गलतियों को ठीक कर रहा है। स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर इंडिया गेट पर उनकी होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 में स्वतंत्रता के सौवें वर्ष से पहले दुनिया की कोई भी ताकत देश को नए भारत के निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल करने से नहीं रोक सकती। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें नेताजी बोस के कैन डू और विल डू की भावना से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ना है। मोदी ने कहा, ए दुर्भाग्य रहा कि आजादी के बाद देश की संस्कृति और संस्कारों के साथ ही अनेक महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का काम किया गया। उन्होंने कहा, स्वाधीनता संग्राम में लाखों-लाख देशवासियों की तपस्या शामिल थी लेकिन उनके इतिहास को भी सीमित करने की कोशिशें हुईं। पर आज आजादी के दशकों बाद देश उन गलतियों को डंके की चोट पर ठीक कर रहा है। प्रधानमंत्री ने अलंकरण समारोह में वर्ष 2019, 2020, 2021 और 2022 के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार भी प्रदान किए। समारोह के दौरान कुल सात पुरस्कार प्रदान किए गए। केंद्र सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत में लोगों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा को पहचान देने और सम्मानित करने के लिए वार्षिक पुरस्कार की शुरुआत की है। मोदी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने आपदा प्रबंधन को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमने राहत, बचाव और पुनर्वास पर जोर देने के साथ सुधार पर भी बल दिया है। हमने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को मजबूत किया, उसका आधुनिकीकरण किया, देश भर में उसका विस्तार किया। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से लेकर योजना और प्रबंधन तक, सर्वश्रेष्ठ तौर तरीकों को अपनाया गया। उन्होंने कहा, जिन्होंने भारत की धरती पर पहली आजाद सरकार को स्थापित किया था, हमारे उन नेताजी की भव्य प्रतिमा आज डिजिटल स्वरूप में इंडिया गेट के समीप स्थापित हो रही है। जल्द ही इस होलोग्राम प्रतिमा के स्थान पर ग्रेनाइट की विशाल प्रतिमा भी लगेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा लोकतांत्रिक संस्थाओं, वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को उनके कर्तव्यों की याद दिलाएगी और उन्हें प्रेरित करेगी। होलोग्राम प्रतिमा को 30,000 लुमेन 4के प्रोजेक्टर द्वारा संचालित किया जाएगा। एक अदृश्य 90 प्रतिशत पारदर्शी होलोग्राफिक स्क्रीन इस तरह से लगाई गई है कि यह आगंतुकों को दिखाई नहीं देती। सरकार ने कहा है कि होलोग्राम का प्रभाव पैदा करने के लिए उस पर नेताजी की थ्रीडी तस्वीर लगाई जाएगी। इस प्रतिमा का आकार 28 फुट ऊंचा और 6 फुट चौड़ा है।

नई दिल्ली में पराक्रम दिवस पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा

बोस 70 के दशक में एडवर्ड पार्क गए और अब इंडिया गेट

नई दिल्ली(पीएनएस)। प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पुरानी दिल्ली में किंग एडवर्ड सप्तम की प्रतिमा की जगह लगाए जाने के करीब 50 साल बाद, अब इंडिया गेट पर स्थित उस नक्काशीदार छतरी के नीचे स्थापित की जाएगी जहां पहले कभी किंग एडवर्ड के बेटे किंग जार्ज पंचम की मूर्ति हुआ करती थी। यह मूर्ति करीब 50 साल पहले हटा ली गई थी। अभिलेखीय दस्तावेजों के अनुसार, 1939 में इंडिया गेट के निकट किंग जॉर्ज पंचम की एक भव्य संगमरमर की मूर्ति का अनावरण तत्कालीन वायसराय द्वारा ब्रिटिश सम्राट के स्मारक के रूप में किया गया था, जिनके शासनकाल में देश की नई राजधानी 'नई दिल्ली' बनी थी।

सरकार ने 2022 के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार की घोषणा की

भाषा। नई दिल्ली

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने को लेकर गुजरात आपदा प्रबंधन संस्थान (जीआईडीएम) और सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विनोद शर्मा को 2022 के सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि जीआईडीएम को संस्थागत श्रेणी के लिए, जबकि शर्मा को व्यक्तिगत श्रेणी में चयनित किया गया है। केंद्र सरकार ने देश में व्यक्तियों और संगठनों द्वारा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने और निःस्वार्थ सेवा करने वालों को सम्मानित करने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन वार्षिक पुरस्कार की शुरूआत की थी। इस पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाती है। इसके तहत संस्था को 51 लाख रुपए का नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र, जबकि व्यक्ति को पांच लाख रुपए और एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। बयान में कहा गया है कि इस वर्ष के पुरस्कार के लिए, एक जुलाई, 2021 से नामांकन मांगा गया था और संस्थानों तथा व्यक्तियों से कुल 243 वैध नामांकन प्राप्त हुए थे।

बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नेताजी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले अलंकरण समारोह में वर्ष 2019, 2020 और 2021 के पुरस्कार विजेताओं के साथ इस साल के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान करेंगे।

भारत में ओमीक्रोन संक्रमण सामुदायिक प्रसार के स्तर पर

कोरोना संक्रमण की जांच के लिए जम्मू में एक व्यक्ति से नमूना लेती स्वास्थ्यकर्मी

- कई महानगरों में हो गया है हावीः आईएनएसएसीओजी

भाषा। नई दिल्ली

इंडियन सार्स-कोव-2 जीनोमिक कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) ने अपने ताजा बुलेटिन में कहा है कि भारत में ओमीक्रोन स्वरूप सामुदायिक संक्रमण के स्तर पर है और जिन महानगरों में कोविड-19 मामलों में तेज वृद्धि देखी जा रही है, वहां यह हावी हो गया है। कोविड-19 के जीनोम अनुक्रमण का विश्लेषण करने के लिए सरकार द्वारा गठित समूह आईएनएसएसीओजी ने यह भी कहा कि ओमीक्रोन के संक्रामक उप-स्वरूप बीए.2 की देश के कुछ हिस्सों में मौजूदगी मिली है।

समूह ने रविवार को जारी 10 जनवरी के अपने बुलेटिन में कहा है कि अब तक सामने आए ओमीक्रोन के अधिकतर मामलों में या तो रोगी में संक्रमण के लक्षण दिखाई नहीं दिए या फिर हल्के लक्षण नजर आए हैं। अस्पताल और गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती होने के मामले मौजूदा लहर में बढ़ गए हैं और खतरे के स्तर में परिवर्तन नहीं हुआ है। बुलेटिन में कहा गया है, ओमीक्रोन अब भारत में सामुदायिक प्रसार के स्तर पर है और यह उन विभिन्न महानगरों में हावी हो गया है, जहां नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

बीए-2 उप स्वरूप की मौजूदगी मिली है और इसलिए एस जीन ड्रॉपआउट आधारित स्क्रीनिंग के दौरान इस बात की बहुत अधिक आशंका है कि संक्रमण का पता न चले। वायरस के जेनेटिक बदलाव से बना एस-जीन ओमीक्रोन स्वरूप के जैसा ही है। बुलेटिन में कहा गया है, हाल में (शेष पेज 9)

भाजपा में ही बहू बेटियों का सम्मान सुरक्षितः अपर्णा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की छोटी पुत्रवधू अपर्णा यादव ने रविवार को कहा कि बहू-बेटियों की सुरक्षा के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार जरूरी है, भाजपा में ही बहू-बेटियों का सम्मान सुरक्षित है। रविवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार पार्टी कार्यालय में पहुंची अपर्णा यादव ने कहा, मैंने राष्ट्रवाद की वजह से भाजपा को चुना, भाजपा सरकार में महिलाओं को सम्मान मिला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच और दूर दृष्टि से समाज में बहुत ही सकारात्मक बदलाव हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा वो पार्टी है जिसने देश को बचाया है, मैं एक नए भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ बढ़ना चाहती हूं। यादव ने कहा, देश और प्रदेश की उन्नति के लिए भाजपा जरूरी है, भाजपा जीतेगी तो देश और प्रदेश दोनों की तरक्की होगी, गरीबों का कल्याण होता रहेगा, बहू-बेटियां सुरक्षित रहेंगी, सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का संकल्प पूरा होता रहेगा।

उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी छोड़कर दिल्ली में बीते दिनों भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद लखनऊ में अपर्णा यादव भाजपा कार्यालय में आई थीं। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर हुए कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश चुनाव सहप्रभारी और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, अपर्णा यादव, कांग्रेस छोड़कर आईं रायबरेली से विधायक अदिति सिंह और प्रियंका मौर्य ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर (शेष पेज 9)

चीन की पीएलए ने कहा अरुणाचल का किशोर मिला

भाषा। नई दिल्ली

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने रविवार को भारतीय सेना को सूचित किया कि उसे अरुणाचल प्रदेश के पार अपने क्षेत्र में एक किशोर मिला है और वे उसे जल्द ही सौंप देंगे। कुछ दिन पहले एक सांसद ने दावा किया था कि पीएलए के सैनिकों ने एक किशोर को अगवा कर लिया है। हालांकि, रक्षा सूत्रों ने कहा कि पीएलए ने किशोर की पहचान की पुष्टि नहीं की है और ऐसा माना जाता है कि वह मिराम तरोन है, जिसे कथित तौर पर 18 जनवरी को अपर सियांग जिले से चीनी सैनिक ले गए थे। घटना के सामने आने के बाद भारतीय सेना ने किशोर का पता लगाने के लिए पीएलए से मदद मांगी थी। सूत्रों ने कहा कि पीएलए ने भारतीय सेना को सूचित किया कि उसे एक किशोर मिला है और उसे भारतीय पक्ष को सौंपने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। अरुणाचल प्रदेश से सांसद तापिर गाओ ने भी पीटीआई-भाषा को बताया कि उन्हें भारतीय सेना से पुष्टि मिली है कि किशोर पीएलए की हिरासत में है और जल्द ही (शेष पेज 9)

मायावती ने प्रियंका वाड्रा पर साधा निशाना

- उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को वोटकटवा पार्टी बताया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि वह उत्तर प्रदेश में वोटकटवा पार्टी है। मायावती ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की हालत इतनी खराब है कि मुख्यमंत्री की उम्मीदवार ने कुछ ही घंटों में अपना इरादा बदल लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी प्रियंका द्वारा उनपर चुनाव में निष्क्रिय रहने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद निशाना साधा। मायावती ने ट्वीट किया उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की हालत इतनी ज्यादा खस्ताहाल है कि पार्टी की मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार ने कुछ घंटों के भीतर ही अपना स्टैंड बदल डाला है। ऐसे में बेहतर होगा कि लोग कांग्रेस को वोट देकर अपना वोट बर्बाद ना करें, बल्कि एकतरफा तौर पर बसपा को ही वोट दें। मायावती ने एक और ट्वीट में दावा किया, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस जैसी पार्टियां लोगों की नजर में वोट काटने वाली पार्टियां हैं।

ऐसे में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर करके यहां सर्व समाज के हित में और उनके जाने-परखे नेतृत्व वाली सरकार की जरूरत है, जिसमें बसपा का स्थान वास्तव में नम्बर-एक पर है। प्रियंका वाड्रा ने शनिवार को एक साक्षात्कार में बसपा प्रमुख के चुनाव प्रचार में निष्क्रिय रहने का आरोप लगाते हुए कहा था, मैं बहुत हैरान हूं कि चुनाव शुरू हो गया है और हम बीच चुनाव में हैं लेकिन (शेष पेज 9)

टीईटी में दो दर्जन से अधिक साल्वर गिरफ्तार

- प्रयागराज, मुरादाबाद, जौनपुर, हापुड़, मेरठ से पकड़े गए मुन्नाभाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रविवार को यूपी में हुई टीईटी परीक्षा में करीब दो दर्जन से अधिक मुन्ना भाई गिरफ्तार किए गए है। प्रयागराज में तो 15 साल्वर को पकड़ा गया है। मुरादाबाद, जौनपुर, हापुड़, मेरठ जिलों में एसटीएफ की अलग-अलग टीमों ने करीब दो दर्जन से अधिक साल्वर को पकड़ा है। रविवार को प्रयागराज और प्रतापगढ़ जनपद में 15 लोगों को बतौर साल्वर मूल अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा देते पकड़ा गया। प्रयागराज में 14 लोगों को क्राइम ब्रांच और एसटीएफ ने अलग-अलग जगह से पकड़ा है।

प्रयागराज के औद्योगिक क्षेत्र में बड़ामार स्थित शिव बालक सिंह इंटर कालेज परीक्षा केंद्र में एसटीएफ की टीम ने सुबह की पाली में असल अभ्यर्थी की जगह सॉल्वर विजय बहादुर सरोज को पकड़ा। जौनपुर में सिकरारा के मीठीपार गांव के रामबहादुर ने बताया कि वह दीपक कुमार निवासी बिट्ठलपुर, सराय ममरेज, प्रयागराज की जगह परीक्षा दे रहा था। उसने कुबूला कि दीपक से उसका 35 हजार रुपये में परीक्षा देने की बात हुई थी। एडवांस पांच हजार रुपये दीपक ने दिए थे।

रामबहादुर ने बताया कि वह जौनपुर से आकर यहां प्रयगराज के सलोरी में किराए के कमरे में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। बीटीसी के बाद टीईटी की तैयारी कर रहा था। दीपक ने ही परीक्षा देने के लिए पैसों का प्रलोभन देकर फर्जी आधार कार्ड और प्रवेश पत्र तैयार कराकर एडवांस में पांच हजार देकर भेजा था। इसके अलावा 13 अन्य लोगों को प्रयागराज में अलग अलग केंद्रों से पकड़ा गया जिनसे पूछताछ की जा रही है। उधर प्रतापगढ़ के साकेत कालेज में पहली पाली में अभ्यर्थी के स्थान पर दूसरा शख्स यानी साल्वर इलेक्ट्रानिक डिवाइस के साथ परीक्षा देते पकड़ा गया। उसे केंद्र प्रभारी ने पुलिस को सौंप दिया। अब पुलिस उससे पूछताछ कर रही है साथ ही असली अभ्यर्थी के बारे में भी पता लगाया जा रहा है ताकि पता चले कि इन दोनों के बीच यह डील कैसे हुई।

इसके पीछे कोई गिरोह तो नहीं है। पुलिस ने बताया कि अंतू इलाके में डंडवा कल्याणपुर निवासी विवेक कुमार के स्थान पर कल्याणपुर गांव का अमरजीत वर्मा परीक्षा दे रहा था। इन दोनों के खिलाफपरीक्षा अधिनियम के तहत एफआइआर लिखकर छानबीन की जाएगी। इसके साथ ही विलंब से पहुंचने के कारण तमाम अभ्यर्थियों की परीक्षा छूट गई। देर होने की वजह से परीक्षा में बैठने देने पर दो केंद्रों पर अभ्यर्थियों ने हंगामा किया। उन्हें किसी तरह संभाला गया। परीक्षा केन्द्र ऋषिकुल एजुकेशनल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुल्तानपुर गौर सरायख्वाज जौनपुर से साल्वर गिरफ्तार (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	59,037	
निफ्टी	17,617	
सोना	48,340	/10g
चांदी	65,112	/kg

क्विक न्यूज

सांप्रदायिक टिप्पणी पर मुस्तफा के खिलाफ मामला दर्ज हुआ

चंडीगढ़। पंजाब के मलेरकोटला में एक जनसभा के दौरान साम्प्रदायिक टिप्पणियां करने के आरोप में प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मोहम्मद मुस्तफा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मुस्तफा कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के प्रमुख रणनीतिक सलाहकार हैं। मुस्तफा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने से एक दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह कथित टिप्पणियां करते दिख रहे हैं। मलेरकोटला की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रवजोत कौर ग्रेवाल ने पीटीआई-भाषा से फोन पर कहा, जनप्रतिनिधि कानून के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 153-ए और धारा 125 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दिल्ली और वाराणसी के बीच चलेगी दिव्य काशी यात्रा ट्रेन

भाषा। वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर दिव्य काशी यात्रा ट्रेन का संचालन शुरू किया जाएगा। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गुजरात के सोमनाथ में नए सर्किट हाउस के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बताया था कि दिव्य काशी यात्रा के लिए एक विशेष ट्रेन दिल्ली से शुरू होने जा रही है। आईआरसीटीसी के जनसंपर्क अधिकारी आनंद झा ने बताया कि प्रधानमंत्री ने इस ट्रेन को चलाए जाने के संबंध में शुक्रवार को घोषणा की थी। उन्होंने बताया कि वाराणसी में पर्यटकों की बढ़ती मांग के मद्देनजर दिव्य काशी यात्रा ट्रेन चलाई जा रही है, जिसका वाणिज्यिक संचालन दिल्ली (शेष पेज 9)

राजपथ पर दिखेगी सैन्य इतिहास की अनूठी झलक

गणतंत्र दिवस परेड

- वर्ष 1950 से अब तक सेना की विभिन्न वर्दी पहने दिखेंगे सैनिक, विंटेज टैंक भी होंगे खास आकर्षण

राहुल दत्ता। नई दिल्ली

राजपथ पर गणतंत्र दिवस की इस साल की सैनिकों की परेड में 1950 से अब तक सेना द्वारा पहनी जाने वाली विभिन्न वर्दी में सलामी लेते हुए आगे बढ़ते हुए दिखाई देंगे। इस दल में उस युग की राइफलों के साथ विभिन्न विंटेज टैंक के साथ ही आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को प्रदर्शित करते हुए परेड मार्ग पर आगे बढ़ते दिखाई देंगे। पैराशूट रेजीमेंट के विशिष्ट कमांडो नई लड़ाकू वर्दी में नजर आएंगे।

पायनियर ने पिछले साल 3 दिसंबर के संस्करण में गणतंत्र दिवस परेड में इन दो नए बदलावों के बारे में बताया था। पिछले वर्षों के विपरीत टुकड़ियों ने अपनी रेजिमेंट की पोशाक पहनी थी, इस वर्ष गणतंत्र दिवस में सैनिकों को पिछले युग की वर्दी में मार्च करते हुए देखा जाएगा, जिसमें 1950 और 60 के दशक से लेकर वर्तमान के जैतून के रंग होगा।

मेजर जनरल आलोक कक्कड़ ने रविवार को प्रेसवार्ता में बताया कि बीते दशकों में भारतीय सेना की वर्दी और राइफलें कैसे विकसित हुई हैं, इसे इस साल की गणतंत्र दिवस परेड में प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर 'आजादी के अमृत महोत्सव' के तहत गणतंत्र दिवस परेड-2022 में भारतीय सेना की तीन मार्चिंग टुकड़ी पिछले दशकों की वर्दी पहनेगी और राइफल लेकर कदमताल करेंगी, जबकि एक दस्ता नई युद्धक वर्दी पहनेगा और नवीनतम टेवोर राइफल लेकर राजपथ पर कदमताल करता दिखेगा। इस साल गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सेना के छह मार्चिंग दस्ते हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि हर मार्चिंग दस्ते में आम तौर पर रहने वाले 144 सैनिकों की जगह इस बार 96 सैनिक होंगे। ऐसा कोविड-19 प्रोटोकॉल का सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। कक्कड़ ने कहा कि राजपूत रेजिमेंट के सैनिकों की भारतीय सेना की पहली मार्चिंग टुकड़ी 1950 के दशक की वर्दी पहनेगी और .303 राइफलें लेकर चलेगी।

असम रेजिमेंट के सैनिकों की दूसरी मार्चिंग टुकड़ी, भारतीय सेना की 1960 के दशक की वर्दी पहनेगी और .303 राइफलें लेकर चलेगी। सेना की 1970 के दशक की वर्दी जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट के सैनिकों द्वारा पहनी जाएगी, जो तीसरी मार्चिंग टुकड़ी होगी और ये टुकड़ी 7.62 मिमी सेल्फ-लोडिंग राइफलें (एसएलआर) लेकर कदमताल करेगी। चौथी और पांचवीं मार्चिंग टुकड़ी क्रमशः सिख लाइट इन्फेंट्री और आर्मी ऑर्डिनेंस कोर रेजिमेंट की होगी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक सेना की वर्तमान वर्दी पहनेंगे और 5.56 मिमी इंसास राइफल लेकर मार्च करेंगे। छठा (शेष पेज 9)

गणतंत्र दिवस की परेड के लिए नई दिल्ली में राजपथ पर पूर्वाभ्यास करते भारतीय सेना की राजपूत रेजीमेंट के जवान

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 24 जनवरी, 2022

विकास और तरक्की की राजनीति करने वाली पार्टी है भाजपाः अनुराग ठाकुर

● ये नई सपा नहीं, ये वही सपा है, जिससे जनता पूरी तरह खफा है। 10 मार्च को सपा प्रमुख अखिलेश कहेंगे कि अबकी फिर ईवीएम बेवफा हैः केंद्रीय मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी द्वारा विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए शुरू किये गये प्लेकार्ड प्रचार अभियान के तहत रविवार को प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा, महापौर संयुक्ता भाटिया, अर्पणा यादव, रायबरेली से विधायक अदिति सिंह और प्रियंका मौर्या ने लालबाग स्थित शर्मा टी स्टाल के पास पहुंचकर प्रचार किया। अपने हाथों में अलग-अलग तख्तियां लेकर सभी ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों को बताते हुए एक बार फिर से भाजपा सरकार बनाने की अपील की। कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए किये गए प्रचार के दौरान प्लेकार्ड पर बहु-बेटी को सुरक्षा और अधिकार-यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार, बेहतर सुरक्षा कानून व्यवस्था में सुधार, यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार, बिना भेदभाव भर्ती रोजगार-यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार, गरीबों को पक्के मकान का सपना साकार-यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार और मुफ्त राशन गरीबों के द्वार-यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार लिखा हुआ था।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि ये नई सपा नहीं, ये वही सपा है, जिससे जनता पूरी तरह खफा है। 10 मार्च को सपा प्रमुख अखिलेश कहेंगे कि अबकी फिर ईवीएम बेवफा है। सपा सरकार में बिजली के तार कपड़े सुखाने के काम आते थे। एक माह में 300 घंटे भी बिजली मिलना जिसके कार्यकाल में मुश्किल था, वो 300 यूनिट फ्री बिजली देने की बात कहते हैं तो संदेह होता है। जिन्होंने प्रदेश को गुण्डाराज, भ्रष्टाचार और दंगाराज दिया उन पर जनता कैसे भरोसा कर सकती है।

उन्होंने कहा कि सपा गठबंधन की पहली सूची देखें तो जिनको इन्होंने टिकट देकर उतारा है ये सपा के उम्मीदवार नहीं जनता की उम्मीदों पर वार करने वाले लोग हैं। इनमें कोई जेल में है तो कोई बेल पर है। छिप-छिप कर टिकट देने वाली सपा सरकार के कार्यकाल में बहू-बेटी असुरक्षित महसूस करती थी आज योगी सरकार में पिछले पांच सालों में महिला और बेटियों की सुरक्षा प्राथमिकता रही है। यही कारण है कि अपर्णा यादव, अदिति सिंह और प्रियंका मौर्या ने बीजेपी को चुना। प्रदेश की बहू-बेटियां खुद को बीजेपी में ही सुरक्षित महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता से झूठे वायदे कर रही हैं। 300 यूनिट फ्री बिजली के झूठे वादे सपा कर रही है। योगी सरकार ने डेढ़ करोड़ बिजली कनेक्शन, किसानों के बिजली बिल को माफकरने का कार्य किया है जो 70 सालों में बीएसपी, कांग्रेस, सपा ने नहीं किया। समाजवादी गठबंधन की सूची में ज्यादातर जेल वाले हैं या बेल वाले हैं। इनकी सूची के उम्मीदवार नहीं बल्कि जनता की उम्मीदों पर वार करने वाले हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2022 में जनता अपना बहुमूल्य वोट बीजेपी को देगी। यह जनता वाकियों को नकारते हुए बीजेपी को एक बार फिर से स्वीकार करेगी। यूपी की आधी आबादी मातृशक्ति योगी सरकार में खुद को सुरक्षित महसूस करती है। बीजेपी धर्म, जाति, मजहब के आधार पर नहीं बल्कि राष्ट्र को आगे बढ़ाने, विकास और तरक्की की राजनीति करने वाली पार्टी है। यही कारण है कि 46 लाख मकान, डेढ़ करोड़ निशुल्क बिजली का कनेक्शन, 3 करोड़ से अधिक शौचालय और 15 करोड़ डबल डोज मुफ्त राशन सभी जाति मजहब के लोगों को दिया गया। वहीं विपक्ष लगातार अपने जातीय समीकरण और तुच्छ राजनीति से जनता को बहकाने और बरगलाने की कोशिश कर रही है। इस कोशिश में वह पूरे तौर पर साल 2017 में भी नाकाम रही वैसे ही साल 2022 के चुनावी नतीजों में भी समाजवादी पार्टी को जनता पूर्ण रूप से नकार देगी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में माफिया, गुंडे, दंगाइयों पर न सिर्फ बुलडोजर चलाया बल्कि प्रदेश वासियों को सुरक्षा का चक्र भी दिया जिसके कारण यूपी में निवेश, यूपी में रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं का सम्मान, किसानों और युवाओं के चेहरों पर मुस्कान खिल सके। यूपी को सुरक्षित प्रदेश बनाने के कारण ही आज यूपी अर्थव्यवस्था के पैमाने पर दूसरे पायदान पर काबिज है।

ओपिनियन पोल पर रोक लगाने के लिए सपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर चुनाव को लेकर चलाए जा रहे ओपिनियन पोल पर रोक लगाने का आग्रह किया है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखा। पत्र के माध्यम से सपा प्रदेश अध्यक्ष श्री पटेल ने कहा कि ओपिनियन पोल से चुनाव प्रभावित हो रहा है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने मुख्य चुनाव आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन नई दिल्ली को पत्र लिखकर न्यूज चैनलों द्वारा दिखाए जा रहे ओपिनियन पोल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है।

नरेश उत्तम पटेल ने पत्र में लिखा है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 के चुनावों की तारीखों का ऐलान 8 जनवरी 2022 को हो गया है, प्रथम चरण का नामांकन समाप्त हो गया है। प्रदेश में सात चरणों में चुनाव होंगे, अन्तिम चरण का मतदान 7 मार्च 2022 को होगा, जब कि मतगणना 10 मार्च 2022 को होगी, कई न्यूज चैनल ओपिनियन पोल दिखा रहे है जिससे मतदाता भ्रमित हो रहा है, और चुनाव प्रभावित हो रहा है यह कार्य आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। श्री पटेल ने मांग की है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक चुनाव सम्पन्न कराने के लिए न्यूज चैनलों द्वारा दिखाए जा रहे ओपिनियन पोल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाय।

बीजेपी मुख्यालय में हुआ अपर्णा यादव अदिति सिंह व प्रियंका मौर्या का स्वागत

● योगी सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं से महिलाएं हुईं सशक्तः अदिति सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्र को बचाना है तो पूरे दम से बीजेपी को फिर एक बार बहुमत से सत्ता में लाना है। बीजेपी मुख्यालय में महिला मोर्चा की ओर से स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा, रायबरेली सदर से चुनाव लड़ने वाली अदिति सिंह और प्रियंका मौर्या का स्वागत किया गया। अपर्णा यादव ने कहा कि मैंने राष्ट्रवाद के कारण बीजेपी को चुना है। बीजेपी ने देश को विकास की राह पर तेजी से बढ़ाने के साथ ही देश में संस्कारों को सिंचित करने का काम किया है। उन्होंने कहा नव भारत के नव निर्माण के इस संकल्प में मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस संकल्प में रंग भरने का काम करूंगी। उन्होंने कहा कि आगे आगे विचार चलते हैं और यही कारण है कि भाजपा के विचारों के कारण आज मैं इस पार्टी का हिस्सा हूं। रायबरेली सदर से चुनाव लड़ने वाली अदिति सिंह ने कहा कि बीजेपी ने अपने पूरे कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में महिला केंद्रित योजनाओं को लागू कर महिलाओं की जिंदगी में नए रंग भरे हैं। महिला केंद्रित योजनाओं का लाभ पाकर महिलाएं सशक्त हुई हैं। योगी सरकार ने उज्जवला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्वयं सहायता समूह, राष्ट्रीय आजीविका मिशन समेत दूसरी कई कल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें जो महिलाओं के लिए योजना लागू करना तो दूर उनके हित की बात नहीं करती थी। इससे इतर बीजेपी ने महिलाओं के हक की बात करते हुए विशेष योजनाओं से लाभान्वित कर उनको समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का काम भी किया। प्रियंका मौर्य ने कहा कि मैं समाजहित और राष्ट्रहित के लिए मैंने भारतीय जनता पार्टी को चुना। सबका साथ सबका विकास के मंत्र पर काम करने के संकल्प संग काम करूंगी। उन्होंने कहा कि ये पार्टी किसी एक की नहीं या पार्टी सभी वर्ग के लोगों से बनी हुई पार्टी है इस पार्टी में महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि है। जिस कारण मैंने इस पार्टी को चुना है।

बसपा ने जारी की तीस स्टार प्रचारकों की सूची

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पहले चरण के चुनाव को देखते हुए बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की ओर से 30 स्टार प्रचारकों की पहली लिस्ट जारी कर दी गई है। स्टार प्रचारकों की सूची में मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार को स्टार प्रचारक बनाया गया।

● मायावती के छोटे भाई आनंद भी शामिल

पहले चरण के स्टार प्रचारक की सूची में मायावती, आनंद कुमार, सतीश चंद्र मिश्रा, मुनकाद अली, समसुद्दीन राईन, सतपाल पीपला, गोरे लाल जाटव, राजकुमार गौतम, सूरज सिंह जाटव, आशीर्वाद आर्य, नकुल दुबे, प्रदीप जाटव, प्रताप सिंह बघेल, दिनेश कुमार काजीपुर, डॉ कमल सिंह, राज करतार सिंह नागर, चांद सिंह कश्यप, सत्य प्रकाश का नाम शामिल है। वहीं सतपाल पिपला, गोरेलाल जाटव, मनोज जाटव, जगपाल ननौता, संघरत्न सेठी, रामनरेश कर्दम, संतोष आनंद, दारा सिंह आजाद, सत्य प्रकाश कर्दम, प्रेमचंद गौतम, रणवीर सिंह कश्यप, गजराज सिंह, अशोक सिंह, लक्ष्मण सिंह को लिस्ट में जगह मिली है। बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के लिए सभी दलों की ओर से ताकत झोंकनी शुरू कर दी गई है। बड़ी चुनावी रैलियों पर तो अभी रोक है लेकिन इसके साथ ही प्रचारकों की लिस्टें जारी जरूर की जा रही हैं।

गरीबों को मकान देने में बीएसपी सरकार का रिकार्ड बेहतरीन रहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि योगी का मठ किसी बड़े बंगले से कम नही है। योगी ने अपने गाजियाबाद दौरे पर गरीबों को दिये गए मकानों का ब्योरा देते हुए राज्य की पिछली सरकारों पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि यूपी में पिछली सरकारों में जनता के पैसे से मंत्रियों ने अपने लिए बंगले बनाए। बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट करते हुए कहा कि शायद पश्चिमी यूपी की जनता को यह मालूम नहीं है कि गोरखपुर में योगी जी का बना मठ जहाँ वो अधिकांश निवास करते हैं, वो कोई बड़े बगंले से कम नहीं है। यदि इस बारे में भी यह बता देते तो बेहतर होता। आगे उन्होंने कहा कि साथ हीए यह भी बेहतर होता यदि यूपी के सीएम अपनी सरकार की तारीफ के साथ साथ बीएसपी सरकार के जनहित से जुड़े कार्यों का भी कुछ उल्लेख कर देते क्योंकि इन्हें मालूम होना चाहिए कि गरीबों को मकान व भूमिहीनों को जमीन देने के मामले में बीएसपी सरकार का रिकार्ड बेहतरीन रहा है।

आगे उन्होंने कहा कि बीएसपी सरकार द्वारा मान्यवर कांशीराम शहरी गरीब आवास योजना के तहत केवल दो चरण में ही डेढ़ लाख से अधिक पक्के मकान दिए गए तथा सर्वजन हिताय गरीब आवास मालिकाना हक योजना के तहत काफी परिवारों को लाभ मिला। लाखों भूमिहीन परिवारों को भी भूमि दी गई।

समाजवादी पार्टी में शामिल हुआ देश का सबसे लंबा आदमी

भाषा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान एक कौतूहल भरे घटनाक्रम के तहत भारत के सबसे लंबे व्यक्ति ने समाजवादी पार्टी (सपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली। खुद को भारत का सबसे लंबा व्यक्ति होने का दावा करने वाले 8 फुट एक इंच के धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को सपा का दामन थाम लिया।

सिंह ने रविवार को पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, "मैं पार्टी के लिए अधिक ऊंचाई से काम करूंगा और विपक्षियों को बौना बना दूंगा" उन्होंने कहा कि दूसरी पार्टियां पहले से ही घट रही हैं क्योंकि बड़ी संख्या में उनके नेता समाजवादी पार्टी के साथ ही जुड़ रहे हैं।

सपा ने पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में धर्मेंद्र सिंह के पार्टी में शामिल होने से संबंधित एक फोटोग्राफ को टैग करते हुए अपने हैंडल से किए गए ट्वीट में कहा, "समाजवादी पार्टी की नीतियों और पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में आस्था व्यक्त करते हुए प्रतापगढ़ के श्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने सपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है" सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा, "हम उम्मीद करते हैं कि भारत के सबसे लंबे व्यक्ति धर्मेंद्र प्रताप सिंह के शामिल होने से सपा को और मजबूती मिलेगी" धर्मेंद्र प्रताप सिंह को सपा में शामिल करने के कारण के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने कहा, "समाजवादी पार्टी सभी का सम्मान करती है और लोगों के बीच कोई भेदभाव नहीं रखती। सपा सभी को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है" धर्मेंद्र प्रताप सिंह से यह पूछा गया कि क्या वह विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहते हैं, उन्होंने कहा, "अभी मैंने पार्टी की सदस्यता ही ग्रहण की है। जहां तक चुनाव लड़ने का सवाल है तो इस बारे में कोई भी फैसला पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव लेंगे।

मायावती की कांग्रेस के खिलाफ टिप्पणी गै़रवाजिबः पुनिया

● दलित उत्पीड़न के खिलाफप्रियंका गांधी सड़क पर उतरीं, जबकि बसपा प्रमुख चुप्पी साधे रहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस की कैंपेन कमेटी के चेयरमैन, पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने बसपा प्रमुख मायावती द्वारा कांग्रेस के खिलाफ की गयी अर्नागल टिप्पणी को गै़रवाजिब और उनकी बौखलाहट बताया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी के नेतृत्व और उनकी विकास परक राजनीति से प्रदेश के दलित, पिछड़े, अति पिछड़े, अल्पसंख्यक, आदिवासी समाज में कांग्रेस का जनाधार बढ़ा है।

पूर्व सासंद पुनिया ने कहा कि तीन बार भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने वाली बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने आखिर पिछले 5 वर्षों से प्रदेश में हुए दलित उत्पीड़नों के खिलाफ एक भी शब्द क्यों नहीं बोला। हाथरस की दलित बेटी का उत्पीड़न का मामला रहा हो, उसकी नृशंस हत्या करके उत्तर प्रदेश की योगी पुलिस द्वारा उसके परिवार की मर्जी के खिलाफ रातों-रात दाह संस्कार करने का विषय रहा हो, मायावती जी को सीबीआई का डर सताता रहा और वह चुप्पी साधे बैठी रहीं और आज चुनाव के ऐन वक्त में बीजेपी प्रवक्ता के तौर पर दलित समाज को गुमराह करने का काम कर रहीं हैं।

कैंपेन कमेटी के चेयरमैन श्री पुनिया ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक आज योगी शासन के दौरान दलित उत्पीड़न में उत्तर प्रदेश समूचे देश में नंबर एक पर पहुंच गया है। लेकिन प्रदेश में बढ़ती दलित हत्याओं और बेटियों कर बलात्कार के खिलाफ मायावती एक भी शब्द योगी सरकार के खिलाफ नही निकाल पायी। अभी हाल में आगरा में थाने के अंदर दलित नौजवान अरुण वाल्मीकि की हत्या का मामले सामने आया। तमाम दलित आदिवासी उत्पीड़न की घटनाओं के खिलाफ उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी आदरणीय प्रियंका गांधी द्वारा किए गए आंदोलन मीडिया की सुर्खियों में रहे, जिसे समूचे देश ने देखा है। प्रत्येक दलित उत्पीड़न के खिलाफ अकेले उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने ही पुरजोर आवाज उठाई और दोषियों को अंजाम तक पहुंचाया। पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने बसपा सुप्रीमो पर तीखे हमले करते हुए कहा कि सड़कों पर उतर कर संघर्ष करने वाली कांग्रेस पार्टी पर अनर्गल टिप्पणी करने वाली मायावती की दलित विरोधी मानसिकता और राजनैतिक षड्यंत्रकारी सोच को आज पूरा अनुसूचित जाति-जनजाति समाज समझ चुका है। बहुजन समाज पार्टी बीजेपी की बी टीम के रूप में लगातार काम कर रही है।

पूर्व सांसद ने कहा कि चाहे गुजरात का पिछले तीनों विधानसभा चुनाव रहें हो, बिहार का पिछला विधानसभा चुनाव हो। लगातार मायावती ने हर चुनाव में दलित और गरीब विरोधी भारतीय जनता पार्टी को चुनाव जिताने के लिए कांग्रेस पर ही हमलावर हो जाती हैं। उन्होंने कांग्रेस पर अनर्गल प्रलाप करके पिछले विधानसभा चुनाव में भी राजनीतिक षड्यंत्र के तहत बीजेपी को कवर फायर देने का काम किया था। इस बार प्रदेश का दलित समाज उनके झांसे में आने वाला नहीं है।

समाजवाद की मान्यताओं के खिलाफ काम कर रही भाजपाः शिवपाल

● प्रसपा प्रमुख ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के लेखों व भाषणों पर आधारित पुस्तक हम समाजवाद चाहते हैं का विमोचन किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी द्वारा रविवार को पार्टी मुख्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती समाजवाद संकल्प दिवस के रूप में शिवपाल यादव की अध्यक्षता व दीपक मिश्र के संचालन में मनायी गयी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के लेखों व भाषणों पर आधारित पुस्तक हम समाजवाद चाहते हैं का विमोचन करते हुए प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत को आज़ाद कराकर समाजवादी शासन प्रणाली स्थापित करना चाहते थे। उन्होंने हरिपुरा अधिवेशन में कहा था कि गरीबी, आर्थिक विषमता व भुखमरी जैसी राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान केवल समाजवाद से ही संभव है। त्रिपुरी अधिवेशन में नेताजी बोस ने समाजवाद की अमंद बयार बहाने की खुली पैरवी की थी। आज भाजपा नेताजी जी नाम लेते हुए समाजवाद की मान्यताओं के विरुद्ध कार्य कर रही है। नेताजी हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाना चाहते थे, भाजपा ने हिंदी व स्वदेशी आंदोलन को कमजोर किया है। समाजवादी चिंतक व प्रसपा मुख्य प्रवक्ता दीपक मिश्र ने कहा कि सुभाष के जीवन दर्शन से समाजवाद व राष्ट्रवाद की प्रेरणा मिलती है। नेताजी को पढ़ने के बाद पता चलता है कि भारतीय परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रवाद व समाजवाद की भावभूमि एक हैए दोनों का लक्ष्य समग्र व समावेशी मानवीय विकास है। राष्ट्रवाद के आवरण में साम्प्रदायिकता फैलाने वाली भाजपा को नेताजी बोस का नाम लेने का नैतिक अधिकार नहीं है। प्रसपा बौद्धिक सभा राष्ट्रवाद की कसौटी पर अभियान चलाकर भाजपा-आरएसएस द्वारा फैलाए जा रहे झूठ व भ्रम का पर्दाफाश करेगी।

प्रदेश की जनता बदलाव चाहती हैः अखिलेश यादव

● समाजवादी पार्टी नकारात्मक राजनीति नहीं करती है जबकि भाजपा नफरत फैलाती हैः सपा प्रमुख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि आज प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। वह भाजपा को हटाने के लिए संकल्पित है। जनता को भरोसा है कि समाजवादी पार्टी ही एकमात्र विकल्प है और जनता की आशा-आकांक्षाएं समाजवादी सरकार बनने पर ही पूरी हो सकेगी। समाजवादी सरकार की पिछली उपलब्धियां गवाह हैं कि समाजवादी जो कहते हैं, वहीं करते हैं और जो करते हैं वहीं कहते है। अखिलश ने कहा कि समाजवादी पार्टी और भाजपा में बुनियादी फर्क यह है कि समाजवादी नकारात्मक राजनीति नहीं करती है जबकि भाजपा नफरत फैलाती है। समाजवादी प्रगतिशील सोच की पार्टी है जबकि भाजपा के पास विकास का कोई विजन नहीं है। समाजवादी सरकार के समय जो निर्माण कार्य हुए, बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ उसके आगे भाजपा सरकार ने एक ईंट नहीं रखी। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं हुआ। समाजवादी सरकार के समय जो बिजली घर बने, वही खड़े हैं। भाजपा ने जनता को महंगी बिजली देकर महंगाई से कमर तोड़ने का काम किया है। युवा छात्र-छात्राएं अच्छे से पढ़ाई कर सकें और शिक्षा-रोजगार के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकें इसके लिए लगभग 20 लाख लैपटॉप भी समाजवादी सरकार में बांटे गए थे। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में इसके वादे किए जो हवाई वादे निकले। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने राजनीति को झूठ से अर्थहीन बना दिया हैं और अपनी साजिशों से उसने जनता के बीच विश्वास खो दिया है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। अन्याय, अत्याचार से लोग त्रस्त हैं। भाजपा के अब गिने-चुने दिन रह गए हैं। सन् 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा का सफाया होना तय है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर रविवार को भारत के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित एक संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

कांग्रेस कोषाध्यक्ष पूर्व विधायक सतीश आज़मानी ने नेताजी को एक वीर सैनिक, योद्धा, महान सेनापति और कुशल राजनीतिज्ञ बताया। उन्होंने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस ने देश को अंग्रेजों से आजादी दिलाने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन किया। उनके द्वारा दिया गया नारा तुम मुझे खून दोए मैं तुम्हें आजादी दूंगा ने हर भारतवासी के खून में उबाल ला दिया था।

पूर्व विधायक आज़मानी ने बताया कि नेता जी शिक्षा पूरी होने के बाद 1920 में इंडियन सिविल सर्विसेज की परीक्षा में बैठे और चौथा स्थान हासिल किया। भारत आकर उन्होंने प्रशासनिक सेवा का पद संभाला लेकिन यहां पर भारतीयों की दयनीय स्थिति को देखकर उन्होंने जॉब छोड़ दी और आजादी की जंग में कूद गए।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस संगठन प्रभारी दिनेश सिंह ने उनके कृतित्व के विषय में विस्तार से बताया । उन्होंने कहा कि नेता जी को साल 1938 में राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष भी निर्वाचित किया गया। उन्होंने राष्ट्रीय योजना आयोग का गठन किया। दूसरा विश्व युद्ध शुरू होने पर नेता जी ने अंग्रेजों के खिलाफ अपनी मुहिम तेज कर दी। जिसके कारण उन्हें घर पर ही नजरबंद कर दिया गया लेकिन नेताजी किसी तरह जर्मनी भाग गए और वहां से अपनी मुहिम जारी रखी।

दिनेश सिंह ने बताया कि नेताजी एक नाटकीय घटनाक्रम में 7 जनवरी 1941 को गायब हो गए और अफगानिस्तान और रूस होते हुए जर्मनी पहुंचे। 9 अप्रैल 1941 को उन्होंने जर्मन सरकार को एक मेमोरेंडम सौंपा जिसमें एक्सिस पावर और भारत के बीच परस्पर सहयोग को संदर्भित किया गया था। सुभाष चंद्र बोस ने इसी साल नवंबर में स्वतंत्र भारत केंद्र और स्वतंत्र भारत रेडियो की स्थापना और 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिंद सरकार और फौज का गठन किया। इसके साथ ही उन्होंने आजाद हिंद बैंक भी स्थापित किया। उस समय दुनिया के दस देशों ने उनकी सरकार, फौज और बैंक को अपना समर्थन दिया था। उनकी फौज में ब्रिटिश, सिंगापुर और अन्य दक्षिण पूर्व एशिया के हिस्सों के युद्ध बंदी और बागानों में काम करने वाले मजदूर शामिल थे। इस अवसर पर पंचायती राज प्रकोष्ठ के चेयरमैन विक्रम पांडे, केके शुक्ला, विपिन गुप्ता और और हरि कृष्ण अरोड़ा, सोमेश चौहान, शिव भूषण मिश्रा, डॉ शंकर पांडे, लखनऊ पूर्व जिलाध्यक्ष विजय बहादुर, कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव, उमा शंकर पांडे सहित तमाम कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

शुद्धिपत्र

कृपया इस समाचार पत्र के लखनऊ संस्करण के बृहस्पतिवार, 23 दिसम्बर, 2021 अंक में पृष्ठ सं. 5 पर प्रकाशित पीरामल कैपिटल ऐंड हाउसिंग फाइनैंस शीर्षक के विज्ञापन में राकेश नागर (कर्जदार) सविता (सह-कर्जदार 1) के संबंध में गुरूग्राम – सोहना रोड शाखा का एलसी नंबर 0004136 के स्थान पर 00044136 के रूप में और सुजय ए पाटिल (कर्जदार) के संबंध में गुरूग्राम – सोहना रोड शाखा का एलसी नंबर जीयूआर33497 के स्थान पर जीयूआर34297 के रूप में पढ़ें। शेष विषयवस्तु यथावत रहेगी। यह शुद्धिपत्र उपरोक्त विज्ञापन का अंश एवं खंड माना जाएगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

तेरह हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने छोड़ी टीईटी परीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा हंगामे और अव्यवस्था के बीच रविवार को सम्पन्न हुई। कई परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को प्रवेश करने से रोका गया तो उन्होंने हंगामा कर दिया। प्रवेश केंद्रों पर बाहर कोविड प्रोटोकॉल के नियमों का जमकर उल्लंघन हुआ।

राजधानी लखनऊ में यूपीटीईटी परीक्षा के लिए 171 केंद्रों पर दो पाली की परीक्षा शुरू हुई। पहली पाली सुबह 10 से 12.30 बजे तक में प्राथमिक स्तर और दोपहर 2.30 से 5 बजे तक मे उच्च प्राथमिक स्तर के लिए परीक्षा सम्पन्न कराई गई। सुबह की पाली की शुरुआत से पहले परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की प्रवेश के लिए लंबी लाइन देखने को मिली। अभ्यर्थियों को योग्यता के किसी भी सेमेस्टर का मूल प्रमाण पत्र व उसकी प्रमाणित कॉपी लेकर जानी थी। इसको लेकर राजकीय हुसैनाबाद इंटर कॉलेज, टीडी गर्ल्स इंटर कॉलेज समेत कई परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों ने हंगामा किया। प्रमाण पत्र की कॉपी पर मुहर न होने चलते उनको प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा था। इसे लेकर अभ्यर्थियों ने नारेबाजी भी की। वहींए 9.30 बजे प्रवेश केंद्र के गेट बंद करने के भी आदेश थे। लाइन में लगे अभ्यर्थियों को घुसने नहीं दिया और गेट बंद कर दिया गया। जिसके बाद अभ्यर्थियों ने जमकर हंगामा किया। गुडंबा स्थित न्यू ग्रीन वे पब्लिक इंटर कॉलेज, कल्याणपुर स्थित न्यू वे अकादमी समेत कई परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों ने प्रवेश न करने दिए जाने पर जमकर हंगामा किया। पहली पाली की परीक्षा में 47349 के स्थान पर 39583 अभ्यर्थी शामिल हुए। 7766 अभ्यर्थी अनुपस्थित पाए गए। जबकि शाम की पाली में 33255 में 28596 अभ्यर्थी शामिल हुए। 5659 अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे।

ओवरआल प्रश्न रहे आसान

परीक्षा देने आई ममता ने कहा कि प्रश्नपत्र आसान था। इसके पहले वाला पेपर भी दिया था लेकिन वह लीक हो गया इस पेपर से अच्छे रिजल्ट की उम्मीद कर रही हूं। रामप्रताप यादव ने कहा कि पेपर में कुछ कमेंट काफी आसान थे। हिंदी, संस्कृत और सीडीपी के प्रश्न पिछली बार से ज्यादा आसान थे। या यह भी कह सकता हूं कि जो तैयार किया था, ज्यादातर उसी में से आया। वहीं दीपिका सिंह ने कहा कि गणित के प्रश्नों को हल करने में समस्या हुई। ईबीएस के प्रश्न भी उलझाऊ थे। ओवरआल प्रश्न आसान थे। जबकि खदरा से आईं अंकिता का कहना है कि पेपर आसान था। लग रहा है निकल जाएगा। गोमती नगर से आए हरीश ने कहा पेपर सरल था पहले लगा कि प्रश्न पत्र कठिन आएगा लेकिन आसान पेपर देख कर दिल खुश हो गया।

सफल आयोजन पर सीएम ने दी बधाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा यूपीटीईटी 2021 के सफल आयोजन पर सभी अभ्यर्थियों, केन्द्र व्यवस्थापकों, कक्ष निरीक्षकों, पर्यवेक्षकों सहित परीक्षा के आयोजन से जुड़े समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कोरोना कालखण्ड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में परीक्षा का सफल आयोजन एक उपलब्धि है जिसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। यूपीटीईटी 2021 आज दो पालियों में राज्य के समस्त जनपदों में निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर सकुशल एवं शान्तिपूर्वक सम्पादित करायी गई। यूपीटीईटी 2021 में प्राथमिक स्तर के लिए कुल 2532 परीक्षा केन्द्र एवं उच्च प्राथमिक स्तर के लिए कुल 1733 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के प्राथमिक स्तर में कुल 1073302 अभ्यर्थियों तथा उच्च प्राथमिक स्तर में कुल 748810 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस प्रकार दोनों पालियों में कुल 1822112 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। दोनों पालियों की परीक्षा को सकुशल सम्पादित कराए जाने के लिए प्रदेश में लगभग 162511 कक्ष निरीक्षक, 8530 पर्यवेक्षक, 1423 सचल दल तथा सहयोग के लिए 5814 तृतीय श्रेणी एवं लगभग 14059 चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों द्वारा अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर परिवर्तन चौक पर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

अंशिका ने अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक जीतकर बढ़ाया मान

लखनऊ। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित वर्ल्ड मैथमेटिक्स टीम चैम्पियनशिप में सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज (प्रथम कैम्पस) की कक्षा-9 की मेधावी छात्रा अंशिका रानी ने कांस्य पदक अर्जित कर लखनऊ का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है। उक्त जानकारी सीएमएस के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि वर्ल्ड मैथमेटिक्स टीम चैम्पियनशिप के अन्तर्गत विश्व के विभिन्न देशों के चुनिन्दा प्रतिभागी छात्रों के बीच चार दौर की कड़ी प्रतिस्पर्धा सम्पन्न हुई, जिसमें प्रथम राउण्ड में बहुविकल्पीय प्रश्न, द्वितीय राउण्ड में लिखित प्रश्न, तीसरे दौर में रिले राउण्ड, चौथे दौर में टीम राउण्ड की प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इससे पहले, राष्ट्रीय स्तर पर तीन दौर की कड़ी प्रतियोगिता के उपरान्त भारत से मात्र 12 छात्रों को वर्ल्ड मैथमेटिक्स टीम चैम्पियनशिप हेतु चयनित किया गया था, जिसमें सीएमएस की अंशिका रानी भी शामिल थीं। सीएमएस की इस मेधावी छात्रा ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित वर्ल्ड मैथमेटिक्स टीम चैम्पियनशिप में चारों दौर की प्रतियोगिताओं में अंशिका ने अपने गणित ज्ञान व मेधात्व का जोरदार परचम लहराते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक अर्जित किया। इस उपलब्धि हेतु अंशिका को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। सीएमएस संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस मेधावी छात्रा की प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। श्री शर्मा ने बताया कि सिटी मोन्टेसरी स्कूल अपने छात्रों को देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग हेतु प्रोत्साहित करता है, जिससे छात्रों के ज्ञान-विज्ञान का विकास होने के साथ ही उनके वैचारिक दृष्टिकोण में भी सकारात्मक बदलाव आता है। सीएमएस का लक्ष्य बच्चों को वर्ल्ड लीडर के रूप में तैयार करने वाली शिक्षा उपलब्ध कराना है।

लखनऊ में मिले कोरोना के 2601 नए मरीज, 2658 हुए ठीक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में कोरोना संक्रमण का कहर जारी है। रविवार को राजधानी लखनऊ में 2601 नए केस सामने आए हैं। राजधानी लखनऊ में आज पाए गए 2601 कोरोना के केस में 1544 पुरूष एवं 1057 महिला रोगी है। कुल 2658 व्यक्ति कोविड संक्रमण से स्वस्थ हुए हैं। आज जनपद के चिनहट में 377, अलीगंज में 388, आलमबाग में 307, इन्दिरानगर में 277, सरोजनीनगर में 169, एनके रोड में 235, सिल्वर जुबली में 196, रेडक्रास में 125 एवं टूडियागंज में 77 कोविड पॉजिटिव रोगी मिले हैं। वहीं यात्रा करने वालों में 147, कान्टैक्ट में 776, आईएलआई में 432, प्री.सर्जिकल में 79, एचसीडब्लू में 127 एवं कमाण्ड हास्पिटल में 61 कोविड पॉजिटिव रोगी पाये गये।

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि कोविड वैक्सीनेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है। प्रदेश में कल 22 जनवरीए 2022 को एक दिन में कुल 22,05,093 डोज दी गयी है, प्रदेश में कल 18 वर्ष से अधिक लोंगों को पहली डोज 14,37,11,097 दी गई जो उनकी जनसंख्या का 97.48 प्रतिशत है। 18 वर्ष से अधिक लोंगों को दूसरी डोज 9,55,27,475 दी गयी, जो उनकी जनसंख्या का 64.80 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि 15 से 18 वर्ष के बच्चों को अब तक 78,00,084 वैक्सीन की प्रथम डोज दी गयी है जो उनकी जनसंख्या का 55.66 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि अब तक 7,69,818 प्रीकॉशन डोज दी गयी है। अब तक कुल मिलाकर 24,78,08,474 कोविड की डोज दी गयी हैं। प्रसाद ने कहा कि सभी लोग कोविड टीकाकरण अवश्य करवाये। जिन लोगों ने अपनी पहली डोज ले ली है समय आने पर दूसरी डोज भी अवश्य ले। कोविड संक्रमण अभी पूरी तरह समाप्त नही हुआ है।

सूबे में मिले 14105 नए केस

लखनऊ। यूपी में कोरोना संक्रमण का कहर जारी है। रविवार को उत्तरप्रदेश में कोरोना के 14105 मामले सामने आए हैं। जबकि राजधानी लखनऊ में 2601 नए केस सामने आए हैं। वर्तमान में पूरे प्रदेश में 93757 केस एक्टिव हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज गौतमबुद्ध नगर में 968 केस, गाजियाबाद में 591 केस, मेरठ में 680 और कानपुर में 616 केस सामने आए हैं। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने आज बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल 2,32,051 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 9,79,29,039 सैम्पल की जांच की गयी हैं। उन्होंने बताया कि विगत 24 घण्टों में 16,521 तथा अब तक 18,30,006 लोग कोविड.19 से ठीक हुए हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल 93,757 एक्टिव मामले है।

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने पकड़ी आठ लाख की नकदी

- वाहन स्वामी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही पुलिस

संवाददाता। सरोजनीनगर

सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में रविवार की शाम वाहन चेकिंग के दौरान सरोजनीनगर पुलिस ने एक कार में लाखों की नकदी बरामद करने का दावा किया है। नकदी को लेकर कोई सही जवाब न देने पर पुलिस ने नकदी को अपने कब्जे में लेने के साथ ही वाहन स्वामी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

सरोजनीनगर थाना प्रभारी संतोष कुमार आर्य के मुताबिक पुलिस रविवार की शाम करीब छह बजे थाना क्षेत्र के कानपुर रोड स्थित स्कूटर इण्डिया चौराहे पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान कानपुर की तरफसे आ रही इको स्पोर्ट कार (यूपी-32जेके-0506) को रूकने का इशारा किया गया। जिसपर वाहन चालक ने अपनी कार की रफ्तार बढ़ दी। पुलिस ने कार का पीछा करके उसे कानपुर रोड स्थित उप्र सैनिक स्कूल के सामने रोक लिया। पुलिस के मुताबिक कार की तलाशी के दौरान उन्हें आठ लाख रूपये की नकदी बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक ने अपने को विराजखंड गोमतीनगर में रहने वाला सौरभ सिंह बताया है। लेकिन इतनी बड़ी रकम कहां से लेकर आ रहे है इसको को सही जवाब नही दे सके। जिसपर नकदी जब्त करते हुए पूछतांछ की जा रही है।

पुलिस के हत्थे चढ़े शातिर चोर, चोरी का माल बरामद

संवाददाता। सरोजनीनगर

सरोजनीनगर पुलिस ने शनिवार की देर रात मुखबिर की सूचना पर तकरीबन आधा दर्जन चोरो को दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गये चोरों के कब्जे से स्कूटर्स इण्डिया कम्पनी से काफी मात्रा मे चोरी किया गया सामान व अवैध हथियार के साथ ही एक चोरी की कार भी बरामद करने का दावा किया है। पुलिस ने इन चोरो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर जेल भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक शनिवार की देररात तकरीबन ढाई बजे मुखबिर ने स्पोर्ट कार से कुछ चोरो को सामान लेकर जाने की सूचना दी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने स्कूटर्स इण्डिया के पास गहरू गांव की तरफ से आ रही स्पोर्ट कार (यूपी-32जीडब्ल्यू-9040) को रूकने का इशारा किया तो चोरों ने कार की रफ्तार बढ़ा दी। लेकिन पुलिस ने कार को दौड़ाकर रोक लिया। गौरी-पिपरसंड रोड स्थित किसान पथ के पास पुलिस ने कार को घेर लिया और कार में बैठे चार लोगो को पकड़ लिया। पुलिस ने कार की तलाशी के दौरान पुलिस ने चार इलेक्ट्रनिक मोटर, नट-बोल्ट, आटो वेल्डिग केबिल, छोटे-बड़े कन्टेक्टर वायर, वायरिंग केबिल, कनेक्टिंग वायरिंग केबिल, दो अवैध तमंचे, 12 जिन्दा कारतूस बरामद करने का दावा किया है। सरोजनीनगर के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार आर्या ने बताया कि पकड़े गये लोगो ने पूछतांछ के दौरान अपने को सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के गहरू में रहने वाला प्रभु कश्यप, बंथरा के गढ़ी-चुनौटी निवासी राजू सिंह व विजय सिंह तथा यही का रहने वाला पवन कश्यप बताया है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गये इन चोरो ने बताया कि कानपुर रोड किनारे स्थित स्कूटर इण्डिया कम्पनी बंद पड़ी है। इस कम्पनी के अन्दर काफी मात्रा में लोहे का सामान पड़ा है। यह चोर रात के समय अपने साथियों के साथ चोरी करते थे। स्कूटर इण्डिया से चोरी किया गया सामान ही यह 10-12 बोरियों में भरकर बेचने जा रहे थे।

जुआ खेल रहे 19 लोग गिरफ्तार सैंतीस हजार की नकदी बरामद

- नगराम पुलिस ने एक पर गुंडा एक्ट लगाया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाजार खाला पुलिस ने 13 जुआरियों व निगोहां पुलिस ने छह जआरियों को गिरफ्तार किया है। बाजारखाला पुलिस ने जुआरियों के पास से करीब 35 हज़ार की नकदी बरामद की है। जबकि निगोहां में जुआरियों के पास से 2240 रूपये बरामद हुए हैं।

जानकारी के अनुसार मेहंदी गंज कच्ची कॉलोनी से सटे जोशी टोला मोहल्ले से आज पुलिस की टीम ने जुआ खेल रहे आसिफ, जब्बू, मो तौफीक़, मिथुन जोशी, मंजूर रहमत, मो सुहैब खान, उबैद, सलमान, आसिफ इरफान, सबलू, अंकित जोशी और राशिद उर्फ बबलू को गिरफ्तार कर लिया। जुआरियों को गिरफ्तार कर थाने ले जाया गया लेकिन पुलिस उन्हें 6 घंटे से भी थाने में नही रोक सकी और पुलिस ने निजी मुचलके पर जुआरियों को थाने से जमानत देकर रवाना कर दिया। वहीं निगोहां में थाना क्षेत्र के मीरकनगर गांव में जीत-हार की बाजी लगाते हुये जुआ खेले जाने की सूचना पर पुलिस टीम के साथ मौके पर छापेमार कर छह जुआरियों को गिरफ्तार 2240 रूपये व ताश के पत्ते बरामद किये। थाना प्रभारी जीतेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि पूछताछ में जुआरियों ने अपना नाम मुकेश,मनोज राजपूत, अजंनी, सूरजपाल निवासीगण मीरकनगर थाना निगोहा व गौतम, रामभरोसे निवासी सरथुवा थाना पीजीआई बताया। वहीं विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर दक्षिणी जोन की नगराम थाना पुलिस ने एक अपराधी के खिलाफगुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

27 से 31 जनवरी के बीच होगी नीट यूजी की काउंसिलिंग

लखनऊ। मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले के अंतर्गत नीट यूजी की काउंसिलिंग 27 से 31 जनवरी के बीच होगी। यह काउंसिलिंग केजीएमयू व लोहिया संस्थान में होगी। फिलहाल काउंसिलिंग को लेकर संस्थान परिसर से बाहर काउंसिलिंग कराने की रणनीति पर विचार कर रहा है। केजीएमयू अधिकारियों का कहना है कि ट्रॉमा सेंटर, क्वीनमेरी, लारी समेत दूसरे विभागों में बड़ी संख्या में मरीज इमरजेंसी में आ रहे हैं। ऐसे में परिसर में मरीज-तीमारदारों की काफी गहमागहमी रहती है। बड़ी संख्या में मरीज-तीमारदार पॉजिटिव आ रहे हैं। डॉक्टर-कर्मचारी भी संक्रमण की गिरफ्त में आ रहे हैं। ऐसे में काउंसिलिंग के दौरान अभ्यर्थी व उनके माता-पिता भी आएंगे। इससे संक्रमण के प्रसार की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। काउंसिलिंग में शामिल होने वाले बच्चों व उनके माता-पिता को संक्रमण से बचाने के लिए काउंसिलिंग के लिए सुरक्षित स्थान की तलाश की जा रही है।

संदिग्ध हालात में घर में मिला बुजुर्ग का शव

लखनऊ। राजधानी के सआदतगंज इलाके के चौपटिया कॉलोनी के एक मकान में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग की लाश हल्की चादर से ढकी हुई संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर से पुलिस ने बरामद की है। पड़ोसी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार सआदतगंज थाना क्षेत्र के चौपटिया कॉलोनी बी 2 मकान में अपने बेटे विक्की और बेटी गुड़िया के साथ रहने वाले 65 वर्षीय बुजुर्ग सतनाम सिंह की लाश आज उनके घर के कमरे के बेड पर पड़ी मिली। सतनाम सिंह के पड़ोसी रमेश चंद्र श्रीवास्तव के द्वारा पुलिस को सूचना दी गई थी। बताया जा रहा है कि मृतक सतनाम सिंह का बेटा विक्की और बेटी गुड़िया दिमागी तौर से विक्षिप्त हैं और वह घर पर नहीं मिले है। बताया जा रहा है कि मृतक सतनाम सिंह के पास एक टेंपो थी जिससे वह अपने घर का गुजारा करते थे। एसीपी बाजार खाला अनिल कुमार यादव ने बताया कि मृतक सतनाम सिंह के शरीर पर चोट के कोई ज़ाहिरा निशान नजर नहीं आ रहे हैं और उनका शव एक हल्की चादर से ढका हुआ था उन्होंने बताया कि सतनाम सिंह के दोनों बच्चे भी घर पर नहीं मिले हैं क्योंकि दोनों बच्चे विक्षिप्त बताए जा रहे हैं इसलिए यह भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि बच्चे पिता को बिना बताए हुए कहीं जा सकते हैं।

बेकाबू वाहन की टक्कर से युवक की मौत

मोहनलालगंज। तेज रफ्तार ने एक बार फिर एक व्यक्ति की जान ले ली। ज्योतिनगर मोड़ के निकट शनिवार की रात बेकाबू वाहन ने सिसेण्डी निवासी छुटकन्ना को टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मोहनलालगंज सीएचसी में सफाई का काम करके गुजारा करता था। एसआई राजेन्द्र प्रसाद ने बताया मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उसके भाई दिनेश की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर हादसे को अंजाम देकर फरार वाहन की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

राजधानी में 369 पोलिंग बूथ संवेदनशील, रहेगा पैरा मिलिट्री फोर्स का घेरा

- हर मतदाता पर रहेगी ड्रोन कैमरे की नजर
- खुराफात करने की कोशिश की तो होगी कड़ी कार्रवाईः पुलिस कमिश्नर

इस्लाहउद्दीन शेख राजा। लखनऊ

विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए कमिश्नरेट पुलिस और देहात पुलिस ने कमर कस ली है। संवेदनशील , अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों को पैरामिलिट्री जवानों के सुरक्षा के घेरे में रखने की तैयारी है। ड्रोन कैमरे की पैनी नजर हर एक मतदाता पर होगी।

मतदान के दौरान शांति भंग की कोशिश करने वालों से निपटने के लिए कमिश्नरेट पुलिस को सतर्क तो किया ही गया है साथ ही सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्स व पीएसी के जवानों को बुलाया गया है। कमिश्नरेट पुलिस और राजधानी लखनऊ की देहात पुलिस सुरक्षा के मद्देनजर अभी से ही फ्लैग मार्च निकालना शुरू कर दी है।

राजधानी लखनऊ में इस बार कमिश्नरेट व देहात क्षेत्र में कुल 369 पोलिंग बूथ संवेदनशील चिन्हित किए गए हैं, जहां पर मतदान के दौरान पैरा मिलिट्री फोर्स का घेरा रहेगा। इन पर ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी।

एडीसीपी चुनाव सेल दिगंबर कुशवाहा ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर राजधानी लखनऊ में 2140 हिस्ट्रीशीटर चिन्हित किए गए हैं। इनमें से कमिश्नरेट क्षेत्र 1794 व देहात क्षेत्र में 346 सूचीबद्ध हिस्ट्रीशीटर हैं। मतदान से पहले और मतदान के दौरान इन सभी हिस्ट्रीशीटरों के बारे में कड़ी निगरानी रखने के लिए संबंधित थानों की पुलिस को निर्देश दिए गए हैं। वहीं यह भी बताया गया कि अबतक राजधानी लखनऊ के 41 से अधिक अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जा चुकी है।

वहीं मतदान के दौरान किसी तरह की कोई गड़बड़ी न हो इसके लिए पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर सभी जोन के सर्किल अफसरों के साथ लगातार बैठकर उन्हें चौकन्ना रहने के लिए निर्देश दे रहे हैं ताकि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से निपटाया जा सकें। वहीं पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने सख्त निर्देश दिए हैं कि मतदान के दौरान किसी ने कोई खुराफात करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी कहा कि मतदान से पहले और मतदान के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की लापरवाही मिली तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस व अर्द्धसैनिक बल ने किया पैदल मार्च

लखनऊ। विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से कराने राजधानी पुलिस पूरी तरह से मैदान में उतर चुकी है। मतदान के दौरान शांति व्यवस्था क़ायम रखने के दृष्टिगत डीसीपी पूर्वी अमित कुमार आनंद, एडीसीपी पूर्वी कासिम आब्दी व एसीपी अनूप कुमार सिंह के निर्देशन में रविवार को इंस्पेक्टर बीबीडी अतुल कुमार व उपनिरीक्षक अजय शुक्ला ने सीआरपीएफजवान व पीएसी बल के साथ पूरे क्षेत्र में पैदल मार्च निकाला।

इंस्पेक्टर बीबीडी अतुल कुमार के मुताबिक विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए सुरक्षा के मद्देनजर रविवार को तिवारी गंज से होते हुए ग्राम जुग्गौर, पपनामऊ गांव, अनौरा कला गांव के अलावा कई क्षेत्रों में सीआरपीएफ व पीएसी जवानों के साथ पैदल मार्च निकाला गया। इसके अलावा चारबाग क्षेत्र में भी मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस ने कोविड का सही ढंग से पालन करने के लिए अपील की।

बेटियों को अब तक नहीं मिल सकी राजकीय डिग्री कालेज की सौगात

चुनावी मुद्दा

नवनीत तिवारी। मोहनलालगंज

आजादी के चौहत्तर बरस बाद भी मोहनलालगंज में बेटियों के लिए राजकीय डिग्री कालेज की स्थापना नहीं हो सकी है। पहले सपा और अब भाजपा सरकार के पांच वर्ष बीतने को हैं। लेकिन बेटियों को स्थानीय स्तर पर तालीम दिलाकर कामयाब बनाने के इस मुद्दे पर चुनावी वायदों के सिवा लोगों को कुछ हासिल नहीं हो सका है। लिहाजा क्षेत्र की बेटियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने लिए तकरीबन पच्चीस किलोमीटर दूर शहर जाकर दाखिला लेना पड़ रहा है। जिसकी वजह से कुछ बेटियों को इण्टरमीडिएट के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ जाती है।

- बलिकाओं की तालीम का मुद्दा सिर्फ चुनावी वादा बनकर रह गया है

मोहनलालगंज तहसील मुख्यालय पर बेटियों के लिए राजकीय डिग्री कालेज का निर्माण कराने की मांग वर्षों पुरानी है। प्राइवेट कालेजों की महंगी फीस और शहर के कालेजों की दूरी की वजह से क्षेत्र की कई बेटियों के लिए उच्च शिक्षा इक्कीसवीं सदी में भी किसी सपने के हकीकत में तब्दील होने से कम नहीं है। लिहाजा इण्टरमीडिएट की पढ़ाई पूरी करने के बाद बेटियों की तकरीबन एक तिहाई आबादी को पढ़ाई छोड़कर घर बैठना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी सिसेण्डी नगराम निगोहां और देवती इलाके में रहने वाली बेटियों को उच्च शिक्षा हासिल करने में उठानी पड़ रही है। वहीं जिन बेटियों को परिवार शहर के कालेजों में दाखिला दिला भी देते हैं उन्हें रेगुरल क्लासेज करने में ही पसीने छूट जाते हैं। जबकि नोट्स के लिए भी अमीनाबाद और रायबरेली की दौड़ लगानी पड़ती है। ऐसे में कुछ बेटियां की उच्च शिक्षा बीच में ही छूट जाती है। मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र में राजकीय बालिका डिग्री कालेज की मांग पिछली सपा सरकार के समय से ही उठती रही है। मौजूदा भाजपा सरकार में भी यह मुद्दा जनप्रतिनिधियों के सामने बार-बार उठता रहा है। लेकिन क्षेत्रीय लोगों का यह सपना फिलहाल हकीकत में नहीं बदल सका है।

क्या कहती हैं पूर्व विधायक

भारतीय जनता पार्टी में अवध क्षेत्र की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक चन्द्रा रावत ने बताया मोहनलालगंज में राजकीय बालिका डिग्री कालेज का निर्माण कराने के लिए वह शुरुआत से ही प्रयासरत रही हैं। श्रीमती रावत ने कहा क्षेत्र से विधायक रहते हुए उन्होने तत्कालीन मुख्यमंत्री से पहली मांग यही की थी। लेकिन तत्कालीन सपा सरकार ने भरोसा देने के बाद भी मोहनलालगंज में डिग्री कालेज का निर्माण नहीं कराया। मौजूदा सरकार में भी संगठन स्तर से इसकी मांग उठाई है। क्षेत्रीय सांसद और केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने भी सरकार से इसकी मांग की है। जल्द ही क्षेत्र की बेटियों को यह सौगात मिलने की पूरी उम्मीद है।

क्या कहते हैं विधायक

मोहनलालगंज से समाजवादी पार्टी के विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने बताया क्षेत्र में राजकीय बालिका डिग्री कालेज की बेहद आवश्यकता है। जिसके लिए वह पांच वर्ष के अपने कार्यकाल में सड़क से लेकर विधानसभा सदन तक मांग कर चुके हैं। डिप्टी सीएम से मिलकर उन्हें भी डिग्री कालेज निर्माण के लिए उन्हें मांग पत्र सौंपा गया। फिर भी भाजपा सरकार ने मोहनलालगंज में बालिका डिग्री कालेज का निर्माण कराने में दिलचस्पी नहीं ली। चुनाव के बाद सपा सरकार बनते ही प्राथमिकता के तौर पर बालिका डिग्री कालेज का निर्माण कराया जाएगा।

गणतंत्र दिवस के पूर्व हजरतगंज में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते एडीसीपी सेंट्रल सहित अन्य पुलिस अधिकारी

कवि शिरोमणि अशोक पांडेय 'अनहद' को मिला क्रांति दूत सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

साहित्यगंधा द्वारा सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर साहित्यगंधा के सुभाष व विवेकानंद अंक का लोकार्पण एवं ओजस्वी कवि अशोक पांडेय अनहद को चौथे क्रांतिदूत सम्मान-2022 से सम्मानित किया गया। अनिल अग्रवाल साहित्यगंधा के संपादक, सर्वेश अस्थाना, मुकुल महान व 'अवधी विकास संस्थान के अध्यक्ष विनोद मिश्रा ने अनहद जी को शाल प्रतीक चिन्ह से क्रांतिदूत सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर सुभाष रसिया के संयोजन और राजीव वत्सल के संचालन तथा विनोद शंकर शुक्ल की अध्यक्षता में काव्य समारोह हुआ जिसमें वर्षा श्रीवास्तव की वाणी वंदना के उपरांत कृष्ण कुमार मौर्य सरल, अशोक अग्निपथी, योगेश चौहान, सोमनाथ कश्यप, अवधी हरि, प्रमोद द्विवेदी, अलका अस्थाना, प्रतिभा श्रीवास्तव, श्रीश दीक्षित, हर्षित मिश्रा, संध्या, योगी योगेश शुक्ल, अभिश्रेष्ठ, संतोष सिंह, शाहबाज तालिब ने ओजस्वी कविताओं का पाठ किया।

एक अनोखा प्रयास, कोई भूखा न रहे आस-पास

- 24 घंटे चलता है ओम नमः शिवाय आश्रम का भंडारा
- प्रयागराज के माघ मेले में हजारों श्रद्धालुओं को रोज मिलता है भोजन
- लाकडाउन के दौरान लखनऊ समेत कई शहरों में चला अनवरत भंडारा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ समेत कई नगरों में ओम नमः शिवाय आश्रम का अनोखा भंडारा संचालित होता है। यह भंडारा 24 घंटे अनवरत चलता है और आश्रम के स्वयंसेवकों का प्रयास रहता है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहने पाये। कोरोना के प्रथम और द्वितीय चरण में लाकडाउन के दौरान ओम नमः शिवाय आश्रम के भंडारे से लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर और अयोध्या में प्रत्येक दिन लाखों लोगों को स्वच्छ और ताजे खाने की व्यवस्था की गई। इस समय प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में आश्रम के भंडारे से प्रतिदिन हजारों साधु संतों और श्रद्धालुओं को भोजन कराया जा रहा है। खास बात यह है कि ओम नमः शिवाय आश्रम के संस्थापक जिन्हें श्रद्धालु बड़े आदर के साथ गुरुदेव अथवा प्रभुजी कहते हैं, वह इस अभियान में कहीं भी अपने नाम को प्रचारित व प्रसारित करने से परहेज करते हैं। बहुत कुरेदने पर कहते हैं कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में आदि काल से अन्न दान का विशेष महत्व रहा है। देश में धार्मिक व आध्यात्मिक स्थलों पर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं और भक्तों का आवागमन होता रहता है। इन श्रद्धालुओं में साधु-संत और महात्मा के अतिरिक्त तमाम गरीब भक्त भी होते हैं। इन सब को भर पेट भोजन कराने के उद्देश्य से धार्मिक स्थलों पर अन्न क्षेत्र यानि भंडारे का संचालन होता है।

> गुरुदेव का मानना है कि ओम नमः शिवाय वह महामंत्र है जिसका सच्चे मन से उच्चारण करने से दैहिक, दैविक और भौतिक सभी कष्टों का समूल नाश होता है।

उन्होंने बताया कि ओम नमः शिवाय आश्रम द्वारा तीर्थराज प्रयाग में प्रत्येक वर्ष लगने वाले माघ मेले और छह वर्ष पर अर्ध कुम्भ और 12 साल पर आयोजित होने वाले कुम्भ मेले के अवसर पर विहंगम भंडारे का आयोजन पिछले 40 वर्षों से लगातार जारी है। इस समय प्रयागराज में माघ मेला चल रहा है। मेला प्रारम्भ होने से पहले ही ओम नमः शिवाय आश्रम का भंडारा वहां संचालित होने लगा। यह भंडारा 24 घंटे अनवरत जारी रहता है और प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं को भरपेट भोजन कराया जाता है। आश्रम के गुरुदेव का मानना है कि ओम नमः शिवाय वह महामंत्र है जिसका सच्चे मन से उच्चारण करने से दैहिक, दैविक और भौतिक सभी कष्टों का समूल नाश होता है। इस महामंत्र के जाप से तमाम श्रद्धालुओं को शारीरिक कष्टों से मुक्ति भी मिली है। आश्रम द्वारा नशा मुक्ति समाज की स्थापना, स्वच्छता मिशन और बच्चों व महिलाओं में अच्छे संस्कार के अभियान भी चलाए जाते हैं।

एक सवाल के जवाब में आश्रम के गुरुदेव कहते हैं कि मनुष्य के लिए राष्ट्र धर्म ही सर्वोपरि है। जब राष्ट्र ही नहीं रहेगा तो धर्म का निर्वहन कैसे होगा? सभी को मिलकर पहले राष्ट्र को मजबूत करना चाहिए। इसके लिए सभी जातिबंधन, सामाजिक कुरीतियों और विकृतियों को तिलांजलि देना होगा। परिवार समाज की प्रथम इकाई है। परिवार के अंदर नकारात्मक भाव से रहित होकर प्रेम पूर्वक रहना चाहिए।

अपना दल कार्यालय पर विभिन्न दलों से आए लोग पार्टी में शामिल हुए

खादी ग्रामोद्योग के सहायक विकास अधिकारी, पत्नी व बेटे के खिलाफ ठगी का मुकदमा दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

खादी ग्रामोद्योग के सहायक विकास अधिकारी उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ विभूतिखंड थाने में ठगी का मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंस्पेक्टर विभूतिखंड आशीष मिश्रा के मुताबिक विक्रांतखंड 3 पारिजात अपार्टमेंट निवासी पीड़ित बृजकिशोर ने प्रार्थनापत्र में आरोप लगाया है गया कि खादी ग्रामोद्योग के सहायक विकास अधिकारी लक्ष्मीकांत नाग उनकी पत्नी सुशीला जायसवाल और बेटे रवि कुमार ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनकी फ र्म को हड़पने की कोशिश की है। बृजकिशोर ने बताया कि लक्ष्मीकांत नाग उनकी पत्नी और बेटे ने 13 लाख रुपये भी हड़प लिए हैं। जब रुपयों की मांग की तो उन्होंने उसके बदले प्लॉट देने का दावा किया लेकिन वो भी नहीं दिया। रुपयों न मिलने पर विरोध किया तो लक्ष्मीकांत ने धमकी दी। बृजकिशोर के मुताबिक बीते दो जून को उनकी पत्नी शालिनी की कोविड से मृत्यु हो गई थी।

इस बीच सुशीला उनके पति और बेटे ने मिलकर मकान का फर्जी किरायानामा तैयार कर लिया और शोरूम पर भी स्वामित्व होने का दावा करने लगे। परेशान होकर पीड़ित ने डीसीपी पूर्वी अमित कुमार आनंद को मामले की जानकारी दी। दस्तावेजों की डीसीपी ने जांच कराई। इसके बाद रविवार को लक्ष्मीकांत नाग उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

सुभाष रत्न से सम्मानित हुईं 21 विभूतियां

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस पत्रकार एसोसिएशन की ओर से रविवार को सीतापुर रोड स्थित मां वैष्णो गेस्ट हाउस में संगठन का 15वां वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में रिटायर्ड जज चंद्र भूषण पांडेय मुख्य अतिथि और विधायक डॉ नीरज बोरा बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य व विशिष्ट अतिथि ने समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 21 विभूतियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कवि प्रमोद शुक्ला, रेनू द्विवेदी, शिवाराम मिश्रा, प्रदीप कुमार ने वीर व हास्य रस से सरावोर कविताएं प्रस्तुत कर मौजूद लोगों की वाहवाही बटोरी। इस मौके पर संगठन के संरक्षक शैलेन्द्र शुक्ला, चेयरमैन नवल किशोर त्रिपाठी, एडवोकेट सुरेश चंद्र शुक्ला, पार्षद अमित मौर्य, डॉ. नलिनी खन्ना, डॉ. इंदु सुभाष, प्रहलाद सिंह समेत सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

बालिका दिवस पर वर्चुअल संवाद आज

सरोजनीनगर । आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत जन शिक्षण संस्थान सानि. एवं एमवा द्वारा सोमवार को बालिका दिवस का आयोजन किया जाएगा। जन षिक्षण संस्थान के निदेषक सौरभ खरे ने बताया कि वर्चुअल माध्यम से आयोजित किये जाने वाले इस कार्यक्रम में कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालयों के साथ ही जन शिक्षण संस्थान की प्रतिभागियों के लिए शिक्षा, हुनर एवं स्वालंबन में महिलाओं की भूमिका, राष्ट्रवाद में महिलाओं का योगदान एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं जैसी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। सोमवार को दोपहर तीन बजे से साय पांच बजे तक जन शिक्षण संस्थान की सफल बालिकाओं-अनुदेशिकाओं के साथ एक वर्चुअल संवाद स्थापित करते हुए बालिकाओं के संबंध में केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी विभिन्न विभागों के वक्ताओं द्वारा प्रदान की जाएगी।

विधानसभा क्षेत्र सदर राबटर्सगंज में राजनैतिक माहौल गरमाया

- प्रदेश सरकार के तीन मत्रियों समेत लगभग एक दर्जन विधायकों के भाजपा छोड़ने का भी है भी राजनैतिक असर

संवाददाता। सोनभद्र

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ जनपद सोनभद के सदर विधानसभा क्षेत्र रावटर्सगंज मे राजनैतिक माहौल गरमा गया है जहां प्रमुख राजनैतिक दलों मे भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी प्रमुख रूप से जीत हार की लडाई मे रहे हैं। 2017 मे भारतीय जनता पार्टी के भूपेश चौबे 89932 मत प्राप्त कर सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए थे। दूसरे नंबर पर रहे समाजवादी पार्टी के अविनाश कुशवाहा को 49394 मत व तीसरे नंबर पर रहे बहुजन समाज पार्टी के सुनील सिंह यादव को 39336 मत प्राप्त हुए थे। हालांकि जनपद सोनभद की सभी चारों विधानसभा क्षेत्रों से भारतीय जनता पार्टी व समर्थित दल के ही प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी पर जनपद सोनभद के सदर विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज करने वाले भूपेश चौबै एक मात्र ऐसे प्रत्याशी थे जो भारतीय जनता पार्टी कैडर के रहे है। श्री चौबे पिछले लगभग तीन दशक से भी अधिक समय से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जनपद व प्रदेश के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के जिलाध्यक्ष प्रदेश कार्य समिति के सदस्य समेत अन्य पदों पर रहने के साथ ही राजनैतिक व सामाजिक रुप से सक्रिय रहे श्री चौबे सदर विधानसभा क्षेत्र से 89932 मत प्राप्त कर विधायक निर्वाचित हुए थे। बाकी सोनभद के अन्य दो विधानसभा क्षेत्र ओबरा,घोरावल मे भले ही भाजपा प्रत्याशी के रुप में संजय गौड व डा. अनिल कुमार मौर्या को जीत मिली हो पर दोनों ही प्रत्याशियों का पुराना इतिहास अन्य राजनैतिक दलों से ही रहा है। भाजपा गठबंधन की मजबूत सहयोगी अपना दल भी जनपद सोनभद मे मजबूत स्थिति में हैं संसदीय क्षेत्र रावटर्सगंज से सांसद पकौड़ी लाल कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल विधानसभा क्षेत्र दुद्धी से विधायक हरीराम चेरो क्षेत्र पंचायत बभनी प्रमुख व करमा के प्रमुख भी अपना दल के ही है। ऐसे मे भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन की प्रमुख सहयोगी अपना दल भी सोनभद के दो तीन विधानसभा क्षेत्र अपने लिए मांग रहीं हैं। भाजपा से प्रदेश सरकार के मत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्या,दारा सिंह चौहान, व धर्म सिह सैनी समेत लगभग एक दर्जन विधयकों के भाजपा से त्यागपत्र देने के बाद एक तरह का राजनैतिक दबाव भी भारतीय जनता पार्टी पर है ऐसे मे भाजपा अपना दल को सोनभद्र मे विधानसभा की कितनी सीटें देगी, देगी भी या नहीं यह कह पाना आसान नहीं है। पर बिल्कुल नजर अंदाज कर पाने की स्थिति में भी राजनैतिक तौर पर भाजपा बर्तमान समय में नहीं है। देश के सबसे बडे राज्य उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा तिथि निर्धारित किये जाने के बाद से ही रोज बनते बिगडते समीकरण व सोशल मीडिया व जन चर्चाओं से आ रही तरह तरह की अपुष्ट खबरों ने सोनभद के राबट्र्सगंज विधानसभा क्षेत्र को लेकर राजनैतिक माहौल गरमा दिया है जो पिछ्ले ल बे समय से चर्चाओं में है। बाते व चर्चाएं सिर्फसत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को लेकर ही हो ऐसा नहीं है। अन्य दलो के स भावित प्रत्याशियों को लेकर भी गावों से लेकर नगरो के चट्टी चौराहों व चौपालों पर राजनैतिक चर्चाएं तेज हो गई है। लोग अपनें अपने तरह से राजनैतिक दलों व प्रत्याशियों को लेकर चर्चाएं कर रहे हैं। इतना जरूर है कि विधानसभा क्षेत्र रावटर्सगंज को लेकर कुछ ज्यादे ही चर्चाएं है। इसका भी प्रमुख कारण सदर विधानसभा क्षेत्र होना ही है। परिणाम क्या होगा यह तो 07 मार्च को होने वाले मतदान व 10 मार्च 2022 को होने वाली मतगणना के बाद ही तय हो पायेगा पर इतना जरूर है कि अत्यधिक पड रही ठंड में राजनैतिक जन चर्चाओं ने गरमी जरूर ला दिया है।

कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष ने प्रेस वार्ता में जारी किया पार्टी घोषणापत्र

मिर्जापुर। कांग्रेस पार्टी के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष दीपचन्द जैन ने रविवार को मिशन क पाउण्ड स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता कर पार्टी द्वारा जारी घोषणा पत्र को जारी किया। इस आशय की जानकारी पार्टी प्रवक्ता छोटे खान ने दी। कार्यवाहक अध्यक्ष ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि प्रदेश में पार्टी प्रियंका गांधी व राहुल गांधी के नेतृत्व में बड़ी मजबूती के साथ लड़ेंगी। पार्टी ने युवाओं और महिलाओंए किसानों बुनकरोंए व्यापारियों और मजदूरों के उत्थान के लिए सामाजिक संस्था को ध्यान में रखकर ही कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में अपने वचनबद्धता को दोहराया है कांग्रेस की सरकार बनने पर इन सभी बिंदुओं पर कांग्रेस युद्धस्तर पर काम करेगी। पार्टी के घोषणा पत्र में 20 लाख रोजगार व इसमें 08 लाख महिलाओं को रोजगार देने की बात को शामिल किया गया है। जिससे युवाओं को सरकारी नौकरी में मिलने वाली मुश्किल काफी हद तक कम हो जायेगी। पार्टी द्वारा जारी घोषणा पत्र में 21 बिन्दुओं को रखा गया है। जिसमें प्रमुख रूप से नौकरियों के सृजनए 2019 से खाली चार लाख रिक्त पदों को भरने जैसी प्रमुख बातों को रखा गया है।

हाट बाजार में कोरोना गाइड लाइन की जमकर उड़ रहीं धज्जियां

संवाददाता। सकलडीहा चंदौली

तहसील और पुलिस प्रशासन की मौन सहमति से कस्बा में खुलेआम सैकड़ों की सं या में दुकान लगाकर हाट बाजार का संचालन हो रहा है। जिसके कारण कोरोना का संक्रमण बढ़ने का खतरा को लेकर आसपास के लोग परेशान है। इसके बाद भी जिला प्रशासन से लेकर पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौन साधे हुए है। इससे फ्रंटलाइन कोरोना वारियर्स में काफी आक्रोश बढ़ने लगा है।

कोरोना महामारी की बढ़ती ग्राफ को लेकर चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों के सभी चुनावी सभा पर 31 जनवरी तक रोक लगा दिया है। छोटी मोटी सभा से लेकर इक्ट्ठा होकर बात करने पर भी पाबंदी है। लोकतंत्र के पर्व में शोर शराबा बंद है। इसके बाद भी सकलडीहा कस्बा में खुलेआम प्रत्येक रविवार को अलीनगर मार्ग पर सैकड़ों की सं या में छेटी बड़ी दुकाने लगवाकर हाट बाजार का संचालन हो रहा है। जहां काफी सं या में महिला और बच्चों के साथ स्थानीय लोग खरीदारी करते है। जहां न तो मास्क और सेनेटाइजर की व्यवस्था है। न तो दुकानदारों द्वारा इसके प्रति जागरूक किया जा रहा है। ऐसे में कोरोना का खतरा को लेकर आसपास के लोग असंमजस में है। इसके बाद भी स्थानीय पुलिस और तहसील प्रशासन मौन साधे हुए है। जिसे लेकर फ्रंट लाइन वर्करों में आक्रोश है। इस बाबत सीओ अनिरूद्ध सिंह ने बताया कि बगैर परमिशन के संचालित हाट बाजार संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

सपा ने हज हाउस बनवाया और हमने कैलाश मानसरोवर भवन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि सपा सरकार ने अपने शासनकाल में गाजियाबाद में हज हाउस बनवाया था, जबकि उनकी सरकार ने कैलाश मानसरोवर भवन की स्थापना कराई है।

योगी ने गाजियाबाद में कहा, "इससे पहले गाजियाबाद में हज हाउस का निर्माण कराया गया था। हमारी सरकार ने यहां कैलाश मानसरोवर भवन बनवाया है। पूर्व में माफिया लोग व्यापारियों को प्रताड़ित करते थे, लेकिन अब कोई भी माफिया किसी कारोबारी, डॉक्टर या गरीब व्यक्ति की संपत्ति हड़पने का साहस नहीं कर सकता। अगर कोई ऐसा करता है तो बुलडोजर चलेगा।" मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्व में गरीबों के लिए आवंटित राशन अन्न माफिया के जरिए बांग्लादेश में दिया जाता था, मगर आज अनाज सीधे गरीबों तक पहुंच रहा है और 15 करोड़ लोगों को मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार अनाज की डबल डोज दे रही है। गौरतलब है कि सितंबर 2016 में तत्कालीन सपा सरकार के कार्यकाल में गाजियाबाद में हज हाउस का उद्घाटन हुआ था, जबकि कैलाश मानसरोवर भवन का लोकार्पण दिसंबर 2020 में किया गया था। योगी ने कहा, "वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में लोगों को बिजली नहीं होती थी। जो लोग आज 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की बात कर रहे हैं उनसे यह पूछा जाना चाहिए कि आखिर अपने शासनकाल में उन्होंने बिजली क्यों नहीं दी जिसकी वजह से लोग अंधेरे में रहने के आदी हो गए? क्योंकि चांदनी रात चोरों को अच्छी नहीं लगती है। यही वजह है कि सपा लोगों को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रही है और नए-नए वादे करने में व्यस्त है।" सपा के सत्ता में आने पर पुरानी पेंशन बहाल करने के अखिलेश यादव के वादे के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, "वह कहते हैं कि पुरानी पेंशन बहाल करेंगे। जब पुरानी पेंशन रोकी गई थी तब उनके अब्बा जान (मुलायम सिंह यादव) ही मुख्यमंत्री थे।

लापरवाही के चलते 249 पंचायत भवनों का निर्माण अधर में!

बस्ती। पंचायत भवनों के जरिए गांव वालों को सारी सुविधा देने की मंशा पर प्रधान और सेक्रेटरी पानी फेर रहे हैं। हालत यह है, कि जो पंचायत भवन कई माह पहले बन जाने चाहिए थे वे आज तक निर्मित्त नहीं हो सका। सात ग्राम पंचायतों में अभी तक तहसील वाले भूमि तक उपलब्ध नहीं करा सके। 1185 पंचायत भवन में से अभी तक 936 का ही निर्माण हो सका, जब कि धन की कोई कमी नहीं है। अधिकतर भवनों का निर्माण तो पुराने और नए प्रधानों के बीच कमीशन को लेकर रुका हुआ है। निर्माण पूरा करने के लिए डीएम, सीडीओ और डीपीआरओ की ओर से अनेक पत्र के जरिए आदेश और निर्देश दिए जा चुके है। बावजूद निर्माण को पूरा करने में ग्राम पंचायतें रुचि नहीं ले रही है। पंचायत भवनों के जरिए सरकार गांव वालों को सभी सुविधा कराना चाहती, जिसके लिए गांव वालों को शहर की ओर जाना पड़ता था।

शामली में बारिश के बाद छत ढहने से चार लोगों की जान गई

मुजफ्फरनगर। शामली जिले में बारिश के बाद एक घर की छत ढह जाने की घटना में एक ही परिवार के चार सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा शनिवार को गढ़ी हसनपुर गांव में हुआ। पुलिस ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान हुए नुकसान का आकलन करने के लिए एक राजस्व दल घटनास्थल पहुंचा।

सड़क हादसे में चार वर्षीय बच्चे समेत दो लोगों की मौत

बलिया। बलिया जिले में मनियर थाना क्षेत्र के बहदुरा गांव में रविवार की सुबह कार की चपेट में आने से चार वर्षीय एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, बहदुरा गांव में रविवार सुबह एक कार ने अनियंत्रित होकर दो लोगों को टक्कर मार दी, जिससे दिनेश शर्मा (48) एवं सोनी (चार) की मौत हो गई। पुलिस उपाधीक्षक प्रीति त्रिपाठी ने बताया कि दो छात्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की परीक्षा देने के लिए कार से जिले के सिकंदरपुर तहसील क्षेत्र में बंशीबजार परीक्षा केंद्र जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बहराइच में बाघ और तेंदुए के हमलों में एक पखवाडे में पांचवें बच्चे की मौत

बहराइच। जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मोतीपुर रेंज में तेंदुए के हमले में छह वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। बीते एक पखवाड़े में जिले के विभिन्न स्थानों पर तेंदुए और बाघ के हमलों में यह पांचवें बच्चे की मौत है। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के वन अधिकारी आकाशदीप बधावन ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि प्रभाग के अंतर्गत मोतीपुर रेंज के नौसर गुमटिहा गांव का इलियास शनिवार को हमला प्रभावित क्षेत्र में पिंजरा लगाने में वनकर्मियों की मदद कर रहा था। उन्होंने कहा कि इलियास का छह वर्षीय पुत्र साहिल कुछ बच्चों के साथ घर के बाहर आंगन में खेल रहा था कि तभी जंगल से निकलकर आए तेंदुए ने उसकी गर्दन दबोच ली। बधावन ने कहा कि ग्रामीणों ने शोर मचाया तो तेंदुआ साहिल को छोड़कर जंगल की तरफ चला गया और जब तक ग्रामीण व वनकर्मी बच्चे के पास पहुंचे तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

आगरा में जलती चिता से पुलिस ने उठाए विवाहिता के अवशेष

आगरा। थाना फतेहपुरसीकरी क्षेत्र के गांव दुलारा में रविवार तड़के एक विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। ससुरालीजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। मायकापक्ष ने ससुरालियों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया। जिसके बाद पुलिस ने चिता से शव के अवशेष उठाकर पोस्टमार्टमगृह भेज दिए हैं। इस संबंध में रविवार को सीओ अछनेरा महेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्वाई की जाएगी। मिली जानकारी अनुसार कागारौल के अकोला निवासी छीतर सिंह ने बताया कि उनकी बहन सोनिया और बबली की शादी 29 अप्रैल 2018 को फतेहपुरसीकरी के गांव दुलारा निवासी हरेंद्र और शैलेंद्र से हुई थी। शादी के बाद बबली अपने पति के साथ नौकरी पर चली गई, सोनिया से उसके पति हरेंद्र और ससुर हरपाल दहेज को लेकर खुश नहीं थे। वे दो लाख रुपए दहेज की मांग कर रहे थे। दहेज न मिलने पर उन्होंने सोनिया से मारपीट की और उसे घर से निकाल दिया। रिश्तेदारों ने समझा बुझाकर सोनिया को फिर ससुराल भेज दिया था। रविवार को गांव दुलारा से किसी व्यक्ति ने फोन करके उन्हें बताया कि सोनिया की हत्या कर उसके शव को जला दिया गया है। उन्होंने तभी यूपी 112 पर काल करके शिकायत की। इसके बाद पुलिस के साथ वे गांव दुहारा पहुंचे। तब तक शव के कुछ अवशेष ही चिता पर बचे थे। पुलिस ने शव के अवशेष कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। छीतर सिंह की तहरीर पर थाना फतेहपुरसीकरी में पति हरेंद्र सास अरुणा, ससुर हरपाल व दो अन्य के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। इस संबंध में रविवार को सीओ अछनेरा महेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्वाई की जाएगी।

शामली जिले में शराब के 119 कार्टन जब्त: मुजफ्फरनगर। हरियाणा में बनी शराब के 119 कार्टन रविवार को उत्तर प्रदेश के शामली जिले में जब्त किए गए और राज्य में कथित रूप से शराब की तस्करी करने को लेकर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि करनाल-मेरठ राजमार्ग पर झिनझाना थाना क्षेत्र में एक स्थान पर एक कार को रूकवाने के बाद उससे यह शराब जब्त की गई।

टीईटी परीक्षा में 84.15 फीसद अभ्यर्थी रहे उपस्थित

प्रथम पाली में 83.09 और द्वितीय पाली में 85.72 प्रतिशत अभ्यर्थी रहे उपस्थित

कमिश्नर, आईजी, डीएम व एसपी सिटी ने किया परीक्षा केंद्रों का गहन निरीक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा यूपी टीईटी 2021 की परीक्षा रविवार को प्रयागराज में सकुशल सम्पन्न हो गई। यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित हुई। पहली पाली की परीक्षा सुबह दस से साढ़े बारह बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा ढाई बजे से पांच बजे तक हुई। टीईटी के लिए प्रदेश में प्रथम पाली में प्राथमिक स्तर पर कुल 2532 एवं द्वितीय पाली में उच्च प्राथमिक स्तर पर 1733 परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे।बता दें परीक्षा के दौरान औद्योगिक क्षेत्र में एक केंद्र पर दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहे सॉल्वर को एसटीएफ ने दबोचा है। वहीं परीक्षा में दूसरे की जगह परीक्षा दे रहा युवक गिरफ्तार किया गया। वह इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से नकल कर रहा था। यह मामला प्रतापगढ़ के साकेत गर्ल्स इंटर कॉलेज का था। सचिव ने बताया कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। परीक्षा में प्राथमिक स्तर में 1291627 अभ्यर्थियों के सापेक्ष कुल 1073302 अभ्यर्थियों यानी करीब 83ण्09 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे। जबकि द्वितीय पाली की परीक्षा में 873552 अभ्यर्थियों के सापेक्ष कुल 748810 यानी करीब 85ण्72 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे। दोनों पालियों में मिलाकर कुल 2165179 अभ्यर्थियों के सापेक्ष कुल 1822112 अभ्यर्थियों यानी करीब 84ण्15 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।परीक्षा नियामक प्राधिकारी उत्तर प्रदेश के सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि परीक्षा में प्रदेश में लगभग 162511 कक्ष निरीक्षक 8530 पर्यवेक्षक 1423 सचल दस्ता तथा सहयोग हेतु 5814 तृतीय श्रेणी एवं लगभग 14059 चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी लगाए गए थे। श्री चतुर्वेदी ने बताया कि संशोधित उत्तर माला 25 जनवरी और परिणाम 25 फरवरी को जारी होगा। सचिव अनिल भूषण ने बताया कि परीक्षा के दौरान कई जनपदों में प्रश्नपत्र लीक होने की सोशल मीडिया पर पोस्ट वारयल किये गये। जिसका संज्ञान लेते हुए वायरल पोस्ट पर मुद्रित प्रश्नों का मिलान मूल प्रश्न पुस्तिका के प्रश्नों से कराये जाने पर गलत एवं भ्रामक पाया गया। इस सम्बंध में पुलिस द्वारा दोषी के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। उधर मण्डलायुक्त संजय कुमार गोयल आईजी रेंज डा राकेश सिंह जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने रविवार को आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा 2021 से सम्बंधित परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया। मण्डलायुक्त एवं आईजी ने जीआईसी केपी इण्टर कालेज सहित अन्य परीक्षा केन्द्रों एवं जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने बीबीएस इण्टर कालेज शिवकुटी डीपी गर्ल्स इण्टर कालेज कर्नलगंज इण्टर कालेज शैल शिक्षा निकेतन इण्टर कालेज नैनी मां गायत्री पीजी कालेज नैनी सहित अन्य परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए परीक्षा को सकुशल एवं सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर एसपी सिटी दिनेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

गुरसहायगंज में शस्त्र फैक्ट्री का भण्डाफोड़, तीन गिरफ्तार

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष व सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के कस्बा समधन स्थित एक मकान में छापेमारी कर अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। जहां भारी मात्रा में बने अध बने असलहे व बनाने के उपकरण बरामद करते हुए तीन लोगों को हिरासत में ले कर कार्यवाही की है। रविवार की सुबह पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा के निर्देशन में आगामी विधान सभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ उपनिरीक्षक मोह मद तौकीर ने अपराध नियंत्रण हेतु गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के कस्बा समधन से ग्राम लखइयामऊ जाने वाले मार्ग पर रेलवे क्रासिंग के निकट एकांत में बने मकान में छापेमारी कर तीन लोगों को अवैध शस्त्र बनाते हुये हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मौके से निर्मित/अर्द्ध निर्मित अवैध शस्त्र, 01 अधिया बन्दूक 12 बोर चालू हालत मे, 03 तमंचा 12 बोर चालू हालत मे, 04 तमंचा 315 बोर चालू हालत मे, 02 कारतूस जिन्दा 12 बोर, 02 खोखा कारतूस 12 बोर, 02 कारतूस जिन्दा 315 बोर, 02 खोखा कारतूस 315 बोर, एक नाल लोहा करीब 02 फिट तथा शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए है। पुलिस हिरासत में मौजूद आरोपितों ने अपना नाम राशिद पुत्र स्व0 सादिक निवासी समधन, पप्पू उर्फ इरसाद पुत्र वसीर व इस्लाम पुत्र यासीन निवासीगण कस्बा व थाना मोह मदाबाद जनपद फर्रूखाबाद बताया है। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

दुष्कर्म के बाद घोंटा गया था मासूम का गला

संवाददाता। फर्रूखाबाद

दो दिन पूर्व जनपद कन्नौज अगवा की गयी किशोरी की हत्यारों नें उसी दिन दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या कर दी थी। रविवार को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा में शव का पोस्टमार्टम कराया। माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए अधिकारी पोस्टमार्टम होनें तक पल-पल की जानकारी पर नजर लगाये रहे।जनपद कन्नौज कोतवाली गुरसहायगंज के गाँव मोहनपुर रतनपुर निवासी उमेश शर्मा की 10 वर्षीय पुत्री पुष्पा 20 जनवरी को घर के बाहर खेलते समय लापता हो गयी थी। घटना के स बन्ध में परिजनों नें कोतवाली गुरसहायगंज में रिपोर्ट भी दर्ज करायी लेकिन पुलिस जाँच में हिलाहबाली के चलते उसकी तलाश का काम पुलिस नें शुरू नही किया। जिससे बेखौफ हत्यारे किशोरी पुष्पा को अगवा करनें के बाद मात्र 10 किलोमीटर दूरी पर ले गये और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करनें पर उसको बेहरमी से मारापीटा भी। जिसका उल्लेख पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है। पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के मुताबिक पुष्पा के नाजुक अंग के अलावा गाल, गले पैर के पंजो में, नाक, होठ व सीने पर लगभग एक दर्जन चोटे पायी गयी है। मौत का स भावित समय 48 घंटे पूर्व गला घोटा जाना बताया गया है।

बालिका की निर्मम हत्या के बाद माहौल के हालतों को देखते हुए पुलिस प्रशासन नें पोस्ट मार्टम के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की। साथ ही अधिकारी पोस्टमार्टम कार्यवाही की जानकारी करते रहे। शव का पोस्टमार्टम डॉ0 अमित अग्रवाल व डॉ0 संध्या वर्मा के पैनल ने किया।

पोस्टमार्टम कार्यवही की वीडियो ग्राफी भी करायी गयी। चिकित्सकों के पैनल नें डीएनए जाँच हेतु नाखून व बाल के नमूने व दुष्कर्म की पुष्टि के लिए स्लाइड भी सुरक्षित की है। रविवार को जनपद कन्नौज व फर्रूखाबाद के पुलिस अधीक्षकों ने मौके का जायजा लिया और अवश्यक निर्देश दिये। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद व कांग्रेस प्रत्याशी लुईस खुर्शीद आदि पोस्टमार्टम में पंहुचे और हालचाल लिये।

मासूमों से दुष्कर्म के दो वांछित गिरफ्तार

फर्रूखाबाद। जनपद पुलिस ने मासूमों से दुष्कर्म मामले में वांछित दो आरोपियों को गिर तार कर उनका न्यायालय के लिए चालान किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। शमसाबाद थाना पुलिस नें गत दिनों गाँव सिकन्दरपुर महमूद घर में अकेली 15 वर्षीय दलित किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी मोहल्ला तराई निवासी नसीम उर्फबबलू को गिर तार कर लिया। जबकि फ्तेहगढ़ कोतवाली पुलिस नें गाँव कुटरा निवासी इंद्रजीत को 21 जनवरी की शाम गांव की ही आठ वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में गिर तार कर चालान कर दिया। न्यायालय नें उसे जेल भेज दिया।

सीएमएस ने दंत रोग विशेषज्ञ को किया सम्मानित

मऊ। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉण् बृज कुमार ने नोडल अधिकारी कायाकल्प व जिला संयुक्त चिकित्सालय के वरिष्ठ दंत रोग विशेषज्ञ डॉण् सीपी आर्या को जिला अस्पताल के कायाकल्प के अंतिम अस्सेस्मेंट वर्ष 2021.22 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करते हुए जिम्मेदारी का निर्वहन करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए सम्मानित किया। इस दौरान सीएमएस डॉण् बृज कुमार ने कहा कि कोविड काल के दौरान चिकित्सकों के कंधों पर काफी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ कर रहे हैं। सम्मान समारोह के दौरान जिला अस्पताल के वरिष्ठ दंत रोग विशेषज्ञ डॉण् सीपी आर्या ने कहा कि चिकित्सक आजीवन मरीजों की निष्ठा के साथ सेवा करता है। उन्होने युवा चिकित्सकों को भी निष्ठा व ईमानदारी के साथ दायित्वों का निर्वहन करने पर बल दिया।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में अवैध हथियारों की फैक्टरी का भंडाफोड़

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में खतौली थाना क्षेत्र के बुढाना बाईपास रोड पर एक अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़ कर भारी मात्रा में हथियार जब्त किए गए हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शनिवार की रात छापेमारी के दौरान 16 पिस्तौल, 11 बैरल और कई अर्धनिर्मित पिस्तौल जब्त की गईं। इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। यह छापेमारी उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले क्षेत्र में अवैध हथियार निर्माताओं को पकड़ने के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा थी। नई मंडी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को भी एक हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़ कर कई हथियार बरामद किए गए थे।

महिला टोली ने ठाना है

शत-प्रतिशत मतदान कराना और कोरोना को भी है हराना

रायबरेली। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने जनपद में शत-प्रतिशत मतदान कराने हेतु रणनीति बनाई है। जिसके लिए महिला टोली टीमों का गठन किया गया है। महिला टोली द्वारा लोगों को उनके मताधिकार के लिए जागरूक किया जा रहा है तथा लोगो कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए जागरूक कर कोरोना वैक्सीन कि दोनों डोज अवश्य लगाए जाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

महिला टोलियो ने ठाना है अबकी बार शत प्रतिशत मतदान कराना है। आगामी 23 फ़रवरी व 27 फरवरी 2022 को मतदान के दिन अपने अपने क्षेत्रों में शत प्रतिशत लोगों को मतदान कराना है। कम मतदान वाले बूथों पर स्वीप कार्यक्रम के तहत जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। सर्वाधिक महिला, दिव्यांग व नए मतदाताओं वाले बूथों का चयन किया गया है। विभिन्न प्रकार के वेबिनार आयोजन के साथ स्लोगन, पोस्टर, पेटिंग आदि प्रतियोगिता कर लोगों को मतदान के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों को चिन्हित किया गया है। ऐसे बूथों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वोट का महत्व और भारतीय नागरिक होने के नाते मताधिकार का प्रयोग के बारे में प्रोत्साहित किया जाएगा।

शिक्षकों और मीना मंच ने चलाया साझा मतदाता जागरूकता अभियान

रायबरेली। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को निष्पक्ष, बिना भय एवं लालच के सकुशल संपन्न कराने एवं आम मतदाताओं को अपने अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जनपद के हरचंदपुर विधानसभा के विकासखंड खीरों के बीआरसी सभागार में शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ कस्बे में मतदाता जागरूकता रैली को खंड शिक्षा अधिकारी खीरों मुकेश कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।स्वीप सहयोगी एस.एस पाण्डेय ने बताया कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में शिक्षकों के साथ साथ मीना मंच सुगम करता टीम द्वारा प्रतिभाग किया गया और सभी को खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा अपने अपने विद्यालय के सभी अभिभावकों को शत प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार ने कहा कि एक भी मतदाता मतदान करने से छूटने न पाए इसके लिए सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं तथा मीना मंच टीम एक-एक मतदाता को मतदान करने के लिए जागरूक बनाएं।

कन्नौज से अगवा बालिका का शव फर्रुखाबाद में मिलने से मचा हड़कंप

● सपाइयों ने श्रद्धांजलि दी, उठाई दोषियों को फांसी की सजा व आर्थिक मदद की मांग

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

विगत दिनों पूर्व ग्राम मोहनपुर रतनपुर निवासी किसान की दस वर्षीय मासूम पुत्री का अपहरण हो गया था। जिसका मुकदमा स्थानीय कोतवाली में दर्ज कराया गया था। बीते दिन पड़ोसी जनपद फर्रूखाबाद के थाना कमालगंज के ग्राम श्रंगीरामपुर, शेरपुर सराय मार्ग के निकट सरसों के खेत में मासूम बालिका का शव पड़ा पाया गया।

शव पड़े होने की सूचना पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। देर रात बालिका के शव की पहचान परिजनों ने की। परिजनों के मुताबिक मासूम छात्रा के शरीर पर कपड़े नहीं थे। ग्रामीणों में चर्चा है कि जिस तरह से शव खेत मे पड़ा पाया गया। उससे हत्या के साथ दुष्कर्म की भी आशंका बनी हुई है। मासूम छात्रा की मृत्यु की खबर पर परिजनों में कोहराम मच गया। उधर बालिका की हत्या के मामले में सपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष कंचन कनौजिया व अब्दुल वकील अहमद के साथ महिलाओं एवं पुरुषों ने श्रद्धांजलि देकर कैण्डल मार्च निकाला और प्रदेश सरकार की बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं सहित कानूनी व्यवस्था पर जमकर सवाल दागे। कहा कि सरकार पीड़ित परिवार को एक करोड का मुआवजा देकर दोषियों को फंसी की सजा दे।

जंगली सुअरों को पकड़ने पर जुर्माना

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर जिले के शेरपुर गांव में जंगली सूअरों को पकड़ने के आरोप में वन विभाग ने तीन किसानों पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। वन अधिकारी कुलदीप सिंह ने कहा कि शनिवार को खेतों से जंगली सूअरों को अवैध रूप से पकड़ने के आरोप में किसानों पर यह जुर्माना लगाया गया है।

लगातार चौथे वर्ष 100 फीसद प्लेसमेंट

लखनऊ। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी नया रायपुर ने लगातार चौथे वर्ष 100 प्रतिशत प्लेसमेंट दर्ज किया है। पूर्व वर्ष की भांति इस साल भी 2022 में उत्तीर्ण होने वाले एवं प्लेसमेंट के इच्छुक सभी बीटेक विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित मल्टीनेशनल कंपनियों और स्टार्टअप्स में जॉब हासिल हुई है।इस साल बीटेक और एमटेक छात्रों को लेने के लिए 45 से अधिक कंपनियों ने कैंपस रिक्रूटमेंट प्रक्रिया में भाग लिया। साल का उच्चतम वेतन लगभग 57 लाख प्रतिवर्ष तक गया है और औसत वेतन 12.61 लाख प्रति वर्ष रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर हुआ है। उच्चतम पैकेज प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में चिंकी करदा का चयन एतलासिया में, अनन्या सक्सेना का चयन माइक्रोसॉफ्ट मेंए और शिवम उपाध्याय का चयन फ़र्मइज़ी के लिए हुआ। ट्रिपल आईटी.नया रायपुर प्लेसमेंट कार्यालय के अनुसार, इस वर्ष 25 प्रतिशत बैच के लिए औसत वेतन 20.67 लाख प्रति वर्ष जबकि 50 प्रतिशत बैच के लिए औसत वेतन 18.19 लाख प्रति वर्ष गया है। इस साल विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा एनालिस्ट, कंसल्टैंट, बिज़नेस एनालिस्ट और अन्य क्षेत्रों में जॉब की पेशकश की गई है।

शिक्षा का माध्यम

बहुभाषायी दृष्टिकोण

अंग्रेजी या मातृभाषा में पढ़ने के सवाल पर बहुभाषाई दृष्टिकोण सही है। तेलंगाना सरकार ने अगले अकादमिक वर्ष से सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने का फैसला किया है, जबकि राज्य की भाषा तेलगू अन्य शिक्षा माध्यम के रूप में बनी रहेगी। इस परिवर्तन के लिए पहले से तैयार तर्क यह है कि तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में ज्यादा से ज्यादा बच्चों के मां बाप को लगता है कि कालेज के स्तर पर पहुंचने के समय वे अंग्रेजी माध्यम छात्रों के बराबर नहीं पहुंच पाते हैं। दूसरा, निजी स्कूल अब तक शहरी केन्द्रों में अंग्रेजी माध्यम वाली शिक्षा के साथ सीमित थे, पर अब वे ग्रामीण तेलंगाना में भी फल-फूल रहे हैं और अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दे रहे हैं। इसके कारण तेलगू माध्यम स्कूलों में लगभग भगदड़ वाला माहौल है जिनमें से अनेक बंद हो गए हैं या उनका बड़े स्कूलों के साथ विलय किया गया है या छात्रों की कमी के कारण दूसरे स्थानों पर ले जाया गया है। हालांकि, सरकार पहले से ही राज्य भर में कुछ आवासीय स्कूल अंग्रेजी माध्यम से चला रही थी, लेकिन उस समय यह मुद्दा सामने नहीं आया था। सरकार के सामने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाने वाले शिक्षकों की कमी है। वे बहुत कम हैं। अधिकांश शिक्षक तेलगू में सिद्धहस्त हैं। सरकार को इन शिक्षकों को पुन: प्रशिक्षित करना होगा जो एक कठिन काम है क्योंकि अंग्रेजी में बीएड पाठ्यक्रमों के लिए नया दृष्टिकोण अपनाना होगा। लेकिन मोटेतौर से तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम के प्रवेश पर ज्यादा लोग नाराज नहीं हैं क्योंकि 'अमेरिका जाना' लोकप्रिय धारणा है और तेलगू माध्यम के छात्र निजी अंग्रेजी माध्यम वाले पाठ्यक्रमों के प्रवेश हेतु बड़ी धनराशि खर्च कर रहे हैं।

लेकिन यह मुद्दा एक परेशान करने वाले तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करता है। स्वतंत्रता के 75 साल बाद भी हम इसी समस्या में फंसे हैं कि हमारे स्कूलों में शिक्षा का माध्यम क्या होना चाहिए। हम अभी बहस कर रहे हैं कि बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाया जाय या मातृभाषा के माध्यम से। हमें अभी यह विश्वास भी नहीं है कि मातृभाषा में अनेक बोलियां भी हैं। उदाहरणार्थ बहुत से लोग भोजपुरी बोलते हैं, पर इसे हिंदी की एक बोली माना जाता है। पिछले साल ही बिहार के एक मंत्री ने 'क्षेत्र की मातृभाषा' को शिक्षा का माध्यम बनाने का विचार सामने रखा था। इससे स्पष्ट होता है कि भारत में इस विषय पर कभी व्यापक बहस नहीं हुई। संज्ञानात्मक शिक्षा पर जोर देने वाले भाषाविज्ञानियों के अनुसार छात्र मातृभाषा या जिस भाषा के परिवेश में वे बड़े होते हैं वहां से नए कौशल सीखते हैं। सामाजिक सशक्तीकरण तथा महत्वाकांक्षी अधिकार-आधारित तर्क अंग्रेजी के पक्ष में हैं क्योंकि यह भाषा दुनिया भर में कारगर है। इस प्रकार शिक्षा का माध्यम दुनिया के सबसे बड़े बहुभाषीय देश भारत में एक वैचारिक व विशिष्टतावाद के बोझ के साथ सामने आता है। माता-पिता द्वारा अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दिलाने की इच्छा के उलट केन्द्र की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-एनईपी में मोटेतौर से मातृभाषा को प्राथमिकता दी गई है। समस्या का समाधान द्विभाषी या बेहतर तरीके से बहुभाषी दृष्टिकोण में है। ऐसे देश में जहां अधिकांश बच्चे दो या तीन भाषाओं के परिवेश में रहते हैं, बहुभाषीय शिक्षण विधियां भाषाई व सांस्कृतिक विविधताओं को देखते हुए समान आधार प्रदान करती हैं। इससे माता-पिता तथा एनईपी, दोनों की इच्छा पूरी होगी।

ग्वांतानामो में मानवाधिकार हनन

अब समय आ गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ग्वांतानामो बे जेल को बंद कर दें, जो निरंतर मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए बदनाम है।

माखन सैकिया
(लेखक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)

कुख्यात ग्वांतानामो बे सैन्य जेल ने 11 जनवरी, 2022 को अपने संचालन के दो दशक पूरे किए। कई लोग कहते हैं कि यह गुप्त जेल वास्तव में अमेरिकी न्याय प्रणाली की नैतिक विफलता है। इसके अलावा, ग्वांतानामो में पिछले बीस वर्षों में एक भयावह कानूनी चूक रही है जो विश्वसनीय समाधानों की तुलना में घर में अधिक समस्याएं और अपमान ला रही है। यह तेजी से यातना का प्रतीक बनता जा रहा है। क्यूबा की सैन्य जेल में अब केवल 39 कैदी रह गए हैं। अपने चरम समय के दौरान, इसमें लगभग 800 कैदी थे। दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि यह सीआईए द्वारा स्वीकृत टॉर्चर सेल को चुपके से अंजाम दिए जाने का लक्षण है। आज एक और महत्वपूर्ण सवाल बिडेन प्रशासन पर मंडरा रहा है : क्या यह 1,500 कमांडो की सबसे परिष्कृत रिंग में से एक के साथ 39 कैदियों की रखवाली करने लायक है? यह महसूस किया गया है कि कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के समय में करदाताओं के डॉलर को विवेकपूर्ण तरीके से खर्च किया जाना चाहिए।

ग्वांतानामो डिटेंशन कैंप, जिसे ग्वांतानामो बे, ग्वांतानामो या गिट्मो भी कहा जाता है, क्यूबा के दक्षिणपूर्वी हिस्से में है। भयानक जेल अमेरिका के ग्वांतानामो बे नेवल बेस में स्थित है। इसे देश पर 11 सितंबर को हुए आतंकी हमले के बाद साल 2002 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने बनाया था। और जेल को विशेष रूप से उन कैदियों की मेजबानी के लिए डिज़ाइन किया गया था जो आतंक पर वैश्विक युद्ध के एक भाग के रूप में पकड़े गए थे। हालांकि जेल का इस्तेमाल पहली बार 2002 में किया गया था, अमेरिकी सरकार 1903 से वहां एक सैन्य नौसैनिक अड्डे का रखरखाव कर रही है। दिलचस्प बात यह है कि मूल जेल का नाम कैंप एक्स-रे था। दरअसल, 11 सितंबर को हुए आतंकी हमले के बाद महज 96 घंटे में जेल सुविधा को तत्काल इस्तेमाल के लिए तैयार कर लिया गया था. बुश प्रशासन द्वारा अफगानिस्तान में मुल्ला उमर के नेतृत्व वाली तालिबान सरकार को गद्दी से हटाने के कुछ ही समय बाद, यह सुविधा सबसे सुरक्षित जेल के रूप में अस्तित्व में आई। बंदियों के पहले जत्थे को अगले साल 11 जनवरी को जेल लाया गया और उन्हें शत्रु लड़ाकों के रूप में वर्गीकृत किया गया। ग्वांतानामो बे के अधिकांश कैदी उन देशों से थे जो या तो जीडब्ल्यूओटी का हिस्सा थे या जिन्होंने आतंकवादियों को शरण देने में मदद की थी। संक्षेप में, उनमें से अधिकांश पश्चिम एशिया के देशों के थे। ग्वांतानामो गाथा का सबसे बुरा हिस्सा यह था कि इन कैदियों को विदेशी धरती पर पकड़ लिया गया था, लेकिन उन पर किसी विशेष अपराध का आरोप नहीं लगाया गया था। इसके अलावा, उन्हें अनिश्चित काल के लिए इस एकांत जेल में बंद कर दिया गया और किसी भी कानूनी वकील तक पहुंच से वंचित कर दिया गया। यहां ध्यान देने योग्य एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि तङ्गह्नञ्ज एक आधिकारिक युद्ध नहीं है क्योंकि अमेरिकी कांग्रेस द्वारा युद्ध की कोई घोषणा नहीं की गई थी। 13 नवंबर, 2001 को, आतंकवादी हमले के बमुश्किल दो महीने बाद, राष्ट्रपति बुश ने एक सैन्य आदेश की घोषणा की, आधिकारिक तौर पर इन कार्रवाइयों की अनुमति दी : इसने सैन्य आयोग द्वारा अल-कायदा के किसी भी वर्तमान या पूर्व सदस्य और किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने और परीक्षण को अधिकृत किया। अपने काम में सहायता या प्रोत्साहन देता है या अपने सदस्यों को आश्रय देता है। इस प्रकार, जीडब्लूओटी की कोई निर्धारित समाप्ति तिथि नहीं है, और इसने शक्तिशाली सशस्त्र बलों को ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए अनिश्चितकालीन जनादेश दिया है, जब तक कि असली अपराधी पकड़े नहीं जाते। और जब 2011 में ओबामा प्रशासन के दौरान 9/11 के पीछे दिमाग वाले ओसामा बिन लादेन को अमेरिकी सेना ने मार गिराया, तो एक तरह से ऑपरेशन का सबसे बड़ा मील का पत्थर पहले ही हासिल कर लिया गया था। अब, अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी पिछले साल उसी तालिबान को शासन सौंपकर पूरी हुई, जिसके खिलाफ अमेरिका और अन्य उदार देशों ने लगभग दो दशकों तक लड़ाई लड़ी। अब, ग्वांतानामो बे को बनाए रखने का कोई मतलब नहीं है। दरअसल, पूरे रास्ते आतंक घर आ गया है। यह अब सर्वव्यापी है। अब, सबसे प्रासंगिक प्रश्न हैं- ग्वांतानामो को क्यों चुना गया और यह अभी भी खुला क्यों है? सबसे पहले, अमेरिकी रणनीतिक विशेषज्ञ और सुरक्षा एजेंट वैश्विक आतंकी संदिग्धों को जनता के दायरे से बाहर रखना चाहते थे और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लगातार मीडिया की चकाचौंध। साथ ही, जब उन्हें अमेरिका की मुख्य भूमि से बहुत दूर रखा जाता है, तो ये बंदी देश की न्याय प्रणाली के तहत अधिकारों के संरक्षण की मांग और आनंद दोनों नहीं ले पाएंगे। यहां ध्यान देने वाली एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि 117 वर्ग किलोमीटर के आधार में कैदियों को लंबे समय तक रखने के लिए पर्याप्त जगह और सुविधाएं थीं। कई मानवाधिकार अधिवक्ताओं का कहना है कि यह खाड़ी तकनीकी रूप से अमेरिकी क्षेत्र का हिस्सा नहीं है, बल्कि कानून के बाहर द्वीप है। दूसरा, यह अभी भी खुला है क्योंकि जेल को बंद करने के लिए कांग्रेस की कठिन बाधाएं हैं। वैश्विक विशेषज्ञ ग्वांतानामो बे में लगातार मानवाधिकारों के उल्लंघन की निंदा करते हैं। डिटेंशन सेंटर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वहां किए गए मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जाना जाता है। सबसे दुखद बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय 2002 से लगातार अमेरिकी सरकार पर दबाव बनाकर या अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों को लागू करके जेल को बंद करने के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में विफल रहा है। अधिकारों के पैरोकारों का कहना है कि जेल में अमेरिकी कार्रवाइयाँ तीसरे जिनेवा कन्वेंशन, नागरिक और राजनीतिक अधिकारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय वाचा , कन्वेंशन अगेंस्ट टॉर्चर और प्रथागत अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन करती हैं। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि ग्वांतानामो बे में उल्लंघन में अवैध और अनिश्चितकालीन हिरासत, अमानवीय स्थिति, यातना, अनुचित परीक्षण (सैन्य आयोग) आदि शामिल हैं। आज यह जेल अमेरिकी अन्याय और यातना का प्रतीक बन गई है। संक्षेप में, ग्वांतानामो को बंदियों को यातना देने के लिए ही तैयार किया गया था, जिनमें ज्यादातर अल-कायदा और तालिबान से संबंधित थे। आज, यह द्वीप जेल इस बात की गवाही देता है कि कई लोग 21वीं सदी का पहला युद्ध कहते हैं। यह युद्ध एक अलग तरह के दुश्मन के खिलाफ एक अलग तरह का युद्ध था। जीडब्लूओटी इस तथ्य पर प्रकाश डालता है कि दुश्मन एक राष्ट्र नहीं है, बल्कि दुश्मन एक विशाल वैश्विक आतंकी नेटवर्क है जो सभी शांतिपूर्ण लोगों के जीवन के लिए खतरा है। सच कहूं तो अब यह स्पष्ट हो गया है कि जेल परिसर के अंदर बंदियों के अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हुआ है और होता भी है। चूंकि जेल को पूरी तरह से वैश्विक मीडिया की चकाचौंध से बाहर रखा गया है, इसलिए अंदर हुई कुछ दुखद घटनाओं को बाहरी दुनिया के ध्यान में लाया गया। ग्वांतानामो बे जेल का रखरखाव अमेरिकी लोकतंत्र और उदारवादी लोकाचार का अपमान है जिसका प्रचार वाशिंगटन दशकों से करता आ रहा है। राष्ट्रपति बाइडेन आखिरकार पिछले बीस वर्षों से ग्वांतानामो में मौजूद अतिरिक्त न्यायिक और घृणित व्यवस्था को समाप्त कर सकते हैं। क्या इस बात की कोई उम्मीद है कि बाइडेन जेल को बंद कर पाएंगे? वर्तमान में, डेमोक्रेट्स के पास कांग्रेस में बहुत कम बहुमत है। और गिट्मो को समाप्त करने का यह एकमात्र सुनहरा मौका है, जो ओबामा अपने लंबे वादों के बावजूद बुरी तरह विफल रहे। यदि बिडेन इस मुद्दे पर कुछ करना चाहते हैं, तो पहले उन्हें जेल को बंद करने पर लंबे समय से लगे प्रतिबंधों को निरस्त करना होगा क्योंकि अमेरिकी कांग्रेस हर साल दो कानून लाती है, अर्थात् एक वार्षिक रक्षा प्राधिकरण बिल और एक सरकारी खर्च बिल। ये कानूनी अड़चनें हैं जिन्हें इस समय बाइडेन को दूर करने की जरूरत है। रिकॉर्ड पर, बिडेन ने ग्वांतानामो को बंद करने का भी वादा किया है। लेकिन विडंबना यह है कि ओबामा को रोकने वाली कांग्रेस की बाधाएं अब भी विद्यमान हैं।

अधिकारों से वंचित अफ़गान महिलाएं

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

दिनांक 20 जनवरी, 2022 को अखबारों में प्रकाशित दो खबरें ध्यान आकर्षित करती हैं। पहला, एक प्रमुख दैनिक के दिल्ली संस्करण में एएफपी के हवाले से बताया गया है कि कार्यकारी अफगान प्रधानमंत्री मुहम्मद हसन अखुंद ने 19 जनवरी को मुस्लिम देशों से अपील की थी कि 'वे हमें आधिकारिक रूप से मान्यता देने में नेतृत्व करें।' वे अफगानिस्तान की व्यापक आर्थिक समस्याओं से निपटने के लिए आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। दूसरी खबर का संबंध द पायनियर के दिल्ली संस्करण में पीटीआई की खबर से है। इसके अनुसार चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शियाओ लिजान ने 18 जनवरी को मीडिया को संबोधित करते हुए आशा प्रकट की थी कि अफगान पक्ष अंतरराष्ट्रीय समुदाय की उम्मीदें पूरी करने हुए आगे बढ़ेगा। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि वह 'एक खुला व समावेशी राजनीतिक ढांचा स्थापित करेगा, मध्यमार्गी व व्यावहारिक घरेलू एवं विदेश नीतियां लागू करेगा, सभी प्रकार के आंतकी बलों के खिलाफकठोर कार्रवाई करेगा तथा अन्य देशों, खासकर अपने पड़ोसियों के साथ मित्रतापूर्ण संबंध स्थापित करेगा और जल्द ही अंतरराष्ट्रीय परिवार के साथ जुड़ जाएगा।' यह बयान तालिबान द्वारा वैश्विक राजनयिक पहचान प्राप्त करने में चीन की सहायता मांगने के बाद आया था। स्पष्ट रूप से इसमें संकेत किया गया है कि सरकार को 'समावेशी' बनाने के बारे में दुनिया क्या सोचती है। इनमें महिलाओं के प्रति नीतियां भी शामिल हैं जो लगातार उत्पीड़न और दमन का शिकार बन रही हैं जिससे तालिबान के 1996 से 2001 में सत्ता की याद आ जाती है। ऐसा तालिबान के इस आश्वासन के बावजूद हो रहा है कि महिलाओं को शरीया कानून के अंतर्गत उपलब्ध शिक्षा और काम के अधिकार प्राप्त होंगे।

वास्तव में संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा उसकी संस्थाओं ने अनेक अवसरों पर तालिबान से अपने द्वारा किए वादे पूरे करने को कहा है तथा उसकी कार्रवाइयों की आलोचना की है। संरा. महासचिव अंटोनियो गुटरेस ने पिछले साल 7 अक्टूबर को रिपोर्टरों को बताया था, 'मुझे खासकर इसलिए चिन्ता है कि तालिबान द्वारा अफगान महिलाओं और लड़कियों से किए वादे तोड़े जा रहे हैं।' उन्होंने यह भी कहा था कि 'मैं तालिबान से अपील करता हूं कि वे महिलाओं और लड़कियों से किए अपने वादे पूरे करते हुए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों और मानवतावादी कानूनों के अंतर्गत दायित्व निभाएं।' संरा. व्यवस्था में मानवाधिकारों को प्रोत्साहित करने व उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अंतर-सरकारी संस्था मानवाधिकार परिषद में बोलते हुए मानवाधिकारों के संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त माइकेल बेचलेट ने 13 सितंबर, 2021 को कहा था, 'मेरे कार्यालय को अनेक विश्वसीनय आरोप प्राप्त हुए हैं कि पूर्व अफगान नेशनल सिक्यूरिटी फोर्सेज़-एएनएसएफकर्मियों ने दंड स्वरूप हत्यायें की हैं। इसके साथ ही पूर्व प्रशासनों में काम कर चुके अधिकारियों से खबरें मिली हैं कि उनके परिवारी सदस्यों को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया है। कुछ मामलों में अधिकारियों को रिहा किया गया, जबकि दूसरों में उनको मरा पाया गया।'

बैचलेट ने यह भी कहा कि कुछ एडवोकेसी समूहों के कार्यालयों पर तालिबानी हमले की 'अत्यधिक चिन्ताजनक सूचनायें' प्राप्त हुई हैं। इन मामलों में संरा. संस्थाओं ने कार्रवाई भी की। 17 सितंबर को सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव स्वीकार कर कहा कि तालिबान को एक समावेशी सरकार बनानी चाहिए तथा उसे 'महिलाओं की पूर्ण, समतापूर्ण व सार्थक सहभागिता' सुनिश्चित करते हुए मानवाधिकारों का पालन करना चाहिए। मानवाधिकार परिषद ने 7 अक्टूबर को एक प्रस्ताव स्वीकार कर मार्च, 2022 से संरा. विशेषज्ञों द्वारा समर्थित एक विशेष रेर्पोट्योर नियुक्त करने की घोषणा की जो अफगानिस्तान में जमीनी स्तर पर मानवाधिकार की स्थिति की निगरानी करेगा।

इस बात के कुछ संकेत हैं कि तालिबान समुचित प्रतिक्रिया कर रहे हैं। उच्च शिक्षा मंत्री अब्दुल बाकी हक्कानी ने 12 जनवरी को काबुल में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि सरकार जल्द ही पुरुष व महिला छात्रों के लिए सार्वजनिक विश्वविद्यालय जल्द खोलेगी। उन्होंने यह घोषणा भी की कि इन छात्रों को अलग-अलग रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के आर्थिक संकट तथा पुरुष व महिला छात्रों के लिए अलग-अलग कक्षायें न होने के कारण इसमें विलंब हुआ है। इसके पहले 3 दिसंबर को कार्यकारी प्रधानमंत्री के नाम से जारी आदेश में तालिबान ने कहा था कि 'महिलायें संपत्ति नहीं हैं, बल्कि वे आदर्श व स्वतंत्र मनुष्य हैं तथा कोई उनको शांति के बदले या दुश्मनी समाप्त करने के लिए किसी और को नहीं सौंप सकता है।'

इस आदेश में कहा गया था कि महिलायें और पुरुष 'समान होने चाहिए' तथा 'किसी को दबाव में महिलाओं को विवाह के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए।' इस आदेश में अपने पति की मृत्यु के 17 सप्ताह बाद विधवा को पुनर्विवाह की अनुमति दी गई है, जबकि लंबे समय से अफगान कबीलाई परंपराओं के अनुसार उसे पति की मृत्यु के बाद उसके भाइयों या रिश्तेदारों में से एक से विवाह करना पड़ता है। तालिबान नेतृत्व ने बार-बार अफगान अदालतों से कहा है कि वे महिलाओं के प्रति न्यायोचित व्यवहार करें तथा खासकर विधवाओं द्वारा विरासत पाने के मामलों में सक्रियता दिखायें। इस घोषणा के अनुसार तालिबानों ने अपने मंत्रियों को जनसंख्या में महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भी कहा है। लेकिन यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि पहली घोषणा में कोई निश्चित तिथि नहीं बताई गई है कि सार्वजनिक विश्वविद्यालय कब खुल जांएगे। इसमें महिलाओं के काम के अधिकार का भी उल्लेख नहीं है। कुरान पाक के तीसरे सूरा-आयत 193 व 194 में किसी पुरुष या महिला के श्रम को बरबाद न करने को कहा गया है। चौथे सूरा-आयत 36 व 37 में कहा गया है 'पुरुष व महिला को उसकी मेहनत का एक हिस्सा दो।' लेकिन दूसरी घोषणा में महिलाओं की शिक्षा और काम के अधिकारों के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए ये मुद्दे महत्वपूर्ण हैं।

विवाह संबंधी अधिकारों के बारे में सारे आदेश पैगंबर मुहम्मद के समय से स्पष्ट हैं। लेकिन घोषणाओं में इनका कोई उल्लेख नहीं है और इनका अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर कोई असर पड़ने वाला नहीं है। इसे देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जल्द ही तालिबान सरकार को मान्यता देगा या उसकी उदारतापूर्ण सहायता के लिए खजाना खोलेगा।

आप की बात

स्वार्थी हैं अमीर देश

विश्व के अमीर देश बड़ा मतलबी एवं पक्षपाती हैं। निष्पक्षता इनमे लेस मात्र भी नहीं है। अब देखिये न, पिछले सोमबार को, यूऐई के राजधानी अबू धाबी पर हवाई हमलों की, बढ़चढ़कर निंदा की जा रही है, जिसमें तीन लोग मारे गए थे। हमला यमन स्थित हुथी विरोधियों ने की थी। उसके बाद सऊदी अरब ने यमन में बदला लेते हुए हवाई हमला किये, जिनसे 70 लोग मारे गए। 150 घायल हैं। मगर पूरी दुनिया को यह ज्यादिति नहीं दिख रहा है। इसमें किसी प्रकार का, मानवाधिकार का हनन भी नहीं दिख रहा है। मानेगा भी कैसे सन 2015 से अबतक सऊदी एवं उसके मित्र देशो ने मिलकर, यमन पर 20,100 से अधिक हवाई हमले किए हैं, एक दिन में औसतन 12 हमले। अगर एक हमले में औसतन पांच लोगों की मृत्यु भी हुई होगी तो कुल 1 लाख 500 सौ के करीब लोग मारे गए होंगे। क्या यह यूऐई एवं सऊदी अरब का यमनी लोगों का कत्लेआम नहीं है? क्या यह नरसंहार नहीं है? अगर इन नरसंहारों के बदला लेने की कोशिश होती है तो दुनिया आग बबूला क्यों हो जाती है? आखिर इस ऐसे अन्यायपूर्ण विश्वव्यवस्था कब तक चलता रहेगा?

– **जंग बहादुर सिंह**, जमशेदपुर

सुधार की जरूरत

वोट व सत्ता की चाह में सियासत करने वाले दलबल चाहे मुफ्त की घोषणाएं करने वाले हो, सियासत के मैदानों में दागी बागी (अवसर वादियों) का मसला हो, यह शाश्वत जड़ की तरह रहने वाले हैं। भले ही प्रबुद्ध जन इन पर अपनी चिंता करें, मगर इन मुद्दों पर अंकुश लगना मुश्किल है। भले ही धर्मराज युधिष्ठिर ने यक्ष के नामुमकिन सवालों का जवाब दिया हो। लेकिन इन मुद्दों पर जनता को कोई बेहतर समाधान देने वाला नहीं है। आज की सियासत में धर्मराज युधिष्ठिर जैसा कोई (दलबल) नहीं है, जो प्रदूषित होती राजनीति को साफ स्वच्छ करें। जिस तरह से जम्मू कश्मीर में धारा 370 को हटाकर दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई गई थी, उसी प्रकार केंद्र की मोदी सरकार से अपेक्षा है कि वे अपने बाकी बचे समय में इन पर सख्त से सख्त कानून बनाकर रोक लगाए। जब तक संसद में कानून नहीं बनता, तब तक न्यायपालिका व चुनाव आयोग केवल आशा, अपेक्षा व चिंता कर सकता है । लेकिन उनके लिए भी कानून के बगैर एक कदम भी बढ़ना असंभव है । मोदी है तो मुमकिन है, इस बह्म वाक्य को सार्थक करने का समय मोदी सरकार के पास है। इन मुद्दों पर भी कानून बना कर कसौटी पर खरा हर हाल में उतरना ही चाहिए।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, अक्षय खाचरोद, उज्जैन

आग पर नियंत्रण

महोदय, साउथ मुंबई की कमला बिल्डिंग में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख?या 7 हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, ताड़देव में स्थित 20 मंजिला इमारत के 18वें माले पर लेवल 3 की आग लगी थी। इमारत में रहने वालों ने कहा कि आग लगते ही पूरी बिल्डिंग धुएं से भर गई। बिल्डिंग में अग्निशमन की व्यवस्था है लेकिन वो किसी कारण से चालू नहीं हुई जिससे ये हादसा हुआ। बड़े शहरों में कई मंजिला ऊंची इमारतों के निर्माण की इजाजत टी-शर्ट के साथ दी जाती है कि अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था होगी मगर यहां तो आग लगने पर मालूम होते व्यवस्था सिर्फ दिखावे की थी इन लोगों की जान का जिम्मेदार कौन मुंबई महानगरपालिका ने अग्निशमन व्यवस्था की जांच के लिए पूरा एक हमला बना रखा है इसके बावजूद दीदी किसी बड़ी दुर्घटना होती है तो जाहिर हे इसके लिए नियुक्त अधिकारी कर्मचारी इमानदारी से अपना काम नहीं कर रहे हैं! अत: इन्हें दंडित किया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए सतत जांच की व्यवस्था की जाए!

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

मुंबई की एक ऊंची इमारत में आग लगने की दुखद खबर विचलित करने वाली है। जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

आप सभी के प्रयास से आज आकांक्षी जिले देश की प्रगति में आने वाली बाधाओं को दूर कर रहे हैं। वे बाधाओं के बजाय विकास के त्वरक बन रहे हैं

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

इस महामारी के लगभग दो वर्षों के शारीरिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव के बाद, हम में से कई लोगों के लिए, यह सहन करने के लिए बहुत अधिक है।

– **जो बाइडेन**
अमेरिकी राष्ट्रपति

पहले चरण में खाता खोलना भी कांग्रेस के लिए चुनौती

विवेक श्रीवास्तव। लखनऊ

प्रदेश में तीन दशक से अधिक समय से सत्ता से दूर चल रही देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के लिए विधानसभा चुनाव में चुनौती तो पहले चरण से ही प्रारंभ हो जाएगी। विधानसभा चुनाव की शुरूआत पश्चिम उत्तर प्रदेश के 11 जिलों की जिन 58 विधानसभा सीटों से हो रही है उनमें पिछले चुनाव में तो कांग्रेस का खाता तक नहीं खुल पाया था। इस बार भी जो राजनैतिक परिदृश्य है उसमें कांग्रेस के लिए पश्चिम उत्तर प्रदेश की राह आसान नहीं दिख रही है है।

पहले चरण में प्रदेश के 11 जिलों शामली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा और अलीगढ़ की कुल 58 सीटें शामिल हैं। पिछले चुनाव में इनमें से छह जिलों में बीजेपी ने क्लीन स्वीप किया था और कांग्रेस खाता भी नहीं खोल सकी थी। पहले चरण की 58 सीटों में से बीजेपी ने 53 सीटें जीती जबकि सपा और बसपा के खाते में दो-दो सीटें आईं थी। एक सीट आरएलडी प्रत्याशी जीता था जो बाद में बीजेपी में शामिल हो गया था। इस तरह से पहले चरण की 58 सीटों में से बीजेपी के पास 54 सीटें है।

पहले चरण के शामली जिले की तीन सीटें हैं जिनमें दो बीजेपी और एक सपा के पास है। मेरठ की 7 में से छह बीजेपी और एक सपा के पास है। बागपत जिले की तीन में से दो सीटें बीजेपी ने जीती और एक आरएलडी को मिली थी जो बाद में बीजेपी में शामिल हो गए थे। बुलंदशहर की सभी सातों सीटों पर बीजेपी का कब्जा है। नोएडा की तीनों सीटें बीजेपी के पास हैं। गाजियाबाद की सभी 5 सीटें बीजेपी ने जीती थी। अलीगढ़ की सभी सातों बीजेपी ने जीती थी। हापुड़ की 3 सीटों में से 2 बीजेपी और एक बसपा ने जीती थीए लेकिन बसपा विधायक सपा में शामिल हो गए हैं। मुजफ्फनगर की सभी छह सीटें बीजेपी के पास हैं। मथुरा की पांच में चार बीजेपी और एक बसपा ने जीती थीं। आगरा की सभी नौ सीटों पर बीजेपी का कब्जा है।

2017 के विधानसभा चुनाव में पहले चरण की पांच सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशियों ने अच्छी फाइट की और दूसरे स्थान पर रहे थे। इन सीटों पर भी भाजपा ने उन्हें शिकस्त दी थी। इनमें शामली सीट पर कांग्रेस के पंकज कुमार मलिक को भाजपा के तेजेंद्र निरवाल ने 29720 मतों के अंतर से परास्त किया था। पुरकाजी सुरक्षित सीट पर कांग्रेस के दीपक कुमार को भाजपा के प्रमोद उत्वल ने 11253 वोटों से पटखनी दी थी। साहिबाबाद सीट पर कांग्रेस के अमरपाल को भाजपा के सुनील कुमार शर्मा ने 150685 वोटों से चुनाव हराया था। हापुड़ सुरक्षित सीट पर कांग्रेस के गजराज सिंह को भाजपा के विजय पाल ने 15006 मतों से शिकस्त दी थी। मथुरा सीट पर कांग्रेस के प्रदीप माथुर को भाजपा के श्रीकांत शर्मा ने 1 लाख 1161 मतों के भारी अंतर से शिकस्त दी थी।

बात इस चुनाव की करें तो कांग्रेस के दिग्गज नेता हरेंद्र मलिक और उनके बेटे पंकज मलिक समाजवादी पार्टी में शामिल हो चुके हैं। हरेंद्र मलिक की किसान नेता के तौर पर पकड़ रही है और वह पूर्व सांसद भी हैं। साथ ही उनके बेटे पंकज मलिक पूर्व कांग्रेसी विधायक हैं। पंकज शामिल से विधायक रहे हैं। हरेंद्र मलिक प्रियंका गांधी के सलाहकार थेए जबकि पूर्व विधायक पंकज मलिक प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष थे। इन दोनों के पार्टी छोड़ देने से कांग्रेस काफी कमजोर हुई है। इस बार कांग्रेस ने शामली से मोहम्मद अयूब जंग को प्रत्याशी बनाया है। पुरकाजी से एक बार फिर दीपक कुमार को मौका दिया गया है। महिला कार्ड खेल रहीं प्रियंका गांधी ने इस बार साहिबाबाद सीट से संगीता त्यागी और हापुड़ सुरक्षित सीट से भावना बाल्मीकि को मैदान में उतारा है। मथुरा सीट पर पूर्व विधायक प्रदीप माथुर को टिकट दिया गया है।

इस बार कांग्रेस के लिए चुनौती बड़ी है क्योंकि 2007 का विधानसभा चुनाव उसने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ा था। इस बार अकेले दम पर ही ताल ठोंक रही है। पहले समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ किसी चुनावी समझौते से मना कर दियाए फिर बहुजन समाज पार्टी ने भी घोषणा कर दिया कि वह अकेले ही प्रदेश में चुनाव लड़ेगीए और राष्ट्रीय लोक दल ने भी कांग्रेस पार्टी से मुंह मोड़ लिया है। यानि अब इच्छा से नहीं बल्कि मजबूरीवश कांग्रेस पार्टी को प्रदेश के सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ना पड़ेगा।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए बीते कुछ चुनावों से लगातार चुनौतियां सामने आ ही रही हैं। विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी के कुछ बड़े नेताओं ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का दामन छोड़कर दूसरे दलों में अपनी जगह तलाश कर ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों के मुद्दों पर जोर तो दिया है लेकिन उसका उन्हें राजनीतिक नफा नुकसान कितना होगा इसका आकलन कर पाना फिलहाल मुश्किल है। हालांकि प्रियंका गांधी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लड़की हूं लड़ सकती हूं जैसे अभियान से महिलाओं को न सिर्फ साधने की कोशिश की है बल्कि पहले चरण में महिलाओं को दिए गए टिकट से भी इस बात का अंदाजा लग रहा है कि कांग्रेस महिलाओं के मुद्दों के साथ ही आगे बढ़ेगी। पहले चरण के मतदान वाली सीटों पर कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को डोर टू डोर प्रचार के लिए मैदान में उतारकर अपने इरादे साफ कर दिए हैं कि वह आसानी से मैदान छोड़ने के मूड में नही है।

कोविड वायरस से फैला विधान सभा चुनाव में सोशल मीडिया कैंपेन

● पहले चरण में डिजिटल जनसपंर्क ने पकड़ी स्पीड, बीजेपी इस प्रचार माध्यम में सबसे आगे

अभिषेक रंजन। लखनऊ

सोशल मीडिया के बाजार में आई बढ़ोत्तरी

सोशल मीडिया पर न केवल बेतहाशा खर्च किया जा रहा है बल्कि डेटा विश्लेषण पर विमर्श हो रहा है। वहींए पार्टियां अपने ग्रामीण कार्यकर्ताओं तक को टेक सैवी बनाने की कोशिश कर रही हैं। स्मार्ट फोन, सोशल मीडिया और प्रचलित माध्यमों से वर्चुअल रैलियों और चुनावी अभियानों की शुरूआत होने के बाद यह बाज़ार तेजी से बढ़ रहा है। रणनीतिकारों का मानना है कि वर्चुअल रैली का विस्तार अधिक है और इसमें संसाधन भी कम लगता है। यही नहीं बड़े नेता अपने घरों से या फिर दफ्तरों से ही आम लोगों को सीधे संबोधित कर सकते हैं। सबसे बड़ा प्रभाव तो यह होता है कि लोगों को इंतजार नहीं करना पड़ता है। आम चुनावी रैली की अपेक्षा इसमें स्थानीय लोगों की सहभागिता भी अधिक होती है। ऐसे में विधानसभा चुनाव में यह प्रभावी भूमिका निभा सकता है।

वैश्विक कोरोना वायरस ने अब चुनाव में सौशल मीडिया कैंपेन को तेजी से फैलाया है। भीड़ से बचने के लिए चुनाव आयोग की गाइड लाइन को देखते हुए राजनीतिक दल सोशल मीडिया को ही अपना मजबूत हथियार बना रहे हैं। इस महामारी से बचने के लिए यूपी के विधान सभा चुनाव में सोशल मीडिया के प्रचार का तरीका एक बड़ा और सशक्त माध्यम बनकर उभरा हैं। देश और विदेश की कई सोशल नेटवर्किंग कंपनियों ने अपने लोक लुभावने पैकेज के जरिए प्रत्याशियों के बीच पहुंच गई है जो अब प्रत्याशियों के लिए वोटर सर्वे तक दे रही हैं ताकि उन्हें पता चल सके कि किस क्षेत्र में उनकी पकड़ कमजोर हो रही है। यूपी में पहले चरण को लेकर डिजिटल चुनाव-प्रचार तेज हो गया है। सभी दलों में अगर इस डिजिटल कैंपेन को लेकर तुलना की जाए तो बीजेपी इस माध्यम के जरिए चुनाव प्रचार में सबसे आगे निकल चुकी है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बूथ अध्यक्षों के साथ डिजिटल रूप से संवाद किया था। बीजेपी ने अपने 30 स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी कर दी है जो कि अभी फिलहाल डिजिटल रूप से प्रचार करेंगे और जैसे-जैसे चुनाव आयोग प्रचार के लिए सहूलियतें देगा तो यह स्टार प्रचार डोर-टू-डोर भी निकलेंगे। यूपी में सात चरणों में होने वाले चुनाव में इस माध्यम को लेकर बीजेपी के आईटी सेल ने एक कंट्रोल रूम लखनऊ में बीजेपी मुख्यालय में खोला है जबकि पार्टी के छह क्षेत्रों में भी यह आईटी सेल द्वारा वार रूम खोले गए हैं। बीजेपी आईटी सेल के प्रभारी कामेश्वर मिश्रा ने बताया कि आईटी सेल में सिर्फ सोशल मीडिया का ही काम नहीं हो रहा है बल्कि हर विधानसभा की सीट को लेकर इस सेल द्वारा होम वर्क किया जा रहा है ताकि पार्टी के प्रत्याशियों को हर कवर दे सके।

वैश्विक महामारी के चलते डिजिटल प्रचार माध्यम बना हथियार

वैश्विक महामारी के कठिन समय में शारीरिक रूप से मिलना जुलना मुश्किल हो सकता है। मौजूदा दौर में टीवी से कई गुना अधिक सोशल मीडिया को चाहने वाले हैं और यही कारण है कि चुनाव प्रचार का कम खर्चीला और बेहतरीन साधन बन कर फेसबुक और यू ट्यूब लाइव बन कर उभर रहे है। कुछ राजनीतिक दलों ने तो बाकायदा अपने डिजिटल वार रूम बना रखे है जहां उनकी आईटी सेल की टीम इन संसाधनो का बेहतरीन इस्तेमाल कर रही है, वहीं कई छोटे दलों ने अपनी इस मुहिम को परवान चढ़ाने के लिये डिजिटल विज्ञापन एजेंसियों की मदद ली है। ये एजेंसियां न सिर्फ यू ट्यूब लाइव के लिये जरूरी न्यूनतम एक हजार सब्सक्राइबर बनाने में सहयोग करती है बल्कि एडवरटाइजिंग के जरिये पार्टी विशेष की क्लिप्स को फ्री यू ट्यूब सब्सक्राइबर को देखने के लिये बाध्य करती हैं। सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा विधानसभा चुनाव में फेसबुक लाइव,यू ट्यूब, इंस्टाग्राम, कू, ट्विटर और व्हाट्सएप की भूमिका किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष में हवा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अब चुनाव में परंपरागत प्रचार की रणनीति पर बदलाव हुआ है। राजनीतिक दलों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा ली है। हर पार्टी का लक्ष्य सोशल मीडिया के इन प्लेटफार्म के जरिये मतदाताओं के दिलो दिमाग पर छाना है। हालांकि इनमें यू ट्यूब स्ट्रीम और व्हाट्सएप की भूमिका इसलिये भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि इन दो प्लेटफार्म का इस्तेमाल आम लोगों के बीच धड़ल्ले से होता है। इसके लिये अधिक तकनीकी जानकारी की जरूरत नहीं होती। व्हाट्सएप के अलावा गूगल के यू ट्यूब एप्लीकेशन की मांग है। मुफ्त में आसानी से डाउनलोड किये जाने वाले इन एप्लीकेशन की मांग उत्तर प्रदेश में जबरदस्त है। स्वदेशी कू भी तेजी से अपनी पहुंच बना रहा है हालांकि अभी उसे व्हाट्सएप का मुकाबला करने में समय लगेगा। वहीं यू ट्यूब पर उपलब्ध हर जानकारी के कारण यह एप्लीकेशन भी यूजर्स को खूब पसंद आता है। इसका डाटा रेट भी कम होता है यानी इंटरनेट की गति सुस्त होने पर भी इसे सर्फ किया जा सकता है। अपने चैनल को लाइव करने के लिये कम से कम एक हजार सब्सक्राइबर की बाध्यता होती है जिसे डिजिटल प्रमोशन एजेंसियों की मदद से आसानी से पूरा किया जा सकता है। फेसबुक लाइव भी ज्यादा समूह को एकत्र करने का एक सशक्त माध्यम है हालांकि यह एप्लीकेशन यू ट्यूब के मुकाबले में कुछ भार लेता है। इस पर लाइव प्रसारण से जुड़ने के लिये मोबाइल फोन अथवा लैपटाप का हार्डवेयर महती भूमिका निभाता है।

युवाओं में बड़े उलटफेर का दम

कमल दुबे। लखनऊ

यूपी की सियासत भले भी जातिवाद के इर्दगिर्द घूमती रही हो लेकिन इस बार मैदान में उतरने वाले राजनीतिक दिग्गजों की तकदीर लिखने में युवा वोटरों की अहम भूमिका रहेगी। वजह राज्य के जिन 15 करोड़ से ज्यादा वोटरों की मुठ्ठी में सत्ता की चाबी है उनमें बड़ी संख्या युवा वोटरों की है। पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस पर राज्य की प्रत्येक विधानसभा सीट पर औसतन 22 हजार नये वोटर बढ़े है जिसमें बढ़ी संख्या युवा वोटर राजनीतिक दलों के चुनावी गणित को बनाने-बिगड़ाने में काफी निर्णायक होंगे।

यूपी की कुल 403 विधानसभा सीटों पर पिछले चुनाव से लेकर अब तक तकरीबन 90.30 लाख मतदाता बढ़े हैं। मतदाता सूची के ताजा पुनरीक्षण में कुल बढ़े मतदाताओं में 27 प्रतिशत से अधिक 18-19 वर्ष की आयुवर्ग वाले युवा हैं। पिछले चुनाव से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में औसतन 22 हजार से अधिक मतदाताओं का बढ़ोत्तरी हुई है। शहरी क्षेत्र वाली विधानसभा सीटों पर मतदाताओं की संख्या औसत से कहीं अधिक बढ़ी है। बढ़े मतदाताओं में 18 वर्ष से 29 वर्ष के युवा मतदाताओं की हिस्सेदारी ही 22.93 फीसदी यानी करीब 3.45 करोड़ से कहीं अधिक है। हाल ही में 18 वर्ष की दहलीज पार करने वाले ही 19.89 लाख युवा मतदाता है।

राज्य के कुल 150284005 मतदाताओं में 40 वर्ष से कम उम्र वाले 7.50 करोड़ वोटर है। यानी कि इनकी हिस्सेदारी 49.93 प्रतिशत है। दूसरी तरफ 60 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं की हिस्सेदारी मात्र 14.94 प्रतिशत ही है। खासतौर से स्वास्थ्य कारणों से इनमें से बड़ी संख्या में मतदाता वोट डालने के लिए मतदान केंद्र तक नहीं पहुंचते हैं। हालांकि कोरोना जैसे संक्रमण से मतदान पर असर न पड़े इसके लिए आयोग इस बार कहीं बेहतर इंतजाम के दावे कर रहा है। आयोग की कोशिश है कि पिछले चुनाव में हुए 61.11 प्रतिशत मतदान का रिकार्ड इस बार टूटे। इसमें सबसे बड़ी भूमिका युवा मतदाताओं की रहेगी।

वोटरों का लेखा-जोखा

कुल मतदाता: 15,02,84,005
18 से19 वर्ष के वोटर: 19,89,902
40 वर्ष तक के वोटर: 7,50,42,948
60 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता: 2,24,59,300
80 वर्ष से ज्यादा उम्र के मतदाता: 24,03,296

कभी जातिपात तो कभी धर्म की राजनीतिक के ठगर पर चलने वाले यूपी के राजनीतिक दलों को युवा वोटरों की ताकत का अच्छे से अन्दाज है। यही वजह है कि चाहे भाजपा हो या फिर सपा बसपा और कांग्रेस या फिर अन्य कोई भी युवा मतदाताओं की अनदेखी करके चुनावी ठगर पर आगे नहीं बढना चाहता। भारी-भरकम हिस्सेदारी को देखते हुए ही सभी राजनीतिक पार्टियां उन्हें किसी तरह से लुभाने में जुटी हैं। इनकी कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा युवा उनसे जुड़ें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ युवाओं को भाजपा से जोड़ने में कोई कसर छोड़ते नहीं दिखते।

युवाओं को लुभाने के लिए चुनाव से ठीक पहले ही राज्य की भाजपा सरकार ने एक करोड़ युवाओं को स्मार्टफोन-टैबलेट देने का काम शुरू किया। सपा ने भी सरकार बनने पर छात्रों व नौजवानों को फिर मुफ्त लैपटाप देने और गरीब परिवारों के बच्चों को विदेश में पढ़ाई के लिए मदद करने की घोषणा की है। बसपा पूर्व की अपनी सरकार में युवाओं के हित में किए गए निर्णयों को गिनाकर उन्हें अपनी ओर मोड़ने में लगी है। कांग्रेस पार्टी ने खासतौर से बालिकाओं के लिए लुभावनी घोषणाएं की हैं।

आम आदमी पार्टी ने तो बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह पांच हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने के साथ ही प्रतिवर्ष 10 लाख युवाओं को नौकरियां देने की घोषणा की है। युवा मतदाताओं की बढ़ी हुई संख्या को देखते हुए दबाव में ही सही पार्टियों द्वारा पिछले चुनावों की तुलना में इस बार कहीं अधिक युवाओं को चुनाव मैदान में उतारने की कोशिश भी दिख रही है। दरअसल जिस तरह से 403 विधानसभा सीटों के नतीजे आते रहे हैं उससे साफहै कि 20 हजार मतों के अंतर से ही ज्यादातर सीटों पर हार-जीत हो जाती है। ऐसे में युवा ही किसी भी पार्टी के प्रत्याशी को जिता.हरा कर उसकी किस्मत का फैसला करेंगे। पहली, दूसरी बार वोट डालने वाले युवा मतदाताओं के हाथ में ही पार्टियों की ताकत बढ़ान-घटाने की शक्ति होगी।

सबसे बड़ी पंचायत देगी यंग यूपी का संदेश

कमल दुबे। लखनऊ

विधानसभा चुनावों में भाजपा सहित अन्य विपक्षी दलों में उम्मीदवारी को लेकर युवा चेहरों में मिल रही अहमियत से इस बात के साफ संकेत है कि सरकार चाहे जिस किसी भी दल की बने लेकिन सूबे की सबसे बड़ी पंचायत में युवा चेहरे अधिक संख्या में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

हालांकि 18वीं विधानसभा के गठन के लिए चुनावी प्रक्रिया अभी चल रही है और सात चरणों में होने वाले चुनाव के पहले चरण के नामांकन का काम बीती 21 जनवरी को थम भी गया है लेकिन सत्ताधारी भाजपा ने अब तक जिस तरह से 17वीं विधानसभा के उम्रदराज सदस्यों को टिकट देने में परहेज किया है और दूसरे दल भी टिकट बंटवारे में नौजवानों को तरजीह दे रहे हैं उससे अगली विधानसभा की तस्वीर कुछ ज्यादा जवान होती दिख रही है।

आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की सर्वाधिक 403 सीटों वाली विधानसभा में पहुंचने के लिए यूं तो सिर्फ न्यूनतम उम्र 25 वर्ष तय है। अधिकतम कितनी भी उम्र के व्यक्ति को प्रदेशवासियों द्वारा पांच वर्ष के लिए अपना जनप्रतिनिधि चुना जा सकता है। वर्ष 2000 के बाद राज्य में 2002 में 14वीं, 2007 में 15वीं, 2012 में 16वीं और मौजूदा 17वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2017 में हुए चुनाव के नतीजों से साफ है कि न तो राजनीतिक दलों ने प्रत्याशी चयन में और न ही मतदाताओं ने अपना विधायक चुनने में प्रत्याशियों की उम्र पर बहुत गौर किया है। यही कारण है कि पिछले दो दशक के दौरान विधानसभा के 30 वर्ष से कम आयु से लेकर 80 वर्ष वाले भी सदस्य चुने गए हैं।

सत्ताधारी भाजपा की बदलती कार्य संस्कृति का असर अबकी उसके टिकट बंटवारे में भी दिख रहा है। भाजपा इस बार 75 पार वालों को टिकट देती नहीं दिख रही है। ज्यादा उम्र के चलते स्वास्थ्य कारणों से जहां कुछ विधायक खुद ही चुनावी राजनीति से किनारे हो लिए हैं वहीं कुछ अपने क्षेत्र से अब बेटे-बेटियों के लिए ही टिकट चाहते हैं। भाजपा द्वारा पहले और दूसरे चरण के लिए प्रत्याशियों की घोषित सूची को देखने से साफ है कि उसने उन विधायकों को फिर चुनाव मैदान में नहीं उतारा है जिनकी उम्र 75 वर्ष से ज्यादा हो रही है। मसलन मेरठ कैंट से 82 वर्षीय मौजूदा विधायक सत्य प्रकाश अग्रवाल, बरौली से 78 वर्ष के दलवीर सिंह और बरेली कैंट से 78 वर्ष के ही वित्तमंत्री रहे राजेश अग्रवाल, फतेहपुर सीकरी से 75 वर्ष के योगी सरकार में मंत्री चौधरी उदयभान सिंह 18वीं विधानसभा के चुनाव मैदान में नहीं दिखाई देंगे।

अगले चरणों के प्रत्याशियों की सूची में भी उन विधायकों के नाम नहीं दिखेंगे जिनकी उम्र 75 वर्ष से ज्यादा हो चुकी है। ऐसे में फाजिलनगर के 85 वर्ष के विधायक गंगा सिंह कुशवाहा, बरहज से 76 वर्ष के सुरेश तिवारी, कायमगंज से 77 वर्ष के अमर सिंह, भगवन्तनगर से 75 पार विधायक और विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित, कैसरगंज से विधायक और मंत्री मुकुट बिहारी आदि को भी भाजपा द्वारा फिर चुनाव मैदान में उतारे जाने की उम्मीद बहुत कम है। जहां तक सपा, बसपा, कांग्रेस और आप की बात है तो सभी दलों द्वारा टिकट देने में जिताऊ के साथ ही युवाओं को ही प्राथमिता देने की बात कही जा रही है। ऐसे में 18वीं विधानसभा के लिए चुने जाने वाले विधायकों की औसत आयु घटने से विधानसभा के कहीं ज्यादा जवान दिखाई देने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि सदन की वास्तविक तस्वीर तो 10 मार्च को चुनावी नतीजे सामने आने के बाद ही दिखाई देगी।

विधायकों की उम्र का लेखा-जोखा

आयु समूह	14वीं	15वी	16वीं	17वीं
25-30	17	09	08	07
31-35	22	20	19	24
36-40	47	42	45	40
41-45	78	60	64	58
46-50	86	57	62	70
51-55	62	75	67	62
56.-60	23	27	57	56
61-65	20	21	44	47
66-70	12	16	18	27
71-75	02	05	12	08
75 वर्ष पार	03	02	05	05

छोटे दलों के सहारे बड़ी पार्टियां

शिव विजय सिंह। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में चुनावी बिसात बिछ चुकी है। राजनीतिक दलों ने विधानसभा चुनाव चरण वार प्रत्याशियों के रूप में अपने अपने पासे भी डालने शुरू कर दिए हैं लेकिन अब देखना यह है कि क्या उत्तर प्रदेश की जनता पिछले तीन विधानसभा चुनावों की भांति पूर्ण बहुमत की सरकार देती है या फिर वर्ष 2002 की तरह त्रिशंकु सरकार को न्योता देने वाली है।

उत्तर प्रदेश के पिछले तीन विधानसभा चुनावों क्रमशः 2007, 2012 व 2017 के नतीजों पर नज़र डालें तो एक बात के संकेत मिलते हैं कि यूपी का मतदाता किसी एक पार्टी को बहुमत देते चला आ रहे हैं। वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव ने बसपा प्रमुख मायावती को 206 सीटों के साथ सत्ता के शीर्ष पर पहुंचाया, 2012 के चुनाव ने समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव को 224 सीटों के साथ प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया और 2017 में 312 सीटों के साथ भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में जीत का परचम लहराकर योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाया।

देखा जाए तो पिछले विधानसभा चुनावों में बड़ी पार्टियों ने स्पष्ट बहुमत हासिल ज़रूर किया है लेकिन इस बार के मौजूदा चुनाव में चाहे सत्तापक्ष भारतीय जनता पार्टी हो या विपक्ष का सबसे बड़ा दल समाजवादी पार्टी ही क्यों ना हो सभी चुनाव से पहले ही छोटी पार्टियों को अपने साथ लाने में जुट गए थे। विधानसभा चुनाव को देखते हुए मौजूदा समय में स्थिति यह है कि सत्तापक्ष भारतीय जनता पार्टी को शिकस्त देने के लिए जहां समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय लोक दल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी समेत एक दर्जन से ऊपर दलों को अपने साथ कर लिया है वहीं 2007 में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने वाली बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती का बदला अंदाज वर्ष 2022 में किसी बड़े राजनीतिक समीकरण को दावत देने की ओर इशारा कर रहा है। कांग्रेस का अभी फिलहाल कोई जनाधार नही दिखाई पड़ रहा है लेकिन इसके बावजूद भी कांग्रेस ने यूपी के विधासभा चुनाव में प्रियंका गांधी को महिला के रूप में आगे करके भविष्य में कुछ नया गुल खिलाने की योजना बना ली है। ऐसी स्थिति में सत्तारूढ़ भाजपा भी छोटे दलों को साथ लेने में गुरेज नहीं किया है। कुल मिलाकर यह साफ हो गया है कि किसी भी दल में जीत को लेकर अपने ऊपर पूर्ण विश्वास नहीं है। इसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले ही जोड़-तोड़ की राजनीति व छोटे दलों को साथ लेने की रफ्तार ने तेजी पकड़ रखी है। इससे यह साफ हो गया है कि उत्तर प्रदेश में 2022 का विधानसभा चुनाव इस बार कुछ नया रंग दिखाएगा।

सांसद अर्जुन पर पथराव, भाजपा व तृकां समर्थकों में झड़प

भाषा। बैरकपुर (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल के बैरकपुर से सांसद अर्जुन सिंह पर कथित तौर पर पत्थर फेंके जाने के बाद रविवार को कोलकाता के पास भाटपारा में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। सांसद नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में रखे गए एक कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे, जब यह घटना हुई। पुलिस ने बताया कि बताया कि उत्तर 24 परगना जिले में सियासी घमासान के बीच हुई झड़पों में पुलिस के एक वाहन समेत दो कार क्षतिग्रस्त हुईं।

पुलिस के संयुक्त आयुक्त ध्रुव ज्योति डे ने कहा कि भाजपा सांसद को निकालकर उनके आवास पर सुरक्षित पहुंचाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुलिस का एक बड़ा दस्ता मौके पर तैनात था। अर्जुन सिंह के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आनन-फानन में बुलाई गई प्रेस वार्ता में बताया कि भाटपारा विधायक पवन सिंह पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने हमला किया था, जब वह नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मौके से निकल रहे थे।

मजूमदार ने कहा, जैसा कि पवन सिंह को तृकां के गुंडों ने घेर लिया था, उन्होंने अर्जुन सिंह को फोन किया, जो मौके पर पहुंचे। दोनों पर तृकां के कार्यकर्ताओं ने हमला किया, जिन्होंने कई राउंड फायरिंग भी की। अर्जुन सिंह के सुरक्षा गार्ड को तब आत्मरक्षा में गोली चलानी पड़ी। उनकी जान को खतरा था। हमारे सांसद की कार में टीएमसी के बदमाशों ने तोड़फोड़ की, जिन्होंने शीर्ष नेतृत्व के इशारे पर ऐसा किया था। हम घटना के बारे में केंद्र को सूचित कर रहे हैं। मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। बैरकपुर के सांसद ने कहा कि इस घटना के बारे में लोकसभा अध्यक्ष और राज्यपाल को सूचित कर दिया है।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि सिंह अब अप्रासंगिक हो गए हैं और निगम चुनाव से पहले गड़बड़ी पैदा करना चाहते हैं। घटना की निंदा करते हुए भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ने कहा कि नेताजी की 125 वीं जयंती के मौके पर उनकी प्रतिमा पर एक सांसद को पुष्प चक्र अर्पित करने से रोके जाने से राज्य की बदतर होती कानून व्यवस्था उजागर हो गई है। मजूमदार ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र ध्वस्त हो चुका है और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है क्योंकि सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ता भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को आतंकित कर रहे हैं। जेड श्रेणी की सुरक्षा होने के बावजूद अर्जुन सिंह ने कहा कि उन पर तृकां कार्यकर्ताओं ने हमला किया और नेताजी की प्रतिमा पर पुष्पचक्र अर्पित करने से रोका।

यह एक सुनियोजित हमला था। हमें नहीं पता था कि तृकां ने नेताजी को इस तरह से हड़प लिया है कि भाजपा के नेता राष्ट्रीय आदर्श के प्रति सम्मान नहीं दिखा सकते। तृकां के नैहाटी से विधायक पार्थ भौमिक ने दावा किया कि अर्जुन सिंह ने भाटपाड़ा इलाके में गड़बड़ी की यह साजिश रची और यह घटना पूर्व नियोजित थी। विधायक ने आरोप लगाया कि भाटपाड़ा में सिंह दंगा भड़काने की कोशिश कर रहे थे और अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को सतर्क किया कि वह इस तरह के किसी भी प्रयास को विफल करें। पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर बमबारी और फायरिंग की कोई भी घटना बंगाल की छवि को धूमिल करने वाली है। चौधरी ने बहरामपुर में संवाददाताओं से कहा, मुझे नहीं पता कि हिंसा के लिए कौन जिम्मेदार है। लेकिन में सभी दलों से नेताजी के जन्मदिन पर हिंसा का सहारा नहीं लेने का अनुरोध करूंगा। यह बंगाल की संस्कृति और लोकाचार के साथ अच्छा नहीं है।

नेताजी के पौत्र एवं नेताजी रिसर्च ब्यूरो के अध्यक्ष सुगत बोस ने कहा, महान देशभक्त के जन्मदिन पर ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए थीं। पुलिस ने कहा कि शनिवार की रात, पास के पानीहाटी इलाके में बीटी रोड पर टीएमसी के पार्टी कार्यालय पर देसी बम फेंके गए, जिससे दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई।

वर्धा में अवैध गर्भपात करने वाली महिला डॉक्टर के घर से मिले 97 लाख रुपए

नागपुर। महाराष्ट्र के वर्धा में 13 वर्षीय किशोरी का अवैध गर्भपात कराने की आरोपी एक डॉक्टर के घर से 97 लाख रुपए बरामद हुए हैं। पुलिस ने पहले बताया था कि एक नाबालिग लड़की का गर्भपात किए जाने की सूचना मिलने के बाद 10-13 जनवरी के दौरान की गई जांच के तहत डॉ. रेखा कदम को गिरफ्तार किया गया तथा बाद में वर्धा के आरवी क्षेत्र में एक निजी अस्पताल की तलाशी में भ्रूण शिशुओं की 11 खोपड़ियाँ एवं 54 हड्डियां का पता चला था। आरवी थाने के निरीक्षक भानुदास पिदुरकर ने पीटीआई-भाषा को बताया कि शनिवार को कदम के घर की नौ घंटे तक तलाशी ली गई और इस दौरान 97,42,000 रुपए मिले तथा उसके ससुराल के अन्य सदस्यों के कमरे की तलाशी नहीं हो पाई क्योंकि अलमारी की चाबियां नहीं थीं। कदम के घर से मिली रकम के बारे में आयकर विभाग को बताया दिया गया है।

गुरुग्राम में दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर बारिश के बाद पानी भरने से सड़क को पार करता हुआ एक आदमी।

सड़क से संसद तक बिहार को विशेष दर्जे की मांग उठाएगी जदयू

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की रविवार को फिर से वकालत करते हुए कहा कि वह इस मांग को सड़क से सदन तक उठाते रहेंगे। ललन ने रविवार को ट्वीट कर कहा, केंद्र सरकार से बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग बिहारवासी कोई भीख या कर्जा में नहीं मांग रहे हैं, बल्कि अपना हक मांग रहे हैं। बिहारवासियों के हक की आवाज हमलोग सड़क से सदन तक उठाते रहेंगे।

उन्होंने कहा, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलने से विकासोन्मुख योजनाओं में वित्तीय सहायता मिलेगी और तभी राष्ट्रीय औसत के विकास दर को छू पाएगा बिहार। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के कुशल नेतृत्व में तीव्रता से आगे बढ़ा है बिहार। ललन ने कहा, बिहार में संसाधन का अभाव है फिर भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी की कार्यकुशलता के बदौलत बिहार की विकास दर कई वर्षों से दो अंकों में बनी हुई है। उन्होंने कहा, विशेष राज्य का दर्जा बिहार के हित में है। ललन ने अपने ट्वीट के साथ एक पोस्टर और एक वीडियो भी साझा किया है जिसमें उन लाभों का वर्णन किया गया है जो विशेष दर्जा मिलने पर मिल सकते हैं। उन्होंने लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा नहीं किए जाने पर दुख व्यक्त किया।

जदयू द्वारा बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने को लेकर यह आक्रामक रुख का कारण उसकी सहयोगी भाजपा द्वारा इस मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाना है। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय जायसवाल ने पिछले हफ्ते विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को यह दावा करते हुए खारिज कर दिया था कि बिहार को मिलने वाली केंद्रीय सहायता महाराष्ट्र जैसे अधिक आबादी वाले प्रांत से अधिक है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया था कि 14वें वित्त आयोग द्वारा विशेष दर्जा देने के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है और 15वें से इसकी बहाली के लिए कोई सिफारिश नहीं आ रही है। राज्य को आवश्यक अनुमोदन आने का इंतजार करना चाहिए।

हम केंद्र की सहमति से अफ्सपा हटाया जाना चाहते हैं : मुख्यमंत्री

भाषा। नई दिल्ली

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बिरेन सिंह ने रविवार को कहा कि वह और उनके राज्य के लोग सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफ्सपा) हटाया जाना चाहते हैं, लेकिन केंद्र की परस्पर सहमति के बाद ही क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा उनकी शीर्ष प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने यहां पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, मेरा मानना है कि अफ्सपा को केंद्र की सहमति से क्रमिक रूप से हटाया जा सकता है। लेकिन, हमें अवश्य याद रखना चाहिए कि म्यांमा में राजनीतिक स्थिरता नहीं है और उसके साथ हमारे देश की सीमा लगी हुई है।

चुनावी राज्य के भारतीय जनता पार्टी के प्रथम मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि चुनाव बड़े बदलाव को प्रदर्शित करेंगे और उनकी पार्टी सीटों की अपनी संख्या दोगुनी करेगी। उन्होंने कहा, हम दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमारा कोई चुनाव पूर्व गठबंधन नहीं है लेकिन जरूरत पड़ने पर चुनाव बाद गठबंधन किया जा सकता है। इस बार शांति, विकास और सौहार्दपूर्ण सह-अस्तित्व को भाजपा को मुख्य चुनावी मुद्दा बताते हुए यह बात कही। कांग्रेस के 28 विधायक होने के बावजूद अपने महज 21 विधायकों के साथ भाजपा ने दो स्थानीय दलों, एनपीपी और एनपीएफ के सहयोग से 2017 में सरकार बनाई थी। राज्य की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में, 27 फरवरी और तीन मार्च को चुनाव होने हैं। अफ्सपा हटाने की मांग को लेकर राज्य में कई आंदोलन हुए हैं। मणिपुर की इरोम शर्मिला का अनशन भी इसका एक मुख्य उदाहरण है, जो देश में सबसे लंबे समय तक चला था।

अफ्सफा हटाना, एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है और पड़ोसी राज्य नगालैंड में सैन्य कर्मियों की गोलीबारी में 14 आम लोगों के मारे जाने को लेकर एक बार फिर यह एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। सिंह ने कहा, हम एक सीमावर्ती राज्य हैं और म्यांमा के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। मुझे राष्ट्रहित को भी देखना होगा। लेकिन एक मणिपुरी होने और मणिपुर का मुख्यमंत्री होने के नाते, मैं चाहता हूं कि अफ्सपा हटा दिया जाए।

उन्होंने कहा, लेकिन साथ ही, जमीनी हकीकत का आकलन किए बगैर ऐसा करना संभव नहीं है। केंद्र सरकार से परामर्श किए बगैर, यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे सहित मणिपुर के लोग चाहते हैं कि अफ्सपा को हटा दिया जाए लेकिन केंद्र सरकार की परस्पर सहमति के बाद क्योंकि राष्ट्र की सुरक्षा हमारे लिए पहली प्राथमिकता है। सिंह ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई है और उग्रवाद 90 प्रतिशत तक घट गया है। उन्होंने कहा, मणिपुर सरकार म्यांमा में मणिपुरी उग्रवादियों के साथ सार्थक वार्ता करने की भी कोशिश कर रही है।

क्विक न्यूज

गणतंत्र दिवस पर उल्फा (आई) का बंद नहीं, हिमंत ने वार्ता के लिए इसे मददगार कदम बताया

गुवाहाटी। कोविड-19 की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर परेश बरुआ के नेतृत्व वाला उल्फा (आई) दो दशक में पहली बार गणतंत्र दिवस पर बंद के आह्वान से दूर रहा है। उग्रवादी संगठन के इस कदम का स्वागत करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने उम्मीद जताई कि विश्वास बहाली के ऐसे उपायों से उल्फा (आई) और केंद्र के बीच भविष्य में औपचारिक वार्ता हो सकती है। मीडिया को ईमेल किए गए एक बयान में बरुआ ने कहा कि कोविड-19 की स्थिति के मद्देनजर उल्फा (आई) बंद या गणतंत्र दिवस समारोह के बहिष्कार का आह्वान नही करेगा। बरुआ ने हालांकि, ऐसे समय में पांच-दिवसीय कार्यक्रम के साथ गणतंत्र दिवस समारोह मनाने के लिए केंद्र की आलोचना की। बरुआ ने लोगों से महामारी के कारण कार्यक्रमों में भाग लेने से परहेज करने और 26 जनवरी को उत्सव के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए काला बिल्ला पहनने का आग्रह किया। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया जताते हुए सरमा ने संवाददाताओं से कहा, 'उल्फा (आई) के प्रमुख परेश बरुआ ने कोविड-19 महामारी के कारण गणतंत्र दिवस पर बंद का आह्वान नही किया है। यह एक स्वागत योग्य कदम है। मुझे लगता है कि इस तरह के विश्वास-बहाली के उपायों से भविष्य में केंद्र और इस संगठन के बीच औपचारिक वार्ता हो सकती है। मुख्यमंत्री ने इस महीने की शुरुआत में उल्फा (आई) से गणतंत्र दिवस पर बंद का आह्वान नही करने का आग्रह किया था और पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा करने से परहेज करने के लिए प्रतिबंधित संगठन की सराहना की थी। सरमा ने पिछले साल 10 मई को शपथ लेने के बाद उल्फा (आई) से शांति वार्ता के लिए आगे आने और राज्य में 42 साल पुराने उग्रवाद को खत्म करने की अपील की थी। उल्फा के कट्टरपंथी धड़े ने उसी महीने तीन महीने के लिए एकतरफा संघर्षविराम की घोषणा के साथ उसका जवाब दिया था, जिसे वह तब से बढ़ा रहा है। सरमा ने एकतरफा संघर्षविराम को सकारात्मक कदम बताते हुए कहा था कि सरकार ने भी इसके जवाब में पिछले आठ महीनों में संगठन के साथ किसी प्रकार का सीधा संघर्ष नही किया है।

अरुणाचल से लद्दाख तक के अभियान पर जाएगा महिलाओं का समूह, बछेंद्री पाल करेंगी नेतृत्व

जमशेदपुर। माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली भारतीय महिला बछेंद्री पाल हिमालय क्षेत्र में अरुणाचल से लद्दाख तक पांच महीने के लंबे अभियान पर जाने वाली 50 साल से अधिक उम्र की महिलाओं की एक टीम का नेतृत्व करेंगी। पाल (66) ने कहा कि महिलाओं का 10 सदस्ईय समूह 8 मार्च 2022 को अरुणाचल प्रदेश से अपना अभियान शुरू करेगा और लगभग 4,625 किलोमीटर का सफर तय करेगा। इस दौरान यह समूह 17,320 फुट ऊंचे लामखागा दर्रे से भी गुजरेगा, जिसे सबसे मुश्किल दर्रों में शुमार किया जाता है। टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन द्वारा आयोजित अभियान पिछले साल मई में शुरू होना था, लेकिन वैश्विक महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया था। अब मार्च में शुरू होने जा रहा यह अभियान अगस्त के पहले या दूसरे सप्ताह में लद्दाख के द्रास क्षेत्र में समाप्त होगा। महान भारतीय पर्वतारोही पाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, अभियान सभी आयु वर्ग की महिलाओं को स्वस्थ रहने के मकसद से अपने दैनिक जीवन में फिटनेस गतिविधियों को शामिल करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा।

अर्थव्यवस्था में अभी कई काले धब्बे , सरकार को सावधानी से खर्च करने की जरूरत : रघुराम राजन

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मे चमकीले स्थानो के साथ कुछ काले धब्बे भी है, ऐसे मे सरकार को अपने खर्च को सावधानी से लक्षित करने की जरूरत है, ताकि राजकोषीय घाटे को बहुत ऊंचाई पर पहुंचने से रोका जा सके। राजन अपने विचारों को स्पष्ट तरीके से रखने के लिए जाने जाते है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ने कहा कि सरकार को अर्थव्यवस्था के के (अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर) आकार के पुनरुद्धार को रोकने के लिए और उपाय करने की जरूरत है। सामान्य तौर पर के-आकार के पुनरुद्धार मे प्रौद्योगिकी और बड़ी पूंजीगत कंपनियो की स्थिति महामारी से अधिक प्रभावित छोटे व्यवसायो और उद्योगो की तुलना मे तेजी से सुधरती है। राजन ने पीटीआई-भाषा को ई-मेल के जरिए दिए साक्षात्कार मे कहा, अर्थव्यवस्था के बारे मे मेरी सबसे बड़ी चिंता मध्यम वर्ग, लघु एवं मझोले क्षेत्र और हमारे बच्चो को लेकर है। ए सारी चीजें दबी मांग से शुरुआती पुनरुद्धार के बाद खेल मे आएंगी। उन्होंने कहा कि इन सभी का लक्षण कमजोर उपभोक्ता मांग है। विशेषरूप से व्यापक स्तर पर इस्तेमाल वाले उपभोक्ता सामान की मांग काफी कमजोर है। राजन फिलहाल शिकॉगो विश्वविद्यालय के बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस मे प्रोफेसर हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था मे हमेशा चमकदार स्थानो के साथ गहरे काले धब्बे होते हैं। उन्होंने कहा कि चमकदार क्षेत्रो की बात की जाए, तो इसमे स्वास्थ्य सेवा कंपनियां आती है। इनके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और आईटी-संबद्ध क्षेत्र जबर्दस्त कारोबार कर रहे है। कई क्षेत्रो मे यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन) बने है और वित्तीय क्षेत्र के कुछ हिस्से भी मजबूत हैं।

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड के लिए हरियाणा की प्रदर्शनी पूर्वाभ्यास के दौरान

कांग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ रहे बेटे के लिए पंजाब के मंत्री राणा गुरजीत ने किया प्रचार

कपूरथला (पंजाब)। पंजाब में मंत्री राणा गुरजीत सिंह ने अपने बेटे राणा इंदर प्रताप सिंह के लिए आक्रामक चुनाव प्रचार शुरू किया है, जो कांग्रेस उम्मीदवार नवतेज सिंह चीमा के खिलाफ सुल्तानपुर लोधी विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। पंजाब के कैबिनेट मंत्री ने इंदर प्रताप के लिए 21 जनवरी को चीमा के पैतृक गांव बूसोवाल से चुनाव प्रचार की शुरुआत की। राणा ने दावा किया कि सुल्तानपुर लोधी सीट से उनके बेटे की जीत होगी। राणा गुरजीत ने रविवार को इंदर प्रताप के लिए विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले गांवों में चुनाव प्रचार किया।

चीमा समेत पंजाब कांग्रेस के चार नेताओं ने मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिख कर, राणा गुरजीत को पार्टी से निलंबित किए जाने की मांग की और आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों से पहले यह पार्टी को कमजोर कर रहे हैं। कांग्रेस ने राणा को कपूरथला विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है।

मंत्री ने बातचीत में कहा कि सोनिया को कांग्रेस के चार नेताओं की ओर से पत्र लिखे जाने के बाद उन्होंने अपने बेटे के पक्ष में चुनाव प्रचार करने का निर्णय किया। साथ ही उन्होंने कहा कि यह उनकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वह इंदर प्रताप का समर्थन करें।

राणा गुरजीत ने कांग्रेस के चारों नेताओं को कपूरथला आकर उनके खिलाफ चुनाव प्रचार करने की चुनौती दी है, जहां से वह कांग्रेस के टिकट पर दोबारा विधानसभा में पहुंचने की जुगत में हैं। यह पूछे जाने पर कि चीमा के खिलाफ प्रचार करने को लेकर पार्टी आलाकमान की ओर से क्या कोई कार्रवाई हुई है।

बंगाल के संगठन ने भारतीय सेना में बंगाली रेजिमेंट के गठन की मांग उठाई

कोलकाता। बंगाली संगठन बांग्ला पोक्खो ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर मांग उठाई कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस और पश्चिम बंगाल के अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को उचित श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय सेना में एक बंगाली रेजिमेंट का गठन किया जाए। संगठन ने यह भी कहा कि सशस्त्र सेनाओं में शामिल होने के इच्छुक युवाओं को बंगाली भाषा में भर्ती परीक्षा देने का विकल्प दिया जाए। मोदी और सिंह को लिखे पत्र में संगठन ने कहा, बंगाल के महान नेता सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर बंगालियों की मांग है कि भारतीय सेना में बंगाली रेजिमेंट का गठन किया जाए। बांग्ला पोक्खो ने कहा कि सेना में बंगाली रेजिमेंट का गठन कर नेताजी और राज्य के उन योद्धाओं को उचित सम्मान दिया जा सकेगा जिन्होंने ब्रिटिश राज से देश को मुक्त कराने में भूमिका निभाई थी।

असम में पुलिस गोलीबारी में पूर्व छात्र नेता घायल

गुवाहाटी। असम के नगांव जिले में एक पूर्व छात्र नेता पुलिस गोलीबारी में घायल हो गया। पुलिस ने उसे मादक पदार्थ तस्कर बताया है। विपक्षी दलों ने इस घटना को राज्य में मौजूद जंगलराज का परिणाम बताते हुए दावा किया है कि वर्तमान स्थिति 90 के दशक के गुपचुप हत्याओं के दौर से भी बदतर है। इस बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

पुलिस ने दावा किया है कि नगांव कॉलेज का पूर्व महासचिव कीर्ति कमल बोरा शनिवार को मादक पदार्थ बेच रहा था और कानून प्रवर्तकों पर हमला करने के बाद उसके पैर में गोली मार दी गई। दूसरी ओर, ऑल असम स्टूडेंट यूनियन (आसू) ने आरोप लगाया है कि बोरा ने नशे में धुत पुलिसकर्मियों द्वारा एक युवक की पिटाई करने का विरोध किया, जिससे वे नाराज हो गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिरिक्त मुख्य सचिव पवन बोरठाकुर को जांच का जिम्मा सौंपा गया है। बोरठाकुर घटना के तह में जाएंगे और सात दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपेंगे। सरमा ने कहा, पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी, लेकिन उसे आम आदमी के लिए मित्रवत होना चाहिए। अगर कोई कर्मी या अधिकारी दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

बोरा की मां और कुछ छात्रों ने गोलीबारी की घटना की न्यायिक जांच कराने और इसमें शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर नगांव थाने के सामने प्रदर्शन किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें मुख्य द्वार को जाम करने की बजाय ज्ञापन देने को कहा। विरोध और आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, असम पुलिस ने ट्वीट किया, कचलुखुआ, नगांव में हुई गोलीबारी की घटना में शामिल पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से पुलिस रिजर्व भेज दिया गया है।

नेताजी ने भारत को आजादी दिलाने में मदद के लिए 1939 में सोवियत नेतृत्व को गुप्त पत्र भेजे थे

कोलकाता। स्वतंत्रता सेनानी सुभाषचंद्र बोस ने अपने भतीजे अमिया बोस को भारत की आज़ादी के लिए सोवियत संघ से मदद के वास्ते गुप्त पत्र ले जाने का काम सौंपा था, जो ब्रिटेन में अक्टूबर 1939 में एजेंट को देने थे। यह द्वितीय विश्व युद्ध से बमुश्किल एक महीने पहले की बात है। नेताजी के भतीजे की ब्रिटेन पहुंचते ही न्यू स्कॉटलैंड यार्ड के अधिकारियों ने तलाशी ली थी लेकिन वे उनके पास से पत्र हासिल नहीं कर पाए थे। इनमें से एक पत्र भारतीय मूल के ब्रिटिश कम्युनिस्ट नेता रजनी पालमे दत्त को और दूसरा एक सोवियत एजेंट को सौंपा गया था।

अमिया बोस की बेटी और बोस ब्रॉदर्स की लेखिका माधुरी बोस ने पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार में कहा, मेरे पिता ने बताया था कि उनके चाचा ने उन्हें मई 1939 में कैम्ब्रिज से भारत बुलाया था और रूस मिशन पर जाने को कहा था। उनके पिता शरत बोस को इस बारे में पता था जबकि मां को कोई जानकारी नहीं थी। उनसे अपने ओवरकोट की जेब में संदेश ले जाने के लिए कहा गया था।

अमिया बोस ने अपनी बेटी को बताया था कि उन्होंने सुभाष बोस से कहा था, अगर मैं आपके संदेशों के साथ पकड़ा जाता हूं तो आपको फांसी दे दी जाएगी। बोस ने तब कहा था कि वह खुशी-खुशी जोखिम लेंगे। सुभाष चंद्र बोस की आज 125वीं जयंती है। नेताजी ने सोवियत रूस की सरकार से संपर्क करने के लिए समर्थन प्राप्त करने के वास्ते भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के साथ बैठकें की थीं। माधुरी बोस कहती हैं कि बैठक में भाकपा का प्रतिनिधित्व करने वाले सोली बटलीवाला ने इस कदम पर सहमति जताई थी।

बाटलीवाला ने तीन दशक बाद अमिया बोस को दिए गए बैठक के एक हस्तलिखित रिकॉर्ड में बताया कि नेताजी ने उनसे कहा था, मैं जो रणनीति सुझाता हूं वह है: हम भारत में स्वतंत्रता के लिए पूरे पैमाने पर राष्ट्रीय आंदोलन शुरू करेंगे, उसी समय सोवियत रूस उत्तर की ओर से मार्च करे। नेताजी ने स्पष्ट रूप से बटलीवाला से कहा कि सोवियत रूस पर भरोसा किया जा सकता है कि वह इसका फायदा न उठाए और देश पर कब्जा न करे।

कोलकाता में रहने वाले कम्युनिस्ट के अनुसार, भाकपा इस योजना के पक्ष में नहीं थी, लेकिन इसके लिए सहमत हो गई कि संदेश मास्को तक पहुंच जाए। यह निर्णय लिया गया कि सुभाष चंद्र बोस अमिया के माध्यम से सीधा संवाद करेंगे। समुद्री जहाज से ब्रिटेन के पूले बंदरगाह पर पहुंचने पर, अमिया बोस को न्यू स्कॉटलैंड यार्ड के एक अधिकारी ने रोक लिया, जो अच्छी बंगाली बोलता था। उनसे तीन घंटे तक पूछताछ की गई और उनके सामान की तलाशी ली गई।

मुरादाबाद में यूपी टेट की परीक्षा देने के बाद वापस लौटते हुए अभ्यर्थी।

वैश्विक रुझानों से तय होगी बाजार की चाल

भाषा। नई दिल्ली

इस सप्ताह शेयर बाजारों की चाल वैश्विक रुझानों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह बात कही है। इसके साथ ही विश्लेषकों ने कहा कि मासिक डेरिवेटिव सौदों के निपटान के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर बुधवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, अवकाश के कारण यह सप्ताह छोटा है, और घटनाओं तथा आंकड़ों के लिहाज से महत्वपूर्ण होने जा रहा है। बाजार सबसे पहले दो बड़ी कंपनियों - रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक के परिणामों पर प्रतिक्रिया देगा। मिश्रा ने कहा कि इस समय अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में वृद्धि के स्तर को लेकर अनिश्चितता से दुनियाभर के बाजारों में डर है और कारोबारियों को 26 जनवरी को तय एफओएमसी (संघीय ओपन मार्केट समिति) की बैठक के नतीजों का इंतजार है।

उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर जनवरी महीने के डेरिवेटिव सौदों के निपटान से कारोबारियों के बीच सतर्कता देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि बजट से पहले कुछ विशेष क्षेत्रों में उम्मीद का असर भी बाजार में देखने को मिल सकता है। इसके अलावा बाजार की नजर एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति, सिप्ला, वेदांता और लार्सन एंड टुब्रो जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम पर भी होगी। कमजोर वैश्विक धारणा के चलते पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट रही।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स में 2,185.85 अंक या 3.57 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी 638.60 अंक या 3.49 प्रतिशत लुढ़क गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के प्रमुख (अनुसंधान) एस रंगनाथन ने कहा कि एफपीआई की मुनाफावसूली के चलते सूचकांक में पिछले सप्ताह चार प्रतिशत की गिरावट देखी गई। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के प्रमुख (खुदरा अनुसंधान) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि सप्ताह के अंत में आए रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक के नतीजे सोमवार को बाजार को दिशा देंगे। इस सप्ताह फेडरल बैंक, भेल, केनरा बैंक और पीएनबी भी अपने तिमाही परिणामों की घोषणा करने वाले हैं।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.53 लाख करोड़ रुपए घटा

भाषा। नई दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2.53 लाख करोड़ रुपए की गिरावट आई। इस दौरान वैश्विक बाजारों में भारी गिरावट के बीच स्थानीय बाजार भी जबर्दस्त बिकवाली दबाव में रहे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा बड़ी कंपनियों और चुनिंदा मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में मुनाफा काटने से बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में साप्ताहिक आधार पर करीब चार प्रतिशत की गिरावट आई। बीते सप्ताह सेंसेक्स 2,185.85 अंक या 3.57 प्रतिशत नीचे आया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 638.60 अंक या 3.49 प्रतिशत के नुकसान में रहा। शेयर बाजारों में जोरदार गिरावट के बीच देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सामूहिक रूप से 2,53,394.63 करोड़ रुपए घट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 40,974.25 करोड़ रुपए के नुकसान से 16,76,291.69 करोड़ रुपए पर आ गया। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस को सामूहिक रूप 1,09,498.10 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। टीसीएस की बाजार हैसियत घटकर 14,18,530.72 करोड़ रुपए रह गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 7,51,144.40 करोड़ रुपए पर आ गया। वहीं देश के शीर्ष बैंकों... एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन सामूहिक रूप से 29,239.04 करोड़ रुपए नीचे आ गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 13,563.15 करोड़ रुपए के नुकसान से 8,42,876.13 करोड़ रुपए रह गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 4,863.91 करोड़ रुपए घटकर 4,48,729.47 करोड़ रुपए पर और आईसीआईसीआई बैंक की 10,811.98 करोड़ रुपए के नुकसान से 5,58,699.39 करोड़ रुपए रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 9,938.77 करोड़ रुपए टूटकर 5,45,622.08 करोड़ रुपए पर और बजाज फाइनेंस का 27,653.67 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 4,45,033.13 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी का मूल्यांकन 22,003.75 करोड़ रुपए घटकर 4,69,422.38 करोड़ रुपए रह गया। दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में 14,087.05 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 3,81,723.36 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमश: टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस आदि का स्थान रहा।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 445 परियोजनाओं की लागत 4.4 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

भाषा। नई दिल्ली

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 445 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। देरी और अन्य कारणों की वजह से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की दिसंबर, 2021 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,673 परियोजनाओं में से 445 की लागत बढ़ी है, जबकि 557 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, इन 1,673 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल गत 22,23,791.78 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 26,64,649.18 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 19.82 प्रतिशत या 4,40,857.40 करोड़ रुपए बढ़ी है।

रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर, 2021 तक इन परियोजनाओं पर 13,08,766.65 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 49.12 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 420 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 838 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रहीं 557 परियोजनाओं में 97 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने की, 127 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 217 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 116 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 557 परियोजनाओं की देरी का औसत 45.69 महीने है।

इन परियोजनाओं की देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख हैं। इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिए जाने में विलंब, परियोजनाओं की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि जैसे कारक भी देरी के लिए जिम्मेदार हैं।

देवास के शेयरधारक विदेश में भारतीय संपत्तियों को जब्त करने पर अडिग

भाषा। नई दिल्ली

कोर्ट के फैसले के बाद भी कंपनी के शेयर धारक अपने रुख पर बरकरार

उच्चतम न्यायालय द्वारा देवास मल्टीमीडिया के परिसमापन को सही ठहराने के फैसले से प्रभावित हुए बिना कंपनी के शेयरधारक 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर हासिल करने के लिए विदेश में भारत सरकार की संपत्तियों को जब्त करने की मांग जारी रखेंगे। देवास मल्टीमीडिया के वकील ने यह बात कही। हालांकि, उन्होंने कहा कि कंपनी मुद्दे को बातचीत के जरिए सुलझाने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने उपग्रह स्पेक्ट्रम उपयोग का अनुबंध रद्द किए जाने के मामले में देवास मल्टीमीडिया को हर्जाना देने का आदेश दिया है। गिब्सन, डन एंड क्रचर के पार्टनर और देवास के शेयरधारकों के वकील मैथ्यू डी मैकगिल ने कहा, उच्चतम न्यायालय के फैसले से कुछ भी नहीं बदला है। नरेंद्र मोदी सरकार और भारतीय अदालतें तथ्यों को फिर से नहीं लिख सकती हैं। धोखाधड़ी के उनके तुच्छ आरोप भारत के बाहर की अदालतों में कभी नहीं टिकेंगे। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के लिए बातचीत की मेज पर लौटना और समझौता वार्ता को जारी रखना ही बेहतर होगा। देवास मल्टीमीडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, हम पहले ही भारत सरकार की करोड़ों डॉलर की संपत्ति को जब्त करने का आदेश हासिल कर चुके हैं। जब तक भारत भरोसे के साथ बातचीत की मेज पर नहीं लौटता, हम संपत्तियों की पहचान करना और उन्हें जब्त करना जारी रखेंगे। प्रवक्ता ने कहा, मोदी सरकार की रणनीति को समझना आसान है। वे दुनिया भर में देवास पर हमला करने के लिए शीर्ष अदालत के फैसले का उपयोग करेंगे, हालांकि, हम तैयार हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बीते दिनों कहा था कि सरकार देवास मल्टीमीडिया के परिसमापन को सही ठहराने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के आधार पर विदेशों में अपनी परिसंपत्तियों की जब्ती को चुनौती देगी। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के 17 जनवरी को आए फैसले के कुछ अंश उद्धृत करते हुए कहा, यह कांग्रेस का कांग्रेस के लिए और कांग्रेस द्वारा किया गया फरेब है। इस फैसले में देवास मल्टीमीडिया के परिसमापन के आदेश को इस आधार पर बरकरार रखा गया है कि इसे धोखाधड़ी से अंजाम दिया गया था। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान वर्ष 2005 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की वाणिज्यिक इकाई एंट्रिक्स और देवास के बीच स्पेक्ट्रम उपयोग को लेकर करार हुआ था। इसके जरिए मोबाइल फोनधारकों को मल्टीमीडिया सेवाएं मुहैया कराई जानी थी। सीतारमण ने दावा किया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल को जानकारी के बगैर ही एंट्रिक्स को इस सौदे के तहत एस-बैंड के स्पेक्ट्रम देने पर हामी भरी गई थी। उन्होंने कहा कि विवाद बढ़ने पर संप्रग सरकार ने छह साल बाद इस सौदे को निरस्त किया लेकिन देवास की तरफ से शुरू की गई मध्यस्थता कार्यवाही से निपटने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा, सरकार अब करदाताओं के पैसे बचाने के लिए हर अदालत में लड़ रही है अन्यथा यह राशि मध्यस्थता फैसले के भुगतान में चली जाती, जो देवास ने सौदे को रद्द करने पर जीता है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब देवास के शेयरधारकों ने 1.29 अरब डॉलर की वसूली के लिए विदेशों में भारतीय संपत्तियों को जब्त करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। देवास को इस धनराशि की भरपाई का आदेश अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरणों ने दिया था।

देवास को पेरिस में भारतीय संपत्तियों को जब्त करने के लिए फ्रांसीसी अदालत ने आदेश दिया है और वह कनाडा में भी एयर इंडिया की संपत्ति जब्त करने की मांग कर रही है। यह सौदा 2011 में इस आधार पर रद्द कर दिया गया कि ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम की नीलामी धोखाधड़ी में हुई थी और सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य सामाजिक उद्देश्यों के लिए एस-बैंड उपग्रह स्पेक्ट्रम की जरूरत थी इसके बाद देवास मल्टीमीडिया ने इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) में फैसले के खिलाफ मध्यस्थता कार्वाई शुरू की। इसके अलावा देवास के निवेशकों द्वारा दो अन्य मध्यस्थता कार्वाई भी शुरू की गईं। भारत को तीनों मामलों में हार का सामना करना पड़ा और नुकसान की भरपाई के लिए कुल 1.29 अरब डॉलर का भुगतान करने को कहा गया।

सूती धागे, कपड़े के ऊंचे दाम पर लगाम लगाने की मांग

नई दिल्ली। नोएडा परिधान निर्यात क्लस्टर (एनएईसी) ने रविवार को सरकार से सूती धागे और कपड़े के ऊंचे दाम पर लगाम लगाने की मांग की, क्योंकि इनकी बढ़ती कीमतों का असर निर्यातकों पर पड़ रहा है। एनएईसी के अध्यक्ष ललित ठुकराल ने कपास के निर्यात पर नियंत्रण, कपास के आयात पर 10 प्रतिशत शुल्क को हटाने और कपास तथा अन्य कच्चे माल की कीमतों को विनियमित करने के लिए एक व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया।उन्होंने कहा, परिधान उद्योग सूती धागे और कपड़ों की भारी लागत से जूझ रहा है। पिछले कुछ महीनों के दौरान कपास की कीमतों में 80 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। कपास की 335 किलोग्राम की गांठ की कीमत 37,000 रुपए से बढ़कर 74,000 रुपए हो गई है।

समारा कैपिटल एफआरएल में 7,000 करोड़ का निवेश करने को तैयार, अमेजन ने की पुष्टि

भाषा। नई दिल्ली

अमेजन ने फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) के स्वतंत्र निदेशकों को पत्र लिखकर पुष्टि की है कि समारा कैपिटल कर्ज में डूबी कंपनी की सभी खुदरा संपत्तियां खरीदने के लिए 7,000 करोड़ रुपए का निवेश करने को इच्छुक और प्रतिबद्ध है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेजन ने खुदरा कंपनी को रविवार तक जांच-परख की रिपोर्ट (खरीदारी से संबंधित वित्तीय ब्योरा) समारा को सौंपने के लिए कहा है। इससे पहले अमेजन ने 19 जनवरी को एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों से संपर्क कर कंपनी की वित्तीय चिंताओं को दूर करने के लिए मदद की इच्छा जताई थी।

इसके जवाब में स्वतंत्र निदेशकों ने अमेजन को 22 जनवरी तक इस बात की पुष्टि करने को कहा कि क्या वह 29 जनवरी, 2022 तक एफआरएल के कर्जदाताओं को देने के लिए खुदरा कंपनी में 3,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। अमेजन ने 22 जनवरी को अपने जवाब में कहा, हम पुष्टि करते हैं कि 21 जनवरी, 2022 को आपके पत्र के आधार पर समारा कैपिटल ने एक बार फिर हमें बताया है कि उनकी दिलचस्पी है और वह समारा, एफआरएल और एफआरएल के प्रवर्तकों के बीच हस्ताक्षरित 30 जून 2020 की पेशकश को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस समझौते के अनुसार, 7,000 करोड़ रुपए में खरीद की बात कही गई है, जिसकी एक प्रति पीटीआई-भाषा ने देखी है।अमेजन ने अपने पत्र में कहा कि समारा समझौते के तहत एफआरएल की सभी खुदरा संपत्तियों का अधिग्रहण किया जाना है, जिसमें ईजी डे, आधार और हेरिटेज ब्रांड शामिल हैं। यह अधिग्रहण समारा की अगुवाई में भारतीय स्वामित्व और नियंत्रण वाली इकाई द्वारा किया जाएगा, जिसे अमेजन का समर्थन हासिल होगा। इस संबंध में अमेजन और फ्यूचर समूह को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला था। इससे पहले अमेजन ने एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों को पत्र लिखकर कहा था कि कंपनी द्वारा उसकी सहमति के बिना छोटे आकार के स्टोर को बेचना रोक के आदेश का उल्लंघन होगा। हालांकि, इसके साथ ही अमेजन ने नकदी संकट से जूझ रही कंपनी के वित्तीय संकट को दूर करने की इच्छा फिर दोहराई थी।

रिलायंस रिटेल के साथ फ्यूचर समूह के 24,731 करोड़ रुपए के बिक्री सौदे को अमेजन ने चुनौती दी है।

एचडीएफसी ने सस्ते घरों के वित्तपोषण के लिए 1.88 अरब डॉलर का तीसरा कोष पूरा किया

नई दिल्ली। एचडीएफसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी एचडीएफसी कैपिटल ने सस्ते घरों के वित्तपोषण के लिए 1.88 अरब डॉलर या 13,500 करोड़ रुपए के तीसरे कोष को शुरुआती रूप से पूरा कर लिया है। एचडीएफसी कैपिटल ने एक बयान में कहा कि उसका लक्ष्य नवोन्मेषी वित्तपोषण, साझेदारियों और प्रौद्योगिकी के समागम से भारत में दस लाख किफायती मकानों के निर्माण के लिए वित्तपोषण उपलब्ध कराने का है। कंपनी इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अग्रणी वैश्विक निवेशकों के साथ सक्रियता से विचार-विमर्श कर रही है ताकि भारत में सस्ते घरों के निर्माण में निवेश के लिए अतिरिक्त धन जुटाया जा सके। एचडीएफसी कैपिटल अफोर्डेबल रीयल एस्टेट फंड-3 (एच-केयर-3) भारत में घरों के निर्माण में निवेश के लिहाज से सबसे बड़े कोषों में से है।

फार्मा उद्योग को पूरा भरोसा, बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवंटन बढ़ेगा

भाषा। नई दिल्ली

घरेलू फार्मास्युटिकल्स (दवा) उद्योग को आगामी आम बजट से काफी उम्मीदें हैं। उद्योग का मानना है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2022-23 के बजट में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए आवंटन बढ़ाने, शोध एवं विकास गतिविधियों को प्रोत्साहन और विभिन्न दवाओं पर कर छूट को जारी रखने जैसे कदम उठाएंगी।

इसके अलावा उद्योग विभिन्न प्रक्रियाओं का सरलीकरण भी चाहता है, जिससे निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर हो सकेगी।

भारतीय फार्मास्युटिकल्स उत्पादकों के संगठन (ओपीपीआई) के अध्यक्ष एस श्रीधर ने पीटीआई-भाषा से कहा, बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवंटन सकल घरेलू उत्पाद के मौजूदा 1.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.5 से तीन प्रतिशत किया जाना चाहिए। इसके अलावा जैव-फार्मास्युटिकल क्षेत्र में शोध एवं विकास के लिए अलग से आवंटन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीते साल उद्योग ने उल्लेखनीय रफ्तार दर्ज की। विशेषरूप से कोविड-19 का टीका और दवाएं उपलब्ध कराने में उद्योग आगे रहा। श्रीधर ने कहा कि इस साल का बजट उद्योग की वृद्धि को जारी रखने और सिर्फ कोविड ही नहीं अन्य बीमारियों के लिए नवोन्मेषी स्वास्थ्य समाधानों तक पहुंच की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार को दवाओं पर सीमा शुल्क छूट को जारी रखना चाहिए। यदि सरकार ऐसा नहीं करती है, तो मौजूदा परिदृश्य में इस तरह की दवाओं को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि विरले प्रकार के रोगों के लिए नवोन्मेषी दवाओं पर आयात शुल्क छूट पर विचार किया जाना चाहिए। इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा, फार्मा क्षेत्र में कारोबार सुगमता की स्थिति को सुगम करने के लिए अतिरिक्त उपाय किए जाने चाहिए। प्रक्रियाओं को सरल और उद्योग के अनुकूल किया जाना चाहिए। साथ ही अड़चनों को दूर करने और निवेश को प्रोत्साहन के कदम उठाए जाने चाहिए।

पेज एक का शेष

भारत में...

सामने आए बी.1.640.2 वंश की निगरानी की जा रही है। इसके तेजी से फैलने का कोई सबूत नहीं है। प्रतिरक्षा को इसके भेदने की आशंका है लेकिन फिलहाल यह चिंताजनक स्वरूप नहीं है। अब तक, भारत में ऐसे किसी भी मामले का पता नहीं चला है। रविवार को ही जारी समूह के तीन जनवरी के बुलेटिन में कहा गया है कि ओमीक्रोन अब भारत में सामुदायिक प्रसार के स्तर पर है और यह दिल्ली एवं मुंबई में हावी हो गया है, जहां नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बुलेटिन में कहा गया है, भारत में ओमीक्रोन का प्रसार अब विदेशी यात्रियों के माध्यम से नहीं बल्कि देश के भीतर ही होने की आशंका है। संक्रमण के प्रसार के बदलते परिदृश्य के मद्देनजर आईएनएसएसीओजी में नमूना एकत्र करने और अनुक्रमण रणनीति में संशोधन पर काम किया जा रहा है।

भाजपा में...

उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद हुए कार्यक्रम के दौरान मेयर संयुक्ता भाटिया, प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा एवं महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं द्वारा तीनों ही नेताओं का भाजपा परिवार में स्वागत किया गया। अदिति सिंह ने कहा कि भाजपा ने अपने पूरे कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में महिला केंद्रित योजनाओं को लागू कर महिलाओं की जिंदगी में नए रंग भरे हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें जो महिलाओं के लिए योजना लागू करना तो दूर उनके हित की बात भी नहीं करती थीं। कांग्रेस छोड़कर आई प्रियंका मौर्य ने कहा, मैंने समाज हित और राष्ट्रहित के लिए भारतीय जनता पार्टी को चुना और सबका साथ सबका विकास के मंत्र पर काम करने के संकल्प संग काम करूंगी।

चीन की...

सौंप दिया जाएगा। गाओ ने 19 जनवरी को दावा किया था कि पीएलए ने अपर सियांग जिले के सियुंगला इलाके (बिशिंग गांव) के लुंगटा जोर से तरोन को अगवा कर लिया है। तरोन के दोस्त जॉनी यायिंग ने पीएलए द्वारा अगवा किए जाने के बारे में प्राधिकारियों को सूचित किया। दोनों जिदो गांव के स्थानीय शिकारी हैं। घटना उस स्थान के पास हुई जहां से त्सांगपो नदी भारत में अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है। त्सांगपो को अरुणाचल प्रदेश में सियांग और असम में ब्रह्मपुत्र कहा जाता है। 20 जनवरी को, चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि उसे इस घटना की जानकारी नहीं है, लेकिन कहा था कि पीएलए सीमाओं को नियंत्रित करती है और अवैध प्रवेश और निकास गतिविधियों पर कार्वाई करती है। सितंबर 2020 में, पीएलए ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले से पांच युवकों को अगवा कर लिया था। करीब एक सप्ताह बाद पीएलए ने युवकों को रिहा किया था। नवीनतम घटना ऐसे समय हुई है जब भारतीय सेना और चीन की सेना के बीच लद्दाख में अप्रैल 2020 से गतिरोध है। भारत लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक चीन के साथ 3,400 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) साझा करता है।

मायावती ने...

उन्होंने (मायावती) चुप्पी साध रखी है, यह मेरी समझ के बाहर है। नई दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में दो दिन पहले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए युवाओं को लेकर घोषणापत्र जारी करने के दौरान पत्रकारों ने जब प्रियंका गांधी से पूछा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा तो उन्होंने कहा, क्या आपको उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की तरफ से कोई और चेहरा दिख रहा है? बाद में एक साक्षात्कार में प्रियंका ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सिर्फ वह ही अपनी पार्टी का चेहरा नहीं हैं।

टीईटी में...

किया है। गिरफ्तार युवक से पूछताछ करने पर पहले उसने अपना नाम अर्नव सिंह सदर हाजीपुर वैशाली बिहार बताया, परन्तु जब उसकी तलाशी ली गयी तो उसके पास से पप्पू सिंह जाफराबाद वैशाली बिहार के नामध्यता का आधार कार्ड बरामद हुआ। इस आधार कार्ड के संबंध में पूछताछ करने पर इसने बताया कि उसका वास्तविक नाम पप्पू सिंह उपरोक्त है और महेन्द्र प्रताप यादव के स्थान पर बैठकर परीक्षा दे रहा था। एसटीएफ ने मुरादाबाद के थाना सिविल लाइन्स पुलिस के साथ मिलकर एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। पूछताछ पर गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि इस गिरोह का संचालन मैं व मेरा साथी जयपाल सिंह जाहिदपुर मुरादाबाद जो वर्तमान में रायबरेली में स्टेनो के पद पर है और मेरा दुसरा साथी विपिन बिन्दवासनी कालोनी काशीपुर उत्तराखण्ड जो वर्तमान में संतकबीर नगर में स्टेनो के पद पर है। हम तीनो लोगो ने मिलकर काफी समय से विभिन्न परिक्षाओ मे सोल्वर बैठाकर अभ्यार्थियो से मोटी रकम वसूलते हैं। आज भी हम लोगों ने विभिन्न जनपदों में अपने सोल्वर गैंग के सदस्यों को बिहार राज्य से मुरादाबाद में रघुनन्दन, सचिन कुमार व परवीन की जगह मेरे साथी जयपाल व विपिन ने सोल्वर भेजे थे। मेरा मोबाइल मे कुछ कमी आने के कारण मोबाइल पर मुरादाबाद में आये साल्वरों से सम्पर्क न होने कारण वह लोग परीक्षा केन्द्र पर मूल मार्कशीट न होने कारण परीक्षा केन्द्र में न जा सके, क्योंकि इन लोगों से मेरा सम्पर्क नहीं हो पाया। हम लोगों ने अपने साथियों के साथ मिलकर बिहार पटना में बैठा कासीम से फर्जी भरते समय ही फोटो एडिट करा ली थी। हम लोग टीईटी के एक परीक्षार्थी से प्रारम्भिक परीक्षा के पास कराने के 2 लाख रुपये और सुपरटेट के पास कराने के 5 लाख रुपये लेते हैं, जिसमें से सोल्वर को 3 लाख रुपये देते हैं।

दिल्ली और...

से काशी के लिए 22 मार्च से होगा। उन्होंने बताया कि ट्रेन में प्रथम और द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी में कुल 156 सीटें होंगी। उन्होंने बताया कि आईआरसीटीसी यात्रियों के लिए चार रात और पांच दिन का यात्रा पैकेज उपलब्ध कराएगा, जिसमें खाना, रहना और वाराणसी के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर घूमना शामिल है।

राजपथ पर...

दल पैराशूट रेजिमेंट के सैनिकों का होगा जो नई लड़ाकू वर्दी पहनेंगे, जिसका अनावरण इस महीने की शुरुआत में किया गया और उनके पास टेवोर राइफलें होंगी। उन्होंने कहा कि कुल 14 मार्चिंग दल होंगे। इनमें सेना के छह, नौसेना का एक, वायु सेना का एक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के चार, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के दो, दिल्ली पुलिस का एक और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से एक दस्ता शामिल होगा।

दिल्ली डिस्कॉम की दादरी संयंत्र से महंगी बिजली न खरीदने की याचिका पर एपीटीईएल करेगा सुनवाई

भाषा। नई दिल्ली

बिजली अपीलीय न्यायाधिकरण (एपीटीईएल) दिल्ली की तीन बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की संयुक्त याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने एनटीपीसी के दादरी स्थित संयंत्र से महंगी बिजली खरीदने के बजाए उपभोक्ताओं के लिए सस्ती बिजली खरीदने की अनुमति देने का अनुरोध किया है।

डिस्कॉम के सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के तीन डिस्कॉम बीआरपीएल, बीवाईपीएल और टीपीडीडीएल ने केंद्रीय बिजली नियामक आयोग (सीईआरसी) के आदेश को एपीटीईएल में चुनौती दी थी जिसमें आयोग ने उन्हें एनटीपीसी के दादरी स्थित बिजली संयंत्र के साथ बिजली खरीद समझौते से अलग होने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि तीनों डिस्कॉम ने सीईआरसी के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था लेकिन न्यायालय ने उन्हें कहा कि राहत पाने के लिए वे एपीटीईएल जाएं। डिस्कॉम के अधिकारियों ने बताया कि बिजली खरीद लागत को अनुकूलित करने के अपने प्रयासों के तहत तीनों डिस्कॉम ने दादरी संयंत्र से बिजली की खरीद को रोकने का फैसला किया था।

नवंबर 2020 डिस्कॉम ने इस समझौते से अलग होने की मांग की लेकिन एनटीपीसी ने इससे इनकार कर दिया। सूत्रों ने बताया कि 2019-20 में दिल्ली के तीनों डिस्कॉम ने दादरी संयंत्र से 1,150 करोड़ रुपए से अधिक की बिजली खरीदी। इस महंगी बिजली के बजाय 21.50 प्रति यूनिट की दर पर उपलब्ध एसईसीआई की हरित बिजली लेने पर सालाना सिर्फ 438 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इससे अगले दस वर्ष में करीब 7,150 करोड़ रुपए की बचत होगी।

यूक्रेन की सरकार को बदलना चाहता है रूस : ब्रिटेन

भाषा। लंदन

ब्रिटेन ने रूस पर आरोप लगाया है कि वह यूक्रेन की सरकार को मॉस्को समर्थित प्रशासन से बदलना चाहता है। इसने कहा कि यूक्रेन के पूर्व सांसद एवेनी मुराएव को इसके लिए संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है।

मुराएव रूस समर्थक छोटी पार्टी नाशी के प्रमुख हैं, जिसके पास वर्तमान में यूक्रेन की संसद में कोई सीट नहीं है। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने यूक्रेन के कई अन्य नेताओं का नाम लिया, जिनके बारे में कहा गया कि उनके रूसी खुफिया सेवाओं के साथ संबंध रहे हैं।

इस बीच, रूस के विदेश मंत्रालय ने रविवार को ब्रिटेन के इस दावे को खारिज किया। रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने टेलीग्राम ऐप पर कहा, ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय द्वारा फैलाई जा रही झूठी जानकारी इस बात को पुख्ता तौर पर प्रमाणित करती है कि नाटो देश यूक्रेन के आसपास तनाव को बढ़ा रहे हैं। हम ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय से उकसावे वाली गतिविधियां बंद करने का अनुरोध करते हैं। ब्रिटेन की सरकार ने यह दावा एक खुफिया आकलन के आधार पर किया है लेकिन इसके समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया है। ब्रिटेन ने यह आरोप ऐसे वक्त लगाया है जब रूस और पश्चिमी देशों के बीच यूक्रेन को लेकर तनाव चल रहा है। विदेश मंत्री लिज ट्रस ने कहा कि यह जानकारी यूक्रेन का विनाश करने के इरादे से की जा रही रूसी गतिविधि पर प्रकाश डालती है और क्रेमलिन की सोच को दर्शाती है। उन्होंने ब्रिटेन का विचार दोहराते हुए कहा, रूसी सेना की किसी भी बड़ी रणनीतिक भूल के लिए रूस को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ब्रिटेन ने संभावित रूसी हमले से यूक्रेन की रक्षा को मजबूत करने के प्रयासों के तहत वहां टैंक भेदी अस्त्र भेजे हैं। यूक्रेन संकट को कम करने के राजनयिक प्रयासों के बीच, मॉस्को में वार्ता के लिए ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस के रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से मिलने की उम्मीद है। बैठक के लिए कोई समय नहीं दिया गया है। यह 2013 के बाद पहली ब्रिटेन-रूस द्विपक्षीय रक्षा वार्ता होगी। यूक्रेन में रूस के हमले की आशंका के मद्देनजर अमेरिका ने हाल के दिनों में अपने यूरोपीय सहयोगियों को एकजुट करते हुए आक्रामक अभियान चलाया है। व्हाइट हाउस ने ब्रिटेन सरकार के इस आकलन को बेहद चिंताजनक बताया है और कहा कि वह यूक्रेन की चुनी हुई सरकार के साथ खड़ा है। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एमिली होम ने कहा, इस तरह की साजिश वाकई में चिंताजनक है। यूक्रेन के लोगों को अपना भविष्य खुद तय करने का संप्रभु अधिकार है और हम यूक्रेन में लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए अपने भागीदारों के साथ खड़े हैं। यह आकलन ऐसे वक्त आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शनिवार को वाशिंगटन के बाहर कैंप डेविड में यूक्रेन की स्थिति को लेकर अपनी वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बातचीत की। इस बीच, तीन बाल्टिक देशों- एस्टोनिया, लात्विया और लिथुआनिया के रक्षा मंत्रियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि वे यूक्रेन के प्रति एकजुटता और उसकी संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूक्रेन पर रूस के संभावित हमले का अमेरिका विरोध कर रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ट्वीट किया कि अमेरिका पूर्व सोवियत गणराज्यों और नाटो देशों के यूक्रेन के प्रति समर्थन को सलाम करता है। इस बीच, ब्लिंकन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच शुक्रवार को हुई बैठक का कोई नतीजा नहीं निकला।क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इस सप्ताह की शुरुआत में पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति किए जाने को बेहद खतरनाक बताया था और कहा था कि इससे तनाव कम नहीं होगा बल्कि और बढ़ेगा। एस्टोनिया सोवियत निर्मित हॉवित्जर तोप यूक्रेन भेजने के लिए जर्मनी की मंजूरी चाहता है, जो कभी पूर्वी जर्मनी का हिस्सा था। जर्मनी ने शुक्रवार को कहा कि वह एस्टोनिया के अनुरोध पर विचार कर रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने आरोप लगाया कि जर्मनी यूक्रेन के लिए पर्याप्त समर्थन नहीं दिखा रहा है।

यूक्रेन संबंधी टिप्पणियों के बाद जर्मनी के नौसेना प्रमुख ने दिया इस्तीफा

भाषा। बर्लिन

जर्मनी के नौसेना प्रमुख ने यूक्रेन और रूस संबंधी टिप्पणियों के कारण देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहीं उनकी आलोचनाओं के बीच शनिवार देर रात इस्तीफा दे दिया।वाइस एडमरिल के अचिम शोएनबैक ने भारत में आयोजित एक समारोह में शुक्रवार को कहा था कि रूस ने 2014 में जिस क्रीमिया प्रायद्वीप पर कब्जा किया था, वह यूक्रेन को वापस नहीं मिलेगा।उन्होंने कहा था कि रूस को चीन के खिलाफ एक ही पक्ष रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने साथ ही कहा था कि रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन सम्मान के हकदार हैं। शोएनबैक के इन बयानों ने यूक्रेन को नाराज कर दिया और उसने अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए जर्मनी के राजदूत को तलब किया था। शोनएबैक को बर्लिन में भी आलोचनाएं झेलनी पड़ीं।शोएनबैक ने शनिवार देर रात इस्तीफा देते हुए कहा कि वह बिना सोचे-समझे दिए गए अपने बयानों के कारण जर्मनी और उसकी सेना को और नुकसान होने से बचाना चाहते हैं।जर्मन नौसेना ने एक बयान में बताया कि रक्षा मंत्री क्रिस्टीन लैम्ब्रेक्ट ने शोएनबैक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और नौसेना के उप प्रमुख को अंतरिम प्रमुख बना दिया है।जर्मन सरकार ने जोर देकर कहा कि वह यूक्रेन पर रूसी सैन्य खतरे के मामले पर अपने उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सहयोगियों के साथ एकजुट होकर खड़ा है। उसने चेतावनी दी कि यदि रूस यूक्रेन में कोई सैन्य कार्वाई करता है तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी, लेकिन अन्य नाटो देशों के विपरीत बर्लिन ने कहा कि वह यूक्रेन को घातक हथियारों की आपूर्ति नहीं करेगा, क्योंकि वह तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है।

क्विक न्यूज

पाकिस्तानी मूल की ब्रिटिश सांसद का मुस्लिम होने के नाते ब्रिटिश मंत्रिमंडल से निकाले जाने का आरोप

लंदन। पाकिस्तान मूल की एक ब्रिटिश सांसद ने रविवार को आरोप लगाया कि मुसलमान होने के कारण फरवरी, 2020 में कंजरवेटिव पार्टी सरकार ने उन्हें मंत्रिपद से बर्खास्त कर दिया। नुसरत गनी (49) को पूर्व प्रधानमंत्री थेरेसा मे की सरकार में 2018 में परिवहन विभाग में ब्रिटेन का कनिष्ठ मंत्री नियुक्त किया गया था। फरवरी, 2020 में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की सरकार द्वारा मंत्रिमंडल में फेरबदल के दौरान उन्हें अपना मंत्रिपद गंवाना पड़ा। गनी ने द संडे से कहा, मंत्रिमंडल में फेरबदल के बाद सचेतकों के साथ बैठक में मैंने पूछा कि मुझे मंत्रिमंडल से हटाने के पीछे क्या सोच है। डाउनिंग स्ट्रीट में इस बैठक के दौरान मुझसे कहा गया कि उनका मुसलमान होने का मुद्दा उठाया गया, यह कि मुस्लिम महिला मंत्री से मंत्रिमंडलीय सहयोगी असहज हो रहे थे, इस बात की चिंता रखी गई कि मैं पार्टी के प्रति निष्ठावान नही हूं क्योंकि मैने इस्लाम से नफरत संबंधी आरोपो के विरूद्ध पार्टी का बचाव करने के लिए पर्याप्त कदम नही उठाए। कंजरवेटिव पार्टी के मुख्य सचेतक मार्क स्पेंसर ने ट्विटर पर एक बयान में कहा कि गनी के आरोप बिल्कुल झूठे है।

दक्षिण कोरिया ने संरा में ईरान के मतदान अधिकार को बहाल करने के लिए उसका बकाया भुगतान किया

दुबई। अमेरिकी प्रतिबंधो से मुक्त कराए गए ईरानी बैंक के धन का उपयोग करते हुए दक्षिण कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र को ईरान पर बकाया 1.8 डॉलर की राशि का भुगतान किया है। सियोल ने रविवार को यह जानकारी दी।वैश्विक संस्था में ईरान के निलंबित मतदान अधिकार को बहाल करने के लिए इस कदम को संभवतः अमेरिका द्वारा मंजूरी दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र मे ईरान के मिशन ने इस विषय पर तत्काल कोई टिप्पणी नही की है। हालांकि, दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सियोल ने अमेरिकी वित्त विभाग से परामर्श करने के बाद यह कदम उठाया है। मंत्रालय ने कहा कि उसे बकाया राशि को लेकर इस महीने की शुरुआत मे ईरान के निलंबित कर दिए गए मतदान अधिकार को तत्काल बहाल किए जाने की उम्मीद है। ईरान के विश्व के शक्तिशाली देशो के साथ ऐतिहासिक परमाणु समझौते से अमेरिका के बाहर होने के बाद तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए प्रतिबंधो के तहत दक्षिण कोरिया मे स्थित एक ईरानी बैंक के इस धन को जब्त कर लिया गया था।

नॉर्वे में तालिबान के साथ वार्ता शुरू

ओस्लो। कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की अगुवाई मे तालिबान के एक प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिमी सरकार के अधिकारियों और अफगान नागरिक संस्थाओ के प्रतिनिधियो के साथ ओस्लो मे रविवार से तीन दिवसीय वार्ता शुरू की। अफगानिस्तान मे बिगड़ती मानवीय स्थिति के बीच यह वार्ता हो रही है। बैठक नॉर्वे की राजधानी ओस्लो के ऊपरी इलाके मे बर्फ से ढके पहाड़ों पर बने एक होटल मे हो रही है और पहले दिन तालिबान के प्रतिनिधि अफगानिस्तान और अफगान प्रवासियो से महिला अधिकार कार्यकर्ताओ और मानवाधिकार के हिमायतियो से मुलाकात करेंगे। वार्ता से पहले, तालिबान के संस्कृति और सूचना उप मंत्री ने मुत्ताकी की तरफ से एक वॉयस संदेश ट्वीट किया, ''उपलब्धियों से भरी एक अच्छी यात्रा की आशा व्यक्त करते हुए और नॉर्वे को धन्यवाद देते हुए उन्होने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह'' यूरोप के साथ सकारात्मक संबंधो के लिए एक प्रवेश द्वार बन जाएगा। अगस्त मे तालिबान के देश पर कब्जा करने के बाद यह पहला मौका है जब उनके प्रतिनिधियो ने यूरोप मे आधिकारिक बैठकें की है। इससे पहले, उन्होने रूस, ईरान, कतर, पाकिस्तान, चीन और तुर्कमेनिस्तान की यात्रा की है। वार्ता के दौरान, मुत्ताकी तालिबान की इस मांग पर जोर दे सकते है कि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशो द्वारा रोकी गई लगभग 10 अरब डॉलर की राशि को जारी किया जाए क्योकि अफगानिस्तान एक अनिश्चित मानवीय स्थिति का सामना कर रहा है।

अमेरिका ने मध्यपूर्व जलक्षेत्र में तस्करी में शामिल जहाज़ पकड़ा, ब्रिटेन ने जब्त किए मादक पदार्थ

दुबई। अमेरिकी नौसेना ने रविवार को घोषणा की कि उसने पिछले साल यमन को हथियारों की तस्करी करते हुए पकड़े गए जहाज को जब्त कर लिया है। यह जहाज ओमान की खाड़ी में विस्फोटक बनाने मे इस्तेमाल होने वाला उर्वरक ले जा रहा था। वही, ब्रिटेन की नौसेना ने कहा कि उसने इसी जल क्षेत्र में।,041 किलोग्राम अवैध मादक जब्त किया है। अमेरिकी नौसेना के मध्यपूर्व स्थित बेड़े ने कहा कि उसके निर्देशित मिसाइल विध्वंसक यूएसएस कोल और गश्ती जहाजों ने मंगलवार को एक जहाज को रोका, जो ईरान से यमन की ओर जा रहा था। इस दौरान अमेरिकी सेना को उसमें से 40 टन यूरिया उर्वरक मिला, जिसका उपयोग आईईडी बनाने के लिए किया जाता है। अधिकारियों ने कहा कि पोत को पिछले साल सोमालिया के तट पर जब्त कर लिया गया था और इसमें से हजारों असॉल्ट राइफलों और रॉकेट लांचरो सहित अन्य हथियार मिले थे।

बुर्किना फासो में सैन्यअड्डे पर भारी गोलीबारी

एपी। औगाडोउगोउ

बुर्किना फासो की राजधानी औगाडोउगोउ में एक सैन्य अड्डे पर रविवार तड़के भारी गोलीबारी हुई। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि देश में इस्लामी चरमपंथ से सरकार के निपटने के तौर-तरीकों को लेकर हफ्तों से बढ़ते असंतोष के बाद तख्तापलट की कोशिश की जा रही है।

● सरकार ने एक बयान में सेना के बैरक में गोलीबारी होने की बात स्वीकार की है, लेकिन देश पर सेना के कब्जा कर लेने से इनकार किया है

सरकार ने एक बयान में सेना के बैरक में गोलीबारी होने की बात स्वीकार की है, लेकिन देश पर सेना के कब्जा कर लेने से इनकार किया है। रक्षा मंत्री एमी बर्थेलेमी सिम्पोर के मुताबिक, राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोर को हिरासत में नहीं लिया गया है। सरकारी प्रसारणकर्ता आरटीबी ने अपनी एक प्रमुख खबर में गोलीबारी को सैनिकों द्वारा असंतोष प्रकट करने का कृत्य बताया। खबर में कहा गया है, सेना के उच्च अधिकारी बैरक में शांति बहाल करने पर काम कर रहे हैं। कुछ सूचना के उलट, गणराज्य की किसी भी संस्था को निशाना नहीं बनाया गया है। लामीजाना सांगौले सैन्य बैरक, रविवार तड़के सैनिकों के विद्रोह करने के बावजूद नियंत्रण में है। गुस्साए सैनिकों ने हवा में गोलीबारी की, जो राष्ट्रपति के खिलाफ उनके रोष को प्रदर्शित कर रही थी। सैनिकों की ओर से एक व्यक्ति ने फोन पर एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि वे इस्लामी आतंकियों के खिलाफ बढ़ती लड़ाई के बीच बुर्किना फासो की सेना के लिए कामकाज की बेहतर परिस्थितियों की मांग कर रहे हैं। उनकी मांगों में चरमपंथियों के खिलाफ लड़ाई में सैनिकों की संख्या बढ़ाना और घायलों तथा जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवारों की बेहतर देखभाल करना शामिल हैं। औगाडोउगोउ में एक प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रपति के इस्तीफे की प्रदर्शनकारियों द्वारा मांग किए जाने के एक दिन बाद यह गोलीबारी हुई है। काबोर, नवंबर 2020 में राष्ट्रपति पद पर फिर से निर्वाचित होने के बाद से ही विरोध का सामना कर रहे हैं। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री को बर्खास्त कर दिया और पिछले महीने मंत्रिमंडल के ज्यादातर सदस्यों को बदल दिया था। कभी शांतिपूर्ण रहे इस पश्चिमी अफ्रीकी देश में हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है क्योंकि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट समूह के हमले बढ़ रहे हैं। हाल के वर्षों में हजारों लोग मारे गए हैं और करीब 15 लाख लोग विस्थापित हो गए।

ब्रूसेलस में कोविड के बढ़ते मामलों को लेकर प्रदर्शन करते लोग

न्यूजीलैंड में ओमीक्रोन के मामलों में वृद्धि, प्रधानमंत्री की शादी टली

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। न्यूजीलैंड में शादी समारोह में शामिल होने ऑकलैंड गए एक ही परिवार के नौ लोगों के कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित पाए जाने के बाद नए कोविड प्रतिबंधों की वजह से प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने अपनी शादी टालने का ऐलान किया है।

न्यूजीलैंड में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए रंग आधारित नीति के तहत सोमवार से रेड सेटिंग प्रभावी होगी, जिसके तहत मास्क पहनने की जरूरत और सभाओंजलसों में लोगों की संख्या सीमित करने जैसे उपाय शामिल हैं। अर्डर्न ने जोर देकर कहा कि लाल (रेड) का अभिप्राय लॉकडाउन नहीं है। उन्होंने कहा कि कारोबार खुले रह सकते हैं और लोगों को अपने मित्रों और परिवारवालों के साथ मिलने-जुलने तथा देश में घूमने की स्वतंत्रता होगी। अर्डर्न ने वेलिंगटन में संवाददाताओं से कहा, हमारी योजना डेल्टा स्वरूप की तरह शुरुआती दौर में ही ओमीक्रोन के संक्रमण को रोकने की है, जिसमें हम तेजी से जांच करेंगे, संपर्क में आए लोगों का पता लगाएंगे, उन्हें अलग करेंगे ताकि ओमीक्रोन के प्रसार को धीमा किया जा सके। न्यूजीलैंड में नई कोविड-19 पाबंदियां लगने के बाद प्रधानमंत्री अर्डर्न (41) की शादी टाल दी गई है। वह अगले सप्ताहांत विवाह की योजना बना रही थीं।उन्होंने कहा, मैं न्यूजीलैंड के उन लोगों में शामिल हो गई हूं, जिन्हें महामारी के परिणामस्वरूप ऐसा करना पड़ा है। न्यूजीलैंड उन कुछ देशों में शामिल हैं, जहां पर ओमीक्रोन ने महामारी का स्वरूप नहीं लिया है, लेकिन अर्डर्न ने स्वीकार किया कि इस स्वरूप के अधिक संक्रामक होने की वजह से प्रसार को रोकना मुश्किल है।

अमेरिका में हिरासत केंद्र के कर्मियों की कार्रवाई में मारे गए किशोर का वीडियो जारी

एपी। विचिटा (अमेरिका)

अमेरिका के विचिटा स्थित एक किशोर केंद्र के कर्मचारियों की कार्वाई में मारे गए अश्वेत किशोर सेड्रिक लोफ्टन का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिखाई दे रहा है कि कर्मचारियों के साथ संघर्ष कर रहे 17 वर्षीय किशोर के सिर को 30 मिनट से अधिक समय तक जमीन में नीचे दबाए रखा गया, जिसके कारण उसकी मौत हो गई।

सेडग्विक काउंटी ने 24 सितंबर को सेड्रिक लोफ्टन को अस्पताल ले जाने से पहले के 18 वीडियो क्लिप शुक्रवार दोपहर बाद जारी किए, जो दर्शाते हैं कि मौत से पहले लोफ्टन के साथ क्या हुआ था। दो दिन बाद उसकी मौत हो गई। क्लिप जारी करने के बाद मंगलवार को सेडग्विक काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी मार्क बेनेट ने घोषणा की कि राज्य के स्टैंड-योर-ग्राउंड कानून के कारण वे इस मामले में आरोप तय नहीं कर सकते, क्योंकि घटना में शामिल कर्मचारी अपना बचाव कर रहे थे। बेनेट ने कहा कि उन्हें यह फैसला करने के लिए भी संघर्ष करना पड़ा कि क्या इस मामले में अनैच्छिक हत्या का आरोप उचित है, लेकिन निष्कर्ष यही निकला कि ऐसा नहीं था।

वीडियो पोस्ट किए जाने के बाद सेडग्विक काउंटी का वेबपेज क्रैश हो गया, लेकिन शनिवार देर शाम तक यह ठीक हो गया। फुटेज में ऑडियो शामिल नहीं था। एक वीडियो में कई अधिकारियों को लोफ्टन को सेडग्विक काउंटी जुवेनाइल इनटेक एंड असेसमेंट सेंटर ले जाते हुए दिखाया गया है, जबकि रैप नामक उपकरण से उसे नियंत्रित किया गया था। इस उपकरण में कंधा, पैर और टखने को बांधकर रखने वाली पट्टियां शामिल होती हैं।बेनेट की रिपोर्ट के अनुसार, लोफ्टन का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। उसके पिता ने बताया कि लोफ्टन अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ था, जिसके बाद से उसकी स्थिति और खराब हो गई थी।

वीडियो में दिख रहा है कि लोफ्टन उसे एक कक्ष में रखे जाने के प्रयासों का विरोध कर रहा है। वीडियो में वह किशोर गृह के कर्मचारियों में से एक के सिर में घूंसा मारते भी दिखा। वीडियो में दिख रहा है कि किशोर गृह के कर्मचारी उसे कक्ष में ले जाते हैं, लेकिन वीडियो में यह ठीक से नहीं दिख रहा कि कक्ष के अंदर क्या हो रहा है।

चीन की पूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा की विचारहीन तलाश से सोवियत तरीके का पतन हो सकता है: सलाहकार

भाषा। बीजिंग

चीन की विदेश नीति मामलों के एक शीर्ष सलाहकार ने राष्ट्रपति शी चिनफिंग नीत सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी को आगाह किया है कि पूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा की विचारहीन खोज के साथ ही रक्षा पर अत्यधिक खर्च सोवियत शैली के पतन का कारण बन सकता है। चीन के शीर्ष राजनीतिक परामर्श निकाय चीनी जन राजनीतिक सलाहकार सम्मेलन (सीपीपीसीसी) के सदस्य जिया किंगुओ ने कहा कि पूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा की तलाश की भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

उन्होंने सोवियत संघ के पतन का हवाला देते हुए कहा कि लंबी अवधि की सुरक्षा के बजाय सैन्य विस्तार करने के नुकसान का सबूत सामने है।आधिकारिक तौर पर सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक संघ या सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा शासित यूएसएसआर के रूप में जाने जाने वाले सोवियत संघ के पतन को देशभर के कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के शीर्ष स्कूलों में प्रमुख पाठ के तौर पर पढ़ाया जाता है ताकि उन फैसलों को टाला जा सके जो उसके पतन का कारण बने थे।

चीन के कई नेताओं ने भी अक्सर पूर्ववर्ती यूएसएसआर का संदर्भ दिया है और सीपीसी को उसके ऐतिहासिक अनुभव से सबक लेने को कहा है।वर्ष 2012 में सत्ता संभालने के महीनों बाद, राष्ट्रपति शी ने खुद कहा था कि पार्टी का अनुशासन टूटने से तत्कालीन यूएसएसआर की दो करोड़ सदस्यों वाली मजबूत कम्युनिस्ट पार्टी का पतन हुआ। शी ने कहा, अगर पार्टी के सदस्य जो चाहते हैं वही कहेंगे और करेंगे तो पार्टी एक भीड़ में तब्दील हो जाएगी। हांगकांग से संचालित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने रविवार को एक खबर में बताया कि पेकिंग विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध स्कूल के पूर्व डीन भी रह चुके जिया ने कहा कि सुरक्षा की निरंकुश खोज से लागत में भारी वृद्धि होगी और लाभ काफी हद तक कम हो जाएंगे। सीपीपीसीसी की स्थाई समिति के सदस्य जिया ने द्विमासिक जर्नल ऑफ इंटरनेशनल सिक्योरिटी स्टडीज के नए संस्करण में कहा, सुरक्षा की तुलनात्मक प्रकृति की उपेक्षा करना, और आंख बंद करके (इसे) पूरी तरह से आगे बढ़ाना देश को कम सुरक्षित बनाने के समान होगा, क्योंकि इसमें असीम लागत आती है और यह पूर्ण सुरक्षा प्राप्त करने में विफल रहता है। खबर के अनुसार, उनका 22 पन्नों का लेख आक्रामक रवैए के खिलाफ बारीक आलोचनाओं से भरा है।

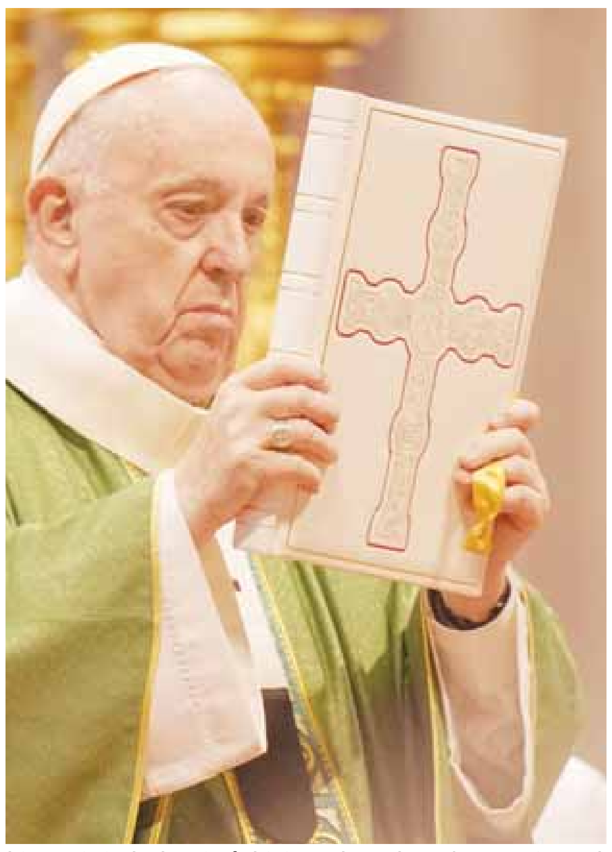
वेटिकन सिटी में सेंट पीटर्स बेसिलिका में, परमेश्वर के वचन दिवस को सामूहिक उत्सव के रूप में मनाते हुए पोप फ्रांसिस

ऑस्ट्रेलिया ने कोविड-19 रोधी दो दवाओं को दी मंजूरी

एजेंसी। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया के औषधि नियामक ने कोविड-19 के इलाज के लिए दो नई दवाओं के इस्तेमाल को प्रारंभिक मंजूरी दे दी है। जिन दवाओं को स्वीकृति मिली है, उनमें से एक लागेवरियो है, जिसका निर्माण अमेरिकी दवा कंपनी मर्क शार्पे एंड डोहमे ने किया है और दूसरी दवा पैक्सलोविड है जिसका निर्माण फाइजर ने किया है। कोविड-19 के लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों और मौतों की संख्या बढ़ रही है और ऐसे में ए दवाएं उचित समय पर आई हैं। संघीय सरकार ने कहा है कि शुरुआत में बुजुर्गों और उन लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके स्वास्थ्य को अधिक खतरा है। दोनों कंपनियों ने कहा है कि उनकी दवा ओमीक्रोन स्वरूप पर कारगर है, हालांकि, उनका दावा प्राथमिक प्रयोगशाला अनुसंधान पर आधारित है।

ए क्या हैं और कैसे काम करती हैं?

लागेवरियो (जेनेरिक नाम मोलनुपिराविर) वायरस रोधी दवा है। पैक्सलोविड नई दवा निरमाट्रलिविर और एचआईवी के इलाज में पहले से इस्तेमाल हो रहे रिटोनाविर की दवा का मेल है। निरमाट्रलिविर उस अहम प्रोटीन को काम करने से रोक देती है जो वायरस को अपनी प्रतिकृति बनाने में मदद करता है जबकि रिटोनाविर उन तत्वो को रोकती है जो निमाट्रलिविर को खंडित करते हैं।

क्लीनिकल परीक्षण के आंकड़ों के मुताबिक लागेवरियो और पैक्सलोविड वायरस के स्तर और लक्षणों की गंभीरता को कम करने में कारगर है और इस प्रकार कई लोगों को वायरस के कारण अस्पताल में भर्ती होने या मरने से बचाया जा सकता है। ओमीक्रोन स्वरूप में कई बदलाव स्पाइक प्रोटीन में हुए हैं जिनका इस्तेमाल वायरस हमारी कोशिका में दाखिल होने के लिए करता है। यह एक वजह है जिसके कारण इन दवाओं के ओमीक्रोन जैसे स्वरूपों के खिलाफ प्रभावी होने की उम्मीद है, क्योंकि वे स्पाइक प्रोटीन को निशाना बनाकर काम नहीं करते।

● ओमीक्रोन के खिलाफ प्रभावी होने की उम्मीद

क्या ए दवाएं ओमीक्रोन के खिलाफ प्रभावी हैं? इस सप्ताह फाइजर ने पैक्सलोविड के नतीजों की विस्तृत जानकारी मीडिया के लिए जारी की, जिससे संकेत मिलता है कि यह ओमीक्रोन स्वरूप के खिलाफ भी प्रभावी है।ए नतीजे फाइजर के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए दो प्रयोगशाला अध्ययनों पर आधारित हैं और अभी प्रकाशित नहीं हुए हैं। ए दिखाते हैं कि निरमाट्रलिविर चिंतित करने वाले कोविड-19 वायरस के सभी स्वरूपों की प्रतिकृति बनाने की प्रक्रिया को बाधित करने में कारगर है।एक स्वतंत्र प्रयोगशाला आधारित अध्ययन को ऑनलाइन जारी किया गया है और इसमें फाइजर एवं मर्क दोनों की दवाओं का आकलन किया गया है। अध्ययन में पाया गया है कि फाइजर के पैक्सलोविड में मौजूद निरमाट्रलिविर ओमीक्रोन को निशाना बनाने और कुल मिलाकर वायरस के स्तर को कम करने में कारगर है।अध्ययन ने पाया कि मर्क की लागेवरियो दवा भी ओमीक्रोन के खिलाफ काम करती है। मर्क अनुसंधान प्रयोगशाला के प्रमुख ने कहा कि कंपनी को पूरा भरोसा है कि लागेवरियो ओमीक्रोन के खिलाफ कारगर होगी।यह अहम है कि ए अनुसंधान प्रयोगशाला में किए गए हैं और हमें अब भी देखना है कि वास्तविक परिस्थितियों में ए ओमीक्रोन संक्रमित लोगों पर कितनी प्रभावी है। ऑस्ट्रेलिया से पहले अमेरिका और ब्रिटेन ने इन दवाओं को मंजूरी दी थी और उम्मीद है कि निकट भविष्य में इनके प्रभावी और सुरक्षित होने की जानकारी मिलेगी।

दुष्प्रभाव क्या है?

यह अहम है कि कोई भी दवा पूरी तरह से सुरक्षित और दुष्प्रभाव रहित नहीं होती। अब तक लागेवरियो को लेकर हुए क्लीनिकल परीक्षण में सात प्रतिशत मरीजों में गंभीर दुष्प्रभाव देखने को मिले हैं, जिनमें आमतौर पर दस्त, मिचली और चक्कर आने की शिकायत शामिल हैं। परीक्षण के दौरान पैक्सलोविड लेने वाले दो प्रतिशत से कम मरीजों में उल्टी, दस्त और सिरदर्द जैसे दुष्प्रभाव देखने को मिले हैं। पैक्सलोविड लेने वाले उस मरीज में दुष्प्रभाव का स्तर और बढ़ सकता है, यदि वह उसी समय कोई अन्य दवा भी लेता है। पैक्सलोविड के साथ जो दवाएं नहीं ली जानी चाहिए, उनमें कैंसर रोधी, दर्द निवारक और हृदयरोग संबंधी दवाएं शामिल हैं। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में ए दवाएं विश्वसनीय मौका देती हैं, इसके बावजूद टीकाकरण वायरस के खिलाफ अंग्रिम पंक्ति का रक्षा कवच बना रहेगा।

कैमरून की राजधानी में नाइटक्लब में आग लगने से 16 लोगों की मौत

याउंदे । कैमरून की राजधानी याउंदे में एक लोकप्रिय नाइटक्लब में आग लग गई जिससे विस्फोट होने के कारण कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। सरकारी अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह त्रासदी ऐसे समय हुई है जब देश महीनेभर चलने वाले अफ्रीकन फुटबॉल कप ऑफ नेशंस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है जिसमें महाद्वीप के हजारों फुटबॉल खिलाड़ी, प्रशंसक और अधिकारी भाग ले रहे हैं। सरकार के प्रवक्ता रेने एम्मानुएल सादी ने कहा, मृतकों और घायलों के नाम और राष्ट्रीयता की जानकारी के लिए अभी जांच चल रही है। अधिकारियों ने कहा कि आग राजधानी के पड़ोस में स्थित बैस्तोस के नाइटक्लब में शुरू हुई और उस स्थान तक पहुंच गई जहां रसोई गैस रखी थी। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि घायलों को याउंदे के एक अस्पताल में भर्ती किया गया है। कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया ने एक बयान में सांत्वना प्रकट की और खिलाड़ियों को उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया।

डॉ. अखिल शाहनी का कहना है कि छात्रों को मिलने वाले भारी रिटर्न के कारण एमबीए डिग्री की मांग अधिक बनी रहेगी। यह नेतृत्व कौशल, व्यावसायिक सिद्धांतों, पेशेवर नेटवर्किंग को विकसित करने में मदद करता है और आपको नौकरी के लिए तैयार करता है

फैशन में होगा एमबीए

प्रबंधन सबसे विशिष्ट व्यवसायों में से एक है और इसलिए एमबीए स्नातक के रूप में अपना परिचय देना हमेशा गर्व की बात होती है। एमबीए की डिग्री व्यक्ति के करियर को प्रोत्साहित करने का एक सही तरीका है। एमबीए प्रोग्राम को पहली बार 1908 में कैम्ब्रिज, एमए में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा पेश किया गया था। भारत में, वर्ष 1953 में, भारतीय समाज कल्याण और व्यवसाय प्रबंधन संस्थान की स्थापना कोलकाता में हुई थी और यह भारत में एमबीए की डिग्री प्रदान करने वाला पहला कॉलेज था।

तभी से एमबीए की डिमांड लगातार बढ़ती जा रही है. लेकिन आप सोच रहे होंगे कि क्या एमबीए की ये डिमांड हमेशा इतनी ज्यादा रहेगी? एमबीए की डिग्री कब तक किसी के करियर में मदद करेगी, यह अभी भी कई लोगों के लिए एक सवाल है।

एमबीए की डिग्री की मांग अभी भी अधिक है और छात्रों को मिलने वाले भारी रिटर्न के कारण यह उच्च बनी रहेगी। यह आपको नेतृत्व कौशल, व्यावसायिक सिद्धांत, पेशेवर नेटवर्किंग विकसित करने में मदद करता है और आपको नौकरी के लिए तैयार करता है।

यह आपको ऐसा धक्का देता है जो बाजार में प्रवेश करने और बनाए रखने के लिए आवश्यक है। एमबीए की डिग्री मार्केटिंग से लेकर फाइनेंस, ऑपरेशंस से लेकर ह्यूमन रिसोर्स तक कई तरह की विशेषज्ञता प्रदान करती है। ये विशेषज्ञताएं प्रबंधकीय कौशल विकसित करती हैं और आपको विभिन्न उद्योग पेशकशों से अवगत कराती हैं।

रोजगार बाजार के नजरिए से, नियोक्ता अब नौसिखिए उम्मीदवारों की तुलना में अत्यधिक कुशल उम्मीदवारों की तलाश कर रहे हैं। डेलॉइट, लार्सन एंड टर्बो, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान लीवर, एक्सेंचर, एचडीएफसी बैंक, आदित्य बिड़ला और बैन आदि जैसी कई परामर्श कंपनियां एमबीए योग्यता वाले कर्मचारी चाहते हैं क्योंकि इन उम्मीदवारों के पास विश्लेषणात्मक क्षमता और कार्यक्षेत्र संबंधी ज्ञान है जो कुशलता से नौकरी करने के लिए आवश्यक हैं।

वे एमबीए की डिग्री वाले उम्मीदवारों को पसंद करते हैं जो विचारों को क्रियान्वित करना और उत्पादों या सेवाओं को बेचना जानते हैं। एक और कारणवश नियोक्ता एमबीए उम्मीदवारों को पसंद करते हैं क्योंकि एमबीए पाठ्यक्रम संचार कौशल में सुधार करता है और छात्र के व्यक्तित्व को विकसित करने में मदद करता है। लाभों का यह पूरा पैकेज आपको आगे बढ़ाता है और आपको अपने भविष्य में सफल होने में मदद करता है।

एमबीए की मांग कभी कम नहीं होगी क्योंकि इसमें उम्मीदवारों को देने और उनके सपनों को पूरा करने के लिए बहुत कुछ है, हालांकि, हम दृढ़ता से मानते हैं कि इसकी मांग और लोकप्रियता दशकों और युगों के बाद भी बढ़ जाएगी और यह कभी भी फैशन से बाहर नहीं जाएगी।

कुछ अंतरराष्ट्रीय व स्वदेशी कंपनियां जिनमें एमबीए की उच्च मांग है, वे इस प्रकार हैं :

- **बीसीजी :** बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप 45 देशों में कार्यालयों के साथ एमबीए छात्रों के उच्चतम नियोक्ताओं में से एक है
- **जेपी मॉर्गन :** जेपी मॉर्गन न केवल वित्तीय क्षेत्र से बल्कि अन्य क्षेत्रों से भी प्रबंधन स्नातकों को रोजगार देता है।
- **माइक्रोसॉफ्ट :** कंपनी के 70 देशों में कार्यालय हैं और यह वित्त, विपणन, संचालन और बिक्री में विभिन्न पदों के लिए एमबीए स्नातकों की भर्ती करता है।
- **मॉर्गन स्टेनली :** यह एक ऐसी कंपनी है जो कर्मचारियों को सर्वोत्तम भुगतान प्रदान करती है और रोजगार के लिए वित्तीय क्षेत्र में एमबीए स्नातकों को चुनती है।
- **टीसीएस :** टीसीएस अपने कर्मचारियों को सर्वोत्तम पारिश्रमिक प्रदान करता है और प्रमुख पदों के लिए प्रसिद्ध बी-स्कूलों से बेहतरीन प्रतिभाओं को नियुक्त करता है।
- **इंफोसिस :** कंपनी ऐसे युवा एमबीए उत्साही लोगों की तलाश करती है जो कंपनी को सफल होने और विस्तार करने में मदद कर सकें। यह उन उम्मीदवारों को भी उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है जिनके पास महान कौशल व क्षमताएं हैं।
- **विप्रो :** यह कंपनी भी रेस में पीछे नहीं है. यह अपने कर्मचारियों को सबसे अच्छा पैकेज प्रदान करती है और प्रसिद्ध संस्थानों से अत्यधिक कुशल व जानकार एमबीए स्नातकों के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा की तलाश करती है।

कंपनी ऐसे युवा एमबीए उत्साही लोगों की तलाश करती है जो कंपनी को सफल होने और विस्तार करने में मदद कर सकें। यह उन उम्मीदवारों को भी उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है जिनके पास महान कौशल व क्षमताएं हैं।

- लेखक थडोमल शाहनी सेंटर फॉर मैनेजमेंट, शाहनी ग्रुप के एमडी और सीईओ हैं।

बदलाव की शुरुआत सही ढंग की शिक्षा से होती है

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने निर्णयों के प्रभावों को समझें। डॉ. जितिन चड्ढा का कहना है कि यह अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में एक आवश्यक कदम है

सतत विकास, सामूहिक रूप से हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। हमारे पास जो संसाधन हैं वे सीमित हैं, जो सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं। तथापि, बढ़ती हुई जनसंख्या के रूप में हमारी आवश्यकताएं तेजी से बढ़ रही हैं। जैसे-जैसे हम उपभोग करना जारी रखते हैं, हम उन संसाधनों का अतिक्रमण करते हैं जो धीरे-धीरे समाप्त हो रहे हैं। इस तथ्य से कोई इंकार नहीं है कि हम अपने आसपास ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण क्षरण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अनुभव कर रहे हैं।

इस संदर्भ में, उपभोक्ताओं और पर्यावरण के योगदानकर्ताओं के रूप में अपने निर्णयों के निहितार्थ को समझना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। जैसा कि हमने पिछले कुछ दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के खतरनाक स्तर को देखा है, हमारा ध्यान हमारे अपने परिवेश और उस दुनिया में वापस लाया गया है जिसमें हम रहते हैं।

डॉ. जितिन चड्ढा
डायरेक्टर इंडियन इंस्टीट्यूट आफ आर्ट एंड डिजायन

पर्यावरण और विकास विश्व आयोग के अनुसार, टिकाऊ डिजाइन या विकास वह है जो भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना अपने वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है। एक अधिक टिकाऊ भविष्य निर्माण के लिए हम अपने लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कैसे करते हैं, डिजाइनर लगातार इस द्वंद्व को हल करने के नए तरीके खोज रहे हैं कि कैसे सीमित संसाधन उनके लिए अनंत मांग की पूर्ति कर सकते हैं।

यह दायित्व केवल हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले उत्पादों के डिजाइनर या निर्माताओं व उत्पादकों के ऊपर नहीं है। यह भी समान रूप से, यदि ज्यादा नहीं तो, उपभोक्ताओं के रूप में, नागरिकों के रूप में और बड़े पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में अपने निर्णयों के प्रभावों को बेहतर ढंग से समझना है। यह अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में पहला और सबसे जरूरी कदम है।

हाल के दिनों में हमारी पसंद के परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ी है, विशेष रूप से हम क्या उपभोग करना तय करते हैं और हम अपने उत्पादों का व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर कैसे निपटारा करते हैं। जिस युग में हम रहते हैं वह हमारे जीवन में, यानी सोशल मीडिया में, एक सर्वव्यापी प्रभाव द्वारा धन्य और शापित दोनों है। हालांकि यह जागरूकता बढ़ाने का एक बड़ा माध्यम है, मगर यह उतना ही जरूरी है कि हम जीने और काम करने के अधिक टिकाऊ तरीके का भी अभ्यास करें।

नए उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया में, कंपनियां और डिजाइनर समान रूप से हरियाली और अधिक पर्यावरण-अनुकूल सामग्री के उपयोग की वकालत कर सकते हैं। यह न केवल ऊर्जा खपत और अपशिष्ट उत्पादन को कम करने में मदद करता है बल्कि यह किसी भी उत्पाद के जीवन चक्र को अनुकूलित करने में भी एक लंबा सफर तय करता है। रसायनों से बचना, रिसाइकिल करने योग्य और आसानी से विघटित होने वाली सामग्री का उपयोग करना, परिवहन व संचालन को ध्यान में रखते हुए सभी अनिवार्य पहलू हैं जिन पर किसी उत्पाद को डिजाइन और निर्मित करते समय विचार करने की आवश्यकता होती है।

बेशक, बदलाव की शुरुआत सही ढंग की शिक्षा से होती है। आने वाले कल के युवाओं को न केवल अपने आस-पास के ज्ञान और जागरूकता से लैस करना, बल्कि एक समाज के रूप में हमारे सामने आने वाली समस्याओं के समान समाधान तैयार करने के लिए कौशल और योग्यता भी होना अनिवार्य है। डिजाइनरों की एक नई पीढ़ी बनाना, जो जागरुक, सहानुभूतिपूर्ण, नैतिक और अभिनव हों, पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

जिस तरह की बहु-विषयक शिक्षा, समस्या समाधान हेतु व्यावहारिक दृष्टिकोण और एक व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ जिसको कि कॉलेज अब अपने अध्यापन में अपना रहे हैं, भविष्य उज्ज्वल दिखता है, एक ऐसा जहां, हम अपने परिवेश के साथ सद्भाव में रह सकते हैं, जहां इसका प्रभाव हमारे निर्णय उस पर्यावरण पर भारी नहीं पड़ते जो हमारा पोषण करता है।

अवसरों की भूमि

डॉ. विजय पाटिल कहते हैं कि तीव्र आर्थिक विकास कुशल जनशक्ति की भारी मांग पैदा कर रहा है, जिसकी केवल शिक्षा संस्थानों द्वारा ही पूर्ति की जा सकती है जो छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं

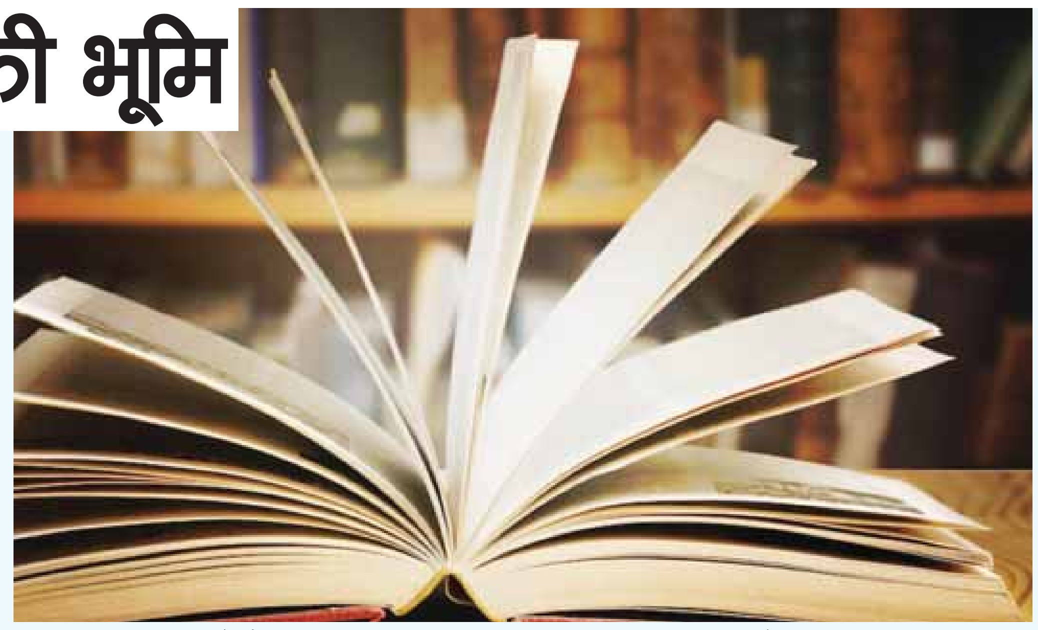

भारत को ज्ञान और शिक्षा का केंद्र माना जाता है। इसका प्रमाण तक्षशिला और नालंदा जैसी जगहों पर मौजूद है। इन स्थानों में अग्रणी संस्थान थे, और खंडहर अभी भी अपने आधारों पर बुलंद हैं। हालांकि, पिछली कुछ शताब्दियों में, भारतीय शिक्षा प्रणाली की विरासत दुखद रूप से खो गई थी। ब्रिटिश शासन के बाद, भारतीयों को इन शिक्षा केंद्रों के अस्तित्व का एहसास हुआ और आगे के अध्ययन के लिए इन खंडहरों की खुदाई की। स्वतंत्रता के बाद से, इस महत्वपूर्ण क्षेत्र के सुधार, विकास और विकास पर अत्यधिक ध्यान दिया गया है।

किसी भी देश की प्रगति मुख्य रूप से उसके शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उद्योगों की स्थिति से आंकी जाती है। वित्त वर्ष 2025 तक भारतीय शिक्षा प्रणाली के 225 बिलियन अमरीकी डालर के मूल्यांकन तक पहुंचने की उम्मीद है। उपमहाद्वीप शिक्षा में नेतृत्व प्रदान करने के मामले में एक चौराहे पर है।

भारत शायद अपने आप में एक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है, और भारत से दुनिया की अपेक्षाएं इन दो कारकों को हमारी प्रगति के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनाती हैं। इसके अलावा, दुनिया भर में दूसरी सबसे बड़ी आबादी और दुनिया में सबसे कम उम्र की आबादी होने से, शिक्षा उपमहाद्वीप के विकास के लिए एक अनिवार्य पहलू बन जाती है।

यहां तक कि राज्य और केंद्र सरकारें भी इस क्षेत्र की अहमियत को समझ रही हैं। हाल के दिनों में तैयार की जा रही शिक्षा नीतियां मजबूत सुधारों से जुड़ी हैं जो निजी क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। निजी पार्टियों को शामिल करने से दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अधिक शैक्षणिक और प्रशासनिक स्वायत्तता होगी, जिससे अनुसंधान-उन्मुख संस्थानों का तेजी से विकास होगा। पुनः, अधिक ज्ञान केंद्रों के होने से देश के अधिकांश युवाओं को संपूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। नई शिक्षा नीति 2020 में भारत को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक हॉटस्पॉट के रूप में स्थापित करने के लिए पहुंच, इक्विटी और समावेशिता मौलिक लक्ष्य हैं। इसका उद्देश्य विदेशों में छात्रों को बहुत कम लागत पर उपलब्ध सभी सुविधाएं प्रदान करना है। इस तरह के उपाय इस तथ्य के संकेतक हैं कि इस क्षेत्र ने एक ऊपर की ओर जाता प्रक्षेप-पथ अपनाया है।

इसके अलावा, देश में तीव्र आर्थिक विकास कुशल जनशक्ति की भारी मांग पैदा कर रहा है। छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने वाले शिक्षण संस्थान ही इस बढ़ती हुई आवश्यकता को पूरा कर सकते हैं। कई

डॉ. विजय पाटिल
एमसीए प्रेसीडेंट एंड चांसलर डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी नवी मुंबई

स्कूलों व कॉलेजों ने उद्योग-प्रथम दृष्टिकोण अपनाने के लिए अपने पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन किया है। छात्र अब सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ अपने योग्यताओं को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्हें न केवल सिद्धांत के मोर्चे पर मजबूत होने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, बल्कि मकसद उनमें महत्वपूर्ण सोच, विश्लेषणात्मक कौशल, रचनात्मकता और समस्या-समाधान जैसे गुणों को शामिल करना है। यह कहना सुरक्षित है कि अन्य उद्योगों का विकास, चाहे वह आईटी हो या वित्त, शिक्षा क्षेत्र द्वारा पेश किए गए आउटपुट पर निर्भर करता है।

वर्तमान प्रवृत्ति को देखते हुए और अगले पांच वर्षों के बारे में बात करते हुए, भारत में शिक्षा बाजार के 2025 तक 225 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है। यह अंततः मौजूदा शैक्षणिक संस्थानों पर सुविधा के लिए अनिवार्य कार्यबल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए बहुत दबाव डालेगा। ऐसी वृद्धि कई नए स्कूलों व कॉलेजों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी, छात्रों के लिए पाठ्यक्रम, मॉड्यूल, केरीकुलम और संस्थानों की उपलब्धता में वृद्धि करेगा। शिक्षाशास्त्र में भी संशोधन किए गए हैं, और शिक्षक छात्रों को अधिक से अधिक प्रदर्शनियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और इंटर्नशिप में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

इस तरह के गतिशील परिवर्तनकारी पहियों के साथ, भारत अवसरों की भूमि और शिक्षा के लिए एक प्रमुख गंतव्य बन सकता है, यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए भी।

आखिरकार, यह कोई संयोग नहीं है कि ऐसे कई भारतीय हैं जिन्होंने शायद अपनी शिक्षा घरेलू स्तर पर शुरू की थी और अब वे अंतरराष्ट्रीय दिग्गज कंपनियों में नेतृत्व की स्थिति में हैं।

सीबीएसई द्वारा नई टर्म असेसमेंट पॉलिसी

एमके यादव का कहना है कि सीबीएसई द्वारा निर्धारित नवीनतम पाठ्यक्रम योग्यता-आधारित शिक्षा प्रदान करने और 21वीं सदी के घटकों को आत्मसात करने का प्रयास करता है, जो शिक्षण, साक्षरता और जीवन कौशल पर केंद्रित है

कोविड-19 महामारी ने स्कूली शिक्षा की समूची गतिशीलता को बदल दिया है। पिछले दो साल हमारे स्कूली छात्रों के लिए वास्तव में कठिन रहे हैं। स्कूलों के लगातार बंद होने, कक्षाओं को ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित करने, परीक्षाओं को स्थगित करने व सहकर्मी समूह शिक्षण की कमी ने शिक्षा प्रणाली में व्यापक शिक्षण की खाई पैदा कर दी है।

शिक्षा प्रणाली में नवीनतम तकनीक और तकनीकों को एकीकृत करने हेतु जागरूकता और मांग में वृद्धि हुई है ताकि अध्यापन को रटंत शिक्षा से महत्वपूर्ण चिंतन वाली शिक्षा में स्थानांतरित किया जा सके।

महामारी से उत्पन्न इन चुनौतियों को दूर करने और हमारे छात्रों को 21वीं सदी के लिए तैयार करने हेतु, सीबीएसई ने माध्यमिक और वरिष्ठ-माध्यमिक स्तर पर, यानी कक्षा नौवीं-बारहवीं से टर्म आधारित परीक्षा की घोषणा की है।

सीबीएसई द्वारा निर्धारित नवीनतम पाठ्यक्रम योग्यता-आधारित शिक्षा प्रदान करने और 21वीं सदी के घटकों को आत्मसात करने का प्रयास करता है, जो शिक्षण, साक्षरता और जीवन कौशल पर केंद्रित है।

सीबीएसई ने कक्षा नौवीं-बारहवीं के लिए स्कूल परीक्षा को तीन भागों में वर्गीकृत किया है: टर्म -1 (नवंबर-दिसंबर), टर्म -2 (फरवरी- मार्च), और व्यावहारिक और आंतरिक मूल्यांकन। दोनों टर्म का समान महत्व है, अद्वितीय पाठ्यक्रम और प्रत्येक टर्म के पाठ्यक्रम एक दूसरे के साथ घुले-मिले नहीं हैं।

टर्म -1 में एमसीक्यू आधारित प्रश्न हैं और टर्म -1 में कोई प्रयोगात्मक परीक्षा नहीं है। साथ ही, टर्म -1 में छात्रों को अंक मिलेंगे और पास, फेल या कंपार्टमेंट जैसा कोई ठप्पा नहीं होगा। टर्म -2 में विषयवस्तु आधारित प्रश्न होंगे और इसमें सिद्धांत और प्रयोगात्मक घटक शामिल हैं।

मेरे विचार से यह स्वागतयोग्य कदम है। आज हमारा ध्यान छात्रों को वे कौशल सिखाने पर होना चाहिए, जो उन्हें आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में टिके रहने और फलने-फूलने में मदद करें। दुर्भाग्य से, अधिकांश स्कूलों का ध्यान वर्तमान में पाठ्यक्रम को तोड़ने मरोड़ने और परीक्षा पास करने पर है। देश में बहुत कम ऐसे स्कूल हैं, जो सूचनाओं को समेटने से ज्यादा कौशल आधारित शिक्षा पर ध्यान देते हैं।

आज, छात्रों को वैचारिक स्पष्टता, एक खोजपूर्ण मानसिकता और सूचना का महत्वपूर्ण विश्लेषण करने की आवश्यकता है। उन्हें विशेष रूप से सूचना अधिभार के इस युग में महत्वपूर्ण सूचनाओं को छांटने की स्थिति में होना चाहिए और उनका ध्यान क्षेत्रों के बारे में स्पष्टता हासिल करना होना चाहिए। वर्तमान में हम जो निर्णय लेते हैं वह हमारे भविष्य को आकार देता है।

यदि छात्रों में समझने की क्षमता की कमी है, तो वे उचित निर्णय लेने में सक्षम नहीं होंगे और अपने जीवन को संभालने में भी सक्षम नहीं होंगे। भारत में अधिकांश स्कूली छात्र अभी भी अपना करियर चुनने के लिए एक विशिष्ट प्रवृत्ति का पालन करते हैं, और माता-पिता और साथियों के दबाव के आगे झुक जाते हैं। उनमें से अधिकांश अपनी क्षमता और उस क्षेत्र के बारे में अनभिज्ञ होते हैं जिसमें वे फल-फूल सकते हैं और उनमें निर्णय लेने की क्षमता का अभाव होता है।

सीबीएसई द्वारा अपनाया गया नया शिक्षाशास्त्र आलोचनात्मक सोच, संचार कौशल और रचनात्मकता पर केंद्रित है, जो छात्रों को परिवर्तनों से निपटने में मदद करेगा, उन्हें और अधिक जिज्ञासु बनाएगा, उन्हें जिज्ञासु मानसिकता विकसित करने में मदद करेगा, और भविष्य संबंधी उनके सोचने के ढंग को बदल देगा।

परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकार, जैसे कि अभिकथन- तर्क, कथन और निष्कर्ष, केस स्टडी उन्हें वास्तविक जीवन के समस्या-समाधान परिदृश्य के लिए तैयार करेंगे।

इसके अलावा, जब हम विभिन्न करियर-उन्मुख प्रवेश परीक्षाओं को देखते हैं, जो कक्षा 12वीं के बाद आयोजित की जाती हैं, तो वे छात्रों की तर्क क्षमता व आलोचनात्मक सोच पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। यदि यह स्कूल स्तर पर नहीं पढ़ाया जा रहा है या यदि छात्रों ने स्कूल स्तर पर इस प्रकार की क्षमता विकसित नहीं की होती है, तो उनके लिए इन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना बहुत मुश्किल हो जाता है।

हम सभी सीयुईटी के बारे में जानते हैं, जो 41 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए होने जा रहा है, जिसमें सर्वाधिक संभावना वस्तुनिष्ठ और विषयनिष्ठ किस्म (विभिन्न समाचार पत्रों के लेखों के माध्यम से जानकारी) के प्रश्न होंगे और यदि किसी छात्र ने इस प्रकार के प्रश्नों का अभ्यास किया है तो स्कूल स्तर पर प्रवेश परीक्षा उनके लिए आसान होगी।

वर्तमान टर्म मूल्यांकन नीति छात्रों को अपने लिए सोचने, तथा भविष्य के दृष्टिकोण के बारे में सोचने में मदद करेगी, और शिक्षण, साक्षरता और विभिन्न जीवन कौशल के आधार पर एक सूझबूझ वाला निर्णय लेने में उनकी मदद करेगी। और अंत में, लेकिन समान रूप में महत्वपूर्ण, यह छात्रों के बोझ व तनाव को कम करेगा। पहले जहां छात्रों को परीक्षा से डर लगता था, अब उन्हें ये पेपर देने में मजा आएगा।

अंत में, मैं यह सुझाव देना चाहूंगा कि हमें अपना ध्यान, प्राथमिक विद्यालयों के अपने छात्रों हेतु, विश्लेषणात्मक शिक्षा पर केंद्रित करना चाहिए और कम उम्र से ही उनमें महत्वपूर्ण सोच क्षमता विकसित करनी चाहिए और भारत को एक बेहतर भविष्य देना चाहिए।

- लेखक एआई टेस्टीफाइड (आईआईटी कानपुर में इनक्यूबेटेड) के सीएमडी हैं

सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल का महिला एकल खिताब जीता

लखनऊ (भाषा)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने रविवार को यहां युवा हमवतन भारतीय मालविका बंसोड़ को सीधे गेम में हराकर सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट का दूसरी बार महिला एकल खिताब जीता।

कोविड-19 के कई मामलों के कारण कई शीर्ष खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में हो रहे इस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीय सिंधू को एकतरफा फाइनल में मालविका के खिलाफ 21-13 21-16 की जीत के दौरान अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। सिंधू ने फाइनल में सिर्फ 35 मिनट में जीत दर्ज की। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू का यह दूसरा सैयद मोदी खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2017 में भी इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट का खिताब जीता था। इससे पहले इशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की भारतीय जोड़ी ने हमवतन टी हेमा नागेंद्र बाबू और श्रीवेद्या गुराजादा को सीधे गेम में हराकर मिश्रित युगल का खिताब अपने नाम किया। इशान और तनीषा ने गैरवरीय भारतीय जोड़ी के खिलाफ सिर्फ 29 मिनट में 21-16 21-12 से जीत दर्ज की। अर्नाड मर्कल और लुकास क्लेयरबाउट के बीच पुरुष एकल खिताबी मुकाबले को नो मैच (मैच नहीं हुआ) घोषित किया गया जब एक फाइनलिस्ट कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू और 84वें नंबर की खिलाड़ी मालविका के बीच एकतरफा मुकाबले की उम्मीद थी और अंतत: ऐसा ही हुआ। सिंधू ने अपने अनुभव और कौशल का इस्तेमाल करते हुए मालविका को कोई मौका नहीं दिया। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सिंधू ने शुरुआत से ही दबदबा बनाते हुए 7-0 की बढ़त बनाई। सिंधू अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुए ब्रेक तक 11-1 से आगे थी। ब्रेक के बाद मालविका ने अपने खेल में सुधार करते हुए कुछ अंक जुटाए और सिंधू की बढ़त को कम किया लेकिन पूर्व विश्व चैंपियन को पहला गेम आसानी से जीतने से नहीं रोक पाईं। दूसरे मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच बेहतर मुकाबला देखने को मिला। मालविका ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया लेकिन यह सिंधू के स्तर को चुनौती देने के लिए पर्याप्त नहीं था। सिंधू ने अपनी लंबाई का अच्छा इस्तेमाल करते हुए शानदार स्मैश लगाए और कुछ अच्छे ड्रॉप शॉट खेले जिसका मालविका के पास कोई जवाब नहीं था। सिंधू ब्रेक तक 11-4 से आगे थी। मालविका ने ब्रेक के बाद कुछ हद तक वापसी की और लगातार चार अंक के साथ स्कोर 12-17 किया। मालविका चार और अंक जुटाने में सफल रहीं लेकिन सिंधू ने बिना किसी परेशानी से गेम, मैच और खिताब जीत लिया।

सानिया-राम की जोड़ी मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में

भाषा। मेलबर्न

) भारत की सानिया मिर्जा और अमेरिका के उनके जोड़ीदार राजीव राम ने रविवार को यहां सीधे सेट में एलेन पेरेज और मात्वे मिडलकूप को हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारत और अमेरिका की गैरवरीय जोड़ी ने कोर्ट नंबर तीन पर दूसरे दौर के मुकाबले में एक घंटा 27 मिनट में आस्ट्रेलिया की पेरेज और नीदरलैंड के मिडलकूप की जोड़ी को 7-6 (8/6),6-4 से हराया। क्वार्टर फाइनल में सानिया और राम की भिड़ंत सैम स्टोसुर और मैथ्यू एबडेन तथा जेमी फोरलिस और जेसन कुब्लर की आस्ट्रेलियाई जोड़ियों के बीच होने वाले दूसरे दौर के मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगी। सानिया और राम ने पहले दौर में सर्बिया की एलेक्सांद्रा क्रुनिच और निकोला केसिच की जोड़ी को हराया था।

क्विक न्यूज

लाहिड़ी ने अमेरिकन एक्सप्रेस के कट में जगह बनाई

ला क्विंटा (अमेरिका)। अनिर्बान लाहिड़ी तीसरे दौर में पार 72 के कार्ड के दम पर अमेरिकन एक्सप्रेस गोल्फ टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने में सफल रहे। इस भारतीय गोल्फर ने स्टेडियम कोर्स के दौरान दो बर्डी और इतने ही बोगी लगाए। वह 54 होल के खेल के बाद आठ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 45वें स्थान पर है। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे 156 पेशेवरों में से शीर्ष 70 खिलाड़ियों ने कट में प्रवेश किया। लाहिड़ी ने पहले होल और 16 होल में बर्डी जबकि छठे और 15वें होल में बोगी किया। वह दूसरे दौर के बाद संयुक्त 32वें स्थान पर थे लेकिन तीसरे दौर के बाद संयुक्त 45वें स्थान पर खिसक गए।

भारतीय ग्रैंडमास्टर ललित बाबू ने चेक गणराज्य में शतरंत प्रतियोगिता जीती

मारियांस्के लाजने (चेक गणराज्य)। भारतीय ग्रैंडमास्टर एम आर ललित बाबू यहां मारियनबाद ओपन 2022 शतरंज टूर्नामेंट में जीत दर्ज की। वह नौ दौर केइस मुकाबले में अजेय रहे और कुछ 6.5 अंकों केसाथ उन्होंने जीत दर्ज की। वह आइसलैंडिक के उपविजेता ग्रैंडमास्टर हेंस स्टीफंसन से आधा अंक आगे रहे। ललित बाबू ने इस दौरान चार गेम जीते और अन्य पांच मुकाबलों को ड्रॉ करके शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने चेक गणराज्य के खिलाड़ियों वेक्लेव फिनेक, कारेल मालिनोवस्कु, डेनियल सोर्म और जैकब कुसा के खिलाफ जीत दर्ज की। इस 29 वर्षीय भारतीय ने शनिवार की देर रात स्टीफन्सन के खिलाफ अपने अंतिम दौर केमैच को ड्रॉ कर केशीर्ष स्थान हासिल किया। ललित बाबू के लिए यह लगातार तीसरा खिताब था। वह इससे पहले थाईलैंड और इटली मे जीत दर्ज कर चुकेहै।

सिंगापुर में वीर अहलावत का करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर ओपन में जगह बनाने से चूके

सेंटोसा (सिंगापुर)। भारत के वीर अहलावत ने एसएमबीसी सिंगापुर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में रविवार को यहां करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए संयुक्त पांचवां स्थान हासिल किया लेकिन सेंट एंड्र्यूज में होने वाली 150वीं ओपन चैंपियनशिप में जगह बनाने से चूक गए। वीर ने अंतिम दो होल में एक डबल बोगी और एक बोगी की जिससे वह दूसरे से संयुक्त पांचवे स्थान पर खिसक गए और उन्होंने द ओपन चैंपियनशिप के लिए उपलब्ध चार स्थानों में से एक हासिल करने का मौका गंवा दिया। वीर का कुल स्कोर सात अंडर रहा। शिव कपूर भी अंतिम दौर मे 69 के स्कोर से कुल पांच अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहे। विराज मादप्पा (73) संयुक्त 48वें, राशिद खान (73) संयुक्त 53वें और एस चिक्करंगप्पा (76) संयुक्त 65वें स्थान पर रहे। थाईलैंड के सेडोम केइवकांजाना ने कुल 13 अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता।

डेको के गोल से इंटर ने वेनेजिया को हराया

मिलान। एडिन डेको के अंतिम लम्हो मे दागे गोल की बदौलत इंटर मिलान ने शनिवार को यहां खिलाड़ियों को कोरोना वायरस संक्रमण से जूझ रहे वेनेजिया को 2-। से हराकर सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट के शीर्ष पर पांच अंक की बढ़त हासिल की। थॉमस हेनरी ने 19वें मिनट मे वेनेजिया को बढ़त दिलाई जिसके बाद निकोलो बारेला ने 40वें मिनट में स्कोर।-। किया। जेको ने 90वें मिनट में गोल दागकर इंटर मिलान की 2-। से जीत सुनिश्चित की। इस जीत से इंटर के 22 मैच में 53 अंक हो गए है और उसने दूसरे स्थान पर मौजूद एसी मिलान पर पांच अंक की बढ़त बना ली है। वेनेजिया पर निचली लीग मे खिसकने का खतरा मंडरा रहा है। टीम 18 अंक के साथ 20 टीम की तालिका में 17वें स्थान पर है। अंक तालिका में अंतिम तीन स्थान पर रहने वाली टीम निचली लीग में खिसक जाएंगी। वेनेजिया के आठ खिलाड़ी और कोच पाउलो जेनेटी सहित कोचिंग स्टाफ के कई सदस्य कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए है। सिरी ए के नए नियमों के अनुसार टीम के 25 सदस्यों में से अगर नौ वायरस से संक्रमित होते है तो मुकाबला स्थगित किया जाएगा।

हरियाणा स्टीलर्स ने करीबी मुकाबले में यूपी योद्धा को हराया

बेंगलुरू। हरियाणा स्टीलर्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) मैच में रविवार को यहां यूपी योद्धा पर 36-35 से रोमांचक जीत दर्ज की। पूरे मैच मे दोनो टीमो के बीच बराबरी का मुकाबला दिखा लेकिन अंतिम कुछ सेकेंड मे हरियाणा के विनय ने एक बोनस अंक हासिल कर मैच में अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। हरियाणा के लिए रोहित गुलिया ने सबसे ज्यादा सात अंक बटोरे जबकि कप्तान विकास कंडोला, जयदीप, विनय और रोहित ने पांच-पांच अंकों का योगदान दिया। यूपी के लिए रेडर श्रीकांत जाधव ने सुपर 10 (10 अंक) बटोरे जबकि अनुभवी प्रदीप नरवाल ने छह अंक का योगदान दिया। मध्यांतर के समय हरियाणा की टीम 15-14 से आगे थी लेकिन दूसरे हाफ में उन्होंने यूपी योद्धा के ऑल आउट कर 20-16 और फिर 25-18 की बढ़त हासिल कर ली। सात अंक से पिछड़ने के बाद यूपी ने वापसी की और स्कोर को 32-31 करने के बाद 39वें मिनट में 35-35 से बराबर कर दिया। विनय ने इसके बाद आखिरी कुछ सेकेंड में बोनस अंक हासिल कर हरियाणा को विजेता बना दिया। दिन के दूसरे मुकाबले में बेंगलुरु बुल्स ने तेलुगू टाइटंस को 36-31 से हराया।

शुभंकर शर्मा अबुधाबी चैम्पियनशिप में एक शॉट से खिताब जीतने से चूके

अबुधाबी। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने बड़े खिलाड़ियों की मौजूदगी में शानदार प्रदर्शन करते हुए अबुधाबी चैंपियनशिप में रविवार को संयुक्त रूप दूसरे स्थान पर रहे। तीसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहे शुभंकर महज एक शॉट से अपने करियर की सबसे बड़ी खिताब जीतने से चूक गए।यूरोपीय टूर के इस टूर्नामेंट के चौथे दौर में उन्होंने एक अंडर 71 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर नौ अंडर का रहा।

डिकॉक का शतक, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को चार रन से हराया

भाषा। केपटाउन

दक्षिण अफ्रीका ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से रविवार को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत को चार रन से हराकर श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद दक्षिण अफ्रीका की पारी 49.5 ओवर में 287 रन पर सिमट गई। उसके लिए फॉर्म में चल रहे मैन आफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज डिकॉक ने 124 रन (12 चौके और दो छक्के) की शानदार शतकीय पारी जबकि रासी वान डर डुसेन (चार चौके और एक छक्का) ने 52 रन की पारी खेली। इस लक्ष्य के जवाब में भारतीय टीम रोमांचक मुकाबले में दीपक चाहर की अंत में खेली गई 54 रन (34 गेंद में पांच चौके और दो छक्के) की पारी से जीतने के करीब पहुंचने के बाद 49.2 ओवर में 283 रन पर सिमट गई और उसकी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्लीन स्वीप से बचने की उम्मीद टूट गई। दीपक चाहर ने दबाव की परिस्थितियों के बावजूद जबरदस्त जज्बा दिखाया। पर उनकी, सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की 61 और पूर्व कप्तान विराट कोहली की 65 रन की अर्धशतकीय पारियां भी टीम के काम नहीं आ सकीं। भारतीय कप्तान केएल राहुल का बल्ला इस मैच में नहीं चला और वह पांचवें ओवर में लुंगी एनगिडी (58 रन देकर तीन विकेट) की पहली गेंद पर पर बल्ला छुआकर पहली स्लिप में खड़े जानेमन मलान को कैच दे बैठे। राहुल का

श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की

विकेट गिरने के बाद धवन और कोहली ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों का डटकर सामना किया और उन्हें खुद पर हावी नहीं होने दिया। धवन और कोहली ने दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी बना ली थी और इसे मजबूत करने की ओर बढ़ रहे थे। धवन ने 17वें ओवर में 58 गेंद में पांच चौके और एक छक्के से 35वां अर्धशतक पूरा किया। इसके साथ ही अगले ओवर में टीम ने 100 रन भी पूरे किए। केशव महाराज लगातार कसी गेंदबाजी कर रहे थे। पर दोनों ने उम्मीदों के अनुरूप रन जोड़ना जारी रखा। धवन (73 गेंद में पांच चौके और एक छक्का) एंडिले फेलुकवायो (40 रन देकर तीन विकेट) की गेंद को हुक करने के प्रयास में उंचा खेल बैठे और विकेटकीपर डिकॉक ने आसान कैच लेकर उनकी पारी और दूसरे विकेट की 98 रन की साझेदारी समाप्त की। इसी ओवर में टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का विकेट गंवा दिया जो खाता भी नहीं खोल सके।

पंत से कोहली के साथ अच्छी भागीदारी की उम्मीद थी। पर वह गलत समय पर ऐसा शॉट खेले बैठे जिसके उस समय खेलने की जरूरत नहीं थी और डीप प्वाइंट पर सिसांडा मगाला ने उनका कैच लपका। फेलुकवायो ने 23वें और अपने इस दूसरे ओवर में दो विकेट झटक लिए। इससे भारतीय टीम दबाव में आ गई। अब जिम्मेदारी कोहली और श्रेयस अय्यर (26

रन) पर थी। फिर कोहली ने अपना 64वां वनडे अर्धशतक 63 गेंद में चार चौके की मदद से पूरा किया। भारतीय टीम का स्कोर 30 ओवर के बाद तीन विकेट पर 152 रन था। केशव महाराज ने किफायती गेंदबाजी करना जारी रखा, उन्होंने अपने अंतिम ओवर में भारत को चौथा झटका कोहली के रूप में दिया। 32वें ओवर में कोहली उनकी गेंद के टर्न और उछाल को समझ नहीं सके और गेंद उनके बल्ले का किनारा छूकर बावुमा के हाथों में गई जो कवर प्वाइंट से भाग कर इसे लपकने दौड़े। सूर्यकुमार यादव (39 रन) अब क्रीज पर थे और उन्होंने आते ही ऐडन मार्कराम पर छक्का जड़ा। पर अगले ओवर में वह भाग्यशाली रहे कि गेंद करीब से स्टंप से चूक गई।

अय्यर और सूर्यकुमार ने पांचवें विकेट के लिए 39 रन जोड़ लिए थे लेकिन यह साझेदारी आगे नहीं बढ़ सकी। अय्यर (34 गेंद में दो चौके) 38वें ओवर में सिसांडा मगाला की गेंद पर पुल शॉट लगाने के प्रयास में आउट हो गए। अब टीम का स्कोर पांच विकेट पर 195 रन था। टीम ने इसी ओवर में 200 रन पूरे किए। सूर्यकुमार तेजी से रन जुटा रहे थे और 40वें ओवर में ड्वेन प्रिटोरियस की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में मिडऑफ पर बावुमा को कैच दे बैठे। भारत ने छठा विकेट 210 रन के स्कोर पर गंवाया। जयंत यादव (02) छह गेंद ही खेल पाए थे और एनगिडी का शिकार बने। चाहर ने इसके बाद दबाव भरी परिस्थिति में बेहतरीन बल्लेबाजी की और जसप्रीत बुमराह के साथ आठवें विकेट के लिए 55 रन की भागीदारी की। पर भारत का दुर्भाग्य कि वह 48वें ओवर में एनगिडी की गेंद का शिकार हो गए। भारत ने इस तरह आठवां विकेट 278 रन पर गंवाया। टीम आराम से जीत सकती थी। उसे अंतिम दो ओवर में जीत के लिए आठ रन चाहिए थे। लेकिन बुमराह (12) के आउट होने के बाद युजवेंद्र चहल (02) और प्रसिद्ध कृष्णा टीम को जीत तक नहीं ले जा सके। टीम 49.2 ओवर में सिमट गई। इससे पहले डिकॉक ने 130 गेंद में 124 रन की पारी खेली और वान डर डुसेन के साथ चौथे विकेट के लिए 144 रन की भागीदारी निभाई। इसके बाद भारत ने इन दोनों के लगातार विकेट झटक कर घरेलू टीम की रन गति पर लगाम कसी। अपने छठे वनडे शतक से डिकॉक ने भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी एबी डिविलियर्स के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। कप्तान लोकेश राहुल का पहले गेंदबाजी करने का फैसला कारगर रहा क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने आठ रन ही बनाए थे कि दीपक चाहर (53 रन देकर दो विकेट) ने सलामी बल्लेबाज जानेमन मलान (01) को तीसरे ओवर की पहली गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराया।

रिजवान आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ टी-20 क्रिकेटर बने

दुबई। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को रविवार को 2021 में शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 क्रिकेटर चुना गया। पाकिस्तान के इस सलामी बल्लेबाज ने 2021 में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया। रिजवान ने सिर्फ 29 मैच में 73.66 की औसत और 134.89 के स्ट्राइक रेट के साथ ।,326 रन बनाए। बल्ले से शानदार प्रदर्शन के अलावा रिजवान ने विकेट के पीछे भी प्रभावित किया और उन्होंने पाकिस्तान को टी20 विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाई। रिजवान टूर्नामेंट के तीसरे शीर्ष स्कोरर रहे थे। उन्होंने 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लाहौर में अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक भी जड़ा और कराची में वेस्टइंडीज के खिलाफ साल के अंतिम टी20 मुकाबले में 87 रन की पारी खेली। अगले साल एक और टी20 विश्व कप होना है और ऐसे में पाकिस्तान को उम्मीद होगी कि रिजवान इस प्रदर्शन को जारी रखेंगे। रिजवान ने टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले में भारत के खिलाफ 55 गेंद में नाबाद 79 रन भी बनाए थे जिससे पाकिस्तान ने इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ इस वैश्विक टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की थी।

वेस्टइंडीज ने पहले टी-20 में इंग्लैंड को नौ विकेट से रौंदा

ब्रिजटाउन (बारबडोस)। इंग्लैंड को एशेज में करारी शिकस्त के बाद शनिवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में नौ विकेट की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करने उतरे इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और 10 ओवर में टीम ने 39 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मेहमान टीम अंतत: 19.4 ओवर में 103 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज ने इसके जवाब में सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग (नाबाद 52) के अर्धशतक की बदौलत 17 गेंद शेष रहते हुए एक विकेट पर 104 रन बनाकर नौ विकेट की आसान जीत दर्ज की। असमान उछाल वाली पिच पर टॉसकर हारकर बल्लेबाजी करने उतरे इंग्लैंड ने 10 रन पर तीन और फिर 49 रन पर सात विकेट गंवा दिए थे जिससे आस्ट्रेलिया में टीम का लचर प्रदर्शन यहां कैरेबिया में पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में भी जारी रहा। निचले क्रम के बल्लेबाजों क्रिस जोर्डन और आदिल राशिद ने आठवें विकेट के लिए 36 रन जोड़कर टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। जोर्डन 23 गेंद में 28 रन के साथ टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। राशिद ने 22 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कप्तान इयोन मोर्गन (17) और जेम्स विन्स (14) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। सलामी बल्लेबाज किंग ने इसके बाद 49 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 52 रन बनाकर वेस्टइंडीज की आसान जीत का मंच तैयार किया।

भारत को महिला एशिया कप हॉकी में जापान ने 2-0 से हराया

भाषा। मस्कट

गत चैम्पियन भारत को रविवार को यहां महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में पूल ए के दूसरे मैच पूल ए में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जापान से 0-2 से उलटफेर का सामना करना पड़ा। जापान ने नागा यूरी (दूसरे मिनट) और साकी तनाका (42वें मिनट) के गोल से भारतीयों को चौंका दिया।

भारतीय खिलाड़ियों को धीमी शुरुआत करना महंगा पड़ा क्योंकि जापान ने दूसरे मिनट में नागाई यूरी के गोल से बढ़त हासिल कर ली। एक गोल से पिछड़ने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक रवैया अपनाया पहले क्वार्टर में दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन दोनों को गोल में बदलने में नाकाम रहे। जापान ने इसके बाद अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत किया और भारतीय कई मौके बनाने के बाद भी गोल करने में नाकाम रही। जापान ने इसके बाद 42वें मिनट में दूसरा गोल कर भारतीयों को पूरी तरह से चौका दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद आक्रामक खेल दिखाया और फिर से दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल की लेकिन खिलाड़ी दोनों को गोल में बदलने में नाकाम रहे। जापान अब पूल ए में दो मैचों में इतने ही जीत के साथ शीर्ष पर है, जबकि भारत अपने पहले मैच में मलेशिया पर 9-0 से जीत दर्ज करने के बाद दूसरे स्थान पर है। भारत का अगला पूल मैच सोमवार को सिंगापुर से होगा। दोनों पूलों से शीर्ष दो टीमें टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

छेत्री ने की आईएसएल में रिकॉर्ड गोल की बराबरी की, बेंगलुरु ने गोवा को बराबरी पर रोका

बम्बोलिम। दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में 11 मैचों से चला आ रहा गोल का सूखा खत्म किया जिससे बेंगलुरु एफसी ने एफसी गोवा के खिलाफ पिछड़ने के बाद इस फुटबॉल मैच को बराबरी पर खत्म किया। छेत्री का आईएसएल में यह 48वां गोल है। वह लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वालों की सूची में संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उन्होंने फेरान कोरोमिनास की बराबरी की है। मैच का पहला गोल 41वें मिनट में आया, जब डायलन फॉक्स ने हेडर से गोल करके एफसी गोवा को।-0 से आगे कर दिया। मध्यांतर के बाद दूसरे हाफ के 61वें मिनट में स्टार स्ट्राइकर छेत्री के हेडर ने बेंगलुरू एफसी को।-। की बराबरी पर ला दिया। इस ड्रा से बेंगलुरु के अपराजित रहने का सिलसिला छह मैचों तक पहुंच गया है।

भारत एएफसी महिला एशियाई कप से बाहर

12 खिलाड़ियों के कोविड-19 पॉजिटिव आने से चीनी ताइपे के खिलाफ मैच रद्द

भाषा। नवी मुंबई

भारत को रविवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप से बाहर होने के लिए बाध्य होना पड़ा क्योंकि उसकी 12 खिलाड़ियों के कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आने के बाद चीनी ताइपे के खिलाफ का ग्रुप ए मैच शुरू होने से चंद मिनट पहले ही रद्द करना पड़ा। कोविड मामलों के आलवा दो खिलाड़ी चोटिल होने के कारण बाहर हो गई थीं। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कहा कि परिस्थितियों को देखते हुए टूर्नामेंट का अनुच्छेद 4.1 का नियम लागू होगा जो स्पष्ट करता है कि अगर टीम एक मैच के लिए इकट्ठा नहीं हो पाती है तो इसका मतलब होगा कि उसने संबंधित टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने भी बयान जारी करके घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की लेकिन हैरानी की बात है कि उन्होंने टीम की टूर्नामेंट में स्थिति स्पष्ट नहीं की। उन्होंने कहा, हम उतने ही निराश हैं जितना शायद पूरा देश इस समय इस अवांछित स्थिति के पैदा होने से होगा।

चीन ने ईरान को 7-0 से रौंदा

मुंबई। आठ बार की चैम्पियन चीन ने एक बार फिर से खिताब की दावेदारी मजबूत करते हुए एएफसी महिला एशियाई कप के ग्रुप ए के मैच में रविवार को यहां ईरान को 7-0 से करारी शिकस्त दी। अपना 27वां जन्मदिन मना रही वांग शुआंग ने हैट्रिक गोल की हैट्रिक की जिससे कोच शुई किंग्जया की टीम ने टूर्नामेंट में अपनी शानदार शुरुआत को इस मुकाबले में भी जारी रखी। चीन ने अपने पहले मैच में चीनी ताइपे को 4-0 से हराया था। इस हार से ईरान के लिए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाना काफी मुश्किल होगा। टीम को अब बुधवार को चीनी ताइपे के खिलाफ अच्छा खेल दिखाना होगा। ईरान का पहला मैच भारत के खिलाफ ड्रॉ रहा था। भारत के खिलाफ शानदार गोलकीपिंग से कई बचाव करने वाली जोहरेह कौदेई ने शुरुआती मिनटों में चीन के खिलाड़ियों के कई आक्रमण को नाकाम किया। लेकिन शुआंग ने 28वें मिनट में टीम के लिए पहला गोलकर अपने जन्मदिन का जश्न मनाया।

नडाल 14वीं बार आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में

एपी। मेलबर्न

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल ने रविवार को यहां एड्रियन मनारिनो को सीधे सेट में हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में 14वीं बार जगह बनाई जहां उनका सामना कनाडा के युवा खिलाड़ी डेनिस शापोवालोव से होगा।

नडाल ने चौथे दौर के मुकाबले में 7-6 (14), 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। उन्हें पहले सेट के टाईब्रेक में जीत दर्ज करने के लिए 28 मिनट 40 सेकेंड तक जूझना पड़ा और इस दौरान उन्होंने सातवें सेट प्वाइंट पर जीत दर्ज की। बाएं हाथ से खेलने वाले नडाल की बाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ियों पर यह लगातार 21वीं जीत है। वह अब रिकॉर्ड 21वां पुरुष एकल ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से तीन जीत दूर हैं। नडाल ने कहा, पहला सेट काफी अधिक भावनात्मक था। वहां कुछ भी हो सकता था। अंत में मैं थोड़ा भाग्यशाली रहा। मुझे मौके मिले, उसे भी काफी मौके मिले। नडाल क्वार्टर फाइनल में कनाडा के 22 साल के शापोवालोव से

भिड़ेंगे जिन्होंने उलटफेर करते हुए तीसरे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। चौदहवें वरीय शापोवालोव ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ज्वेरेव को मारग्रेट कोर्ट पर सीधे सेट में 6-3, 7-6 (5), 6-3 से हराया। शापोवालोव ने पहले तीन दौर में जीत दर्ज करने के दौरान लगभग 11 घंटे कोर्ट पर बिताए। उन्होंने इस दौरान दो बार चार सेट और एक बार पांच सेट में जीत दर्ज की। ज्वेरेव के खिलाफ वह हालांकि तीन सेट में दो घंटे और 21 मिनट में जीत दर्ज करने में सफल रहे।

नडाल ने इसके साथ ही आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में सबसे अधिक बार जगह बनाने वालों की सूची में जॉन न्यूकॉम्ब के साथ दूसरे स्थान पर जगह बनाई। रोजर फेडरर 15 बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर शीर्ष पर हैं। नडाल ने 45वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई है और वह सर्वकालिक सूची में फेडरर (58) और नोवाक जोकोविच (51) के बाद तीसरे स्थान पर हैं। फेडरर, जोकोविच और नडाल के नाम पर अभी समान रिकॉर्ड 20 पुरुष एकल ग्रैंडस्लैम खिताब हैं। आस्ट्रेलियाई ओपन में हालांकि इन तीनों में से सिर्फ नडाल खेल रहे हैं। महिला एकल में फ्रेंच ओपन चैंपियन बारबरा क्रेज्सिकोवा ने चौथे दौर में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेट में हराया। चौथी वरीय क्रेज्सिकोवा ने रोड लावेर एरेना में सिर्फ 85 मिनट में 2012 और 2013 की चैंपियन अजारेंका को 6-2, 6-2 से हराया। क्रेज्सिकोवा ने चार ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में तीसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। अगले दौर में क्रेज्सिकोवा का सामना 2017 की अमेरिकी ओपन चैंपियन मेडिसन कीज से होगा जिन्होंने आठवीं वरीय पॉला बाडोसा को सीधे सेट में 6-3, 6-। से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 96
लखनऊ, सोमवार, 24 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सिंधु ने सैयद मोदी इंटरनेशनल का एकल खिताब जीता
स्पोर्ट्स-12

अब गलतियों को ठीक कर रहा देशः मोदी

- कहा, महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का प्रयास हुआ
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया गेट पर बोस की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि आजादी के बाद देश की संस्कृति और संस्कारों के साथ ही अनेक महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का काम किया गया लेकिन आज देश उन गलतियों को ठीक कर रहा है। स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर इंडिया गेट पर उनकी होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 में स्वतंत्रता के सौवें वर्ष से पहले दुनिया की कोई भी ताकत देश को नए भारत के निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल करने से नहीं रोक सकती। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें नेताजी बोस के कैन डू और विल डू की भावना से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ना है। मोदी ने कहा, ए

नई दिल्ली में पराक्रम दिवस पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा के अनावरण मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

दुर्भाग्य रहा कि आजादी के बाद देश की संस्कृति और संस्कारों के साथ ही अनेक महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का काम किया गया। उन्होंने कहा, स्वाधीनता संग्राम में लाखों-लाख देशवासियों की तपस्या शामिल थी लेकिन उनके इतिहास को भी सीमित करने की कोशिशें हुईं। पर आज आजादी के दशकों बाद देश उन गलतियों को डंके की चोट पर ठीक कर रहा है। प्रधानमंत्री ने अलंकरण समारोह में वर्ष 2019, 2020, 2021 और 2022 के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार भी प्रदान किए। समारोह के दौरान कुल सात पुरस्कार प्रदान किए गए। केंद्र सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत में लोगों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा को पहचान देने और सम्मानित करने के लिए वार्षिक पुरस्कार की शुरुआत की है। मोदी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने आपदा प्रबंधन को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमने राहत, बचाव और पुनर्वास पर जोर देने के साथ सुधार पर भी बल दिया है। हमने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को मजबूत किया, उसका आधुनिकीकरण किया, देश भर में उसका विस्तार किया। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से लेकर योजना और प्रबंधन तक, सर्वश्रेष्ठ तौर तरीकों को अपनाया गया। उन्होंने कहा, जिन्होंने भारत की धरती पर पहली आजाद सरकार को स्थापित किया था, हमारे उन नेताजी की भव्य प्रतिमा आज डिजिटल स्वरूप में इंडिया गेट के समीप स्थापित हो रही है। जल्द ही इस होलोग्राम प्रतिमा के स्थान पर ग्रेनाइट की विशाल प्रतिमा भी लगेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा लोकतांत्रिक संस्थाओं, वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को उनके कर्तव्यों की याद दिलाएगी और उन्हें प्रेरित करेगी। होलोग्राम प्रतिमा को 30,000 लुमेन 4के प्रोजेक्टर द्वारा संचालित किया जाएगा। एक अदृश्य 90 प्रतिशत पारदर्शी होलोग्राफिक स्क्रीन इस तरह से लगाई गई है कि यह आगंतुकों को दिखाई नहीं देती। सरकार ने कहा है कि होलोग्राम का प्रभाव पैदा करने के लिए उस पर नेताजी की थ्रीडी तस्वीर लगाई जाएगी। इस प्रतिमा का आकार 28 फुट ऊंचा और 6 फुट चौड़ा है।

सरकार ने 2022 के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार की घोषणा की

भाषा। नई दिल्ली

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने को लेकर गुजरात आपदा प्रबंधन संस्थान (जीआईडीएम) और सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विनोद शर्मा को 2022 के सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि जीआईडीएम को संस्थागत श्रेणी के लिए, जबकि शर्मा को व्यक्तिगत श्रेणी में चयनित किया गया है। केंद्र सरकार ने देश में व्यक्तियों और संगठनों द्वारा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने और नि:स्वार्थ सेवा करने वालों को सम्मानित करने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन वार्षिक पुरस्कार की शुरूआत की थी। इस पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाती है। इसके तहत संस्था को 51 लाख रुपए का नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र, जबकि व्यक्ति को पांच लाख रुपए और एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। बयान में कहा गया है कि इस वर्ष के पुरस्कार के लिए, एक जुलाई, 2021 से नामांकन मांगा गया था और संस्थानों तथा व्यक्तियों से कुल 243 वैध नामांकन प्राप्त हुए थे।

बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नेताजी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले अलंकरण समारोह में वर्ष 2019, 2020 और 2021 के पुरस्कार विजेताओं के साथ इस साल के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान करेंगे।

भारत में ओमीक्रोन संक्रमण सामुदायिक प्रसार के स्तर पर

कोरोना संक्रमण की जांच के लिए जम्मू में एक व्यक्ति से नमूना लेती स्वास्थ्यकर्मी

- कई महानगरों में हो गया है हावीः आईएनएसएसीओजी

भाषा। नई दिल्ली

इंडियन सार्स-कोव-2 जीनोमिक कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) ने अपने ताजा बुलेटिन में कहा है कि भारत में ओमीक्रोन स्वरूप सामुदायिक संक्रमण के स्तर पर है और जिन महानगरों में कोविड-19 मामलों में तेज वृद्धि देखी जा रही है, वहां यह हावी हो गया है। कोविड-19 के जीनोम अनुक्रमण का विश्लेषण करने के लिए सरकार द्वारा गठित समूह आईएनएसएसीओजी ने यह भी कहा कि ओमीक्रोन के संक्रामक उप-स्वरूप बीए.2 की देश के कुछ हिस्सों में मौजूदगी मिली है। समूह ने रविवार को जारी 10 जनवरी के अपने बुलेटिन में कहा है कि अब तक सामने आए ओमीक्रोन के अधिकतर मामलों में या तो रोगी में संक्रमण के लक्षण दिखाई नहीं दिए या फिर हल्के लक्षण नजर आए हैं। अस्पताल और गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती होने के मामले मौजूदा लहर में बढ़ गए हैं और खतरे के स्तर में परिवर्तन नहीं हुआ है। बुलेटिन में कहा गया है, ओमीक्रोन अब भारत में सामुदायिक प्रसार के स्तर पर है और यह उन विभिन्न महानगरों में हावी हो गया है, जहां नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बीए.2 उप स्वरूप की मौजूदगी मिली है और इसलिए एस जीन ड्रॉपआउट आधारित स्क्रीनिंग के दौरान इस बात की बहुत अधिक आशंका है कि संक्रमण का पता न चले। वायरस के जेनेटिक बदलाव से बना एस-जीन ओमीक्रोन स्वरूप के जैसा ही है। बुलेटिन में कहा गया है, हाल में सामने आए बी.1.640.2 वंश की निगरानी की जा रही है।

भाजपा में ही बहू बेटियों का सम्मान सुरक्षितः अपर्णा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की छोटी पुत्रवधू अपर्णा यादव ने रविवार को कहा कि बहू-बेटियों की सुरक्षा के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार जरूरी है, भाजपा में ही बहू-बेटियों का सम्मान सुरक्षित है। रविवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार पार्टी कार्यालय में पहुंची अपर्णा यादव ने कहा, मैंने राष्ट्रवाद की वजह से भाजपा को चुना, भाजपा सरकार में महिलाओं को सम्मान मिला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच और दूर दृष्टि से समाज में बहुत ही सकारात्मक बदलाव हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा वो पार्टी है जिसने देश को बचाया है, मैं एक नए भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ बढ़ना चाहती हूं। यादव ने कहा, देश और प्रदेश की उन्नति के लिए भाजपा जरूरी है, भाजपा जीतेगी तो देश और प्रदेश दोनों की तरक्की होगी, गरीबों

का कल्याण होता रहेगा, बहू-बेटियां सुरक्षित रहेंगी, सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का संकल्प पूरा होता रहेगा। उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी छोड़कर दिल्ली में बीते दिनों भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद लखनऊ में अपर्णा यादव भाजपा कार्यालय में आई थीं। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर हुए कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश चुनाव सहप्रभारी और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, अपर्णा यादव, कांग्रेस छोड़कर आईं रायबरेली से विधायक अदिति सिंह और प्रियंका मौर्य ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

चीन की पीएलए ने कहा अरुणाचल का किशोर मिला

भाषा। नई दिल्ली

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने रविवार को भारतीय सेना को सूचित किया कि उसे अरुणाचल प्रदेश के पार अपने क्षेत्र में एक किशोर मिला है और वे उसे जल्द ही सौंप देंगे। कुछ दिन पहले एक सांसद ने दावा किया था कि पीएलए के सैनिकों ने एक किशोर को अगवा कर लिया है। हालांकि, रक्षा सूत्रों ने कहा कि पीएलए ने किशोर की पहचान की पुष्टि नहीं की है और ऐसा माना जाता है कि वह मिराम तरोन है, जिसे कथित तौर पर 18 जनवरी को अपर सियांग जिले से चीनी सैनिक ले गए थे। घटना के सामने आने के बाद भारतीय सेना ने किशोर का पता लगाने के लिए पीएलए से मदद मांगी थी। सूत्रों ने कहा कि पीएलए ने भारतीय सेना को सूचित किया कि उसे एक किशोर मिला है और उसे भारतीय पक्ष को सौंपने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। अरुणाचल प्रदेश से सांसद तापिर गाओ ने भी पीटीआई-भाषा को बताया कि उन्हें भारतीय सेना से पुष्टि मिली है कि किशोर पीएलए की हिरासत में है और जल्द ही सौंप दिया जाएगा।

मायावती ने प्रियंका गांधी वाड्रा पर साधा निशाना

- उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को वोटकटवा पार्टी बताया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि वह उत्तर प्रदेश में वोटकटवा पार्टी है। मायावती ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की हालत इतनी खराब है कि मुख्यमंत्री की उम्मीदवार ने कुछ ही घंटों में अपना इरादा बदल लिया। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी प्रियंका द्वारा उनपर चुनाव में निष्क्रिय रहने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद निशाना साधा। मायावती ने ट्वीट किया उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की हालत इतनी ज्यादा खस्ताहाल है कि पार्टी की मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार ने कुछ घंटों के भीतर ही अपना स्टैंड बदल डाला है। ऐसे में बेहतर होगा कि लोग कांग्रेस को वोट देकर अपना वोट बर्बाद ना करें, बल्कि एकतरफा तौर पर बसपा को ही वोट दें। मायावती ने एक और ट्वीट में दावा किया, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस जैसी पार्टियां लोगों की नजर में वोट काटने वाली पार्टियां हैं। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर करके यहां सर्व समाज के हित में और उनके जाने-परखे नेतृत्व वाली सरकार की जरूरत है, जिसमें बसपा का स्थान वास्तव में नम्बर-एक पर है। प्रियंका वाड्रा ने शनिवार को एक साक्षात्कार में बसपा प्रमुख के चुनाव प्रचार में निष्क्रिय रहने का आरोप लगाते हुए कहा था, मैं बहुत हैरान हूं कि चुनाव शुरू हो गया है और हम बीच चुनाव में हैं लेकिन उन्होंने (मायावती) चुप्पी साध रखी है, यह मेरी समझ के बाहर है।

टीईटी में दो दर्जन से अधिक साल्वर गिरफ्तार

- प्रयागराज, मुरादाबाद, जौनपुर, हापुड़, मेरठ से पकड़े गए मुन्नाभाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रविवार को यूपी में हुई टीईटी परीक्षा में करीब दो दर्जन से अधिक मुन्ना भाई गिरफ्तार किए गए है। प्रयागराज में तो 15 साल्वर को पकड़ा गया है। मुरादाबाद, जौनपुर, हापुड़, मेरठ जिलों में एसटीएफ की अलग-अलग टीमों ने करीब दो दर्जन से अधिक साल्वर को पकड़ा है। रविवार को प्रयागराज और प्रतापगढ़ जनपद में 15 लोगों को बतौर साल्वर मूल अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा देते पकड़ा गया। प्रयागराज में 14 लोगों को क्राइम ब्रांच और एसटीएफ ने अलग-अलग जगह से पकड़ा है।

प्रयागराज के औद्योगिक क्षेत्र में बड़ामार स्थित शिव बालक सिंह इंटर कालेज परीक्षा केंद्र में एसटीएफ की टीम ने सुबह की पाली में असल अभ्यर्थी की जगह सॉल्वर विजय बहादुर सरोज को पकड़ा। जौनपुर में सिकरारा के मीठीपार गांव के रामबहादुर ने बताया कि वह दीपक कुमार निवासी बिट्ठलपुर, सराय ममरेज, प्रयागराज की जगह परीक्षा दे रहा था। उसने कुबूला कि दीपक से उसका 35 हजार रुपये में परीक्षा देने की बात हुई थी। एडवांस पांच हजार रुपये दीपक ने दिए थे।

रामबहादुर ने बताया कि वह जौनपुर से आकर यहां प्रयगराज के सलोरी में किराए के कमरे में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। बीटीसी के बाद टीईटी की तैयारी कर रहा था। दीपक ने ही परीक्षा देने के लिए पैसों का प्रलोभन देकर फर्जी आधार कार्ड और प्रवेश पत्र तैयार कराकर एडवांस में पांच हजार देकर भेजा था। इसके अलावा 13 अन्य लोगों को प्रयागराज में अलग अलग केंद्रों से पकड़ा गया जिनसे पूछताछ की जा रही है। उधर प्रतापगढ़ के साकेत कालेज में पहली पाली में अभ्यर्थी के स्थान पर दूसरा शख्स यानी साल्वर इलेक्ट्रानिक डिवाइस के साथ परीक्षा देते पकड़ा गया। उसे केंद्र प्रभारी ने पुलिस को सौंप दिया। अब पुलिस उससे पूछताछ कर रही है साथ ही असली अभ्यर्थी के बारे में भी पता लगाया जा रहा है ताकि पता चले कि इन दोनों के बीच यह डील कैसे हुई।

इसके पीछे कोई गिरोह तो नहीं है। पुलिस ने बताया कि अंतू इलाके में डंडवा कल्याणपुर निवासी विवेक कुमार के स्थान पर कल्याणपुर गांव का अमरजीत वर्मा परीक्षा दे रहा था। इन दोनों के खिलाफपरीक्षा अधिनियम के तहत एफआइआर लिखकर छानबीन की जाएगी। इसके साथ ही विलंब से पहुंचने के कारण तमाम अभ्यर्थियों की परीक्षा छूट गई। देर होने की वजह से परीक्षा में बैठने देने पर दो केंद्रों पर अभ्यर्थियों ने हंगामा किया। उन्हें किसी तरह संभाला गया। परीक्षा केन्द्र ऋषिकुल एजुकेशनल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुल्तानपुर गौर सरायख्वाज जौनपुर से साल्वर गिरफ्तार किया है।

बाजार

संसेक्स	59,037	
निफ्टी	17,617	
सोना	48,340	/10g
चांदी	65,112	/kg

क्विक न्यूज

सांप्रदायिक टिप्पणी पर मुस्तफा के खिलाफ मामला दर्ज हुआ

चंडीगढ़। पंजाब के मलेरकोटला में एक जनसभा के दौरान साम्प्रदायिक टिप्पणियां करने के आरोप में प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मोहम्मद मुस्तफा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मुस्तफा कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के प्रमुख रणनीतिक सलाहकार है। मुस्तफा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने से एक दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह कथित टिप्पणियां करते दिख रहे हैं। मलेरकोटला की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रवजोत कौर ग्रेवाल ने पीटीआई-भाषा से फोन पर कहा, जनप्रतिनिधि कानून के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 153-ए और धारा 125 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दिल्ली और वाराणसी के बीच चलेगी दिव्य काशी यात्रा ट्रेन

भाषा। वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर दिव्य काशी यात्रा ट्रेन का संचालन शुरू किया जाएगा। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गुजरात के सोमनाथ में नए सर्किट हाउस के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बताया था कि दिव्य काशी यात्रा के लिए एक विशेष ट्रेन दिल्ली से शुरू होने जा रही है। आईआरसीटीसी के जनसंपर्क अधिकारी आनंद झा ने बताया कि प्रधानमंत्री ने इस ट्रेन को चलाए जाने के संबंध में शुक्रवार को घोषणा की थी। उन्होंने बताया कि वाराणसी में पर्यटकों की बढ़ती मांग के मद्देनजर दिव्य काशी यात्रा ट्रेन चलाई जा रही है, जिसका वाणिज्यिक संचालन दिल्ली से काशी के लिए 22 मार्च से होगा।

राजपथ पर दिखेगी सैन्य इतिहास की अनूठी झलक

राहुल दत्ता। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस परेड

- वर्ष 1950 से अब तक सेना की विभिन्न वर्दी पहने दिखेंगे सैनिक, विंटेज टैंक भी होंगे खास आकर्षण

राजपथ पर गणतंत्र दिवस की इस साल की सैनिकों की परेड में 1950 से अब तक सेना द्वारा पहनी जाने वाली विभिन्न वर्दी में सलामी लेते हुए आगे बढ़ते हुए दिखाई देंगे। इस दल में उस युग की राइफलों के साथ विभिन्न विंटेज टैंक के साथ ही आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को प्रदर्शित करते हुए परेड मार्ग पर आगे बढ़ते दिखाई देंगे। पैराशूट रेजीमेंट के विशिष्ट कमांडो नई लड़ाकू वर्दी में नजर आएंगे। पायनियर ने पिछले साल 3 दिसंबर के संस्करण में गणतंत्र दिवस परेड में इन दो नए बदलावों के बारे में बताया था। पिछले वर्षों के विपरीत टुकड़ियों ने अपनी रेजिमेंट की पोशाक पहनी थी, इस वर्ष गणतंत्र दिवस में सैनिकों को पिछले युग की वर्दी में मार्च करते हुए देखा जाएगा, जिसमें 1950 और 60 के दशक से लेकर वर्तमान के जैतून के रंग होगा। मेजर जनरल आलोक कक्कड़ ने रविवार को प्रेसवार्ता में बताया कि बीते दशकों में भारतीय सेना की वर्दी और राइफलें कैसे विकसित हुई हैं, इसे इस साल की गणतंत्र दिवस परेड में प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर 'आजादी के अमृत महोत्सव' के तहत गणतंत्र दिवस परेड-2022 में भारतीय सेना की तीन मार्चिंग टुकड़ी पिछले दशकों की वर्दी पहनेगी और राइफल लेकर कदमताल करेंगी, जबकि एक दस्ता नई युद्धक वर्दी पहनेगा और नवीनतम टेवोर राइफल लेकर राजपथ पर कदमताल करता दिखेगा। इस साल गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सेना के छह मार्चिंग दस्ते हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि हर मार्चिंग दस्ते में आम तौर पर रहने वाले 144 सैनिकों की जगह इस बार 96 सैनिक होंगे। ऐसा कोविड-19 प्रोटोकॉल का सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। कक्कड़ ने कहा कि राजपूत रेजिमेंट के सैनिकों की भारतीय सेना की पहली मार्चिंग टुकड़ी 1950 के दशक की वर्दी पहनेगी और .303 राइफलें लेकर चलेगी। असम रेजिमेंट के सैनिकों की दूसरी मार्चिंग टुकड़ी, भारतीय सेना की 1960 के दशक की वर्दी पहनेगी और .303 राइफलें लेकर चलेगी। सेना की 1970 के दशक की वर्दी जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के सैनिकों द्वारा पहनी जाएगी, जो तीसरी मार्चिंग टुकड़ी होगी और ये टुकड़ी 7.62 मिमी सेल्फ-लोडिंग राइफलें (एसएलआर) लेकर कदमताल करेगी। चौथी और पांचवीं मार्चिंग टुकड़ी क्रमशः सिख लाइट इन्फैंट्री और आर्मी ऑर्डनेंस कोर रेजिमेंट की होगी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक सेना की वर्तमान वर्दी पहनेंगे और 5.56 मिमी इंसास राइफल लेकर मार्च करेंगे। छठा दल पैराशूट रेजिमेंट के सैनिकों का होगा जो नई लड़ाकू वर्दी पहनेंगे, जिसका अनावरण इस महीने की शुरुआत में किया गया और उनके पास टेवोर राइफलें होंगी।

गणतंत्र दिवस की परेड के लिए नई दिल्ली में राजपथ पर पूर्वाभ्यास करते भारतीय सेना की राजपूत रेजीमेंट के जवान

विकास और तरक्की की राजनीति करने वाली पार्टी है भाजपाः अनुराग ठाकुर

● ये नई सपा नहीं, ये वही सपा है, जिससे जनता पूरी तरह खफा है। 10 मार्च को सपा प्रमुख अखिलेश कहेंगे कि अबकी फिर ईवीएम बेवफा हैः केंद्रीय मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी द्वारा विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए शुरू किये गये प्लेकार्ड प्रचार अभियान के तहत रविवार को प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा, महापौर संयुक्ता भाटिया, अर्पणा यादव, रायबरेली से विधायक अदिति सिंह और प्रियंका मौर्या ने लालबाग स्थित शर्मा टी स्टाल के पास पहुंचकर प्रचार किया। अपने हाथों में अलग-अलग तख्तियां लेकर सभी ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों को बताते हुए एक बार फिर से भाजपा सरकार बनाने की अपील की। कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए किये गए प्रचार के दौरान प्लेकार्ड पर बहु-बेटी को सुरक्षा और अधिकार-यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार, बेहतर सुरक्षा कानून व्यवस्था में सुधार, यूपी

फिर मांगे भाजपा सरकार, बिना भेदभाव भर्ती रोजगार-यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार, गरीबों को पक्के मकान का सपना साकार-यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार और मुफ्त राशन गरीबों के द्वार-यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार लिखा हुआ था।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि ये नई सपा नहीं, ये वही सपा है, जिससे जनता पूरी तरह खफा है। 10 मार्च को सपा प्रमुख अखिलेश कहेंगे कि अबकी फिर ईवीएम बेवफा है। सपा सरकार में बिजली के तार कपड़े सुखाने के काम आते थे। एक माह में 300 घंटे भी बिजली मिलना जिसके कार्यकाल में मुश्किल था, वो 300 यूनिट फ्री बिजली देने की बात कहते हैं तो संदेह होता है। जिन्होंने प्रदेश को गुण्डाराज, भ्रष्टाचार और दंगाराज दिया उन पर जनता कैसे भरोसा कर सकती है।

उन्होंने कहा कि सपा गठबंधन की पहली सूची देखें तो जिनको इन्होंने टिकट देकर उतारा है ये सपा के उम्मीदवार नहीं जनता की उम्मीदों पर वार करने वाले लोग हैं। इनमें कोई जेल में है तो कोई बेल पर है। छिप-छिप कर टिकट देने वाली सपा सरकार के कार्यकाल में बहू-बेटी असुरक्षित महसूस करती थी आज योगी सरकार में पिछले पांच सालों में महिला और बेटियों की सुरक्षा प्राथमिकता रही है। यही कारण है कि अपर्णा यादव, अदिति सिंह और प्रियंका मौर्या ने बीजेपी को चुना। प्रदेश की बहू-बेटियां खुद को बीजेपी में ही सुरक्षित महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता से झूठे वायदे कर रही हैं। 300 यूनिट फ्री बिजली के झूठे वादे सपा कर रही है। योगी सरकार ने डेढ़ करोड़ बिजली कनेक्शन, किसानों के बिजली बिल को माफकरने का कार्य किया है जो 70 सालों में बीएसपी, कांग्रेस, सपा ने नहीं किया। समाजवादी गठबंधन की सूची में ज्यादातर जेल वाले हैं या बेल वाले हैं। इनकी सूची के उम्मीदवार नहीं बल्कि जनता की उम्मीदों पर वार करने वाले हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2022 में जनता अपना बहुमूल्य वोट बीजेपी को देगी। यह जनता वाकियों को नकारते हुए बीजेपी को एक बार फिर से स्वीकार करेगी। यूपी की आधी आबादी मातृशक्ति योगी सरकार में खुद को सुरक्षित महसूस करती है। बीजेपी धर्म, जाति, मजहब के आधार पर नहीं बल्कि राष्ट्र को आगे बढ़ाने, विकास और तरक्की की राजनीति करने वाली पार्टी है। यही कारण है कि 46 लाख मकान, डेढ़ करोड़ निशुल्क बिजली का कनेक्शन, 3 करोड़ से अधिक शौचालय और 15 करोड़ डबल डोज मुफ्त राशन सभी जाति मजहब के लोगों को दिया गया। वहीं विपक्ष लगातार अपने जातीय समीकरण और तुच्छ राजनीति से जनता को बहकाने और बरगलाने की कोशिश कर रही है। इस कोशिश में वह पूरे तौर पर साल 2017 में भी नाकाम रही वैसे ही साल 2022 के चुनावी नतीजों में भी समाजवादी पार्टी को जनता पूर्ण रूप से नकार देगी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में माफिया, गुंडे, दंगाइयों पर न सिर्फ बुलडोजर चलाया बल्कि प्रदेश वासियों को सुरक्षा का चक्र भी दिया जिसके कारण यूपी में निवेश, यूपी में रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं का सम्मान, किसानों और युवाओं के चेहरों पर मुस्कान खिल सके। यूपी को सुरक्षित प्रदेश बनाने के कारण ही आज यूपी अर्थव्यवस्था के पैमाने पर दूसरे पायदान पर काबिज है।

ओपिनियन पोल पर रोक लगाने के लिए सपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर चुनाव को लेकर चलाए जा रहे ओपिनियन पोल पर रोक लगाने का आग्रह किया है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखा। पत्र के माध्यम से सपा प्रदेश अध्यक्ष श्री पटेल ने कहा कि ओपिनियन पोल से चुनाव प्रभावित हो रहा है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने मुख्य चुनाव आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन नई दिल्ली को पत्र लिखकर न्यूज चैनलों द्वारा दिखाए जा रहे ओपिनियन पोल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है।

नरेश उत्तम पटेल ने पत्र में लिखा है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 के चुनावों की तारीखों का ऐलान 8 जनवरी 2022 को हो गया है, प्रथम चरण का नामांकन समाप्त हो गया है। प्रदेश में सात चरणों में चुनाव होगे, अन्तिम चरण का मतदान 7 मार्च 2022 को होगा, जब कि मतगणना 10 मार्च 2022 को होगी, कई न्यूज चैनल ओपिनियन पोल दिखा रहे है जिससे मतदाता भ्रमित हो रहा है, और चुनाव प्रभावित हो रहा है यह कार्य आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। श्री पटेल ने मांग की है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक चुनाव सम्पन्न कराने के लिए न्यूज चैनलों द्वारा दिखाए जा रहे ओपिनियन पोल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाय।

बीजेपी मुख्यालय में हुआ अपर्णा यादव अदिति सिंह व प्रियंका मौर्या का स्वागत

● योगी सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं से महिलाएं हुईं सशक्तः अदिति सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्र को बचाना है तो पूरे दम से बीजेपी को फिर एक बार बहुमत से सत्ता में लाना है। बीजेपी मुख्यालय में महिला मोर्चा की ओर से स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा, रायबरेली सदर से चुनाव लड़ने वाली अदिति सिंह और प्रियंका मौर्या का स्वागत किया गया। अपर्णा यादव ने कहा कि मैंने राष्ट्रवाद के कारण बीजेपी को चुना है। बीजेपी ने देश को विकास की राह पर तेजी से बढ़ाने के साथ ही देश में संस्कारों को सिंचित करने का काम किया है। उन्होंने कहा नव भारत के नव निर्माण के इस संकल्प में मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस संकल्प में रंग भरने का काम करूंगी। उन्होंने कहा कि आगे आगे विचार चलते हैं और यही कारण है कि भाजपा के विचारों के कारण आज मैं इस पार्टी का हिस्सा हूं। रायबरेली सदर से चुनाव लड़ने वाली अदिति सिंह ने कहा कि बीजेपी ने अपने पूरे कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में महिला केंद्रित योजनाओं को लागू कर महिलाओं की जिंदगी में नए रंग भरे हैं। महिला केंद्रित योजनाओं का लाभ पाकर महिलाएं सशक्त हुईं हैं। योगी सरकार ने उज्जवला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्वयं सहायता समूह, राष्ट्रीय आजीविका मिशन समेत दूसरी कई कल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें जो महिलाओं के लिए योजना लागू करना तो दूर उनके हित की बात नहीं करती थी। इससे इतर बीजेपी ने महिलाओं के हक की बात करते हुए विशेष योजनाओं से लाभान्वित कर उनको समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का काम भी किया। प्रियंका मौर्य ने कहा कि मैं समाजहित और राष्ट्रहित के लिए मैंने भारतीय जनता पार्टी को चुना। सबका साथ सबका विकास के मंत्र पर काम करने के संकल्प संग काम करूंगी। उन्होंने कहा कि ये पार्टी किसी एक की नहीं या पार्टी सभी वर्ग के लोगों से बनी हुई पार्टी है इस पार्टी में महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि है। जिस कारण मैंने इस पार्टी को चुना है।

बसपा ने जारी की तीस स्टार प्रचारकों की सूची

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पहले चरण के चुनाव को देखते हुए बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की ओर से 30 स्टार प्रचारकों की पहली लिस्ट जारी कर दी गई है। स्टार प्रचारकों की सूची में मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार को स्टार प्रचारक बनाया गया।

● मायावती के छोटे भाई आनंद भी शामिल

पहले चरण के स्टार प्रचारक की सूची में मायावती, आनंद कुमार, सतीश चंद्र मिश्रा, मुनकाद अली, समसुद्दीन राईन, सतपाल पीपला, गोरे लाल जाटव, राजकुमार गौतम, सूरज सिंह जाटव, आशीर्वाद आर्य, नकुल दुबे, प्रदीप जाटव, प्रताप सिंह बघेल, दिनेश कुमार काजीपुर, डॉ कमल सिंह, राज करतार सिंह नागर, चांद सिंह कश्यप, सत्य प्रकाश का नाम शामिल है। वहीं सतपाल पिपला, गोरेलाल जाटव, मनोज जाटव, जगपाल ननौता, संघरत्न सेठी, रामनरेश कर्दम, संतोष आनंद, दारा सिंह आजाद, सत्य प्रकाश कर्दम, प्रेमचंद गौतम, रणवीर सिंह कश्यप, गजराज सिंह, अशोक सिंह, लक्ष्मण सिंह को लिस्ट में जगह मिली है। बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के लिए सभी दलों की ओर से ताकत झोंकनी शुरू कर दी गई है। बड़ी चुनावी रैलियों पर तो अभी रोक है लेकिन इसके साथ ही प्रचारकों की लिस्टें जारी जरूर की जा रही हैं।

गरीबों को मकान देने में बीएसपी सरकार का रिकार्ड बेहतरीन रहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि योगी का मठ किसी बड़े बंगले से कम नही है। योगी ने अपने गाजियाबाद दौरे पर गरीबों को दिये गए मकानों का ब्योरा देते हुए राज्य की पिछली सरकारों पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि यूपी में पिछली सरकारों में जनता के पैसे से मंत्रियों ने अपने लिए बंगले बनाए। बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट करते हुए कहा कि शायद पश्चिमी यूपी की जनता को यह मालूम नहीं है कि

गोरखपुर में योगी जी का बना मठ जहाँ वो अधिकांश निवास करते हैं, वो कोई बड़े बगंले से कम नहीं है। यदि इस बारे में भी यह बता देते तो बेहतर होता। आगे उन्होंने कहा कि साथ हीए यह भी बेहतर होता यदि यूपी के सीएम अपनी सरकार की तारीफ के साथ साथ बीएसपी सरकार के जनहित से जुड़े कार्यों का भी कुछ उल्लेख कर देते क्योंकि इन्हें मालूम होना चाहिए कि गरीबों को मकान व भूमिहीनों को जमीन देने के मामले में बीएसपी सरकार का रिकार्ड बेहतरीन रहा है।

आगे उन्होंने कहा कि बीएसपी सरकार द्वारा मान्यवर कांशीराम शहरी गरीब आवास योजना के तहत केवल दो चरण में ही डेढ़ लाख से अधिक पक्के मकान दिए गए तथा सर्वजन हिताय गरीब आवास मालिकाना हक योजना के तहत काफी परिवारों को लाभ मिला। लाखों भूमिहीन परिवारों को भी भूमि दी गई।

समाजवादी पार्टी में शामिल हुआ देश का सबसे लंबा आदमी

भाषा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान एक कौतूहल भरे घटनाक्रम के तहत भारत के सबसे लंबे व्यक्ति ने समाजवादी पार्टी (सपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली। खुद को भारत का सबसे लंबा व्यक्ति होने का दावा करने वाले 8 फुट एक इंच के धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को सपा का दामन थाम लिया।

सिंह ने रविवार को पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, "मैं पार्टी के लिए अधिक ऊंचाई से काम करूंगा और विपक्षियों को बौना

बना दूंगा" उन्होंने कहा कि दूसरी पार्टियां पहले से ही घट रही हैं क्योंकि बड़ी संख्या में उनके नेता समाजवादी पार्टी के साथ ही जुड़ रहे हैं।

सपा ने पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में धर्मेंद्र सिंह के पार्टी में शामिल होने से संबंधित एक फोटोग्राफ को टैग करते हुए अपने हैंडल से किए गए ट्वीट में कहा, "समाजवादी पार्टी की नीतियों और पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में आस्था व्यक्त करते हुए प्रतापगढ़ के श्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने सपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है" सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा, "हम उम्मीद करते हैं कि भारत के सबसे लंबे व्यक्ति धर्मेंद्र प्रताप सिंह के शामिल होने से सपा को और मजबूती मिलेगी" धर्मेंद्र प्रताप सिंह को सपा में शामिल करने के कारण के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने कहा, "समाजवादी पार्टी सभी का सम्मान करती है और लोगों के बीच कोई भेदभाव नहीं रखती। सपा सभी को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है" धर्मेंद्र प्रताप सिंह से यह पूछा गया कि क्या वह विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहते हैं, उन्होंने कहा, "अभी मैंने पार्टी की सदस्यता ही ग्रहण की है। जहां तक चुनाव लड़ने का सवाल है तो इस बारे में कोई भी फैसला पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव लेंगे।

मायावती की कांग्रेस के खिलाफ टिप्पणी ग़ैरवाजिबः पुनिया

● दलित उत्पीड़न के खिलाफप्रियंका गांधी सड़क पर उतरीं, जबकि बसपा प्रमुख चुप्पी साधे रहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस की कैंपेन कमेटी के चेयरमैन, पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने बसपा प्रमुख मायावती द्वारा कांग्रेस के खिलाफ की गयी अर्नागल टिप्पणी को ग़ैरवाजिब और उनकी बौखलाहट बताया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी के नेतृत्व और उनकी विकास परक राजनीति से प्रदेश के दलित, पिछड़े, अति पिछड़े, अल्पसंख्यक, आदिवासी समाज में कांग्रेस का जनाधार बढ़ा है।

पूर्व सांसद पुनिया ने कहा कि तीन बार भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने वाली बहुजन समाज पार्टी की मुखिया

मायावती ने आखिर पिछले 5 वर्षों से प्रदेश में हुए दलित उत्पीड़नों के खिलाफ एक भी शब्द क्यों नहीं बोला। हाथरस की दलित बेटी का उत्पीड़न का मामला रहा हो, उसकी नृशंस हत्या करके उत्तर प्रदेश की योगी पुलिस द्वारा उसके परिवार की मर्जी के खिलाफ रातों-रात दाह संस्कार करने का विषय रहा हो, मायावती जी को सीबीआई का डर सताता रहा और वह चुप्पी साधे बैठी रहीं और आज चुनाव के ऐन वक्त में बीजेपी प्रवक्ता के तौर पर दलित समाज को गुमराह करने का काम कर रहीं हैं।

कैंपेन कमेटी के चेयरमैन श्री पुनिया ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक आज योगी शासन के दौरान दलित उत्पीड़न में उत्तर प्रदेश समूचे देश में नंबर एक पर पहुंच गया है। लेकिन प्रदेश में बढ़ती दलित हत्याओं और बेटियों कर बलात्कार के खिलाफ मायावती एक भी शब्द योगी सरकार के खिलाफ नही निकाल पायी। अभी हाल में आगरा में थाने के अंदर दलित नौजवान अरुण वाल्मीकि की हत्या का मामले सामने आया। तमाम दलित आदिवासी उत्पीड़न की घटनाओं के खिलाफ उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी आदरणीय प्रियंका गांधी द्वारा किए गए आंदोलन मीडिया की सुर्खियों में रहे, जिसे समूचे देश ने देखा है। प्रत्येक दलित उत्पीड़न के खिलाफ अकेले उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने ही पुरजोर आवाज उठाई और दोषियों को अंजाम तक पहुंचाया। पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने बसपा सुप्रीमो पर तीखे हमले करते हुए कहा कि सड़कों पर उतर कर संघर्ष करने वाली कांग्रेस पार्टी पर अनर्गल टिप्पणी करने वाली मायावती की दलित विरोधी मानसिकता और राजनैतिक षड्यंत्रकारी सोच को आज पूरा अनुसूचित जाति-जनजाति समाज समझ चुका है। बहुजन समाज पार्टी बीजेपी की बी टीम के रूप में लगातार काम कर रही है।

पूर्व सांसद ने कहा कि चाहे गुजरात का पिछले तीनों विधानसभा चुनाव रहें हो, बिहार का पिछला विधानसभा चुनाव हो। लगातार मायावती ने हर चुनाव में दलित और गरीब विरोधी भारतीय जनता पार्टी को चुनाव जिताने के लिए कांग्रेस पर ही हमलावर हो जाती हैं। उन्होंने कांग्रेस पर अनर्गल प्रलाप करके पिछले विधानसभा चुनाव में भी राजनीतिक षड्यंत्र के तहत बीजेपी को कवर फायर देने का काम किया था। इस बार प्रदेश का दलित समाज उनके झांसे में आने वाला नहीं है।

समाजवाद की मान्यताओं के खिलाफ काम कर रही भाजपाः शिवपाल

● प्रसपा प्रमुख ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के लेखों व भाषणों पर आधारित पुस्तक हम समाजवाद चाहते हैं का विमोचन किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी द्वारा रविवार को पार्टी मुख्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती समाजवाद संकल्प दिवस के रूप में शिवपाल यादव की अध्यक्षता व दीपक मिश्र के संचालन में मनायी गयी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के लेखों व भाषणों पर आधारित पुस्तक हम समाजवाद चाहते हैं का विमोचन करते हुए प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत को आज़ाद कराकर समाजवादी शासन प्रणाली स्थापित करना चाहते थे। उन्होंने हरिपुरा अधिवेशन में कहा था कि गरीबी, आर्थिक विषमता व भुखमरी जैसी राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान केवल समाजवाद से ही संभव है। त्रिपुरी अधिवेशन में नेताजी बोस ने समाजवाद की अमंद बयार बहाने की खुली पैरवी की थी। आज भाजपा नेताजी जी नाम लेते हुए समाजवाद की मान्यताओं के विरुद्ध कार्य कर रही

है। नेताजी हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाना चाहते थे, भाजपा ने हिंदी व स्वदेशी आंदोलन को कमजोर किया है। समाजवादी चिंतक व प्रसपा मुख्य प्रवक्ता दीपक मिश्र ने कहा कि सुभाष के जीवन दर्शन से समाजवाद व राष्ट्रवाद की प्रेरणा मिलती है। नेताजी को पढ़ने के बाद पता चलता है कि भारतीय परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रवाद व समाजवाद की भावभूमि एक हैए दोनों का लक्ष्य समग्र व समावेशी मानवीय विकास है। राष्ट्रवाद के आवरण में साम्प्रदायिकता फैलाने वाली भाजपा को नेताजी बोस का नाम लेने का नैतिक अधिकार नहीं है। प्रसपा बौद्धिक सभा राष्ट्रवाद की कसौटी पर अभियान चलाकर भाजपा-आरएसएस द्वारा फैलाए जा रहे झूठ व भ्रम का पर्दाफाश करेगी।

प्रदेश की जनता बदलाव चाहती हैः अखिलेश यादव

● समाजवादी पार्टी नकारात्मक राजनीति नहीं करती है जबकि भाजपा नफरत फैलाती हैः सपा प्रमुख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि आज प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। वह भाजपा को हटाने के लिए संकल्पित है। जनता को भरोसा है कि समाजवादी पार्टी ही एकमात्र विकल्प है और जनता की आशा-आकांक्षाएं समाजवादी सरकार बनने पर ही पूरी हो सकेगी। समाजवादी सरकार की पिछली उपलब्धियां गवाह हैं कि समाजवादी जो कहते हैं, वहीं करते हैं और जो करते हैं वहीं कहते है। अखिलश ने कहा कि समाजवादी

पार्टी और भाजपा में बुनियादी फर्क यह है कि समाजवादी नकारात्मक राजनीति नहीं करती है जबकि भाजपा नफरत फैलाती है। समाजवादी प्रगतिशील सोच की पार्टी है जबकि भाजपा के पास विकास का कोई विजन नहीं है। समाजवादी सरकार के समय जो निर्माण कार्य हुए, बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ उसके आगे भाजपा सरकार ने एक ईंट नहीं रखी। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं हुआ। समाजवादी सरकार के समय जो बिजली घर बने, वही खड़े हैं। भाजपा ने जनता को महंगी बिजली देकर महंगाई से कमर तोड़ने का काम किया है। युवा छात्र-छात्राएं अच्छे से पढ़ाई कर सकें और शिक्षा-रोजगार के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकें इसके लिए लगभग 20 लाख लैपटॉप भी समाजवादी सरकार में बांटे गए थे। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में इसके वादे किए जो हवाई वादे निकले। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने राजनीति को झूठ से अर्थहीन बना दिया हैं और अपनी साजिशों से उसने जनता के बीच विश्वास खो दिया है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। अन्याय, अत्याचार से लोग त्रस्त हैं। भाजपा के अब गिने-चुने दिन रह गए हैं। सन् 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा का सफाया होना तय है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर रविवार को भारत के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित एक संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

कांग्रेस कोषाध्यक्ष पूर्व विधायक सतीश आज़मानी ने नेताजी को एक वीर सैनिक, योद्धा, महान सेनापति और कुशल राजनीतिज्ञ बताया। उन्होंने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस ने देश को अंग्रेजों से आजादी दिलाने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन किया। उनके द्वारा दिया गया नारा तुम मुझे खून दोए मैं तुम्हें आजादी दूंगा ने हर भारतवासी के खून में उबाल ला दिया था।

पूर्व विधायक आज़मानी ने बताया कि नेता जी शिक्षा पूरी होने के

बाद 1920 में इंडियन सिविल सर्विसेज की परीक्षा में बैठे और चौथा स्थान हासिल किया। भारत आकर उन्होंने प्रशासनिक सेवा का पद संभाला लेकिन यहां पर भारतीयों की दयनीय स्थिति को देखकर उन्होंने जॉब छोड़ दी और आजादी की जंग में कूद गए।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस संगठन प्रभारी दिनेश सिंह ने उनके कृतित्व के विषय में विस्तार से बताया । उन्होंने कहा कि नेता जी को साल 1938 में राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष भी निर्वाचित किया गया। उन्होंने राष्ट्रीय योजना आयोग का गठन किया। दूसरा विश्व युद्ध शुरू होने पर नेता जी ने अंग्रेजों के खिलाफ अपनी मुहिम तेज कर दी। जिसके कारण उन्हें घर पर ही नजरबंद कर दिया गया लेकिन नेताजी किसी तरह जर्मनी भाग गए और वहां से अपनी मुहिम जारी रखी।

दिनेश सिंह ने बताया कि नेताजी एक नाटकीय घटनाक्रम में 7 जनवरी 1941 को गायब हो गए और अफगानिस्तान और रूस होते हुए जर्मनी पहुंचे। 9 अप्रैल 1941 को उन्होंने जर्मन सरकार को एक मेमोरेंडम सौंपा जिसमें एक्सिस पावर और भारत के बीच परस्पर सहयोग को संदर्भित किया गया था। सुभाष चंद्र बोस ने इसी साल नवंबर में स्वतंत्र भारत केंद्र और स्वतंत्र भारत रेडियो की स्थापना और 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिंद सरकार और फौज का गठन किया। इसके साथ ही उन्होंने आजाद हिंद बैंक भी स्थापित किया। उस समय दुनिया के दस देशों ने उनकी सरकार, फौज और बैंक को अपना समर्थन दिया था। उनकी फौज में ब्रिटिश, सिंगापुर और अन्य दक्षिण पूर्व एशिया के हिस्सों के युद्ध बंदी और बागानों में काम करने वाले मजदूर शामिल थे। इस अवसर पर पंचायती राज प्रकोष्ठ के चेयरमैन विक्रम पांडे, केके शुक्ला, विपिन गुप्ता और और हरि कृष्ण अरोड़ा, सोमेश चौहान, शिव भूषण मिश्रा, डॉ शंकर पांडे, लखनऊ पूर्व जिलाध्यक्ष विजय बहादुर, कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव, उमा शंकर पांडे सहित तमाम कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

शुद्धिपत्र

कृपया इस समाचार पत्र के लखनऊ संस्करण के बृहस्पतिवार, 23 दिसम्बर, 2021 अंक में पृष्ठ सं. 5 पर प्रकाशित पीरामल कैपिटल ऐंड हाउसिंग फाइनैंस शीर्षक के विज्ञापन में राकेश नागर (कर्जदार) सविता (सह-कर्जदार 1) के संबंध में गुरुग्राम – सोहना रोड शाखा का एलसी नंबर 0004136 के स्थान पर 00044136 के रूप में और सुजय ए पाटिल (कर्जदार) के संबंध में गुरुग्राम – सोहना रोड शाखा का एलसी नंबर जीयूआर33497 के स्थान पर जीयूआर34297 के रूप में पढ़ें। शेष विषयवस्तु यथावत रहेगी। यह शुद्धिपत्र उपरोक्त विज्ञापन का अंश एवं खंड माना जाएगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

धूम से मनाई गई सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती

संवाददाता। गाजीपुर

तुम हमें खून दो मैं तु हें आजादी दूंगा यह नारा देने वाले आजाद हिंद फौज के संस्थापक सुभाष चंद्र बोस की 125 वी जयन्ती पूरे देश में मनाई गई। गाजीपुर में सुभाष चंद्र बोस का आगमन 1940 में कांग्रेस संगठन के चुनाव के संबंध में हुआ था। जो सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक में रहे थे। संगठन को लेकर टाउन हॉल के मैदान में एक जनसभा भी किया और इसके पश्चात बलिया जनपद के लिए रवाना हो गए थे। इस दौरान सुभाष चंद्र बोस स्वर्गीय राम कृष्ण भट्ट के घर में रुके थे। और वही पर परिवार के साथ भोजन भी किया था। उसी को लेकर परिवार जन और सुभाष चंद्र बोस की बातों को मानने वाले लोगों ने गोष्ठी का आयोजन किया और अपनी बातों को रखा इस दौरान इन लोगों ने इंडिया गेट पर सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति लगाने पर सरकार के प्रति आभार भी जताया।

आजाद हिंद फौज के संस्थापक इस जयंती के माध्यम से उनके जीवन में किए गए कार्य और उसके बाद उनके गुमनामी के जीवन के बारे में भी याद कर रहे हैं। इनकी जयंती पर गोष्ठी के आयोजन के दौरान स्वर्गीय रामकष्ण भट्ट के पुत्र जय सूर्य भट्ट ने बताया कि लोग कहते हैं कि उनके आगमन के बाद उनका भोजन भी मेरे ही परिवार में हुआ था। उन्हें मछली खिलाया गया था लेकिन उनका परिवार ब्राह्मण परिवार है और कभी भी उनके परिवार में मछली नहीं बनी है। इसलिए वह विश्वास के साथ कहते हैं कि सुभाष चंद्र बोस उस समय परिवार में बने सादा भोजन ही किए थे।गोष्ठी में बोलते हुए लोगों ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस की जिंदगी एक गुमनामी की जिंदगी बन गई। इसलिए दुख इस बात का है कि सुभाष चंद्र बोस का पता लगाने के लिए तमाम एजेंसियों ने कार्य किया। लेकिन आज तक कोई भी इस बारे में पता नहीं लगा पाया। इसलिए पूरा देश उनके बलिदान और संघर्ष को भुला नहीं सकता। लोगों ने बताया कि इनके साथ छल कर इन्हें गुमनामी में ढकेल दिया गया। वहीं मौजूदा सरकार के द्वारा इंडिया गेट पर सुभाष चंद्र बोस की जो प्रतिमा लगाई जा रही है इसके लिए लोगों ने स्वागत योग्य सरकार का कदम बताया। घोष्ठी को व्यास मुनी रायए कृपा शंकर रायए रामाश्रय सिंह एडवोकेट एप्रदीप देव सिंहए राकेश रंजन ने संबोधित किया। कार्यक्रम मेंए पंकज कुमार श्रीवास्तवए साधन चक्रवर्तीए अजय कृष्णए सुनील तिवारीए सुनीत पांडेएकमलेश सिंह लालाए रिंकू अग्रवालएअरविंद अग्रवालए प्रहलाद पांडेए अनिल कुमार उपाध्यायए रवि कांत पाण्डेयए मोहन तिवारीआशुतोष त्रिपाठीए आलोक त्रिपाठी सूर्यवीर सिंह शशिकांत तिवारी आदि उपस्थित रहे।वही सत्यदेव डिग्री कॉलेज में आजाड हिन्द फौज के संस्थापक महान सेना नायक सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर कालेज के प्राचार्य डॉ राम चंद्र दुबे ने देश के नायक के चित्र पर धूप दीप और पुष्प अर्पित करके उनको अपनी सच्ची श्रद्धांजलि दी। भारत की आजादी की लड़ाई लड़ने वालों में सुभाष चंद्र बोस ष्नेताजीष् सबसे अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। सुभाष चंद्र बोस भारतीय राष्ट्रवादी और क्रांतिकारी थेए जिन्होंने भारत माता की आजदी के लिए 1943 में 21 अक्टूबर के दिन आजाद हिंद फौज के सेनापति के रूप में स्वतंत्र भारत की वैकल्पिक सरकार बनाई थी। जिसका नाम उन्होंने आरजी हुकूमत.ए.आजाद हिंदश् रखा था। नेताजी सुभाष चंद बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 में हुआ था। नेता जी ने अपने विचारों और शिक्षाओं से लाखों लोगों को प्रेरित किया। उनकी अटूट देशभक्ति और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है।नेता जी सुभाष सुभाष चंद्र बोस का मानना था कि आजादी हमारा अधिकार है। उन्होंने कहा था कि आजादी दी नहीं जातीए आजादी छीनी जाती है। 1921 में नेता जी सुभाष सुभाष चंद्र बोस ने प्रशासनिक सेवा की प्रतिष्ठित नौकरी छोड़कर देश की आजादी की लड़ाई में शामिल हो गए। हालांकि उनके विचार महात्मा गांधी से मेल नहीं खाते थेए उनका मानना था कि अहिंसा के रास्ते पर चलकर आजादी नहीं मिल सकती है। नेता जी के उग्र विचारों के कारण देश के कई लाख युवाओं का उनको समर्थन मिला। इसी समर्थन की वजह से उन्होंने आजाद हिंद फौज की स्थापना की।

क्विक न्यूज

शातिर अपराधी चढ़ा पुलिस के हत्थे

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थाना के उप निरीक्षक बृजेश कुमार पाण्डेय मय हमराही सरकारी वाहन से जनपद के पुलिस उप महानिरीक्षक पुलिस अधीक्षक अपर पुलिस अधीक्षक दुद्धी के पुलिस उपाधीक्षक तथा प्रभारी निरीक्षक बीजपुर भैया शिव प्रसाद सिंह के कुशल निर्देशन में वारंटी अपराधी के दृष्टिगत रविवार की सुबह क्षेत्र में निकले हुए थे। उसी दौरान जब वे थानाक्षेत्र के सिरसोती में थे उसी वक्त उन्हें मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम सभा डोड़हर के टोला बेलहवा निवासी पिंटू बैगा पुत्र रामलाल बैगा व उसका साथी अनिल कुमार पाल पुत्र दयाराम पाल दो बोरियों में चोरी का कुछ सामग्री लेकर कहीं बेचने के फिराक में निकल रहे हैं। उप निरीक्षक श्री पाण्डेय ने मुखबीर द्वारा बताए गए स्थान की घेरा बंदी कर के दोनों अभियुक्तों को अपने गिर त में ले लिया। तलाशी के दौरान एक बोरी में समरसेबल प प तथा दूसरे में कुछ कटी हुई लोहे की सरिया मिली। दोनों ने पुलिस को बताया कि वे दोनों इस सामग्री को डोड़हर निवासी सतीश सिंह के निर्माणाधीन मकान की बाउंड्रीबाल से 17 जनवरी 2022 की रात्रि में चुरायें थी। जब दोनों की तलाशी ली गई तो पिंटू बैगा के जीन्स पेंट की जेबों में से एक 315 बोर का देशी तमंचा व एक जिंदा कारतूस भी मिला। पुलिस ने पिंटू बैगा तथा अनिल कुमार पाल को सुसंगत धाराओ में चालान कर संबंधित न्यायालय में पेश किया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिंटू बैगा के खिलाफबीजपुर थाना में इसके पूर्व भी आधा दर्जन से भी अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। जिसमे वह जेल की हवा खा चुका है।

एक डॉक्टर ऐसा जिसने अपना खून देकर मरीज की बचाई जान

गाजीपुर। आज के आधुनिक युग में जहां लोग सिर्फअपने लिए जीते हैं। तो वही कुछ लोग ऐसा भी काम करते हैं जिसे सुनने के बाद लोगों को सोचने पर मजबूर होना पड़ता है की इस कलयुग में भी ऐसे लोग हैं जो लोगों के जिंदगी बचाने के बारे में ही हमेशा सोचते रहते हैं। ऐसा ही एक नाम कुंवर वीरेंद्र सिंह जो हमेशा जिला अस्पताल या उसके आसपास मरीजों के तीमारदारी में निस्वार्थ भावना से लगे हुए दिख जाते हैं। कुछ ऐसा ही करीब 4 दिन पूर्व मां कवलपति हॉस्पिटल में 40 वर्षीय राजेन्द्र राम ग्राम नगसर जिसे ब्लड की कमी थी। और उस कमी को पूरा कराने के लिए डॉ स्वतंत्र सिंह एवं डॉ बीती सिंह ने कुंवर वीरेंद्र सिंह से संपर्क किया। वीरेंद्र सिंह ने जनपद के मशहूर डेंटल डॉ मनीष राय को इस बात की जानकारी दिया और डॉक्टर राय ने भी इसे अपना जि मेदारी और कर्तव्य समझकर तत्काल मां कवलपति हॉस्पिटल पहुंचे और बच्ची को अपना ब्लड देकर नई जिंदगी देने के साथ ही डॉक्टरों पर जो लगातार आरोप लगते हैं उसे भी झुठलाने का काम किया।

पुलिस ने लापता बच्चों को उनके परिवार से मिलाया

वाराणसी। आदमपुर और रामनगर थाना क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता से दो बिछड़े मासूमों को स्वजन से मिलाया गया। घसियारी टोला निवासी जयप्रकाश गुप्ता का 13 वर्षीय पुत्र अंशु गुप्ता कोचिंग गया था। शाम तक न लौटने पर स्वजन ने उसका मोबाइल मिलाया तो नंबर बंद मिला। इसकी सूचना पर चौकी प्रभारी आदमपुर राहुल रंजन ने सर्विलांस की मदद से लास्ट लोकेशन लेकर प्रयागराज हनुमान चौक पहुंचकर बालक को बरामद कर स्वजनों को सौंप दिया। वहीं शनिवार शाम रामनगर थाना क्षेत्र मड़ियाना में रिश्तेदारों के घर आये विजय शंकर पांडेय का तीन वर्षीय पुत्र लल्लू घर से गायब हो गया। सूचना पर चौकी इंचार्ज सूजाबाद संदीप तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए पुलावा शहीद से बच्चे को बारमद कर स्वजनों को सुपुर्द कर दिया। दोनों बच्चों के परिवार ने पुलिस को धन्यवाद कहा। क्षेत्र में भी पुलिस की सक्रियता की लोग तारीफकर रहे हैं।

ऐ चाँद ज़रा मुस्का देना का ऑनलाइन विमोचन मिर्ज़ापुर से

मिर्ज़ापुर। कोरोना के बढ़ते प्रभाव के मद्देनजर वरिष्ठ कवि जय प्रकाश प्रजापति की पुस्तक ऐ चाँद ज़रा मुस्का देन का विमोचन मिर्ज़ापुर से ऑनलाइन किया गया। कार्यक्रम में मु य अतिथि के रूप में कवि व क्व् डॉ अमरेंद्र पोतस्यायन जालौन से जुड़े। कार्यक्रम की अध्यक्षता मिर्ज़ापुर के वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जालौन से चर्चित कवयित्री प्रिया श्रीवास्तव दिव्यम और मु बई से एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेस के डी जी एम वेद प्रकाश प्रजापति कार्यक्रम में स मिलित हुए। ऐ चाँद ज़रा मुस्का देना पुस्तक के रचयिता जय प्रकाश प्रजापति कानपुर से उपस्थित रहे। संचालन आनंद अमित ने किया। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण हिंदी श्री साहित्यिक पटल पर किया गया।पुस्तक के बारे में अध्यक्षता कर रहे भोलानाथ कुशवाहा ने कहा कि डॉ जय प्रकाश प्रजापति ने पुस्तक में त्रासदीपूर्ण जीवन को उठाया है जो आज के साहित्य का मूल है।

हाट बाजार में कोरोना गाइड लाइन का नहीं हो रहा पालन

संवाददाता। सकलडीहा चंदौली

तहसील और पुलिस प्रशासन की मौन सहमति से कस्बा में खुलेआम सैकड़ों की सं या में दुकान लगाकर हाट बाजार का संचालन हो रहा है। जिसके कारण कोरोना का संक्रमण बढ़ने का खतरा को लेकर आसपास के लोग परेशान है। इसके बाद भी जिला प्रशासन से लेकर पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौन साधे हुए है। इससे फ्रंटलाइन कोरोना वारियर्स में काफी आक्रोश बढ़ने लगा है।

कोरोना महामारी की बढ़ती ग्राफ को लेकर चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों के सभी चुनावी सभा पर 31 जनवरी तक रोक लगा दिया है। छोटी मोटी सभा से लेकर इक्ट्ठा होकर बात करने पर भी पाबंदी है। लोकतंत्र के पर्व में शोर शराबा बंद है। इसके बाद भी सकलडीहा कस्बा में खुलेआम प्रत्येक रविवार को अलीनगर मार्ग पर सैकड़ों की सं या में छेटी बड़ी दुकाने लगवाकर हाट बाजार का संचालन हो रहा है। जहां काफी सं या में महिला और बच्चों के साथ स्थानीय लोग खरीदारी करते है। जहां न तो मास्क और सेनेटाइजर की व्यवस्था है। न तो दुकानदारों द्वारा इसके प्रति जागरूक किया जा रहा है। ऐसे में कोरोना का खतरा को लेकर आसपास के लोग असंमजस में है। इसके बाद भी स्थानीय पुलिस और तहसील प्रशासन मौन साधे हुए है। जिसे लेकर फ्रंट लाइन वर्करों में आक्रोश है। इस बाबत सीओ अनिरूद्ध सिंह ने बताया कि बगैर परमिशन के संचालित हाट बाजार संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव ने लेखिका हुमा तनवीर को भेजा बधाई संदेश

मुग़लसराय चंदौली। अंतराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने वाली बेटी हुमा तनवीर को कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने शुभकामना संदेश भेजा है। हुमा एशिया टॉप 100 इन लुएंशियल वूमेन अवार्ड 2021 से स मानित हुई हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश महासचिव सरिता पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने उनके घर पहुंच कर उन्हें बुके देकर स मानित किया। प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने अपने शुभकामना संदेश में हूमा तनवीर को बधाई देते हुए कहा कि आपने इस तरह का अद्भुत कार्य कर देश का नाम रौशन किया है। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि हुमा तनवीर को एक अंतरराष्ट्रीय लेखिका के रूप में पहचान मिलना कहीं न कहीं हम चंदौली वासियों के लिए गर्व की बात हैए हुमा तनवीर ने यह साबित किया कि महिलाएं किसी भी असंभव कार्य को संभव कर सकती हैंए स मानित करने वालों में कांग्रेस के शहर अध्यक्ष रामजी गुप्ताएबृजेश गुप्ताएशाहिद तौसीफ़ए डाण्जीण् केण् पांडेयए दयाराम पटेल नवीन पांडेयए कमरुल बारीए विजय गुप्ता मुण्आफ्ताब कुरैशी मुजाहिद अ तर माधवेंद्र मूर्ति ओझाए उदय प्रताप सिंह शिवेंद्र मिश्रा प्रमोद मौर्याए नरेंद्र तिवारी धर्मवीर विशुन प्रसाद सोनकरएपरवेज अहमद आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

शिक्षक पात्रता परीक्षा ससमय करायी गयी प्रारंभ

मीरजापुर । जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के दिशा निर्देशन में जनपद में आयोजित उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा को निष्पक्ष पारदर्शी व शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ कराया गया। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी उत्त प्रदेश द्वारा जारी दिशा शासनादेश के क्रम में परीक्षार्थियों को निर्धारित समय 9:30 बजे तक परीक्षा केंद्रों के अंदर तक प्रवेश कराया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि शासनादेश में स्पष्ट उल्लेख है कि परीक्षा प्रार भ होने के बाद निर्धारित समय से 9:30 बजे के बाद अ यर्थियों को परीक्षा केन्द्र में किसी भी परिस्थिति में प्रवेश की अनुमति नही दी जायेगी। इस आशय का निर्देश अ यर्थियों के प्रवेश पत्र की स्पष्ट अंकित है। शिक्षक पात्रता परीक्षा को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी श्री प्रवीण कुमार लक्षकार व पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार सिंहए अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्लाए अपर जिलाधिकारी नमामि गगे अमरेंद्र कुमार वर्मा सहित सभी जोनल अन्य मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों पर भ्रमण कर शांति व्यवस्था का जायजा लेते रहे। जिसके क्रम प्रथम पाली की परीक्षा शान्तिर्पूण ढंग से स पन्न करायी गयी। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार व उप पुलिस महानिरीक्षकध्पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार सिंह के द्वारा मिश्री लाल इण्टर कालेज मवैयाए राजकीय बालिका इण्टर कालेज शिवपुर एवं विन्ध्यविद्यापीठ कालेज विन्ध्याचल में भ्रमण कर परीक्षा केन्द्रो का निरीक्षण किया गया तथा कुछ परीक्षार्थियो का प्रवेश पत्र अंकित फोंटोग्राफअन्य कार्ड मिलान कराते हुये पूछताछ की गयी। जिलाधिकारी द्वारा स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरा के फुटेज को भी स्क्रीन पर परीक्षण किया गया।

नेताजी के योगदान को हमेशा रखा जाएगा याद

बीएचयू में सुभाषचन्द्र बोस की 125वीं जयंती मनाई गई

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

भारत के अमर सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के 126 वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय पराक्रम दिवस के अवसर पर आज काशी हिंदू विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन मु य अतिथि के रूप में भारत सरकार युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय के निदेशक डॉ अशोक श्रोती ने किया । उन्होंने इस अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के व्यक्तित्व और भारत राष्ट्र के प्रति उनके द्वारा समर्पित भाव से किए गए राष्ट्रीय कार्यों को रेखांकित किया।कार्यक्रम के मु य वक्ता के रूप में कार्यक्रम अधिकारी डॉ एहसान हसन ने बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया ।विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी और चंदौली जिला के स्वीप आइकॉन डॉ राकेश कुमार यादव ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस के जीवन दर्शन पर विस्तृत प्रकाश डाला ।आरंभ में अतिथियों का स्वागत और कार्यक्रमों की रूपरेखा की प्रस्तुति कार्यक्रम समन्वयक डॉ बाला लखेंद्र ने किया । इस अवसर पर डॉ सच्चिदानंद त्रिपाठी, डॉ आफ्ताब अहमद, डॉ विनीता मिश्रा, डॉ वीरेंद्र कुमार चंद्रसखी सहित अनेक वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य संपर्क अधिकारी डॉ अंशुमाली शर्मा ने की ।अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि युवाओं को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जीवनी भारत पथिक का अध्ययन करना चाहिए जिसमें उन्होंने भारत राष्ट्र को एक महान शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाने की संकल्पना का वर्णन किया है । इस अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस का भारत राष्ट्र को अवदान विषयक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें श्री अंशु राज और सुश्री प्रियांशु सिंह को प्रथम,) सुश्री सुचिता सिंह और ऋषिकेश पूर्णोदय को द्वितीय तथा श्री राहुल राज अर्जुन और रूप शंकर पांडे को तृतीय स्थान से पुरस्कार से स मानित किया गया।

आज भी प्रासंगिक हैं नेताजी का जीवन चरित्र: देबब्रत पॉल

बीजपुर/सोनभद्र। एनटीपीसी के रिहंद स्टेशन में रविवार की सुबह आजादी के अमृत महोत्सव के तहत महान देशभक्त व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की 125वीं जयंती समारोह कोविड–19 के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए मनाया गया। इस अवसर पर बतौर मु य अतिथि उपस्थित स्टेशन के मु य महाप्रबंधक देबब्रत पॉल ने

सुभाषचंद्र बोस जयंती पर क्रीड़ा भवन का हुआ अनावरण

आवासीय परिसर में नवनिर्मित नेंताजी सुभाष चंद्र बोस क्रीड़ा भवन के शिलापट्ट का अनावरण फीता काट करके किया। श्री पॉल ने अपने संबोधन में कहा कि नेताजी का जीवन चरित्र हम सभी को देश व समाज की सेवा के लिए प्रेरित करता है। उनका जीवन चरित्र आज भी प्रासंगिक है। देश वासियों को उनसे सीख लेकर सदैव देश की रक्षा के लिए तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर मु यरूप से स्टेशन के महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, अपर महाप्रबंधकगण, विभिन्न यूनियन व एशोसिएशन के प्रतिनिधिगण आदि उपस्थित थे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के असली सिपाहियों को हम भूलते जा रहे हैं: प्रो केएन द्विवेदी

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

आजाद हिन्द पार्क, सिगरा में अमर शहीद सेवा समिति के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती समारोह के मु य अतिथि पद्श्री सरोज चूड़ामणि गोपाल(पूर्व वीसी, के0जी0एम0यू, लखनऊ)ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी का नाम सर्वोपरि है।

नेताजी के अंदर विलक्षण प्रतिभा थी, आजाद हिंद फौज का संचालन करना और सबको एक साथ लेकर चलना औरों के वश में नहीं था। गांधी जी के विरोध के बाद भी 1938 में नेताजी कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। विशिष्ट अतिथि प्रो0 कमल नयन द्विवेदी (संकायाध्यक्ष, आयुर्वेद विभाग, बीएचयू)ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के असली सिपाहियों को हम भूलते जा रहे हैं और जिनसे देश बंटा वहीं आज

भी कर्णधार बने हैं इसी कारण हम महाशक्ति नहीं बन पा रहे हैं। नेताजी अगर होते तो भारतीय संविधान में धारा 370–371 जैसी देशद्रोही धाराएं कदापि स्वीकार की जाती, क्योकि क्षेत्रवाद, जातिवाद धर्म–लिंग भाषावाद देश को कमजोर करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष कुमार अग्रवाल ने की।

विधानसभा क्षेत्र सदर रावट्र्सगंज को लेकर चर्चाएं हुईं तेज

ब्रजेश कुमार शुक्ला। सोनभद्र

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ जनपद सोनभद के सदर विधानसभा क्षेत्र रावट्र्सगंज मे राजनैतिक माहौल गरमा गया है जहां प्रमुख राजनैतिक दलों मे भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी प्रमुख रूप से जीत हार की लडाई मे रहे हैं। 2017 मे भारतीय जनता पार्टी के भूपेश चौबे 89932 मत प्राप्त कर सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए थे। दूसरे न बर पर रहे समाजवादी पार्टी के अविनाश कुशवाहा को 49394 मत व तीसरे नंबर पर रहे बहुजन समाज पार्टी के सुनील सिंह यादव को 39336 मत प्राप्त हुए थे। हालांकि जनपद सोनभद की सभी चारों विधानसभा क्षेत्रों से भारतीय जनता पार्टी व समर्थित दल के ही प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी पर जनपद सोनभद के सदर विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज करने वाले भूपेश चौबे एक मात्र ऐसे प्रत्याशी थे जो भारतीय जनता पार्टी कैडर के रहे है। श्री चौबे

प्रदेश सरकार के तीन मंत्रियों समेत लगभग एक दर्जन विधायकों के भाजपा छोड़ने का भी है भी राजनैतिक असर

पिछले लगभग तीन दशक से भी अधिक समय से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जनपद व प्रदेश के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के जिलाध्यक्ष प्रदेश कार्य समिति के सदस्य समेत अन्य पदों पर रहने के साथ ही राजनैतिक व सामाजिक रुप से सक्रिय रहे श्री चौबे सदर विधानसभा क्षेत्र से 89932 मत प्राप्त कर विधायक निर्वाचित हुए थे। बाकी सोनभद के अन्य दो विधानसभा क्षेत्र ओबरा,घोरावल मे भले ही भाजपा प्रत्याशी के रुप में संजय गौड व डा. अनिल कुमार मौर्या को जीत मिली हो पर दोनों ही प्रत्याशियों का पुराना इतिहास अन्य राजनैतिक दलों से ही रहा है। भाजपा गठबंधन की मजबूत सहयोगी अपना दल भी जनपद सोनभद मे मजबूत स्थिति में हैं संसदीय क्षेत्र रावट्र्सगंज से सांसद पकौड़ी लाल कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल विधानसभा क्षेत्र दुद्धी से विधायक हरीराम चेरो क्षेत्र पंचायत बभनी प्रमुख व करमा के प्रमुख भी अपना दल के ही है। ऐसे मे भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन की प्रमुख सहयोगी अपना दल भी सोनभद के दो तीन विधानसभा क्षेत्र अपने लिए मांग रहीं हैं। भाजपा से प्रदेश सरकार के मत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्या,दारा सिंह चौहान, व धर्म सिह सैनी समेत लगभग एक दर्जन विधयकों के भाजपा से त्यागपत्र देने के बाद एक तरह का राजनैतिक दबाव भी भारतीय जनता पार्टी पर है ऐसे मे भाजपा अपना दल को सोनभद मे विधानसभा की कितनी सीटें देगी, देगी भी या नहीं यह कह पाना आसान नहीं है। पर बिल्कुल नजर अंदाज कर पाने की स्थिति में भी राजनैतिक तौर पर भाजपा बर्तमान समय में नहीं है। देश के सबसे बडे राज्य उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा तिथि निर्धारित किये जाने के बाद से ही रोज बनते बिगडते समीकरण व सोशल मीडिया व जन चर्चाओं से आ रही तरह तरह की अपुष्ट खबरों ने सोनभद के रावट्र्सगंज विधानसभा क्षेत्र को लेकर राजनैतिक माहौल गरमा दिया है जो पिछले ल बे समय से चर्चाओं में है। बाते व चर्चाएं सिर्फ सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को लेकर ही हो ऐसा नहीं है। अन्य दलो के स भावित प्रत्याशियों को लेकर भी गावों से लेकर नगरो के चट्टी चौराहों व चौपालों पर राजनैतिक चर्चाएं तेज हो गई है। लोग अपनें अपने तरह से राजनैतिक दलों व प्रत्याशियों को लेकर चर्चाएं कर रहे हैं। इतना जरूर है कि विधानसभा क्षेत्र रावट्र्सगंज को लेकर कुछ ज्यादे ही चर्चाएं है। इसका भी प्रमुख कारण सदर विधानसभा क्षेत्र होना ही है।

काग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष ने जारी किया पार्टी घोषणापत्र

मिर्जापुर। कांग्रेस पार्टी के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष दीपचन्द जैन ने रविवार को मिशन क पाउण्ड स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता कर पार्टी द्वारा जारी घोषणा पत्र को जारी किया। इस आशय की जानकारी पार्टी प्रवक्ता छोटे खान ने दी। कार्यवाहक अध्यक्ष ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि प्रदेश में पार्टी प्रियंका गांधी व राहुल गांधी के नेतृत्व में बड़ी मजबूती के साथ लड़ेंगी। पार्टी ने युवाओं और महिलाओंए किसानों बुनकरोंए व्यापारियों और मजदूरों के उत्थान के लिए सामाजिक संस्था को ध्यान में रखकर ही काग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में अपने वचनबद्धता को दोहराया है कांग्रेस की सरकार बनने पर इन सभी बिंदुओं पर काग्रेस युद्धस्तर पर काम करेगी। पार्टी के घोषणा पत्र में 20 लाख रोजगार व इसमें 08 लाख महिलाओं को रोजगार देने की बात को शामिल किया गया है। जिससे युवाओं को सरकारी नौकरी में मिलने वाली मुश्किल काफी हद तक कम हो जायेगी। पार्टी द्वारा जारी घोषणा पत्र में 21 बिन्दुओं को रखा गया है। जिसमें प्रमुख रूप से नौकरियों के सृजनए 2019 से खाली चार लाख रिक्त पदों को भरने जैसी प्रमुख बातों को रखा गया है।

मासूम का दुष्कर्म के बाद घोंटा गया था गला

संवाददाता। फर्रुखाबाद

दो दिन पूर्व जनपद कन्नौज अगवा की गयी किशोरी की हत्यारों नें उसी दिन दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या कर दी थी। रविवार को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा में शव का पोस्टमार्टम कराया। माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए अधिकारी पोस्टमार्टम होनें तक पल-पल की जानकारी पर नजर लगाये रहे।जनपद कन्नौज कोतवाली गुरसहायगंज के गाँव मोहनपुर रतनपुर निवासी उमेश शर्मा की 10 वर्षीय पुत्री पुष्पा 20 जनवरी को घर के बाहर खेलते समय लापता हो गयी थी। घटना के स बन्ध में परिजनों नें कोतवाली गुरसहायगंज में रिपोर्ट भी दर्ज करायी लेकिन पुलिस जाँच में हिलाहबाली के चलते उसकी तलाश का काम पुलिस नें शुरू नही किया। जिससे बेखौफ हत्यारे किशोरी पुष्पा को अगवा करनें के बाद मात्र 10 किलोमीटर दूरी पर ले गये और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करनें पर उसको बेहरमी से मारापीटा भी। जिसका उल्लेख पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है। पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के मुताबिक पुष्पा के नाजुक अंग के अलावा गाल, गले पैर के पंजो में, नाक, होठ व सीने पर लगभग एक दर्जन चोटे पायी गयी है। मौत का स भावित समय 48 घंटे पूर्व गला घोटा जाना बताया गया है।

बालिका की निर्मम हत्या के बाद माहौल के हालतों को देखते हुए पुलिस प्रशासन नें पोस्ट मार्टम के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की। साथ ही अधिकारी पोस्टमार्टम कार्यवाही की जानकारी करते रहे। शव का पोस्टमार्टम डॉ0 अमित अग्रवाल व डॉ0 संध्या वर्मा के पैनल ने किया। पोस्टमार्टम कार्यवही की वीडियो ग्राफी भी करायी गयी। चिकित्सकों के पैनल नें डीएनए जाँच हेतु नाखून व बाल के नमूने व दुष्कर्म की पुष्टि के लिए स्लाइड भी सुरक्षित की है। रविवार को जनपद कन्नौज व फर्रुखाबाद के पुलिस अधीक्षकों ने मौके का जायजा लिया और अवश्यक निर्देश दिये। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद व कांग्रेस प्रत्याशी लुईस खुर्शीद आदि पोस्टमार्टम में पंहुचे और हालचाल लिये।

मासूमों से दुष्कर्म के दो वांछित गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। जनपद पुलिस ने मासूमों से दुष्कर्म मामले में वांछित दो आरोपियों को गिर तार कर उनका न्यायालय के लिए चालान किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। शमसाबाद थाना पुलिस नें गत दिनों गाँव सिकन्दरपुर महमूद घर में अकेली 15 वर्षीय दलित किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी मोहल्ला तराई निवासी नसीम उर्फबबलू को गिर तार कर लिया। जबकि फतेहगढ़ कोतवाली पुलिस नें गाँव कुटरा निवासी इंद्रजीत को 21 जनवरी की शाम गांव की ही आठ वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में गिर तार कर चालान कर दिया। न्यायालय नें उसे जेल भेज दिया।

सपाइयों को सोशल मीडिया पर सक्रिय होने की सलाह

फर्रुखाबाद। सपा मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड संगठन के विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इसके साथ ही पदाधिकारियों को चुनाव केविषय में भी टिप्स दिये गये। सोशल मीडिया पर पदाधिकारियों को संक्रिय होनें की सलाह दी गयी।

मुलायम सिंहयूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव सरदार तोषित प्रीत सिंह के आवास पर बैठक स पन्न हुई। डिजिटल माध्यम से मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव सिद्धार्थ सिंह ने पदाधिकारियों से संवाद किया। जिलाध्यक्ष मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड शशांक सक्सेना ने गौरव यादव को जिला उपाध्यक्ष, सैफ खान को नगर अध्यक्ष कमालगंज और सतेंद्र राजपूत एवं डॉ0 ब्रजेश राजपूत को जिला सचिव नामित करते हुए मनोनयन पत्र वितरित किये। सरदार तोषित प्रीत ने सभी को सोशल मीडिया पर संक्रिय होनें की सलाह दी।

कन्नौज से अगवा बालिका का शव फर्रुखाबाद में मिलने से मचा हड़कंप

● **सपाइयों ने श्रद्धांजलि दी, उठाई दोषियों को फांसी की सजा व आर्थिक मदद की मांग**

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

विगत दिनों पूर्व ग्राम मोहनपुर रतनपुर निवासी किसान की दस वर्षीय मासूम पुत्री का अपहरण हो गया था। जिसका मुकदमा स्थानीय कोतवाली में दर्ज कराया गया था। बीते दिन पड़ोसी जनपद फर्रुखाबाद के थाना कमालगंज के ग्राम श्रंगीरामपुर, शेरपुर सराय मार्ग के निकट सरसों के खेत में मासूम बालिका का शव पड़ा पाया गया।

शव पड़े होने की सूचना पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। देर रात बालिका के शव की पहचान परिजनों ने की। परिजनों के मुताबिक मासूम छात्रा के शरीर पर कपड़े नहीं थे। ग्रामीणों में चर्चा है कि जिस तरह से शव खेत मे पड़ा पाया गया। उससे हत्या के साथ दुष्कर्म की भी आशंका बनी हुई है। मासूम छात्रा की मृत्यु की खबर पर परिजनों में कोहराम मच गया। उधर बालिका की हत्या के मामले में सपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष कंचन कनौजिया व अब्दुल वकील अहमद के साथ महिलाओं एवं पुरुषों ने श्रद्धांजलि देकर कैण्डल मार्च निकाला और प्रदेश सरकार की बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं सहित कानूनी व्यवस्था पर जमकर सवाल दागे। कहा कि सरकार पीड़ित परिवार को एक करोड का मुआवजा देकर दोषियों को फांसी की सजा दे।

शांति और नकलविहीन ढंग से सम्पन्न हुई टीईटी की परीक्षा

संवाददाता। कन्नौज

जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आज जनपद में टीईटी0 परीक्षा 2021 कुशलतापूर्वक, शांति एवं नकल विहीन संपन्न हुई।

रविवार को जिलाधिकारी द्वारा जनपद में नकल विहीन परीक्षा सकुशल स पन्न कराने हेतु व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु प्रथम पाली में प्रस्तावित 27 केंद्रों पर संचालित परीक्षा केंद्रों में से डी0एन0 इण्टर कालेज, तिर्वा, दीनानाथ जनता बाल विद्या मंदिर, तिर्वा, रा0 इण्टर कालेज, उमर्दा, के0के0 इण्टर कालेज, कन्नौज, सुशीला देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज, कन्नौज, एवं एस0बी0एस0 इण्टर कालेज कन्नौज पर संचालित परीक्षा में प्रयुक्त व्यवस्थाओं का जायजा लिया, एवं केंद्रों पर उपस्थित पुलिस बल एवं सीसीटीवी के माध्यम से की जा रही रिकॉर्डिंग का भी परीक्षण किया। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं संबंधित सभी केंद्र व्यवस्थापकों एवं तैनात ऑब्सर्वेर्स एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि सभी केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं को एकत्रित करके, मिलान करने के उपरांत ही छात्र छात्राओं को परीक्षा कक्ष से छोड़ने के उपरांत, उत्तर पुस्तिकाओं को नियमानुसात सीलिंग प्रक्रिया सुनिश्चित करते हुए उसकी वीडियोग्राफी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गश्त करते समय भी स्टैटिक मजिस्ट्रेट को वीडियो बनवाकर डीवीडी सुरक्षित करने एवं जमा किये जाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उन्होने बताया कि जनपद में प्रथम एवं द्वितीय पाली में सकुशल संचालित टी0ई0टी0 परीक्षा में प्रथम पाली में कुल 27 केंद्रों हेतु पंजीकृत कुल 12031 में से 10956 उपस्थित एवं 1075 अनुपस्थित एवं द्वितीय पाली में कुल 19 केंद्रों हेतु पंजीकृत 7654 में से 6819 उपस्थित एवं 835 अनुपस्थित रहे एवं कुल 17775 परीक्षार्थियों ने सकुशल परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग के साथ ही मास्क एवं सैनिटाइजर का प्रयोग भी सुनिश्चित किया गया। आज तिर्वा तहसील क्षेत्र के महेंद्र नीलम इण्टर कालेज में एक युवक आलोक कुमार इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के साथ चेकिंग के दौरान पकड़ा गया जिस हेतु उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर गिर तार करते हुए कठोर कार्यवाही की जा रही है। परीक्षा के दौरान सभी स्टैटिक एवं अन्य तैनात अधिकारी अपने निर्धारित केंद्रों पर तैनात पाए गए।

दुर्घटना के बाद हुई दो पक्षों में जमकर पथराव व मारपीट

गुरसहायगंज (कन्नौज)। दुर्घटना के बाद हुई नोकझोंक व गाली-गलौज के दौरान दोनों पक्षों की ओर से जुटे लोगों ने एक दूसरे पर पथराव करते हुए जमकर मारपीट की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजने के बाद क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में लेकर कोतवाली ले आई। रविवार की सुबह करीब 11 बजे नगर के चौराहे पर कार पर सवार होकर जा रहे नगर निवासी युवक के चालक ने जाम होने के कारण खिड़की खोल दी। जिस पर पीछे से आ रहा बाइक सवार अनियंत्रित होकर खिड़की से टकरा कर घायल हो गया। जिसके बाद दोनों पक्षों में तीखी नोकझोंक होने लगी। इस दौरान मौके पर जुटे दोनों पक्षों के लोगों के बीच जमकर मारपीट व पथराव होने लगा। इस दौरान गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराने के उपरांत क्षतिग्रस्त कार को कोतवाली लाया गया। जहां देर शाम तक दोनों पक्षों में समझौते की कवायद चलती रही। समाचार लिखे जाने तक घटना के संबंध में मुकदमा दर्ज नहीं हो सका था।

पुलिस ने छापेमारी कर किया शस्त्र फैक्ट्री का भण्डाफोड़, तीन गिरफ्तार

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष व सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के कस्बा समधन स्थित एक मकान में छापेमारी कर अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। जहां भारी मात्रा में बने अध बने असलहे व बनाने के उपकरण बरामद करते हुए तीन लोगों को हिरासत में ले कर कार्यवाही की है। रविवार की सुबह पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा के निर्देशन में आगामी विधान सभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ उपनिरीक्षक मोह मद तौकीर ने अपराध नियंत्रण हेतु गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के कस्बा समधन से ग्राम लखइयामऊ जाने वाले मार्ग पर रेलवे क्रासिंग के निकट एकांत में बने मकान में छापेमारी कर तीन लोगों को अवैध शस्त्र बनाते हुये हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मौके से निर्मित/अर्द्ध निर्मित अवैध शस्त्र, 01 अधिया बन्दूक 12 बोर चालू हालत मे, 03 तमंचा 12 बोर चालू हालत मे, 04 तमंचा 315 बोर चालू हालत मे, 02 कारतूस जिन्दा 12 बोर, 02 खोखा कारतूस 12 बोर, 02 कारतूस जिन्दा 315 बोर, 02 खोखा कारतूस 315 बोर, एक नाल लोहा करीब 02 फिट तथा शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए है। पुलिस हिरासत में मौजूद आरोपितों ने अपना नाम राशिद पुत्र स्व0 सादिक निवासी समधन, पप्पू उर्फ इरसाद पुत्र वसीर व इस्लाम पुत्र यासीन निवासीगण कस्बा व थाना मोह मदाबाद जनपद फर्रुखाबाद बताया है। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

डीएम के निर्देशन में हुआ मतदाता कवि सम्मेलन

संवाददाता। फतेहपुर

आगामी 23 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान को लेकर जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे के नेतृत्व में स्वीप कार्यक्रम अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतिम दिन डायट प्रवक्ता विनय कुमार मिश्र के संयोजन में एक शाम फतेहपुर के नाम बैनर तले मतदाताओं को जागरूक करने के लिए ऑनलाइन कवि स मेलन हुआ। जिसमें रचनाकारों ने कविताओं के माध्यम से अधिक से अधिक मतदान करने की मतदाताओं से गुजारिश की।

तीन सत्रों में आयोजित इस कवि स मेलन के सत्र अधिकारी जनपद के वरिष्ठ शायर शिवशरण बंधु, एसडीएम बिंदकी अवधेश निगम एवं वरिष्ठ कवि मधुसूदन दीक्षित रहे। बंधु जी ने पढ़ा-वोट डालने का जो अवसर खोता है, आगे चलकर पांच साल तक रोता है, लोकतंत्र की लाज बचाने की खातिर, शत प्रतिशत मतदान जरूरी होता है। कवि स मेलन का संचालन कर रहे कुमार सौष्ठव ने पढ़ा- लोकतांत्रिक महापर्व के हम भी भागीदार बनें। जन गण के मन हैं हम सब, जन गण की सरकार चुनें। शायर वारिस अंसारी ने दोहों के माध्यम से जागरूक करते हुए कहा- मत अपना अनमोल है, करिए खूब विचार, लेकिन मत करना कभी, वोटों का व्यापार। कवि प्रवीण श्रीवास्तव प्रसून ने मतदाता की आरती गाते हुए कहा भारत के भाग्य विधाता की जय, मतदाता की जय।

वरिष्ठ कवि मधुसूदन दीक्षित ने भी छंदों के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। इस कार्यक्रम में प्रतिमा उमराव, सताक्षी सिंह, साधना शुक्ला, रेणु सिंह, प्रियंका राय, महेंद्र सिंह, प्रेम नंदन, कविता तिवारी, राम नरेश सिंह चौहान, अमित कुमार, रश्मि पांडेय, आरती सिंह, सीमा मिश्र आदि ने भी कविताएं पढ़ीं। एसआरजी राधेश्याम दीक्षित ने आभार ज्ञापन दिया। कार्यक्रम की उपादेयता को सफल बनाने के लिए सुश्री प्रीति सिंह प्रशिक्षु एसडीएम, बीएसए संजय कुशवाहा, जिला दिव्यांग अधिकारी सुश्री प्रगति मिश्र, डायट प्रवक्ता संजीव सिंह एवं केपी सिंह भी उपस्थित रहे।

फाउण्डेशन के तत्वावधान में मनाई गयी जयन्ती

फतेहपुर। नेता सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर पत्थरकटा चौराहा में स्थित नेता सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा में फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष जनसेवक राजेश सिंह ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस ने आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर मां भारती को आजाद कराया। प्रदेश महासचिव आचार्य कमलेश योगी ने कहा कि उस मां भारती के सपूत को सच्ची श्रद्धांजलि तभी है जब हम उनके बताए रास्तों पर चलकर देश को उन्नति एवं प्रगति के पथ पर आगे ले जाए। प्रदेश प्रमुख महासचिव पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय सचान ने कहा कि उस महामानव की जयंती मना रहे हैं। जिससे द्वितीय विश्व युद्ध में अंग्रेजो के खिलाफ लड़ने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन किया है और उनके द्वारा दिया गया नारा जय हिंद का राष्ट्रीय नारा बना है। इस मौके पर बाबा रामसनेही, महेंद्र मौर्य, रमन कुमार, कौशल किशोर मिश्रा, सतीश मिश्रा, रितिक सिंह पटेल, महेंद्र सिंह, राजेश श्रीवास्तव, अमोल सचान, आशीष सिंह, अभिजीत पटेल आदि उपस्थित रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस को जयंती पर किया गया याद

संवाददाता। फर्रुखाबाद

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर उन्हें याद किया गया। सभी नें उनके जीवन से प्रेरणा लेनें की शपथ ली और उनके चित्र पर माल्यार्पण किया।अखिल भारतीय हिन्दू महासभा (विमलेश गुट) नें नेता जी की जयंती पर बद्री विशाल डिग्री कालेज में उनकी प्रतिमा पर माल्यर्पण किया। युवा प्रदेश अध्यक्ष विमलेश मिश्रा नें कहा कि नेताजी की विलक्षण प्रतिभा,

कुशल नेतृत्व-क्षमता और अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए विश्व के बड़े-बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष उनका लोहा मानते थे। नेताजी बोस ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए आइसीएस जैसी उच्च स्तर की नौकरी को भी ठुकरा दिया और देश की सेवा के लिए आजाद हिद फौज का गठन किया था। जय हिद और तुम मुझे खून दो मैं तु हें आजादी दूंगा के नारे नेता जी की ही देन हैं। कृतज्ञ राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन करता है और युवा पीढ़ी को उनके जीवनी से प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष कोरोना के चलते बंदेमातरम् यात्रा नही निकल रही है।

इस दौरान जिलाध्यक्ष क्रांति पाठक, प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ मिश्रा, विपिन अवस्थी, भानु प्रताप सिंह, सचिन शर्मा, अनंतराम सिंह, देव कुमार, मोनू तिवारी, संतोष त्रिवेदी, दीपक शर्मा आदि रहे।

नेता जी के चित्र पर किया माल्यार्पण

शहर के आवास विकास स्थित एक लैब में कश्यप बाथम महासभा एवम् कोरोना वॉरियर निगरानी समिति के सदस्यों ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। इस दौरान कहा गया कि युवाओं और देश के सच्चे भक्तो के लिए नेताजी सदैव आदर्श रहे हैं और रहेंगे। सरकार को उन्हें उचित स मान दिया जाना चाहिए। संजीव बाथम, प्रदीप बाथम, अंकित कश्यप, लकी कनौजिया, अमित खन्ना, राकेश गंगवार पूर्व सभासद, अर्पित, हर्षित गुप्ता, पुष्पेन्द्र बाथम, अतर सिंह प्रधान, शिवम् , दिग बर सिंह आदि रहे।

अपराधिक घटनायें बढ़ने से भाकियू का थाने में डेरा

फर्रुखाबाद। इलाके में हो रही ताबड़तोड़ हो रही चोरी व लूट की वारदातों व पुलिस द्वारा कार्यवाही न किये जानें से आजिज किसान यूनियन के नेताओं नें रविवार को शमसाबाद थानें में डेरा जमा दिया। नाराज किसान नेताओं की शिकायत पर एसपी के आदेश पर क्षेत्राधिकारी कायमगंज नें थानें आकर हालत को काबू किया। शनिवार शाम गाँव मिलकिया निवासी मूकबधिर रामदेवी के बाइक सबार युवक कुंडल नोचकर रफूचक्कर हो गये। सूचना पर पुलिस मौके पर पंहुची लेकिन पीड़िता से तहरीर लेनें के बाद भी उसकी रिपोर्ट दर्ज नही की। इससे नाराज ग्रामीणों में गुस्सा फूट गया। इसकी जानकारी किसान यूनियन के नेताओं को हुई तो वह ग्रामीणों के साथ एक जुट होकर थानें जा धमके और थानाध्यक्ष पर पूंछा की इलाके में ताबड़तोड़ चोरी की घटनायें हो रही है। चोरों नें दर्जनों नलकूपों को भी निशान बनाया है। हर घटना को पुलिस जाँच के नाम पर कार्यवाही ठंडे बस्ते में डाल रही है जिससे चोर उच्चको के हौसले बुलंद है। थानाध्यक्ष मनोज भाटी किसान नेताओं को समझाने के लिए काफी प्रयास करते रहे लेकिन बात नही बनी। इस बीच एसपी के आदेश पैर सीओ कायमगंज सोहराब आलम थाने आ गये और किसान नेताओं को अपराध नियन्त्रण के लिए भरसक प्रयास का भरोसा दिलाया थानाध्यक्ष मनोज भाटी किसान नेताओं को समझाने के लिए काफी प्रयास करते रहे लेकिन बात नही बनी। इस बीच एसपी के आदेश पैर सीओ कायमगंज सोहराब आलम थाने आ गये और किसान नेताओं को अपराध नियन्त्रण के लिए भरसक प्रयास का भरोसा दिलाया और जल्द ही इलाके के अपराधियों को धर पकड़ के निर्देश थानाध्यक्ष को दिये।

निवर्तमान सपा प्रदेश सचिव ने बयां किया दर्द

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

समाजवादी पार्टी के सच्चे सिपाही निवर्तमान प्रदेश सचिव विनय श्रीवास्तव ने क्षेत्र के ग्राम ऊंचा स्थित प्रतिष्ठान कार्यालय पर बरेली से सपा का टिकट न मिलने पर दर्द बयां करते हुए बताया कि मैंने सन 1993 से समाजवादी पार्टी का सफर शुरू किया। मुझे मुलायम सिंह यादव ने समाजवादी युवजन सभा का प्रदेश सचिव बनाया। स पूर्ण उप्र में नौजवानों को पार्टी में जोड़ने का काम किया। उसके उपरान्त लोहिया वाहिनी का प्रदेश उपाध्यक्ष रहते हुए स पूर्ण प्रदेश का दौरा किया। सन 2019 में समाजवादी पार्टी का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया। स पूर्ण प्रदेश में पार्टी के लिये काम किया। कायस्थ महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए समाज को पार्टी में जोड़ने का काम किया। समाज के लोगों की बात प्रदेश स्तर हमेशा उठाई। उनके हक के लिये लड़ने का काम किया। 2020 से 125 शहर विधान सभा क्षेत्र बरेली से चुनाव लड़ने हेतु पार्टी में आवेदन किया। चूँकि यह कायस्थ बाहुल्य विधान सभा है। निरंतर डेढ वर्ष से बरेली में द्दौरा और रहकर काम कर रहा था। चुनाव लड़ने की बजह से कायस्थ समाज में बहुतायत में बैठकें की। बहुत मेहनत की फिर भी मुझे यहाँ से उ मीदवार घोषित नहीं किया गया। मुझे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संगठन में काम करने का आदेश दिया है। मैं पार्टी का सच्चा सिपाही हूँ। उनके आदेश का पालन किया जायेगा। मेरे जीवन का लक्ष्य है अखिलेश उप्र के मु यमंत्री बने।

चोरी की पांच बाइक समेत एक अभियुक्त गिरफ्तार, साथी फरार

पुखरायां, कानपुर देहात आगामी चुनावों के मद्देनजर हो रही छापामारी और तलाशी अभियान में रविवार को भोगनीपुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। इसमें असेवा गांव में की गई छापेमारी में पुलिस पांच चोरी की मोटरसाइकिल समेत एक व्यक्ति को गिर तार किया है। वहीं एक व्यक्ति पुलिस को धता बताकर भाग गया है। जिसकी तलाश जारी है। पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रभात कुमार ने बताया कि आगामी विधान सभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए भोगनीपुर पुलिस प्रतिदिन छापेमारी एवं तालाशी अभियान कर रही है। रविवार को भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के असेवा गांव में छापेमारी की गई। जिसमे असेवा गांव से पांच चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। वहीं जालौन के नवतपुर, सिरसा कलार निवासी लखपत यादव के पुत्र शिवम् यादव को असेवा गांव से ही गिर तार किया गया है। जबकि उसका साथी उमाशंकर यादव का पुत्र विनीत कुमार पुलिस को धता बताकर भाग गया है। विनीत यादव के खिलाफकानपुर देहात के कई थानों में आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रभात कुमार के साथ कोतवाल राजेश कुमार सिंह एवं भोगनीपुर थाने का पुलिस फोर्स तैनात रहा। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि टीमें गठित कर दूसरे चोर को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। चोरी के जुर्म में अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया।

हिन्दू महासभा ने मनाई नेता सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती

संवाददाता। फतेहपुर

अखिल भारत हिंदू महासभा द्वारा आयोजित ब्रिटिश हुकूमत की नींद उड़ाने वाले विश्व इतिहास के स्वतंत्रता आंदोलन के महान व्यक्तित्व के धनी, आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर पटेल नगर चौराहा में कोरोना प्रोटोकॉल के नियमों के तहत धूमधाम से नेताजी के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण आरती करके मनाई गई। इस अवसर पर चौराहा परिसर में आम राहगीरों साधु-संतों को चाय और बिस्किट का प्रसाद कार्यकर्ताओं द्वारा स्टाल लगाकर बांटा गया। मंदिर परिसर में ही एक गोष्ठी भी संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ0 चंद्र कुमार पांडेय ने किया। संचालन करते हुए महासभा के प्रदेश महामंत्री मनोज त्रिवेदी ने क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा कि नेताजी को अब तक उस स्तर का स मान नहीं मिला जिसके वे असल हकदार थे। इस दौरान प्रमुख लोगों में जिलाध्यक्ष रामगोपाल शुक्ला, स्वामी रामाश्रय आर्य, करण सिंह पटेल, शशिकांत मिश्रा, डॉ0 प्रमोद पांडेय, संतोष द्विवेदी, एसके गुप्ता, आदित्य शुक्ला, देवेश मिश्रा, राजू मौर्या, राजा, राम बलराम सिंह, रंजना सिंह, संगीता गुप्ता, मोबिना वारसी, मायादेवी आदि उपस्थित रहीं।

कायस्थो ने मनाई आजाद हिन्द फौज के प्रणेता की जयन्ती

फतेहपुर। कायस्थ मंच ट्रस्ट के तत्वाधान में नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष विनोद कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पत्थरकटा चौराहे पर स्थित सुभाष चंद्र बोस चौक में सर्वप्रथम सफाई की गई तत्पश्चात उनकी प्रतिमा में माल्यार्पण किया गया। सभी उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा सुभाष चन्द्र बोस अमर रहे, तुम मुझे खून दो मैं तु हे आजादी दूंगा के गगनभेदी नारे लगाये जा रहे थे। इस अवसर पर प्रांतीय महामंत्री डॉ0 अनुराग श्रीवास्तव, सत्येंद्र श्रीवास्तव, जिला महामंत्री दिलीप कुमार श्रीवास्तव, जिला कार्यवाह प्रदीप, विवेक द्विवेदी, शैलेन्द्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

आजादी के महानायक थे नेता सुभाष चन्द्र बोस : अमाद हसन

●भाजपाइयों ने भी मनाई सुभाष चंद्र बोस की जयंती देशभक्त की भावना विद्यार्थी जीवन से ही बोस के मन में थी: पटेल

प्रयागराज। नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धा से याद किया गया। अपना दल एस युवा मंच के राष्ट्रीय सचिव अ माद हसन उर्फ अमन नीवां ने सुभाष चंद्र बोस के चरणों में सिविल लाइंस सुभाष चौराहे पर स्थित प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर उन्हें नमन किया। अमाद ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस का देश के प्रति समर्पण और आज़ादी की लड़ाई में उनका संघर्ष सदैव अमर रहेगा।

अमाद ने कहा कि भक्ति और अनुरक्ति हो तो सुभाष चन्द्र बोस जैसी हो और नेता यदि हो तो सुभाष चन्द्र बोस जैसा हो। युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए अ माद ने कहा कि आज के युवाओं को भी संगठित होकर आज़ाद हिंद फौज़ की भांति हर अन्याय शोषण के विरुद्ध आवाज उठानी होगी। डटकर हर ग़लत कार्य के विरुद्ध खड़े होना होगा। इस अवसर पर अजीत राणा यादव हर्ष यादव सलमान खान दानिश खान गोलू पाल साहिल खान नीरज इमरान शुभम अनुराग ऊर्फ़ अन्नू अमर यादव दिलशाद रेहान आदि उपस्थित रहे।

अवकाश प्राप्त रेलवे कर्मचारी हितकारी समिति एवं यूनाइटेड फोरम ऑफ पेंशनर्स एसोसिएशन प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में जयंती पर नेता जी को याद किया गया रेलवे पेंशनर्स उत्तर मध्य रेलवे लोको कॉलोनी सिविल लाइंस में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई। एसोसिएशन के महामंत्री श्याम सुंदर सिंह पटेल रहे और अध्यक्षता सुशील कुमार श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर और पुष्पांजलि अर्पित कर किया। श्याम सुंदर सिंह पटेल ने कहा कि देशभक्त की भावना विद्यार्थी जीवन से ही बोस के मन में चल रही थी। यह हमेशा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी रहे।

आजादी की लड़ाई में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा। जिसे कभी भुलाया नहीं सकता। उनके जीवन आदर्शों को और उनकी देशभक्ति को हम सब को भी अपने जीवन में अपनाना चाहिए। जिसमें श्याम सुंदर सिंह पटेल, सुशील कुमार श्रीवास्तव, राजबली शर्मा योगेंद्र कुमार पांडेय, लियाकत अली, संजय मजूमदार सैयद अली ,सफ्दर रमेश कुमार, संतोष कुमार चंद्रपाल पीएन श्रीवास्तव, आरबी शर्मा, बजरंग प्रसाद, मुकेश श्रीवास्तव, पीके गुप्ता, रमेश हरिश्चंद्र आदि कई लोग शामिल रहे। संचालन राजबली शर्मा, और संयोजन योगेंद्र कुमार पांडेय, तथा धन्यवाद ज्ञापन सुशील कुमार श्रीवास्तव, ने किया।

सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते अपना दल के नेता।

भाजपा युवा मोर्चा के द्वारा मुट्ठीगंज क्षेत्र में आजाद हिंद फौज के संस्थापक सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गयी। कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और कार्यक्रम में उपस्थित उपस्थित भाजपा के नेताओं ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस की सोच राष्ट्र के प्रति ईमानदार था और उनका काम दमदार था और उन्हीं के आदर्शों पर चलकर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की सैन्य शक्ति को मजबूत बना रहे हैं। इस अवसर पर विवेक अग्रवाल, राजेश केसरवानी, पप्पू, रोहित पांडेय, किशोरी लाल जायसवाल, परमानंद वर्मा, आशीष जायसवाल, लवकुश केसरवानी, सौरभ मेहता, सत्येंद्र जायसवाल, विक्रांत शुक्ला, सुनील केसरवानी दीपक केसरवानी, विकल्प श्रीवास्तव, दीपक शर्मा, केशव शर्मा, रोहित भारती, सचिन गुप्ता, पुनीत श्रीवास्तव, अनुज श्रीवास्तव, मयंक त्रिपाठी, हिमांशु सोनकर, अभिषेक साहू आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पन्ना प्रमुख के माध्यम से चुनाव में रचेंगे इतिहासः सिद्धार्थनाथ सिंह

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

राजापुर स्थित आवास पर कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि 28 दिसंबर को वाराणसी में गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन के बाद सभी 403 विधानसभा के पन्ना प्रमुख का कार्य वरफूटिंग के रूप में लिया है। 9 जनवरी से जनवरी तक शहर पश्चिमी में 6025 पन्ना प्रमुख बनाए गए जो कि भारतीय जनता पार्टी के फूटसोल्जर के रूप में तैयार है। महाभारत में जो फूटसोल्जर बने हैं। इसको तैयार करने के लिए हर एक वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता को सेक्टर और बूथ पर जि मेदारी दी गई है।

शहर पश्चिमी में 87 सेक्टर पर 454 बूथों के पन्ना प्रमुखों की बैठक की गई है। मोदी और सीएम योगी के संदेश के साथ क्षेत्र के विकास कार्यों की उपलब्धियों को लेकर लगभग चार लाख तिरपन हजार 4.53000 मतदाताओं से जनसंपर्क अभियान का शुभारंभ हो चुका है। लगभग तीन लाख से ऊपर मतदाताओं के मोबाइल नंबर को सूचीबद्ध किया जा चुका है। वीडियो ऑडियो के माध्यम से स्वयं संवाद करूंगा साथ ही प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गृहमंत्री अमित शाह एवं सीएम योगी के संदेश को भी उनके बीच वर्चुअल संवाद के जरिए ले जाएंगे। यह भारतीय जनता पार्टी की ताकत है जो आधुनिक युग में इलेक्शन प्रचार प्रसार को भी टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ रहे हैं। कोरोना प्रोटोकॉल ध्यान में रखकर जनसंवाद किया जा रहा है। पन्ना प्रमुख की हनुमान शक्ति के माध्यम से 2022 चुनाव में विधानसभा शहर पश्चिमी से इतिहास रचेंगे।

सिद्धार्थ नाथ सिंह।

दो वर्ष पूरा होने पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव को बधाइयां

संवादाता। अयोध्या

भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह का दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर पार्टी कार्यालय में बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। भाजपा नेता सुनील तिवारी शास्त्री के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने माल्यापर्ण करके उन्हें स मानित किया। इस दौरान लोगो को मिठाई वितरित की गयी।

महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि कोविड काल को देखते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह का कार्यकाल काफी चुनौती पूर्ण रहा। हर जरुरतमंद से स पर्क करके उसकी आवश्यकताओं की यथा स भव पूर्ति करना पार्टी की उपलब्धियों में शामिल रहा। कोविड की पहली लहर हो या दूसरी अपने जीवन की परवाह किये बगैर पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता आम जनता के बीच रहे। गरीबों को भोजन व कच्चा राशन उपलब्ध कराया गया। प्रवासी मजदूरों के लिए भोजन चप्पल के साथ बच्चों को दूध भी पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उपलब्ध कराया।

महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, ने कहा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि के भाव के साथ पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के सामूहिक प्रयास के कारण भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। बधाई देने वालों में पूर्व जिलाध्यक्ष कमलाशंकर पाण्डेय, जिला महामंत्री राघवेन्द्र पाण्डेय, अशोक कसौधन, राधेश्याम त्यागी, मनोज वर्मा, नीरज श्रीवास्तव, रिंकू, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, गिरीश पाण्डेय डिप्पुल, परमानंद मिश्रा, शैलेन्दर कोरी, दिवाकर सिंह, राजेश सिंह, बब्लू मिश्रा मौजूद रहे।

बुलंद हैं भूमाफियाओं के हौसले, धड़ल्ले से हो रहे कब्जे

जाना बाजार । प्रदेश सरकार जमीनों पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले भू माफियाओं के विरुद्ध स त कार्यवाही करने में जोर.शोर से जुटी है। परंतु वही स्थानीय राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन की शिथिलता के चलते भू माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि दूसरों की जमीन हथियाने से नहीं चूक रहे हैं। न्यायालयों में विचाराधीन मुकदमों के स्थगन आदेशों के बावजूद खाते धारकों की जमीनों को निर्माण करके बेखौफ कब्जा करने में जुटे हैं। जबकि जमीनी विवाद को लेकर अब तक कई हत्याएं भी हो चुकी हैं । जमीनी विवाद को गंभीरता से लेकर पुलिस प्रशासन ने समय से स त कार्यवाही न की तो अपराधिक घटनाओं में इजाफा हो सकता है ।

तहसील बीकापुर के थाना क्षेत्र हैदरगंज में जमीनी विवाद को लेकर पिछले 2 वर्ष से अब तक कई अपराधिक घटनाएं घट चुकी हैं। जिसमें कटौना गांव में शेर बहादुर वर्मा पूर्व प्रधान संजय वर्मा के बीच में जमीनी विवाद को लेकर हत्या हो चुकी हैं। सिहोरिया गांव में राजित राम वर्मा की हत्या जमीनी विवाद में ही हुई। जाना ग्राम सभा के बढ़ैया में बृजराज सिंह की मौत भी जमीनी विवाद से जोड़करड़कर ही स्थानीय लोग देख रहे हैंजिसकी विवेचना अभी तक क्षेत्राधिकारी बीकापुर कर रहे हैं । मौजूदा परिस्थिति में क्षेत्र में तमाम प्रकरण जमीन कब्जाने को लेकर ही है । जिसमें दबंग लोग अदालती कार्यवाही को ठेंगा दिखाते हुए स्थानीय राजस्व कर्मियों और पुलिस प्रशासन के सहयोग से निर्माण कर रहे हैं ।

जिसमें प्रमुख रुप से करौंदी तिवारी का पुरवा में आशा देवी की संक्रमणीय भूमि अवैध रूप से कब्जा करके दूसरे पक्ष के राधेश्याम द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है । जबकि अदालत द्वारा विपक्षी के विरुद्ध स्थगन आदेश भी आशा देवी ने ले रखा हैं। परंतु विक्षियों सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को स्थगन आदेश कोई मायने नहीं रखता है । ऐसे ही पंचगवा में ज्ञानवती की जमीन पर बगल के ही राम तीरथ ने अदालती आदेश के बावजूद निर्माण कर लिया है । तो वहीं कुआ डांड़ में प्रेमा देवी की जमीन पर दबंगई से दबंगों ने अवैध कब्जा कर लिया ।

तो इसी गांव में श्मशान गाटा सं या 305 और तालाब गाटा सं या 800 पर जमीनों को भी दबंगों ने नहीं छोड़ा और निर्माण कर लिया । इसी तरह थाना क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में जमीनी विवाद चल रहा हैं। जिसमें जमीनी विवादों को लेकर लोग सिविल कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट तक पहुंच चुके हैं। इसके बावजूद स्थानीय राजस्वव विभाग और पुलिस की शिथिलता के चलते दूसरे पक्ष के दबंग लोग अदालती आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए कब्जा करने से नहीं चूक रहे हैं ।

क्विक न्यूज

भगवान की भक्ति के लिए वरण व्यवस्था का त्याग करना जरूरी नहीं: स्वामी महेशाश्रम

प्रयागराज। प्रत्येक व्यक्ति को अपने वरण व्यवस्था के साथ आचरण करते हुए भगवत भक्ति में अग्रसर होना चाहिए। यह उदगार माघमेला क्षेत्र स्थित हरिश्चंद्र मार्ग दण्डी स्वामी नगर में श्री नागेश्वर धाम अन्नक्षेत्र पंडाल में प्रवचन करते हुए जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी महेशाश्रम जी महाराज ने कहीं। उन्होंने कहा कि शास्त्र में ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि भगवान की भक्ति के लिए अपनी जाति एवं वरण व्यवस्था को छोड़ना जरुरी है। भगवान राम ने ब्राह्मण श्रेष्ठ संन्यासी रुप गुरु वशिष्ठ को गुरु रुप में पुजते हुए अवध के महामंत्री सुमंत्र को पिता तुल्य मानकर के स मान प्रदान किया। वहीं केवट कुल में जन्मे निशाद राज गुह को भी मित्र पद हृदय से लगाकर मित्र पद प्रदान किया। आज के समय में विशेष कर ब्राह्मण वरण के लोग अपने वास्तविक स्वरूप को भुलते जा रहें हैं। ब्राह्मणों के हरास का मुल कारण यही है। इसलिए ब्राह्मणों को अपने वरण व्यवस्था के अनुसार कुल पर परा का पालन करते हुए शिखा सूत्र एवं तिलक अवश्य धारण करना चाहिए। ब्राह्मण जब तक स्वयं का स्वरूप वरण नहीं करेगा तब तक समाज में वास्तविक स मान मिलना अस भव है।

एयरपोर्ट अथॉरिटी का सदस्य बनाए जाने पर व्यापारियों ने आशीष को किया सम्मानित

प्रयागराज। कैट प्रयागराज के सदस्य आशीष गुप्ता को एयरपोर्ट अथॉरिटी का सदस्य बनाया गया है। उन्हें सदस्य बनाये जाने पर कैट के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र गोयल के साथ मनोज अग्रवाल संदीप केसरवानी आदि ने माला पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। मनोज अग्रवाल ने कहा कि कैट प्रयागराज के लिए बहुत ही स मान की बात है कि सरकार की कमेटियों में व्यापारियों का चयन हो रहा है। वर्तमान में प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र गोयल एवं तरंग अग्रवाल जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा कमेटी में व्यापारियों के प्रतिनिधि हैं। तरुण सावला ने कहा कि कैट ही एक मात्र व्यापारियों का ऐसा संगठन है। प्रयागराज में जिसके कई सदस्य सरकार की कमेटियों में हैं। यह स मान किसी अन्य व्यापार संगठन को नहीं प्राप्त है। आशीष गुप्ता ने कहा कि कैट के साथ जुड़ने के बाद हमारे सोच और व्यक्तित्व में बदलाव आया है। कहा अपनी समस्याओं को बताएं उनका निराकरण कराया जाएगा। आशीष गुप्ता ने कहा कि फरवरी माह में सरकार ई कामर्स पॉलिसी घोषित हो रही है। महेन्द्र गोयल ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में अबकी बार व्यापारी बड़ी भूमिका अदा करने वाला है। बैठक में महेन्द्र गोयल मनोज अग्रवाल विभु अग्रवाल तरुण सावला आशीष अग्रवाल संदीप केसरवानी तरंग अग्रवाल आशुतोष गोयल विनय साहू आशीष केसरी पीयूष गोयल अभिषेक अग्रवाल अन्नू पांडेय अजय गुप्ता राजेश अग्रवाल संदीप अग्रवाल मनीष शुक्ल आदि व्यापारी रहे।

डॉ. आलोक कुमार सिंह सचिव मनोनीत

अयोध्या। नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एसोसिएशन को क्रियाशील करने हेतु सहायक अध्यापक फसल कार्यिकी विभाग डा आलोक कुमार सिंह को सचिव मनोनीत किया गया है। एसोसिएशन के सदस्यों ने उनके मनोनयन का सर्वस मति से प्रस्ताव पारित किया। नये सदस्यों जोड़ने व एसोसिएशन के नवीनीकरण की जि मेदारी उन्हें सौपी गयी है। यह निर्णय पूर्व छात्र एसोसिएशन की समान्य सभा की बैठक में लिया गया। जिसमें 18 सदस्य उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता डा अरविंद कुमार सिंह अध्यक्ष पूर्व छात्र एसोसिएशन ने किया। डा आलोक कुमार सिंह ने बताया कि पूर्व छात्रों से आनलाईन तथा आफ्लाईन के माध्यम से स पर्क किया जायेगा। ज्यादा से ज्यादा पूर्व छात्रों को जोड़ने की तैयारी की गयी है। इसे अभियान के रुप में 20 फरवरी तक चलाया जायेगा। इसके बाद 25 फरवरी या किसी तिथि में वृहद स्तर पर समागम का आयोजन भी किया जायेगा बैठक में डा वेद प्रकाशए डा नवाज अहमद खानए डा श भू प्रसादए डा आलोक कुमार सिंहए प्रो प्रतिभा सिंहए डा आनन्द कुमार पाण्डेयए अंकित सिंहए डा जीसी यादव केके सिंहए डा उमेश चन्द्रए डा रमेश प्रताप सिंहए डा भानू प्रताप डा प्रवीण कुमार मौर्याए डा ज्योति सरोज डा स्नेहा सिंहए डा सुरेश कमार डा आरएन रावतए डा एके सिंह उपस्थित रहे।

युवक का शव कुएं में मिला

मिल्कीपुर अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के मोह मदपुर गांव में 30 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में खेतों के बीच स्थित कुएं में मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची खंडासा पुलिस ने युवक का शव कुएं से बाहर निकलवा कर पंचायत नामा कराने के उपरांत पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत मोह मदपुर निवासी चुन्नीलाल पुत्र रामदास उम्र करीब 32 वर्ष बीते शनिवार को शाम के घर से सांड से फसल की रखवाली करने अपने खेत गया था। खेत से देर रात तक युवक अपने घर वापस नहीं लौटा तो परिवारी जनों ने काफी खोजबीन की तो कहीं पता नहीं चल सका रविवार को सुबह उसका खेतों के बीच स्थित कुएं में मिला शव मिलने की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष संतोष सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे उन्होंने युवक का शव कुएं से बाहर निकलवाया और घटना की छानबीन में जुट गए।

राममंदिर परिसर में लगे रामानंदाचार्य भगवान की भव्य ऊंची प्रतिमाः जगतगुरु परमहंस

●रामानंदाचार्य भगवान की 722वीं जयंती की पूर्व संध्या पर तपस्वी छावनी में वैदिक रीति से हुआ पूजन

अयोध्या। आचार्य पीठ तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी परमहंस आचार्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग किया है कि रामजन्मभूमि परिसर में श्रीमज्जगद्गुरू रामानंदाचार्य भगवान की 251 मीटर ऊंची प्रतिमा लगाई जाए। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा हो। परमहंस आचार्य ने रविवार को तपस्वी छावनी आश्रम पर जगद्गुरु रामानंदाचार्य भगवान की 722वीं जयंती की पूर्व संध्या पर वैदिक रीति से उनका पूजन.अर्चन किया। मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि भगवान के 24 अवतार हुए हैं। उसके बाद 25वें अवतार के रूप में भगवान

स्वयं जगद्गुरु रामानंदाचार्य के रूप में अवतरित हुए। जिन्होंने सभी वर्गों को जोड़ने का काम किया। दुनिया में जितने भी आचार्य हुए हैं।

गुरू रामानंदाचार्य भगवान हैं। यहां तक कि उन्होंने कबीर और रविदास को भी अपना शिष्य बनाया। जो छोटी जातियों से थे। उनमें कभी कोई भेदभाव नही था। आज देश में शंकराचार्य और रामानुजाचार्य की प्रतिमा बनाकर लगा दी गई है। रामानंदाचार्य भगवान की प्रतिमा कहीं नही लगी है। पीएम मोदी से मांग है कि रामजन्मभूमि परिसर में जगद्गुरु रामानंदाचार्य भगवान की 251 मीटर ऊंची प्रतिमा लगाई जाए। जगद्गुरु के रूप में अवतार लेकर सभी वर्गों का कल्याण किया। दलित समाज के रविदास को अपना शिष्य बनाया। यदि राममंदिर परिसर में रामानंदाचार्य की प्रतिमा नही लगाई गई। तो यह दलित समाज की उपेक्षा और अनादर होगा। स्वामी परमहंस ने कहा कि अयोध्या में रामानंदाचार्य चौक मार्ग द्वार और स्मारक यत्र.तत्र बनाया जाना चाहिए।

पूजन में शामिल हुए संत महात्मा

रामानंदाचार्य की शोभायात्रा में आज शामिल होंगे महात्मा

प्रयागराज। रामानंद स प्रदाय के मूल आचार्य जगद्गुरु रामानंदाचार्य के जन्मोत्सव पर सोमवार को भव्य शोभायात्रा खाक चौक से निकाली जाएगी। विजयराम भक्तमाल आश्रम शिविर से सुबह नौ बजे निकलने वाली शोभायात्रा में खाक चौक के सभी महात्मा शामिल होंगे। बीते दिनों महामंडलेश्वर सीताराम दास और महामंडलेश्वर संतोष दास ने अलग अलग शोभायात्रा निकालने की घोषणा की थी। रविवार को प्रभारी मेलाधिकारी ने दोनों पक्ष के महात्माओं के साथ बैठक करके कोरोना की भयावह स्थिति का हवाला देते हुए अलग अलग शोभायात्रा न निकालने का आग्रह किया। गुटों के महात्मा सहमत हो गए। खाक चौक व्यवस्था समिति के महामंत्री महामंडलेश्वर संतोषदास सतुआ बाबा ने कहा कि महात्माओं के बीच में अब कोई कटुता नहीं है। संत मिलकर शोभायात्रा निकालेंगे।

प्रयागराज। माघमेला क्षेत्र के तपस्वी नगर में रविवार को श्री रामार्चा पूजा विधि विधान से हुई। श्रीराम संतोष दास महराज के नेतृत्व में भगवान श्रीराम और माता सीता की मूर्ति पर गुलाब की पंखुड़ियां अर्पित करके स्तुति हुई। मंत्रोच्चार घंटा घड़ियाल वादन के बीच महात्माओं ने मूर्ति की परिक्रमा करके कोरोना संक्रमण के खात्मा की कामना किया। संतोष दास ने कहा कि रामार्चा पूजन समस्त कामनाओ की पूर्ण करती है। स्वामी गोपाल जी महाराज ने कहा कि श्रीरामार्चा पूजा कलियुग में प्रभावी साधना होती है। विशाल भण्डारे में बड़ी सख्या में संत और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। स्वामी रामदास टाटा, बरी बाबा, महंत सीताराम दास, स्वामी रामतीर्थ दास, स्वामी रामकृष्ण दास, महराज महामंडलेश्वर स्वामी संतोष दास, सतुआ बाबा स्वामी, हिटलर बाबा सहित बड़ी संख्या में संत और शिष्य शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया।

नौनिहालों को बताएं नेता जी की जीवन गाथा

अयोध्या। नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के त्याग व बलिदान को देश कभी भुला नही सकता' आज नगर निगम अयोध्या में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस राष्ट्रीय विचार केन्द्र द्वारा आयोजित नेता जी के जन्मोत्सव कार्यक्रम को समोधित करते हुए अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह ने आगे कहा कि देश के नौनिहालो को नेता जी के जीवन गाथा से हमें परिचित कराना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विचार केन्द्र के संयोजक/अध्यक्ष शाक्ति सिंह ने कहा कि इस नगर निगम परिसर में नेता जी की जिस प्रतिमा पर हम सभी अपने श्रद्धा के फूल अर्पित करने आये है व प्रतिमा 1970 में नगर पालिका के तत्कालीन एजूकेशन चेयरमैंन सुरेन्द्र बहादुर सिंह के अथक प्रयासो से स्थापित की गयी थी, आज हम सभी का सौभाग्य है कि नेता जी की उस प्रतिमा पर उनके जन्मदिन पर माल्यापर्ण कर रहे है।

विधायक अयोध्या वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि देश की आजादी के लिए नेता जी ने जिस तरह अपना सर्वस्य न्यौछावर कर रखा था, वह

अतुलनीय है। नेता जी को माल्यापर्ण करते हुए अपने विचार व्यक्त करते वालो में हनुमान गढी के सन्त पुजारी रामदास जी महाराज, धर्मेन्द्र प्रताप टिल्लू, पूर्व पालिका अध्यक्ष विजय गुप्ता, सपा नेता मनोज जायसवाल, सुरेन्द्र बहादुर सिंह सेवा संस्थान के सचिव, डॉ. शैलेन्द्र विक्रम सिंह, बब्लू खान, छावनी परिषद के रूपेश ओझा, सुशील जायसवाल, चन्द्र प्रकाश गुप्ता, कांग्रेस के उग्रसेन मिश्रा, वामपंथी नेता सूर्यकान्त पाण्डेय आदि प्रमुख रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वासुदेव मौर्य, गोकरण दिवेदी, अमल गुप्ता, देवेन्द्र मिश्र दीपू, पप्पू दलाल, सुनील श्रीवास्तव, लता कश्यप भारती सिंह, ज्ञान केसरवानी, नीरज श्रीवास्तव, सुप्रीत कपूर, गिरीश पाण्डेय डिप्पुल, सुनील शास्त्री अनिल सिंह पार्षद, बुद्धिपाल प्रजापति पार्षद, मुरारी सिंह यादव पार्षद प्रतिनिधी, धर्मेन्द्र गुप्ता, रवि सोनकर,बब्लू मिश्रा, तरूण गुप्ता, धीरेश्वर वर्मा, पियूष रंजन एडवोकेट, रजनीश त्रिपाठी, दीपक गुप्ता एवम चन्चल दास सहित नगर के सैकडों गणमान्य व्यक्तियों ने नेता जी के इस जन्मोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. हरि प्रकाश बने सपा शिक्षक सभा के राष्ट्रीय सचिव

प्रयागराज़। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुमति से महासचिव कुलदीप यादव ने डॉ. हरि प्रकाश यादव को सपा शिक्षक सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सचिव मनोनीत किया है। झाँसी क्षेत्र से पूर्व में अटेवा से उमीदवार रहे हैं। मथुरा कालेज नहरपुर आजमगढ़ में प्रधानाचार्य के पद पर तैनात हैं। डॉ. हरि प्रकाश ने राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष का आभार जताया है। साथ ही पेंशन के मुद्दे को घोषणा पत्र में शामिल करने के सभी शिक्षकों कर्मचारियों की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित करता किया पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं मऊ मानिकपुर से विधानसभा के प्रत्याशी रहे डॉ. निर्भय सिंह पटेल समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश सचिव संत लाल वर्मा इलाहाबाद विवि के अधिवक्ता सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष रिपुसूदन यादव अटेवा के मंडल अध्यक्ष सुधीर गुप्ता सुरेंद्र प्रताप सिंह एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डा ज्ञान प्रकाश सिंह आदि ने बधाई दी है।

संतों ने माघमेला की व्यवस्था पर उठाए सवाल, सीएम को लिखा पत्र

● नहीं मिलीं मूलभूत सुविधाएं- बढ़ा आक्रोश घेराव की चेतावनी मठ मछली बंदर के महंत स्वामी विमलेदव आश्रम जी महाराज ने की बैठक

प्रयागराज। माघमेला क्षेत्र स्थित दंडी स्वामी नगर में रविवार को बैठक हुई। अखिल भारतीय दंडी संन्यासी प्रबंधन समिति की ओर से माघमेला के सेक्टर चार स्थित गंगोली शिवाला मार्ग दक्षिणी पटरी पर लगे मठ मछली बंदर के शिविर में बैठक आयोजित हुई। अध्यक्षता कर रहे समिति के अध्यक्ष स्वामी विमलदेव आश्रम जी महाराज और चौसठी मठ के प्रकाश आश्रम जी महाराज ने कहा कि माघमेला अव्यवस्था के भेंट चढ़ गया है। दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। बैठक में स्वामी विमलदेव आश्रम जी महाराज ने वर्ष 2022 के

बैठक करते संत।

माघमेला को की व्यवस्था को लेकर कड़े सवाल उठाए हैं। इस बार मेला में अव्यवस्था व्याप्त है।

संत और कल्पवासी बहुत ही आहत हैं। दो स्नान बीत जाने के बाद भी गंगा तट पर स्नान घाट तक नहीं बनाए जा सके हैं। यदा कदा जो बने भी हैं। वहां पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की कोई व्यवस्था नहीं की गई। मेले में विद्युत विभाग लोक निर्माण विभाग एवं स्वास्थ विभाग के अधिकारी जिन शिविरों में सुविधा शुल्क लेते हैं। शिविरों तक मेले की सुविधाएं सीमित होकर रह गई हैं। कई ऐसे संत हैं जो सुविधा शुल्क देने में अक्षम है। मूलभूत सुविधाएं तक नहीं पहुंच सकी हैं। स्वामी विमल देव आश्रम जी महाराज का आरोप है कि मेले में एक टेंट कंपनी द्वारा घोर अनियमितता की जा रही है। अब तक संस्थाओं को प्राप्त सुविधा भी नहीं लगाई जा सकी है।

संतों के शिविर आज भी अपूर्ण हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ को भेजे गए सामूहिक पत्र में स्वामी विमलदेव आश्रम जी महाराज ने कहा की शासन द्वारा मेले को दिया गया बजट मेले से जुड़े अधिकारी और विभाग कागजों पर ही दर्शाकर बंदरबांट करना चाह रहे हैं। संतों को मिलने वाली सुविधा भी कागजों पर ही सीमित होकर रह गई है। बैठक में संतों ने तय किया है कि यदि तीन दिन के भीतर संतों को मिलने वाली सुविधाएं नहीं दी गईं तो संत मेला कार्यालय का घेराव करेंगे। मेला प्रशासन के क्रियाकलापों की वजह से अनशन और प्रदर्शन करने के लिए भी मजबूर होंगे। दंडी स्वामी नगर में जिन संस्थाओं जिनकी सं या 19 है भूमि दी जाती है परंतु आज तक मेला कार्यालय के रजिस्टर में दर्ज नहीं हो सकीं। साथ ही वर्क आर्डर पर दी जाने वाली सुविधा भी सुविधा पर्ची पर दर्ज नहीं है। इसे तत्काल रजिस्टर में दर्ज कराया जाए। उन्हें कहा कि मेले में 4 आईएएस अधिकारी 14 पीसीएस अधिकारी तैनात होने के बाद भी मेला की हालत बद से बदतर है।

शिक्षा का माध्यम

बहुभाषायी दृष्टिकोण

अंग्रेजी या मातृभाषा में पढ़ने के सवाल पर बहुभाषाई दृष्टिकोण सही है। तेलंगाना सरकार ने अगले अकादमिक वर्ष से सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने का फैसला किया है, जबकि राज्य की भाषा तेलगू अन्य शिक्षा माध्यम के रूप में बनी रहेगी। इस परिवर्तन के लिए पहले से तैयार तर्क यह है कि तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में ज्यादा से ज्यादा बच्चों के मां बाप को लगता है कि कालेज के स्तर पर पहुंचने के समय वे अंग्रेजी माध्यम छात्रों के बराबर नहीं पहुंच पाते हैं। दूसरा, निजी स्कूल अब तक शहरी केन्द्रों में अंग्रेजी माध्यम वाली शिक्षा के साथ सीमित थे, पर अब वे ग्रामीण तेलंगाना में भी फल-फूल रहे हैं और अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दे रहे हैं। इसके कारण तेलगू माध्यम स्कूलों में लगभग भगदड़ वाला माहौल है जिनमें से अनेक बंद हो गए हैं या उनका बड़े स्कूलों के साथ विलय किया गया है या छात्रों की कमी के कारण दूसरे स्थानों पर ले जाया गया है। हालांकि, सरकार पहले से ही राज्य भर में कुछ आवासीय स्कूल अंग्रेजी माध्यम से चला रही थी, लेकिन उस समय यह मुद्दा सामने नहीं आया था। सरकार के सामने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाने वाले शिक्षकों की कमी है। वे बहुत कम हैं। अधिकांश शिक्षक तेलगू में सिद्धहस्त हैं। सरकार को इन शिक्षकों को पुनः प्रशिक्षित करना होगा जो एक कठिन काम है क्योंकि अंग्रेजी में बीएड पाठ्यक्रमों के लिए नया दृष्टिकोण अपनाना होगा। लेकिन मोटेतौर से तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम के प्रवेश पर ज्यादा लोग नाराज नहीं हैं क्योंकि 'अमेरिका जाना' लोकप्रिय धारणा है और तेलगू माध्यम के छात्र निजी अंग्रेजी माध्यम वाले पाठ्यक्रमों के प्रवेश हेतु बड़ी धनराशि खर्च कर रहे हैं।

लेकिन यह मुद्दा एक परेशान करने वाले तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करता है। स्वतंत्रता के 75 साल बाद भी हम इसी समस्या में फंसे हैं कि हमारे स्कूलों में शिक्षा का माध्यम क्या होना चाहिए। हम अभी बहस कर रहे हैं कि बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाया जाय या मातृभाषा के माध्यम से। हमें अभी यह विश्वास भी नहीं है कि मातृभाषा में अनेक बोलियां भी हैं। उदाहरणार्थ बहुत से लोग भोजपुरी बोलते हैं, पर इसे हिंदी की एक बोली माना जाता है। पिछले साल ही बिहार के एक मंत्री ने 'क्षेत्र की मातृभाषा' को शिक्षा का माध्यम बनाने का विचार सामने रखा था। इससे स्पष्ट होता है कि भारत में इस विषय पर कभी व्यापक बहस नहीं हुई। संज्ञानात्मक शिक्षा पर जोर देने वाले भाषाविज्ञानियों के अनुसार छात्र मातृभाषा या जिस भाषा के परिवेश में वे बड़े होते हैं वहां से नए कौशल सीखते हैं। सामाजिक सशक्तीकरण तथा महत्वाकांक्षी अधिकार-आधारित तर्क अंग्रेजी के पक्ष में हैं क्योंकि यह भाषा दुनिया भर में कारगर है। इस प्रकार शिक्षा का माध्यम दुनिया के सबसे बड़े बहुभाषीय देश भारत में एक वैचारिक व विशिष्टतावाद के बोझ के साथ सामने आता है। माता-पिता द्वारा अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दिलाने की इच्छा के उलट केन्द्र की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-एनईपी में मोटेतौर से मातृभाषा को प्राथमिकता दी गई है। समस्या का समाधान द्विभाषी या बेहतर तरीके से बहुभाषी दृष्टिकोण में है। ऐसे देश में जहां अधिकांश बच्चे दो या तीन भाषाओं के परिवेश में रहते हैं, बहुभाषीय शिक्षण विधियां भाषाई व सांस्कृतिक विविधताओं को देखते हुए समान आधार प्रदान करती हैं। इससे माता-पिता तथा एनईपी, दोनों की इच्छा पूरी होगी।

ग्वांतानामो में मानवाधिकार हनन

अब समय आ गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ग्वांतानामो बे जेल को बंद कर दें, जो निरंतर मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए बदनाम है।

माखन सैकिया
(लेखक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)

कुख्यात ग्वांतानामो बे सैन्य जेल ने 11 जनवरी, 2022 को अपने संचालन के दो दशक पूरे किए। कई लोग कहते हैं कि यह गुप्त जेल वास्तव में अमेरिकी न्याय प्रणाली की नैतिक विफलता है। इसके अलावा, ग्वांतानामो में पिछले बीस वर्षों में एक भयावह कानूनी चूक रही है जो विश्वसनीय समाधानों की तुलना में घर में अधिक समस्याएं और अपमान ला रही है। यह तेजी से यातना का प्रतीक बनता जा रहा है। क्यूबा की सैन्य जेल में अब केवल 39 कैदी रह गए हैं। अपने चरम समय के दौरान, इसमें लगभग 800 कैदी थे। दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि यह सीआईए द्वारा स्वीकृत टॉर्चर सेल को चुपके से अंजाम दिए जाने का लक्षण है। आज एक और महत्वपूर्ण सवाल बिडेन प्रशासन पर मंडरा रहा है : क्या यह 1,500 कमांडो की सबसे परिष्कृत रिंग में से एक के साथ 39 कैदियों की रखवाली करने लायक है? यह महसूस किया गया है कि कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के समय में करदाताओं के डॉलर को विवेकपूर्ण तरीके से खर्च किया जाना चाहिए।

ग्वांतानामो डिटेंशन कैंप, जिसे ग्वांतानामो बे, ग्वांतानामो या गिट्मो भी कहा जाता है, क्यूबा के दक्षिणपूर्वी हिस्से में है। भयानक जेल अमेरिका के ग्वांतानामो बे नेवल बेस में स्थित है। इसे देश पर 11 सितंबर को हुए आतंकी हमले के बाद साल 2002 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने बनाया था। और जेल को विशेष रूप से उन कैदियों की मेजबानी के लिए डिज़ाइन किया गया था जो आतंक पर वैश्विक युद्ध के एक भाग के रूप में पकड़े गए थे। हालांकि जेल का इस्तेमाल पहली बार 2002 में किया गया था, अमेरिकी सरकार 1903 से वहां एक सैन्य नौसैनिक अड्डे का रखरखाव कर रही है। दिलचस्प बात यह है कि मूल जेल का नाम कैंप एक्स-रे था। दरअसल, 11 सितंबर को हुए आतंकी हमले के बाद महज 96 घंटे में जेल सुविधा को तत्काल इस्तेमाल के लिए तैयार कर लिया गया था. बुश प्रशासन द्वारा अफगानिस्तान में मुल्ला उमर के नेतृत्व वाली तालिबान सरकार को गद्दी से हटाने के कुछ ही समय बाद, यह सुविधा सबसे सुरक्षित जेल के रूप में अस्तित्व में आई। बंदियों के पहले जत्थे को अगले साल 11 जनवरी को जेल लाया गया और उन्हें शत्रु लड़ाकों के रूप में वर्गीकृत किया गया। ग्वांतानामो बे के अधिकांश कैदी उन देशों से थे जो या तो जीडब्ल्यूओटी का हिस्सा थे या जिन्होंने आतंकवादियों को शरण देने में मदद की थी। संक्षेप में, उनमें से अधिकांश पश्चिम एशिया के देशों के थे। ग्वांतानामो गाथा का सबसे बुरा हिस्सा यह था कि इन कैदियों को विदेशी धरती पर पकड़ लिया गया था, लेकिन उन पर किसी विशेष अपराध का आरोप नहीं लगाया गया था। इसके अलावा, उन्हें अनिश्चित काल के लिए इस एकांत जेल में बंद कर दिया गया और किसी भी कानूनी वकील तक पहुंच से वंचित कर दिया गया। यहां ध्यान देने योग्य एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि लड्ढह्लञ्ज एक आधिकारिक युद्ध नहीं है क्योंकि अमेरिकी कांग्रेस द्वारा युद्ध की कोई घोषणा नहीं की गई थी। 13 नवंबर, 2001 को, आतंकवादी हमले के बमुश्किल दो महीने बाद, राष्ट्रपति बुश ने एक सैन्य आदेश की घोषणा की, आधिकारिक तौर पर इन कार्रवाइयों की अनुमति दी : इसने सैन्य आयोग द्वारा अल-कायदा के किसी भी वर्तमान या पूर्व सदस्य और किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने और परीक्षण को अधिकृत किया। अपने काम में सहायता या प्रोत्साहन देता है या अपने सदस्यों को आश्रय देता है। इस प्रकार, जीडब्लूओटी की कोई निर्धारित समाप्ति तिथि नहीं है, और इसने शक्तिशाली सशस्त्र बलों को ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए अनिश्चितकालीन जनादेश दिया है, जब तक कि असली अपराधी पकड़े नहीं जाते। और जब 2011 में ओबामा प्रशासन के दौरान 9/11 के पीछे दिमाग वाले ओसामा बिन लादेन को अमेरिकी सेना ने मार गिराया, तो एक तरह से ऑपरेशन का सबसे बड़ा मील का पत्थर पहले ही हासिल कर लिया गया था। अब, अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी पिछले साल उसी तालिबान को शासन सौंपकर पूरी हुई, जिसके खिलाफ अमेरिका और अन्य उदार देशों ने लगभग दो दशकों तक लड़ाई लड़ी। अब, ग्वांतानामो बे को बनाए रखने का कोई मतलब नहीं है। दरअसल, पूरे रास्ते आतंक घर आ गया है। यह अब सर्वव्यापी है। अब, सबसे प्रासंगिक प्रश्न हैं- ग्वांतानामो को क्यों चुना गया और यह अभी भी खुला क्यों है? सबसे पहले, अमेरिकी रणनीतिक विशेषज्ञ और सुरक्षा एजेंट वैश्विक आतंकी संदिग्धों को जनता के दायरे से बाहर रखना चाहते थे और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लगातार मीडिया की चकाचौंध। साथ ही, जब उन्हें अमेरिका की मुख्य भूमि से बहुत दूर रखा जाता है, तो ये बंदी देश की न्याय प्रणाली के तहत अधिकारों के संरक्षण की मांग और आनंद दोनों नहीं ले पाएंगे। यहां ध्यान देने वाली एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि 117 वर्ग किलोमीटर के आधार में कैदियों को लंबे समय तक रखने के लिए पर्याप्त जगह और सुविधाएं थीं। कई मानवाधिकार अधिवक्ताओं का कहना है कि यह खाड़ी तकनीकी रूप से अमेरिकी क्षेत्र का हिस्सा नहीं है, बल्कि कानून के बाहर द्वीप है। दूसरा, यह अभी भी खुला है क्योंकि जेल को बंद करने के लिए कांग्रेस की कठिन बाधाएं हैं। वैश्विक विशेषज्ञ ग्वांतानामो बे में लगातार मानवाधिकारों के उल्लंघन की निंदा करते हैं। डिटेंशन सेंटर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वहां किए गए मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जाना जाता है। सबसे दुखद बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय 2002 से लगातार अमेरिकी सरकार पर दबाव बनाकर या अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों को लागू करके जेल को बंद करने के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में विफल रहा है। अधिकारों के पैरोकारों का कहना है कि जेल में अमेरिकी कार्रवाइयाँ तीसरे जिनेवा कन्वेंशन, नागरिक और राजनीतिक अधिकारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय वाचा , कन्वेंशन अगेंस्ट टॉर्चर और प्रथागत अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन करती हैं। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि ग्वांतानामो बे में उल्लंघन में अवैध और अनिश्चितकालीन हिरासत, अमानवीय स्थिति, यातना, अनुचित परीक्षण (सैन्य आयोग) आदि शामिल हैं। आज यह जेल अमेरिकी अन्याय और यातना का प्रतीक बन गई है। संक्षेप में, ग्वांतानामो को बंदियों को यातना देने के लिए ही तैयार किया गया था, जिनमें ज्यादातर अल-कायदा और तालिबान से संबंधित थे। आज, यह द्वीप जेल इस बात की गवाही देता है कि कई लोग 21वीं सदी का पहला युद्ध कहते हैं। यह युद्ध एक अलग तरह के दुश्मन के खिलाफ एक अलग तरह का युद्ध था। जीडब्लूओटी इस तथ्य पर प्रकाश डालता है कि दुश्मन एक राष्ट्र नहीं है, बल्कि दुश्मन एक विशाल वैश्विक आतंकी नेटवर्क है जो सभी शांतिपूर्ण लोगों के जीवन के लिए खतरा है। सच कहूं तो अब यह स्पष्ट हो गया है कि जेल परिसर के अंदर बंदियों के अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हुआ है और होता भी है। चूंकि जेल को पूरी तरह से वैश्विक मीडिया की चकाचौंध से बाहर रखा गया है, इसलिए अंदर हुई कुछ दुखद घटनाओं को बाहरी दुनिया के ध्यान में लाया गया। ग्वांतानामो बे जेल का रखरखाव अमेरिकी लोकतंत्र और उदारवादी लोकाचार का अपमान है जिसका प्रचार वाशिंगटन दशकों से करता आ रहा है। राष्ट्रपति बाइडेन आखिरकार पिछले बीस वर्षों से ग्वांतानामो में मौजूद अतिरिक्त न्यायिक और घृणित व्यवस्था को समाप्त कर सकते हैं। क्या इस बात की कोई उम्मीद है कि बाइडेन जेल को बंद कर पाएंगे? वर्तमान में, डेमोक्रेट्स के पास कांग्रेस में बहुत कम बहुमत है। और गिट्मो को समाप्त करने का यह एकमात्र सुनहरा मौका है, जो ओबामा अपने लंबे वादों के बावजूद बुरी तरह विफल रहे। यदि बिडेन इस मुद्दे पर कुछ करना चाहते हैं, तो पहले उन्हें जेल को बंद करने पर लंबे समय से लगे प्रतिबंधों को निरस्त करना होगा क्योंकि अमेरिकी कांग्रेस हर साल दो कानून लाती है, अर्थात् एक वार्षिक रक्षा प्राधिकरण बिल और एक सरकारी खर्च बिल। ये कानूनी अड़चनें हैं जिन्हें इस समय बाइडेन को दूर करने की जरूरत है। रिकॉर्ड पर, बिडेन ने ग्वांतानामो को बंद करने का भी वादा किया है। लेकिन विडंबना यह है कि ओबामा को रोकने वाली कांग्रेस की बाधाएं अब भी विद्यमान हैं।

अधिकारों से वंचित अफ़गान महिलाएं

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

दिनांक 20 जनवरी, 2022 को अखबारों में प्रकाशित दो खबरें ध्यान आकर्षित करती हैं। पहला, एक प्रमुख दैनिक के दिल्ली संस्करण में एएफ्पी के हवाले से बताया गया है कि कार्यकारी अफ्गान प्रधानमंत्री मुहम्मद हसन अखुंद ने 19 जनवरी को मुस्लिम देशों से अपील की थी कि 'वे हमें आधिकारिक रूप से मान्यता देने में नेतृत्व करें।' वे अफ्गानिस्तान की व्यापक आर्थिक समस्याओं से निपटने के लिए आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। दूसरी खबर का संबंध द पायनियर के दिल्ली संस्करण में पीटीआई की खबर से है। इसके अनुसार चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शियाओ लिजान ने 18 जनवरी को मीडिया को संबोधित करते हुए आशा प्रकट की थी कि अफ्गान पक्ष अंतरराष्ट्रीय समुदाय की उम्मीदें पूरी करने हुए आगे बढ़ेगा। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि वह 'एक खुला व समावेशी राजनीतिक ढांचा स्थापित करेगा, मध्यमार्गी व व्यावहारिक घरेलू एवं विदेश नीतियां लागू करेगा, सभी प्रकार के आंतकी बलों के खिलाफकठोर कार्रवाई करेगा तथा अन्य देशों, खासकर अपने पड़ोसियों के साथ मित्रतापूर्ण संबंध स्थापित करेगा और जल्द ही अंतरराष्ट्रीय परिवार के साथ जुड़ जाएगा।' यह बयान तालिबान द्वारा वैश्विक राजनयिक पहचान प्राप्त करने में चीन की सहायता मांगने के बाद आया था। स्पष्ट रूप से इसमें संकेत किया गया है कि सरकार को 'समावेशी' बनाने के बारे में दुनिया क्या सोचती है। इनमें महिलाओं के प्रति नीतियां भी शामिल हैं जो लगातार उत्पीड़न और दमन का शिकार बन रही हैं जिससे तालिबान के 1996 से 2001 में सत्ता की याद आ जाती है। ऐसा तालिबान के इस आश्वासन के बावजूद हो रहा है कि महिलाओं को शरीया कानून के अंतर्गत उपलब्ध शिक्षा और काम के अधिकार प्राप्त होंगे।

वास्तव में संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा उसकी संस्थाओं ने अनेक अवसरों पर तालिबान से अपने द्वारा किए वादे पूरे करने को कहा है तथा उसकी कार्रवाइयों की आलोचना की है। संरा. महासचिव अंटोनियो गुटरेस ने पिछले साल 7 अक्टूबर को रिपोर्टरों को बताया था, 'मुझे खासकर इसलिए चिन्ता है कि तालिबान द्वारा अफ्गान महिलाओं और लड़कियों से किए वादे तोड़े जा रहे हैं।' उन्होंने यह भी कहा था कि 'मैं तालिबान से अपील करता हूं कि वे महिलाओं और लड़कियों से किए अपने वादे पूरे करते हुए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों और मानवतावादी कानूनों के अंतर्गत दायित्व निभाएं।' संरा. व्यवस्था में मानवाधिकारों को प्रोत्साहित करने व

उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अंतर-सरकारी संस्था मानवाधिकार परिषद में बोलते हुए मानवाधिकारों के संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त माइकेल बेचलेट ने 13 सितंबर, 2021 को कहा था, 'मेरे कार्यालय को अनेक विश्वसीनय आरोप प्राप्त हुए हैं कि पूर्व अफ्गान नेशनल सिक्यूरिटी फोर्सेज़-एएनएसएफकर्मियों ने दंड स्वरूप हत्यायें की हैं। इसके साथ ही पूर्व प्रशासनों में काम कर चुके अधिकारियों से खबरें मिली हैं कि उनके परिवारी सदस्यों को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया है। कुछ मामलों में अधिकारियों को रिहा किया गया, जबकि दूसरों में उनको मरा पाया गया।' बैचलेट ने यह भी कहा कि कुछ एडवोकेसी समूहों के कार्यालयों पर तालिबानी हमले की 'अत्यधिक चिन्ताजनक सूचनायें' प्राप्त हुई हैं। इन मामलों में संरा. संस्थाओं ने कार्रवाई भी की। 17 सितंबर को सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव स्वीकार कर कहा कि तालिबान को एक समावेशी सरकार बनानी चाहिए तथा उसे 'महिलाओं की पूर्ण, समतापूर्ण व सार्थक सहभागिता' सुनिश्चित करते हुए मानवाधिकारों का पालन करना चाहिए। मानवाधिकार परिषद ने 7 अक्टूबर को एक प्रस्ताव स्वीकार कर मार्च, 2022 से संरा. विशेषज्ञों द्वारा समर्थित एक विशेष रेर्पोट्योर नियुक्त करने की घोषणा की जो अफ्गानिस्तान में जमीनी स्तर पर मानवाधिकार की स्थिति की निगरानी करेगा।

इस बात के कुछ संकेत हैं कि तालिबान समुचित प्रतिक्रिया कर रहे हैं। उच्च शिक्षा मंत्री अब्दुल बाकी हक्कानी ने 12 जनवरी को काबुल में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि सरकार जल्द ही पुरुष व महिला छात्रों के लिए सार्वजनिक विश्वविद्यालय जल्द खोलेगी। उन्होंने यह घोषणा भी की कि इन छात्रों को अलग-अलग रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अफ्गानिस्तान के आर्थिक संकट तथा पुरुष व महिला छात्रों के लिए अलग-अलग कक्षायें न होने के कारण इसमें विलंब हुआ है। इसके पहले 3 दिसंबर को कार्यकारी प्रधानमंत्री के नाम से जारी आदेश में तालिबान ने कहा था कि 'महिलायें संपत्ति नहीं हैं, बल्कि वे आदर्श व स्वतंत्र मनुष्य हैं तथा कोई उनको शांति के बदले या दुश्मनी समाप्त करने के लिए किसी और को नहीं सौंप सकता है।'

इस आदेश में कहा गया था कि महिलायें और पुरुष 'समान होने चाहिए' तथा 'किसी को दबाव में महिलाओं को विवाह के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए।' इस आदेश में अपने पति की मृत्यु के 17 सप्ताह बाद विधवा को पुनर्विवाह की अनुमति दी गई है, जबकि लंबे समय से अफ्गान कबीलाई परंपराओं के अनुसार उसे पति की मृत्यु के बाद उसके भाइयों या रिश्तेदारों में से एक से विवाह करना पड़ता है। तालिबान नेतृत्व ने बार-बार अफ्गान अदालतों से कहा है कि वे महिलाओं के प्रति न्यायोचित व्यवहार करें तथा खासकर विधवाओं द्वारा विरासत पाने के मामलों में सक्रियता दिखायें। इस घोषणा के अनुसार तालिबानों ने अपने मंत्रियों को जनसंख्या में महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भी कहा है। लेकिन यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि पहली घोषणा में कोई निश्चित तिथि नहीं बताई गई है कि सार्वजनिक विश्वविद्यालय कब खुल जांएगे। इसमें महिलाओं के काम के अधिकार का भी उल्लेख नहीं है। कुरान पाक के तीसरे सूरा-आयत 193 व 194 में किसी पुरुष या महिला के श्रम को बरबाद न करने को कहा गया है। चौथे सूरा-आयत 36 व 37 में कहा गया है 'पुरुष व महिला को उसकी मेहनत का एक हिस्सा दो।' लेकिन दूसरी घोषणा में महिलाओं की शिक्षा और काम के अधिकारों के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए ये मुद्दे महत्वपूर्ण हैं।

विवाह संबंधी अधिकारों के बारे में सारे आदेश पैगंबर मुहम्मद के समय से स्पष्ट हैं। लेकिन घोषणाओं में इनका कोई उल्लेख नहीं है और इनका अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर कोई असर पड़ने वाला नहीं है। इसे देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जल्द ही तालिबान सरकार को मान्यता देगा या उसकी उदारतापूर्ण सहायता के लिए खजाना खोलेगा।

आप की बात

स्वार्थी हैं अमीर देश

विश्व के अमीर देश बड़ा मतलबी एवं पक्षपाती हैं। निष्पक्षता इनमे लेस मात्र भी नहीं है। अब देखिये न, पिछले सोमबार को, यूऐई के राजधानी अबू धाबी पर हवाई हमलों की, बढ़चढ़कर निंदा की जा रही है, जिसमें तीन लोग मारे गए थे। हमला यमन स्थित हुथी विरोधियों ने की थी। उसके बाद सऊदी अरब ने यमन में बदला लेते हुए हवाई हमला किये, जिनसे 70 लोग मारे गए। 150 घायल हैं। मगर पूरी दुनिया को यह ज्यादिति नहीं दिख रहा है। इसमें किसी प्रकार का, मानवाधिकार का हनन भी नहीं दिख रहा है। मानेगा भी कैसे सन 2015 से अबतक सऊदी एवं उसके मित्र देशो ने मिलकर, यमन पर 20,100 से अधिक हवाई हमले किए हैं, एक दिन में औसतन 12 हमले। अगर एक हमले में औसतन पांच लोगों की मृत्यु भी हुई होगी तो कुल 1 लाख 500 सौ के करीब लोग मारे गए होंगे। क्या यह यूऐई एवं सऊदी अरब का यमनी लोगों का कत्लेआम नहीं है? क्या यह नरसंहार नहीं है? अगर इन नरसंहारों के बदला लेने की कोशिश होती है तो दुनिया आग बबूला क्यों हो जाती है? आखिर इस ऐसे अन्यायपूर्ण विश्वव्यवस्था कब तक चलता रहेगा?

– **जंग बहादुर सिंह**, जमशेदपुर

सुधार की जरूरत

वोट व सत्ता की चाह में सियासत करने वाले दलबल चाहे मुफ्त की घोषणाएं करने वाले हो, सियासत के मैदानों में दागी बागी (अवसर वादियों) का मसला हो, यह शाश्वत जड़ की तरह रहने वाले हैं। भले ही प्रबुद्ध जन इन पर अपनी चिंता करें, मगर इन मुद्दों पर अंकुश लगना मुश्किल है। भले ही धर्मराज युधिष्ठिर ने यक्ष के नामुमकिन सवालों का जवाब दिया हो। लेकिन इन मुद्दों पर जनता को कोई बेहतर समाधान देने वाला नहीं है। आज की सियासत में धर्मराज युधिष्ठिर जैसा कोई (दलबल) नहीं है, जो प्रदूषित होती राजनीति को साफ स्वच्छ करें। जिस तरह से जम्मू कश्मीर में धारा 370 को हटाकर दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई गई थी, उसी प्रकार केंद्र की मोदी सरकार से अपेक्षा है कि वे अपने बाकी बचे समय में इन पर सख्त से सख्त कानून बनाकर रोक लगाए। जब तक संसद में कानून नहीं बनता, तब तक न्यायपालिका व चुनाव आयोग केवल आशा, अपेक्षा व चिंता कर सकता है । लेकिन उनके लिए भी कानून के बगैर एक कदम भी बढ़ना असंभव है । मोदी है तो मुमकिन है, इस ब्रह्म वाक्य को सार्थक करने का समय मोदी सरकार के पास है। इन मुद्दों पर भी कानून बना कर कसौटी पर खरा हर हाल में उतरना ही चाहिए।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, अक्षय खाचरोद, उज्जैन

आग पर नियंत्रण

महोदय, साउथ मुंबई की कमला बिल्डिंग में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख?या 7 हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, ताड़देव में स्थित 20 मंजिला इमारत के 18वें माले पर लेवल 3 की आग लगी थी। इमारत में रहने वालों ने कहा कि आग लगते ही पूरी बिल्डिंग धुएं से भर गई। बिल्डिंग में अग्निशमन की व्यवस्था है लेकिन वो किसी कारण से चालू नहीं हुई जिससे ये हादसा हुआ। बड़े शहरों में कई मंजिला ऊंची इमारतों के निर्माण की इजाजत टी-शर्ट के साथ दी जाती है कि अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था होगी मगर यहां तो आग लगने पर मालूम होते व्यवस्था सिर्फ दिखावे की थी इन लोगों की जान का जिम्मेदार कौन मुंबई महानगरपालिका ने अग्निशमन व्यवस्था की जांच के लिए पूरा एक हमला बना रखा है इसके बावजूद दीदी किसी बड़ी दुर्घटना होती है तो जाहीर हे इसके लिए नियुक्त अधिकारी कर्मचारी इमानदारी से अपना काम नहीं कर रहे हैं! अतः इन्हें दंडित किया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए सतत जांच की व्यवस्था की जाए!

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

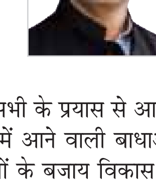

मुंबई की एक ऊंची इमारत में आग लगने की दुखद खबर विचलित करने वाली है। जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

आप सभी के प्रयास से आज आकांक्षी जिले देश की प्रगति में आने वाली बाधाओं को दूर कर रहे हैं। वे बाधाओं के बजाय विकास के त्वरक बन रहे हैं

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

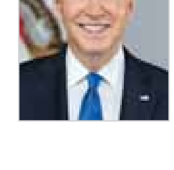

इस महामारी के लगभग दो वर्षों के शारीरिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव के बाद, हम में से कई लोगों के लिए, यह सहन करने के लिए बहुत अधिक है।

– **जो बाइडेन**
अमेरिकी राष्ट्रपति

पहले चरण में खाता खोलना भी कांग्रेस के लिए चुनौती

विवेक श्रीवास्तव। लखनऊ

प्रदेश में तीन दशक से अधिक समय से सत्ता से दूर चल रही देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के लिए विधानसभा चुनाव में चुनौती तो पहले चरण से ही प्रारंभ हो जाएगी। विधानसभा चुनाव की शुरूआत पश्चिम उत्तर प्रदेश के 11 जिलों की जिन 58 विधानसभा सीटों से हो रही है उनमें पिछले चुनाव में तो कांग्रेस का खाता तक नहीं खुल पाया था। इस बार भी जो राजनैतिक परिदृश्य है उसमें कांग्रेस के लिए पश्चिम उत्तर प्रदेश की राह आसान नहीं दिख रही है है।

पहले चरण में प्रदेश के 11 जिलों शामली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा और अलीगढ़ की कुल 58 सीटें शामिल हैं। पिछले चुनाव में इनमें से छह जिलों में बीजेपी ने क्लीन स्वीप किया था और कांग्रेस खाता भी नहीं खोल सकी थी। पहले चरण की 58 सीटों में से बीजेपी ने 53 सीटें जीती जबकि सपा और बसपा के खाते में दो-दो सीटें आईं थी। एक सीट आरएलडी प्रत्याशी जीता था जो बाद में बीजेपी में शामिल हो गया था। इस तरह से पहले चरण की 58 सीटों में से बीजेपी के पास 54 सीटें है।

पहले चरण के शामली जिले की तीन सीटें हैं जिनमें दो बीजेपी और एक सपा के पास है। मेरठ की 7 में से छह बीजेपी और एक सपा के पास है। बागपत जिले की तीन में से दो सीटें बीजेपी ने जीती और एक आरएलडी को मिली थी जो बाद में बीजेपी में शामिल हो गए थे। बुलंदशहर की सभी सातों सीटों पर बीजेपी का कब्जा है। नोएडा की तीनों सीटें बीजेपी के पास हैं। गाजियाबाद की सभी 5 सीटें बीजेपी ने जीती थी। अलीगढ़ की सभी सातों बीजेपी ने जीती थी। हापुड़ की 3 सीटों में से 2 बीजेपी और एक बसपा ने जीती थीए लेकिन बसपा विधायक सपा में शामिल हो गए हैं। मुजफ्फनगर की सभी छह सीटें बीजेपी के पास हैं। मथुरा की पांच में चार बीजेपी और एक बसपा ने जीती थीं। आगरा की सभी नौ सीटों पर बीजेपी का कब्जा है।

2017 के विधानसभा चुनाव में पहले चरण की पांच सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशियों ने अच्छी फाइट की और दूसरे स्थान पर रहे थे। इन सीटों पर भी भाजपा ने उन्हें शिकस्त दी थी। इनमें शामली सीट पर कांग्रेस के पंकज कुमार मलिक को भाजपा के तेजेंद्र निरवाल ने 29720 मतों के अंतर से परास्त किया था। पुरकाजी सुरक्षित सीट पर कांग्रेस के दीपक कुमार को भाजपा के प्रमोद उत्वल ने 11253 वोटों से पटखनी दी थी। साहिबाबाद सीट पर कांग्रेस के अमरपाल को भाजपा के सुनील कुमार शर्मा ने 150685 वोटों से चुनाव हराया था। हापुड़ सुरक्षित सीट पर कांग्रेस के गजराज सिंह को भाजपा के विजय पाल ने 15006 मतों से शिकस्त दी थी। मथुरा सीट पर कांग्रेस के प्रदीप माथुर को भाजपा के श्रीकांत शर्मा ने 1 लाख 1161 मतों के भारी अंतर से शिकस्त दी थी।

बात इस चुनाव की करें तो कांग्रेस के दिग्गज नेता हरेंद्र मलिक और उनके बेटे पंकज मलिक समाजवादी पार्टी में शामिल हो चुके हैं। हरेंद्र मलिक की किसान नेता के तौर पर पकड़ रही है और वह पूर्व सांसद भी हैं। साथ ही उनके बेटे पंकज मलिक पूर्व कांग्रेसी विधायक हैं। पंकज शामिल से विधायक रहे हैं। हरेंद्र मलिक प्रियंका गांधी के सलाहकार थेए जबकि पूर्व विधायक पंकज मलिक प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष थे। इन दोनों के पार्टी छोड़ देने से कांग्रेस काफी कमजोर हुई है। इस बार कांग्रेस ने शामली से मोहम्मद अयूब जंग को प्रत्याशी बनाया है। पुरकाजी से एक बार फिर दीपक कुमार को मौका दिया गया है। महिला कार्ड खेल रहीं प्रियंका गांधी ने इस बार साहिबाबाद सीट से संगीता त्यागी और हापुड़ सुरक्षित सीट से भावना बाल्मीकि को मैदान में उतारा है। मथुरा सीट पर पूर्व विधायक प्रदीप माथुर को टिकट दिया गया है।

इस बार कांग्रेस के लिए चुनौती बड़ी है क्योंकि 2007 का विधानसभा चुनाव उसने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ा था। इस बार अकेले दम पर ही ताल ठोंक रही है। पहले समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ किसी चुनावी समझौते से मना कर दियाए फिर बहुजन समाज पार्टी ने भी घोषणा कर दिया कि वह अकेले ही प्रदेश में चुनाव लड़ेगीए और राष्ट्रीय लोक दल ने भी कांग्रेस पार्टी से मुंह मोड़ लिया है। यानि अब इच्छा से नहीं बल्कि मजबूरीवश कांग्रेस पार्टी को प्रदेश के सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ना पड़ेगा।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए बीते कुछ चुनावों से लगातार चुनौतियां सामने आ ही रही हैं। विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी के कुछ बड़े नेताओं ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का दामन छोड़कर दूसरे दलों में अपनी जगह तलाश कर ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों के मुद्दों पर जोर तो दिया है लेकिन उसका उन्हें राजनीतिक नफा नुकसान कितना होगा इसका आकलन कर पाना फिलहाल मुश्किल है। हालांकि प्रियंका गांधी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लड़की हूं लड़ सकती हूं जैसे अभियान से महिलाओं को न सिर्फ साधने की कोशिश की है बल्कि पहले चरण में महिलाओं को दिए गए टिकट से भी इस बात का अंदाजा लग रहा है कि कांग्रेस महिलाओं के मुद्दों के साथ ही आगे बढ़ेगी। पहले चरण के मतदान वाली सीटों पर कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को डोर टू डोर प्रचार के लिए मैदान में उतारकर अपने इरादे साफ कर दिए हैं कि वह आसानी से मैदान छोड़ने के मूड में नही है।

कोविड वायरस से फैला विधान सभा चुनाव में सोशल मीडिया कैंपेन

● पहले चरण में डिजिटल जनसपंर्क ने पकड़ी स्पीड, बीजेपी इस प्रचार माध्यम में सबसे आगे

अभिषेक रंजन। लखनऊ

वैश्विक कोरोना वायरस ने अब चुनाव में सौशल मीडिया कैंपेन को तेजी से फैलाया है। भीड़ से बचने के लिए चुनाव आयोग की गाइड लाइन को देखते हुए राजनीतिक दल सोशल मीडिया को ही अपना मजबूत हथियार बना रहे हैं। इस महामारी से बचने के लिए यूपी के विधान सभा चुनाव में सोशल मीडिया के प्रचार का तरीका एक बड़ा और सशक्त माध्यम बनकर उभरा हैं। देश और विदेश की कई सोशल नेटवर्किंग कंपनियों ने अपने लोक लुभावने पैकेज के जरिए प्रत्याशियों के बीच पहुंच गई है जो अब प्रत्याशियों के लिए वोटर सर्वे तक दे रही हैं ताकि उन्हें पता चल सके कि किस क्षेत्र में उनकी पकड़ कमजोर हो रही है। यूपी में पहले चरण को लेकर डिजिटल चुनाव-प्रचार तेज हो गया है। सभी दलों में अगर इस डिजिटल कैंपेन को लेकर तुलना की जाए तो बीजेपी इस माध्यम के जरिए चुनाव प्रचार में सबसे आगे निकल चुकी है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बूथ अध्यक्षों के साथ डिजिटल रूप से संवाद किया था। बीजेपी ने अपने 30 स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी कर दी है जो कि अभी फिलहाल डिजिटल रूप से प्रचार करेंगे और जैसे-जैसे चुनाव आयोग प्रचार के लिए सहूलियतें देगा तो यह स्टार प्रचार डोर-टू-डोर भी निकलेंगे। यूपी में सात चरणों में होने वाले चुनाव में इस माध्यम को लेकर बीजेपी के आईटी सेल ने एक कंट्रोल रूम लखनऊ में बीजेपी मुख्यालय में खोला है जबकि पार्टी के छह क्षेत्रों में भी यह आईटी सेल द्वारा वार रूम खोले गए हैं। बीजेपी आईटी सेल के प्रभारी कामेश्वर मिश्रा ने बताया कि आईटी सेल में सिर्फ सोशल मीडिया का ही काम नहीं हो रहा है बल्कि हर विधानसभा की सीट को लेकर इस सेल द्वारा होम वर्क किया जा रहा है ताकि पार्टी के प्रत्याशियों को हर कवर दे सके।

वैश्विक महामारी के चलते डिजिटल प्रचार माध्यम बना हथियार

वैश्विक महामारी के कठिन समय में शारीरिक रूप से मिलना जुलना मुश्किल हो सकता है। मौजूदा दौर में टीवी से कई गुना अधिक सोशल मीडिया को चाहने वाले हैं और यही कारण है कि चुनाव प्रचार का कम खर्चीला और बेहतरीन साधन बन कर फेसबुक और यू ट्यूब लाइव बन कर उभर रहे है। कुछ राजनीतिक दलों ने तो बाकायदा अपने डिजिटल वार रूम बना रखे है जहां उनकी आईटी सेल की टीम इन संसाधनो का बेहतरीन इस्तेमाल कर रही है, वहीं कई छोटे दलों ने अपनी इस मुहिम को परवान चढ़ाने के लिये डिजिटल विज्ञापन एजेंसियों की मदद ली है। ये एजेंसियां न सिर्फ यू ट्यूब लाइव के लिये जरूरी न्यूनतम एक हजार सब्सक्राइबर बनाने में सहयोग करती है बल्कि एडवरटाइजिंग के जरिये पार्टी विशेष की क्लिप्स को फ्री यू ट्यूब सब्सक्राइबर को देखने के लिये बाध्य करती हैं। सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा विधानसभा चुनाव में फेसबुक लाइव,यू ट्यूब, इंस्टाग्राम, कू, ट्विटर और व्हाट्सएप की भूमिका किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष में हवा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अब चुनाव में परंपरागत प्रचार की रणनीति पर बदलाव हुआ है। राजनीतिक दलों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा ली है। हर पार्टी का लक्ष्य सोशल मीडिया के इन प्लेटफार्म के जरिये मतदाताओं के दिलो दिमाग पर छाना है। हालांकि इनमें यू ट्यूब स्ट्रीम और व्हाट्सएप की भूमिका इसलिये भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि इन दो प्लेटफार्म का इस्तेमाल आम लोगों के बीच धड़ल्ले से होता है। इसके लिये अधिक तकनीकी जानकारी की जरूरत नहीं होती। व्हाट्सएप के अलावा गूगल के यू ट्यूब एप्लीकेशन की मांग है। मुफ्त में आसानी से डाउनलोड किये जाने वाले इन एप्लीकेशन की मांग उत्तर प्रदेश में जबरदस्त है। स्वदेशी कू भी तेजी से अपनी पहुंच बना रहा है हालांकि अभी उसे व्हाट्सएप का मुकाबला करने में समय लगेगा। वहीं यू ट्यूब पर उपलब्ध हर जानकारी के कारण यह एप्लीकेशन भी यूजर्स को खूब पसंद आता है। इसका डाटा रेट भी कम होता है यानी इंटरनेट की गति सुस्त होने पर भी इसे सर्फ किया जा सकता है। अपने चैनल को लाइव करने के लिये कम से कम एक हजार सब्सक्राइबर की बाध्यता होती है जिसे डिजिटल प्रमोशन एजेंसियों की मदद से आसानी से पूरा किया जा सकता है। फेसबुक लाइव भी ज्यादा समूह को एकत्र करने का एक सशक्त माध्यम है हालांकि यह एप्लीकेशन यू ट्यूब के मुकाबले में कुछ भार लेता है। इस पर लाइव प्रसारण से जुड़ने के लिये मोबाइल फोन अथवा लैपटाप का हार्डवेयर महती भूमिका निभाता है।

सोशल मीडिया के बाजार में आई बढ़ोत्तरी

सोशल मीडिया पर न केवल बेतहाशा खर्च किया जा रहा है बल्कि डेटा विश्लेषण पर विमर्श हो रहा है। वहींए पार्टियां अपने ग्रामीण कार्यकर्ताओं तक को टेक सैवी बनाने की कोशिश कर रही हैं। स्मार्ट फोन, सोशल मीडिया और प्रचलित माध्यमों से वर्चुअल रैलियों और चुनावी अभियानों की शुरूआत होने के बाद यह बाज़ार तेजी से बढ़ रहा है। रणनीतिकारों का मानना है कि वर्चुअल रैली का विस्तार अधिक है और इसमें संसाधन भी कम लगता है। यही नहीं बड़े नेता अपने घरों से या फिर दफ्तरों से ही आम लोगों को सीधे संबोधित कर सकते हैं। सबसे बड़ा प्रभाव तो यह होता है कि लोगों को इंतजार नहीं करना पड़ता है। आम चुनावी रैली की अपेक्षा इसमें स्थानीय लोगों की सहभागिता भी अधिक होती है। ऐसे में विधानसभा चुनाव में यह प्रभावी भूमिका निभा सकता है।

युवाओं में बड़े उलटफेर का दम

कमल दुबे। लखनऊ

यूपी की सियासत भले भी जातिवाद के इर्दगिर्द घूमती रही हो लेकिन इस बार मैदान में उतरने वाले राजनीतिक दिग्गजों की तकदीर लिखने में युवा वोटरों की अहम भूमिका रहेगी। वजह राज्य के जिन 15 करोड़ से ज्यादा वोटरों की मुठ्ठी में सत्ता की चाबी है उनमें बड़ी संख्या युवा वोटरों की है। पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस पर राज्य की प्रत्येक विधानसभा सीट पर औसतन 22 हजार नये वोटर बढ़े है जिसमें बढ़ी संख्या युवा वोटर राजनीतिक दलों के चुनावी गणित को बनाने-बिगड़ाने में काफी निर्णायक होंगे।

यूपी की कुल 403 विधानसभा सीटों पर पिछले चुनाव से लेकर अब तक तकरीबन 90.30 लाख मतदाता बढ़े हैं। मतदाता सूची के ताजा पुनरीक्षण में कुल बढ़े मतदाताओं में 27 प्रतिशत से अधिक 18-19 वर्ष की आयुवर्ग वाले युवा हैं। पिछले चुनाव से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में औसतन 22 हजार से अधिक मतदाताओं का बढ़ोत्तरी हुई है। शहरी क्षेत्र वाली विधानसभा सीटों पर मतदाताओं की संख्या औसत से कहीं अधिक बढ़ी है। बढ़े मतदाताओं में 18 वर्ष से 29 वर्ष के युवा मतदाताओं की हिस्सेदारी ही 22.93 फीसदी यानी करीब 3.45 करोड़ से कहीं अधिक है। हाल ही में 18 वर्ष की दहलीज पार करने वाले ही 19.89 लाख युवा मतदाता है।

राज्य के कुल 150284005 मतदाताओं में 40 वर्ष से कम उम्र वाले 7.50 करोड़ वोटर है। यानी कि इनकी हिस्सेदारी 49.93 प्रतिशत है। दूसरी तरफ 60 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं की हिस्सेदारी मात्र 14.94 प्रतिशत ही है। खासतौर से स्वास्थ्य कारणों से इनमें से बड़ी संख्या में मतदाता वोट डालने के लिए मतदान केंद्र तक नहीं पहुंचते हैं। हालांकि कोरोना जैसे संक्रमण से मतदान पर असर न पड़े इसके लिए आयोग इस बार कहीं बेहतर इंतजाम के दावे कर रहा है। आयोग की कोशिश है कि पिछले चुनाव में हुए 61.11 प्रतिशत मतदान का रिकार्ड इस बार टूटे। इसमें सबसे बड़ी भूमिका युवा मतदाताओं की रहेगी।

कभी जातिपात तो कभी धर्म की राजनीतिक के ठगर पर चलने वाले यूपी के राजनीतिक दलों को युवा वोटरों की ताकत का अच्छे से अन्दाज है। यही वजह है कि चाहे भाजपा हो या फिर सपा बसपा और कांग्रेस या फिर अन्य कोई भी युवा मतदाताओं की अनदेखी करके चुनावी ठगर पर आगे नहीं बढना चाहता। भारी-भरकम हिस्सेदारी को देखते हुए ही सभी राजनीतिक पार्टियां उन्हें किसी तरह से लुभाने में जुटी हैं। इनकी कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा युवा उनसे जुड़ें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ युवाओं को भाजपा से जोड़ने में कोई कसर छोड़ते नहीं दिखते।

युवाओं को लुभाने के लिए चुनाव से ठीक पहले ही राज्य की भाजपा सरकार ने एक करोड़ युवाओं को स्मार्टफोन-टैबलेट देने का काम शुरू किया। सपा ने भी सरकार बनने पर छात्रों व नौजवानों को फिर मुफ्त लैपटाप देने और गरीब परिवारों के बच्चों को विदेश में पढ़ाई के लिए मदद करने की घोषणा की है। बसपा पूर्व की अपनी सरकार में युवाओं के हित में किए गए निर्णयों को गिनाकर उन्हें अपनी ओर मोड़ने में लगी है। कांग्रेस पार्टी ने खासतौर से बालिकाओं के लिए लुभावनी घोषणाएं की हैं।

आम आदमी पार्टी ने तो बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह पांच हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने के साथ ही प्रतिवर्ष 10 लाख युवाओं को नौकरियां देने की घोषणा की है। युवा मतदाताओं की बढ़ी हुई संख्या को देखते हुए दबाव में ही सही पार्टियों द्वारा पिछले चुनावों की तुलना में इस बार कहीं अधिक युवाओं को चुनाव मैदान में उतारने की कोशिश भी दिख रही है। दरअसल जिस तरह से 403 विधानसभा सीटों के नतीजे आते रहे हैं उससे साफहै कि 20 हजार मतों के अंतर से ही ज्यादातर सीटों पर हार-जीत हो जाती है। ऐसे में युवा ही किसी भी पार्टी के प्रत्याशी को जिता.हरा कर उसकी किस्मत का फैसला करेंगे। पहली, दूसरी बार वोट डालने वाले युवा मतदाताओं के हाथ में ही पार्टियों की ताकत बढ़ान-घटाने की शक्ति होगी।

वोटरों का लेखा-जोखा

कुल मतदाता: 15,02,84,005
18 से19 वर्ष के वोटर: 19,89,902
40 वर्ष तक के वोटर: 7,50,42,948
60 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता: 2,24,59,300
80 वर्ष से ज्यादा उम्र के मतदाता: 24,03,296

सबसे बड़ी पंचायत देगी यंग यूपी का संदेश

कमल दुबे। लखनऊ

विधानसभा चुनावों में भाजपा सहित अन्य विपक्षी दलों में उम्मीदवारी को लेकर युवा चेहरों में मिल रही अहमियत से इस बात के साफ संकेत है कि सरकार चाहे जिस किसी भी दल की बने लेकिन सूबे की सबसे बड़ी पंचायत में युवा चेहरे अधिक संख्या में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

हालांकि 18वीं विधानसभा के गठन के लिए चुनावी प्रक्रिया अभी चल रही है और सात चरणों में होने वाले चुनाव के पहले चरण के नामांकन का काम बीती 21 जनवरी को थम भी गया है लेकिन सत्ताधारी भाजपा ने अब तक जिस तरह से 17वीं विधानसभा के उम्रदराज सदस्यों को टिकट देने में परहेज किया है और दूसरे दल भी टिकट बंटवारे में नौजवानों को तरजीह दे रहे हैं उससे अगली विधानसभा की तस्वीर कुछ ज्यादा जवान होती दिख रही है।

आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की सर्वाधिक 403 सीटों वाली विधानसभा में पहुंचने के लिए यूं तो सिर्फ न्यूनतम उम्र 25 वर्ष तय है। अधिकतम कितनी भी उम्र के व्यक्ति को प्रदेशवासियों द्वारा पांच वर्ष के लिए अपना जनप्रतिनिधि चुना जा सकता है। वर्ष 2000 के बाद राज्य में 2002 में 14वीं, 2007 में 15वीं, 2012 में 16वीं और मौजूदा 17वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2017 में हुए चुनाव के नतीजों से साफ है कि न तो राजनीतिक दलों ने प्रत्याशी चयन में और न ही मतदाताओं ने अपना विधायक चुनने में प्रत्याशियों की उम्र पर बहुत गौर किया है। यही कारण है कि पिछले दो दशक के दौरान विधानसभा के 30 वर्ष से कम आयु से लेकर 80 वर्ष वाले भी सदस्य चुने गए हैं।

सत्ताधारी भाजपा की बदलती कार्य संस्कृति का असर अबकी उसके टिकट बंटवारे में भी दिख रहा है। भाजपा इस बार 75 पार वालों को टिकट देती नहीं दिख रही है। ज्यादा उम्र के चलते स्वास्थ्य कारणों से जहां कुछ विधायक खुद ही चुनावी राजनीति से किनारे हो लिए हैं वहीं कुछ अपने क्षेत्र से अब बेटे-बेटियों के लिए ही टिकट चाहते हैं। भाजपा द्वारा पहले और दूसरे चरण के लिए प्रत्याशियों की घोषित सूची को देखने से साफ है कि उसने उन विधायकों को फिर चुनाव मैदान में नहीं उतारा है जिनकी उम्र 75 वर्ष से ज्यादा हो रही है। मसलन मेरठ कैंट से 82 वर्षीय मौजूदा विधायक सत्य प्रकाश अग्रवाल, बरौली से 78 वर्ष के दलवीर सिंह और बरेली कैंट से 78 वर्ष के ही वित्तमंत्री रहे राजेश अग्रवाल, फतेहपुर सीकरी से 75 वर्ष के योगी सरकार में मंत्री चौधरी उदयभान सिंह 18वीं विधानसभा के चुनाव मैदान में नहीं दिखाई देंगे।

अगले चरणों के प्रत्याशियों की सूची में भी उन विधायकों के नाम नहीं दिखेंगे जिनकी उम्र 75 वर्ष से ज्यादा हो चुकी है। ऐसे में फाजिलनगर के 85 वर्ष के विधायक गंगा सिंह कुशवाहा, बरहज से 76 वर्ष के सुरेश तिवारी, कायमगंज से 77 वर्ष के अमर सिंह, भगवन्तनगर से 75 पार विधायक और विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित, कैसरगंज से विधायक और मंत्री मुकुट बिहारी आदि को भी भाजपा द्वारा फिर चुनाव मैदान में उतारे जाने की उम्मीद बहुत कम है। जहां तक सपा, बसपा, कांग्रेस और आप की बात है तो सभी दलों द्वारा टिकट देने में जिताऊ के साथ ही युवाओं को ही प्राथमिता देने की बात कही जा रही है। ऐसे में 18वीं विधानसभा के लिए चुने जाने वाले विधायकों की औसत आयु घटने से विधानसभा के कहीं ज्यादा जवान दिखाई देने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि सदन की वास्तविक तस्वीर तो 10 मार्च को चुनावी नतीजे सामने आने के बाद ही दिखाई देगी।

विधायकों की उम्र का लेखा-जोखा

आयु समूह	14वीं	15वी	16वीं	17वीं
25-30	17	09	08	07
31-35	22	20	19	24
36-40	47	42	45	40
41-45	78	60	64	58
46-50	86	57	62	70
51-55	62	75	67	62
56.-60	23	27	57	56
61-65	20	21	44	47
66-70	12	16	18	27
71-75	02	05	12	08
75 वर्ष पार	03	02	05	05

छोटे दलों के सहारे बड़ी पार्टियां

शिव विजय सिंह। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में चुनावी बिसात बिछ चुकी है। राजनीतिक दलों ने विधानसभा चुनाव चरण वार प्रत्याशियों के रूप में अपने अपने पासे भी डालने शुरू कर दिए हैं लेकिन अब देखना यह है कि क्या उत्तर प्रदेश की जनता पिछले तीन विधानसभा चुनावों की भांति पूर्ण बहुमत की सरकार देती है या फिर वर्ष 2002 की तरह त्रिशंकु सरकार को न्योता देने वाली है।

उत्तर प्रदेश के पिछले तीन विधानसभा चुनावों क्रमश: 2007, 2012 व 2017 के नतीजों पर नज़र डालें तो एक बात के संकेत मिलते हैं कि यूपी का मतदाता किसी एक पार्टी को बहुमत देते चला आ रहे हैं। वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव ने बसपा प्रमुख मायावती को 206 सीटों के साथ सत्ता के शीर्ष पर पहुंचाया, 2012 के चुनाव ने समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव को 224 सीटों के साथ प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया और 2017 में 312 सीटों के साथ भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में जीत का परचम लहराकर योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाया।

देखा जाए तो पिछले विधानसभा चुनावों में बड़ी पार्टियों ने स्पष्ट बहुमत हासिल ज़रूर किया है लेकिन इस बार के मौजूदा चुनाव में चाहे सत्तापक्ष भारतीय जनता पार्टी हो या विपक्ष का सबसे बड़ा दल समाजवादी पार्टी ही क्यों ना हो सभी चुनाव से पहले ही छोटी पार्टियों को अपने साथ लाने में जुट गए थे। विधानसभा चुनाव को देखते हुए मौजूदा समय में स्थिति यह है कि सत्तापक्ष भारतीय जनता पार्टी को शिकस्त देने के लिए जहां समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय लोक दल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी समेत एक दर्जन से ऊपर दलों को अपने साथ कर लिया है वहीं 2007 में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने वाली बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती का बदला अंदाज वर्ष 2022 में किसी बड़े राजनीतिक समीकरण को दावत देने की ओर इशारा कर रहा है। कांग्रेस का अभी फिलहाल कोई जनाधार नही दिखाई पड़ रहा है लेकिन इसके बावजूद भी कांग्रेस ने यूपी के विधासभा चुनाव में प्रियंका गांधी को महिला के रूप में आगे करके भविष्य में कुछ नया गुल खिलाने की योजना बना ली है। ऐसी स्थिति में सत्तारूढ़ भाजपा भी छोटे दलों को साथ लेने में गुरेज नहीं किया है। कुल मिलाकर यह साफ हो गया है कि किसी भी दल में जीत को लेकर अपने ऊपर पूर्ण विश्वास नहीं है। इसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले ही जोड़-तोड़ की राजनीति व छोटे दलों को साथ लेने की रफ्तार ने तेजी पकड़ रखी है। इससे यह साफ हो गया है कि उत्तर प्रदेश में 2022 का विधानसभा चुनाव इस बार कुछ नया रंग दिखाएगा।

जिलाधिकारी ने शिक्षक पात्रता परीक्षा का किया गहन निरीक्षण

संवाददाता। चित्रकूट

टीईटी परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते डीएम

जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने शिक्षक पात्रता परीक्षा की 2021 की प्रथम पाली का निरीक्षण कृषक इंटर कालेज भौंरी, त्यागी इंटर कालेज ऐंचवारा, चित्रकूट इंटर कालेज कर्वी, जीजीआईसी, गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेठ राधाकृष्ण पोद्दार इंटर कालेज के प्रत्येक कक्ष में चल रही परीक्षा का निरीक्षण किया।

रविवार को टीईटी परीक्षा की दूसरी पाली की उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा दौरान गंगा प्रसाद जनसेवा इंटर कालेज कर्वी, पालेश्वरनाथ इंटर कालेज पहाडी, गोस्वामी तुलसीदास महाविद्यालय कर्वी का निरीक्षण जिलाधिकारी ने किया। जिला विद्यालय निरीक्षक बलिराज राम ने बताया कि जिले में प्राथमिक स्तर की परीक्षा में 12 कालेज व उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा आठ कालेजों में हुई। पहली पाली में 828 गैरहाजिर, दूसरी पाली में 605 गैरहाजिर रहे।

शिक्षक पात्रता परीक्षा सकुशल स पन्न हुई। निरीक्षण में जिलाधिकारी ने कुछ परीक्षार्थियों के पहचान पत्र व अन्य आईडी देखी। कक्ष निरीक्षकों को निर्देश दिये कि परीक्षा के समय तक कक्ष का भ्रमण करते रहें। उन्होंने प्रबंधक व सेक्टर मजिस्टेऊटों को निर्देश दिये कि परीक्षा दौरान कोई भी बाहरी व्यक्ति कालेज में प्रवेश न करने पाये। कोरोना प्रोटोकाल के तहत सभी स्टाफ व परीक्षार्थियों को मास्क लगवायें। निरीक्षण में पुलिस बल को निर्देश दिये कि परीक्षा समय तक कालेज के आसपास किसी व्यक्ति को ठहरने न दें। इस मौके पर जिला सूचना अधिकारी सुरेन्द्र कुमार मौजूद रहे।

जन शिक्षण संस्थान में पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जी की जयंती

संवाददाता। चित्रकूट

दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट के विभिन्न केंद्रों में रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान कई केंद्रों में रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत नेताजी के विचारों को रंगोली के माध्यम से भी प्रदर्शित किया गया। प्रतिभागियों ने बहुत ही आकर्षक रंगोली बनाई।

इस अवसर पर वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए जन शिक्षण संस्थान के निदेशक रमाशंकर त्रिपाठी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचारों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा श्नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर भारत कृतज्ञतापूर्वक श्रद्धांजलि देता है, स्वतंत्र भारत के विचार के प्रति अपनी उग्र प्रतिबद्धता दिखाने के लिए उन्होंने आजाद हिंद के गठन जैसे साहसी कदम उठाए। ये उन्हें राष्ट्रीय प्रतीक बनाते हैं। उनके आदर्श और बलिदान हर भारतीय को हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। तुम मुझे खून दो, मैं तु हें आजादी दूंगा... का नारा देने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस का देश को आजाद कराने में अहम योगदान रहा। विभिन्न केंद्रों के प्रतिभागियों ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विभिन्न केंद्रों के अनुदेशकों के साथ साथ प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। सहायक परियोजना समन्वयक अनिल कुमार सिंह, प्रभाकर मिश्रा, क्षेत्र सहायक बनारसीलाल पाण्डेय सहित समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

तीन गैंगेस्टर और पांच पर गुण्डाएक्ट

चित्रकूट। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देश पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफगैंगेस्टर एक्ट, पांच के खिलाफगुण्डाएक्ट व दो के खिलाफ मिनी गुण्डाएक्ट की कार्यवाही की है। रविवार को पुलिस ने विधानसभा चुनाव के चलते अपराधियों के खिलाफगैंगेस्टर की कार्यवाही की है। इससे अपराधी तत्वों में हलचल मची है। मऊ थानाध्यक्ष आनन्द कुमार सिंह ने धीरेन्द्र सिंह पुत्र बद्री प्रसाद निवासी लबेद, राजुल सिंह पुत्र रामलखन सिंह व विक्रम सिंह पुत्र प्यारेलाल निवासी उडकीमाफी के खिलाफ2/3 गैंगेस्टर एक्ट की कार्यवाही की है। भरतकूप थानाध्यक्ष दुर्गेश गुप्ता ने पहलवान उर्फरामसिंह पुत्र रामबदन कुर्मी निवासी सनौदापुरवा के खिलाफ गुण्डाएक्ट, मानिकपुर थानाध्यक्ष गिरेन्द्र कुमार सिंह ने रोहित द्विवेदी पुत्र संतोष निवासी गोविन्दनगर पर गुण्डाएक्ट की कार्यवाही की है। राजापुर थानाध्यक्ष अवधेश मिश्रा ने नरेन्द्र शुक्ला पुत्र श्यामसुन्दर निवासी मिश्रनपुरवा, अभिमन्यु उर्फअनिरुद्ध पुत्र श्रीमान रैदास, सपन पाण्डेय पुत्र गुलाबचन्द्र निवासी कनकोटा पर गुण्डाएक्ट की कार्यवाही की है। रामू पुत्र चुनबाद, भोला पुत्र चुनबाद निवासी रुपौलिहा टोला राजापुर के खिलाफमिनी गुण्डाएक्ट की कार्यवाही की गई है।

पुलिस ने लापता बच्चे को किया बरामद

चित्रकूट । पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देश पर आपरेशन मुस्कान के क्रम में रैपुरा थानाध्यक्ष नागेन्द्र कुमार नागर की अगुवाई में पुलिस टीम ने शादी समारोह में खोये छह वर्षीय बालक को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया है। शनिवार/रविवार की रात 1.45 बजे रैपुरा थाने को पीआरवी 2046 से सूचना मिली कि अतरौली में भीम सिंह प्रजापति के यहां लडकी की शादी में शामिल होने को मायके आई श्रीमती संगीता देवी का छह वर्षीय पुत्र अखिलेश पुत्र रामभजन प्रजापति घर में सो रहा था। अचानक उठकर कहीं चला गया है। पुलिस टीम ने गांव व आसपास काफी तलाश की। पुलिस टीम ने सवेरे मासूम अखिलेश को गंगाराम का पुरवा मजरा बसिला से बरामद किया। ये बालक भटककर वहां पहुंच गया था। अपना नाम-पता नहीं बता पा रहा था। पुलिस टीम ने बालक अखिलेश को परिजनों के सुपुर्द किया। परिजनों के चेहरे बच्चे को पाकर खिल उठे।

गलन भरी सर्दी से ठिठुरे लोग

कोंच(जालौन)। बीते करीब एक पखवाड़े से नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रुक रुक कर हुई बारिश के बाद कड़ाके की गलनभरी सर्दी अब अपना असर दिखाने लगी है और अदृश्य सूर्य देवता के चलते लोग ठिठुरते नजर आ रहे हैं। सर्दी से बचाव हेतु नगर पालिका सहित तहसील प्रशासन द्वारा हालांकि नगर में 30 व आबादी के लिहाज से 6 बड़े गांवों में चिन्हित स्थानों पर अलाव जलवाये जा रहे हैं लेकिन यह अलाव नाकाफी साबित हो रहे हैं। आर्थिक रूप से स पन्न लोग तो रूम हीटर से लेकर अन्य तमाम उपकरण के सहारे ठंड से राहत पा रहे हैं लेकिन निर्धन, असहाय, दरिद्र व खुले आसमान के नीचे झोपड़पट्टी में रहने वाले बच्चों से लेकर बूढ़े व महिलाएं सरकारी अलाव के सहारे ही ठंड से राहत पाने की असफल कोशिश करते हुए देखे जा सकते हैं।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस को नमन किया यूथ फ्रंट गरम दल ने

उरई(जालौन)। बुंदेलखंड यूथ फ्रंट गरम दल के द्वारा आज 23 जनवरी को स्थानीय जिला परिषद चौराहे पर स्थापित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सैलूट देकर नेताजी के आजादी के सपनों को याद करते हुए उन्हें नमन किया गया। बुंदेलखंड यूथ फ्रंट गरम दल के कार्यकर्ताओं के द्वारा इस दौरान नेताजी सुभाष चंद्र बोस के देश की आजादी मैं योगदान को याद किया गया इस अवसर पर यूथ फ्रंट के जिला संयोजक अतुल कुमार, जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध प्रताप सिंह और छात्र मोर्चा के अध्यक्ष एमडी दीक्षित सहित हरिओम पोरवाल, प्रखर बाजपेई, रोहित गौतम, नरेंद्र सिंह सनी आदि तमाम कार्यकर्ताओं ने नेताजी की 125 वी जयंती पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

निर्वाचन ड्यूटी के कार्मिकों को बूस्टर डोल लगना जरूरी: डीएम

उरई (जालौन)। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि निर्वाचन ड्यूटी में तैनात कार्मिकों को बूस्टर डोज लगना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन कार्य में तैनात कार्मिकों को पहले बूस्टर डोज 9 माह के अंतराल में लगाए जाने के निर्देश थे। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देश पर निर्वाचन कार्य में तैनात कर्मियों को दूसरी डोज के बाद अब 3 माह में बूस्टर डोज लगना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन कार्य में तैनात कर्मियों के प्रशिक्षण के दौरान बूस्टर डोज का प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा। उन्होंने निर्वाचन कार्य में तैनात कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी व कर्मचारियों को शत प्रतिशत बूस्टर डोज लग जाए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

उत्तर प्रदेश दिवस आचार संहिता का पालन कर मनायें: सीडीओ

उरई (जालौन)। मख्य विकास अधिकारी डॉ अभय कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कल देर शाम तक 24 जनवरी 2022 को उत्तर प्रदेश दिवस मनाए जाने के संबंध में रानी लक्ष्मीबाई सभागार विकास भवन में बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 से प्रतिवर्ष 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश राज्य की स्थापना दिवस के रूप में उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन किया जा रहा है। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 24 जनवरी 2022 को उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन जनपद में वर्तमान समय में लागू आदर्श निर्वाचन आचार संहिता एवं कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा शताब्दी समारोह की थीम पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम का गायन एवं पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रीय धुन का वादन आदि का कार्यक्रम भी किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर प्रदेश हुआ जनपद के गौरवशाली इतिहास चौरी चौरा गोरखपुर की घटना तथा स्वतंत्रता संग्राम में जनपद के योगदान शहीद स्मारकों एवं स्थलों पर आधारित अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि स्थानी बोली भाषा में आजादी से जुड़े लोकगीतों का गायन आजादी की गाथाओं पर आधारित नाटक या नृत्य नाटिकाओं तथा प्रदेश की समृद्धशाली संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन सक्रिय सहभागिता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद के शहीद स्मारकों पर आधारित ऑनलाइन फोटोग्राफी तथा पेंटिंग प्रतियोगिता में किशोर एवं युवा वर्ग की भागीदारी से आयोजित कराई जाए। एक जनपद एक उत्पाद के अंतर्गत अपना एक पारंपरिक विशिष्ट उत्पाद है जिसके अंतर्गत अनेक शिल्पी कर्मकार कार्य करते हैं ऐसे शिल्पीयों की कला का प्रदर्शन स्वयं सहायता समूह के माध्यम से तथा यूपी के स्टार्टर पर आधारित प्रदर्शनीयों का आयोजन प्रत्येक कार्यक्रम स्थल पर किए जाने का प्रयास किया जाए।

फसल को कीटों के प्रकोप से बचाने को किसान करें पुख्ता इंतजाम: बाल गोविंद

चित्रकूट। कृषि विभाग के उपकृषि निदेशक बालगोविन्द यादव ने बताया कि बुन्देलखण्ड में रबी में चने की फसल मु य फसल के रुप में पैदा की जाती है। इन दिनों चने की फसल में इल्ली के नियंत्रण को कई तरह के कीटनाशकों का प्रयोग होता है। मानव जीवन के साथ भू-जल व हवा भी प्रदूषित होकर कई तरह की गंभीर बीमारियां फैलने की स भावना होती है। शनिवार को उपकृषि निदेशक बालगोविन्द यादव ने बताया कि कीटनाशकों के असंतुलित प्रयोग से कीटों में प्रतिरोधक क्षमता बढ जाने से कीट का नियंत्रण नहीं हो पाता। ज्यादा मात्रा में कीटनाशक का प्रयोग करने से भविष्य में बहुत ही भयावह स्थिति पैदा होती है। चने की फसल में सुंडी लगने से पुष्प अवस्था में कोपल पर सुंडी मिलने से शाखायें मजबूत और कलियों का तेजी से विकास नहीं हो पाता। फसल में फूल आने से पहले खेत में एक एकड में पांच फेरोमेन टैऊप लगायें। ल्यूर की गंध से आकर्षित होकर नर कीट ट्रैप में फंसने से मादा कीट में स भोग क्रिया से वंचित रहते हैं। इससे अगली पीढी पैदा होने में रुकावट पैदा हो जाती है। पतंगे टैऊप में फंसने लगे तो नीम आयल या नीम के पाउडर के घोल का स्प्रे करना चाहिए। दस दिन में इसे दोहराना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रति एकड बीस या 25 जगह फसल में टी आकार की लकडी लगा देने से कृत्रिम पक्षी के आश्रय बना देने से भी कीट नियंत्रित हो जाते हैं। सुंडी के नियंत्रण को हेलीकोआर्पा का विषाणु अर्क, एनपीवी 250 लीटर की सौ मिली लीटर दो सौ लीटर प्रति एकड के साथ स्प्रे भी करना चाहिए।

भाजपा के बूथ अध्यक्ष साथियों समेत सपा में हुए शामिल

संवाददाता। चित्रकूट

भाजपाइयों को सपा की सदस्यता दिलाते जिलाध्यक्ष अनुज

सपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष अनुज सिंह यादव के समक्ष एक दर्जन से ज्यादा भाजपा नेताओं व बूथ स्तर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भाजपा छोड़कर सपा की सदस्यता ग्रहण की। जिलाध्यक्ष ने बताया कि बिसौंधा गांव के भाजपा बूथ अध्यक्ष अरुण यादव की अगुवाई में एक दर्जन से ज्यादा लोग सपा में शामिल हुए।

रविवार को सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों से खफा भाजपाइयों ने मु यमंत्री योगी के कार्यकाल में महंगाई, बेरोजगारी और कुशासन के चलते सपा की सदस्यता ग्रहण की है। दस मार्च को बाबा मु यमंत्री की विदाई तय है। प्रदेश की देवतुल्य जनता ने मु यमंत्री योगी को पूर्ण बहुमत का कार्यकाल दिया था, लेकिन योगी बाबा किसान, नौजवान, मजदूर, महिलाओं के लिए कोई विकास कार्य नहीं कर सके। योगी एक अक्षम मु यमंत्री साबित हुए। प्रदेश की जनता को भाजपा ने ठगने व निराश करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव की योजनाओं और विकास कार्यों से जनता में आत्मविश्वास भरा है। सपा को भारी जनसमर्थन मिल रहा है। सपा की विकासवादी जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता विश्वास रखती है। अखिलेश ने मुख्यमंत्री बनते ही प्रत्येक परिवार को तीस सौ यूनिट बिजली मु त देकर महिलाओं को 15 सौ रुपया प्रति माह पेंशन समेत लाखों पढे-लिखे नौजवानों को रोजगार देने का कार्य करेंगे। लुडहा गांव के भाजपा बूथ अध्यक्ष अमर सिंह पटेल भी अपने साथियों के साथ सपा में शामिल हुए। इस मौके पर सपा नेता सत्यनारायण पटेल, मो गुलाब खां, सुभाष पटेल, आत्माराम यादव, अफजल अली, सलीम अहमद, रोहित यादव, अनूप यादव, राजाबाबू यादव, पप्पू जायसवाल, रामसनेही ांगार, सालिगराम कुशवाहा, रोहित यादव, राममिलन कोटार्य व नरेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

कामदगिरि परिक्रमा मार्ग में स्वच्छता का चला अभियान

चित्रकूट। कामदगिरि स्वच्छता समिति ने कामदगिरि परिक्रमा में स्वच्छता अभियान चलाकर पूरे परिक्रमा क्षेत्र में सफाई की। ये अभियान प्रत्येक रविवार सवेरे नौ बजे से परिक्रमा मार्ग में चलाया जायेगा। रविवार को कामदगिरि स्वच्छता समिति के अध्यक्ष राकेश केशरवानी ने कहा कि जो लोग श्रमदान करना चाहते हैं, वह सवेरे नौ बजे परिक्रमा मार्ग में हर रविवार को पहुंचकर अभियान में शामिल हो सकते हैं। कामतानाथ के चरणों में अपना श्रमदान कर सकते हैं। अभियान का मूल उद्देश्य है कि कामतानाथ परिक्रमा में आने वाले लोग स्वच्छता महसूस करें। उन्होंने कामतानाथ परिक्रमा के निवासियों से अनुरोध किया कि घर का कचरा जो भी एकत्र हो परिक्रमा की ओर न फेंके। अभियान में मु य भूमिका कामदगिरि स्वच्छता समिति के अध्यक्ष राकेश केशरवानी, तहसीलदार नारायण सिंह, स्वच्छता प्रभारी प्रभात सिंह, छोटू पटेल, सीताराम आदि शामिल रहे।

हिन्दू युवा वाहिनी ने नेता जी का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया

जालौन (उरई)। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूगां का नारा बुलंद करने वाले आजादी के महानायक सुभाष चंद्र बोस का जन्म दिन हिन्दू युवा वाहिनी के स्थानीय कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया।

जिला संयोजक राजा सिंह सेंगर ने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस जो नेता जी के नाम से भी जाने जाते हैं, भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिये, उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिन्द फौज का गठन किया था। उनके द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा, बन गया है। उन्हें भुलाया नहीं जा सकता है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक है तथा युवाओं के प्रेरणादायी है। युवाओं ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया इस मौके पर अनूप दीक्षित, रोहित बाथम, युवराज लाक्षाकार, प्रयांस सोनी, विकास शिवहरे, नारायण व्यास आदि लोग उपस्थिति थे।

मौरम माफियाओं में कभी भी छिड़ सकती है बर्चस्व की जंग

● आये दिन होती रहती नोंकझोंक, गाली गलौज

संवाददाता। उरई (जालौन)

जनपद में सक्रिय मौरम लोकेशन माफियाओं में कभी भी बर्चस्व की जंग खूनी रूप धारण कर सकती है। क्योंकि अवैध कमाई के चक्कर में लोकेशन माफियाओं में आपनी प्रतिद्वंद्विता इस कदर बढ़ चुकी है कि उनके बीच आये दिन तीखी नोंकझोंक ही नहीं बल्कि मारपीट की नौबत बनती रहती है। लेकिन अवैध कारोबार होने की वजह से जो भी सिंडीकेट जिस क्षेत्र में मजबूत होता है वह अपने मकसद में सफल हो जाता है। हैरानी की बात तो यह है कि पुलिस अभी तक जनपद में सक्रिय लोकेशन सिंडीकेट पर पूरी तरह से नकेल नहीं कर पायी है। इस संबंध में सूत्रों की मानें तो बगैर एमएम 11 लेकर निकलने वाले मौरम वाहनों की सुरक्षित निकासी कराने के लिये ही लोकेशन सिंडीकेट काम करता है। इस अवैध कारोबार को लेकर एआरटीओ व खनिज द तर के जि मेदार हमेशा से ही मेहरबानी लुटाते चले आ रहे है। इसके पीछे क्या हो सकता है यह तो वही जानते होंगे लेकिन दोनों द तरों से सूत्रों के अनुसार इसके पीछे जनपद में पूरा हाईटेक नेटवर्क तैयार है जो यह तय करता है कि कितने समय बगैर एमएम 11 के वाहनों की सुरक्षित तरीके से करायी जाये। इसके लिये वह बाकायदा मोबाइलों का सहारा लेकन ऐसे वाहन चालकों से संपर्क कर अपना मैसेज कनवे करते रहते हैं। अब सवाल यह उठता है कि लोकेशन सिंडीकेट पर कानूनी हंटर कब चलेगा यह तो समय ही बतायेगा।

एआरटीओ, खनिज दफ्तर की मिलीभगत से फलफूल रहा लोकेशन का धंधा

उरई। मौरम भरे वाहनों की सुरक्षित निकासी कराने के लिये जनपद में विगत कई सालों से लोकेशन सरगनाओं का एक पूरा सिंडीकेट तैयार हुआ जिसमें एआरटीओ से लेकर खनिज द तर के जि मेदारों की मिलीभगत रहती है। पिछले दो दशकों में लोकेशन सिंडीकेट का अवैध कारोबार ऐसा चमका कि देखते ही देखते उनका जनपद में सिक्का कायम हो गया। हैरानी की बात तो यह है कि इस धंधे में एआरटीओ व खनिज द तर के तार पूरी मजबूती से जुड़े रहते हैं जिससे यह अवैध कारोबार बदस्तूर चलता रहता है।

पूर्व एसपी ने लोकेशन माफियाओं पर कसा था शिकंजा

उरई। जिले में तैनात रहे पूर्व एसपी यशवीर सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान जनपद में सक्रिय लोकेशन सिंडीकेट के पर कतरने के लिये एक के बाद एक कानूनी कार्यवाही को अंजाम दिया था इसके बाद लोकेशन सिंडीकेट से जुड़े लोग चूहों की तरह अपने बिलों में दुबकने को विवश हो गये थे और जब तक वह जनपद में रहे लोकेशन सिंडीकेट से जुड़े लोगों के वाहन सड़कों से गायब रहे। लेकिन उनके जाते ही एक बार पुन: बगैर एमएम 11 के मौरम वाहनों की सुरक्षित निकासी कराने के लिये लोकेशन सिंडीकेट हाईटेक नेटवर्क के साथ सक्रिय हो गया।

एआरटीओ दफ्तर से चलता टोकन सिस्टम का सिक्का

उरई। बगैर एमएम 11 के मौरम भरे वाहनों की सुरक्षित निकासी कराने के लिये एआरटीओ द तर से बाकायदा टोकन सिस्टम का गोरखधंधा लंबे असमय से चला आ रहा है। यह पूरा धंधा लोकेशन सिंडीकेट के जिसमें कुछ कथित तरीके से मीडिया से जुड़े दल्लों की पौबारह हो रही है। यही लोकेशन सिंडीकेट बगैर एमएम 11 पर दो से तीन बार एक दिन में वाहनों की निकासी कराने का ठेका लेते हैं। इसके बदले में मौरम चालकों से महीने का नजराना फिक्स रहता है। इसके बाद इसका आपस में ईमानदारी के साथ बंटवारा कर लिया जाता है।

एआरटीओ प्रवर्तन के साथ कर चुके हैं मारपीट

उरई। एक दशक पूर्व लोकेशन सिंडीकेट से जुड़े लोगों ने एआरटीओ प्रवर्तन के साथ मारपीट की घटना को अंजाम देने में संकोच नहीं किया था। इसके पीछे मु य वजह यह थी कि एआरटीओ प्रवर्तन ने अवैध तरीके से आने वाले मौरम भरे वाहनों को जोल्हूपुर मोड़ के पास रोकने का दुस्साहस दिखाया था। इसके बाद उक्त मामले में ऐसा तूल पकड़ा कि एआरटीओ ने मामले की लिखित तहरीर कालपी कोतवाली में दी थी जिस पर मारपीट करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज हुई थी। अब यह मामला कहां है इसके बारे में जानकारी नहीं मिल सकी।

अपराधियों पर पुलिस अधीक्षक की सख्ती रंग लाई तथाकथित पत्रकार शराब सहित खाकी के हत्थे चढ़ा

● दो गाड़ियों से बरामद की 19 पेटी

संवाददाता। उरई (जालौन)

शराब की पेटियों के साथ गिर तार अंकित व उसके साथी

जनपद में तथाकथित पत्रकारों की मानो जैसे बाढ़ ही आ गई हो। पत्रकारिता की हनक दिखाकर अनैतिक कार्यों के व्यापार को जमकर करने में लगें रहते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि पत्रकारिता भी जनपद में संगठित गिरोह का रूप ले चुकी है जिसमें लोकेशन माफिया, जुआ, सट्टा, गांजा माफिया तथा विभिन्न विभागों में अपना नेटवर्क फैला कर दलाली करने वाले लोगों को इस तरह के संगठित गिरोह द्वारा पाला पोसा जाने लगा है। अंकित दीक्षित पहले भी शराब एवं सेक्स रैकेट के मामले में पकड़ा जा चुका है लेकिन जिला मु यालय उरई में मौरम घाटों से अवैध वसूली, अवैध रूप से मिश्रित गुटका निर्माण फैक्ट्रियों से वसूली, रोडवेज, रेलवे, एआरटीओ, आबकारी आदि विभागों में दलाली करने वालों पर भी पुलिस अधीक्षक को कड़ी कार्यवाही अमल में लानी होगी जिससे पत्रकारिता जैसे पेशे को बदनाम कर रहे इन दलालों, अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सके। सिरसा कलार पुलिस ने तथाकथित पत्रकार व शराब माफिया अंकित दीक्षित व उसके दो सहयोगियों गौरवकांत उर्फ कल्लू पुत्र रामनरेश निवासी ग्राम छानी अहीर राम सिंह पुत्र गजेंद्र सिंह निवासी कुसमरा थाना रेंढर को 19 पेटी अवैध शराब, स्वि ट डिजायर कार, एक हुंडई कार के साथ गिर तार कर लिया। थानाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, उप निरीक्षक विजय द्विवेदी, अशोक कुमार सिंह, सिपाही अंकित पांडे, अरुण कुमार, इंसाफ खान, गुलशन कुमार, चालक तुलाराम ने सिरसा कलार में राधा गोविंद गेस्ट हाउस के पास से इन्हें गिर तार कर लिया।

पहले भी अवैध शराब के साथ पुलिस पकड़ चुकी: तथाकथित पत्रकार अंकित दीक्षित रामपुरा का रहने वाला है जो वावली में देशी शराब का सरकारी ठेका चलता हैं। पुलिस से पत्रकारिता की हनक दिखाकर साठगांठ कर मिलावटी शराब की बड़ी बड़ी खेपें क्षेत्र में पहुचाता था। पूर्व में कई बार अंकित को पुलिस ने अवैध शराब के साथ पकड़ा, लेकिन ले देकर मामलों को निपटा दिया जाता था। बीते 4 माह पूर्व थाना क्षेत्र कुठौंद में पुलिस ने अवैध शराब के साथ अंकित को पकडा था, जिसे पैसे की दम पर निपटा दिया गया था।

सेक्स रैकिट में धरा था रामपुरा की पुलिस ने: रामपुरा निवासी अंकित दीक्षित थाना क्षेत्र रामपुरा से लगे मध्यप्रदेश बॉर्डर पर थाना पुलिस के संरक्षण में मिलावटी शराब पहुचाता था। थाना प्रभारी के साथ मिलाकर पूरा थाना भी चलाने का काम अंकित करता था। पूर्व में सैक्स रैकिट में थाना रामपुरा की पुलिस ने अंकित व उसके भाई को लड़कियों सहित पकड़ा था।

परासन की जनता के जीवन से खिलवाड़ न करे सरकार: का. सेंगर

उरई(जालौन)। सौर ऊर्जा प्लांट को करीब एक हजार एकड़ भूमि सौंपे जाने के और क पनी द्वारा किसानों की पट्टे की जमीनों पर अवैध कब्जे के खिलाफ ग्रामीणों द्वारा जारी भूख हड़ताल पर आज भाकपा (माले) के बुन्देलखण्ड प्रभारी का. रमेश सिंह सेंगर और जिला सचिव का. राजीव कुशवाहा पहुंचे और आन्दोलन को और मजबूत करने का आवाहन किया। भूख हड़ताल के सातवें दिन पर आज का सन्तोष निषाद, भोला अहिरवार, शिवराम शर्मा, कृष्णा अहिरवार आदि ने आठ घंटे की भूख हड़ताल की। धरने को स बोधित करते हुए का रमेश सिंह सेंगर ने कहा कि मोदी सरकार ने परासन की जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ करते हुए सौर्य ऊर्जा प्लांट को एक हजार एकड़ से अधिक कृषि भूमि मु त में दे दी। उन्होंने कहा कि इस जमीन से सैकड़ों परिवारों को रोजी-रोटी की व्यवस्था होती। उन्होंने कहा कि प्लांट के अधिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर किसानों की जमीनों पर अवैध कब्जा कर सड़क बना रहे हैं। जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है और इस अत्याचार के खिलाफआंदोलन को और व्यापक स्वरूप प्रदान करना होगा।

टिकट न मिलने से आहत नरैनी के विधायक का आरोप

डीएम ने गलत रिपोर्ट से मेरी छवि बिगाड़ी

संवाददाता। बांदा

नरैनी विधायक ने कहा कि जिलाधिकारी अनुराग पटेल ने मेरे विरुद्ध शाशन को गलत गोपनीय रिपोर्ट भेजी जिससे भृमित होकर मेरा टिकट काट दिया गया। विधायक का आरोप है कि मेरी छवि बिगाड़ने की कोशिश की गई और जिसका खामियाजा मुझे भुगतना पड़ा। जबकिमैंने 250गोवंश को जिन्ददा जमीन में गाड़ने के मुद्दे को प्राथमिकता से उठाया था और मैं मौके पर गया भी था लेकिन कुछ लोगों ने इस मुद्दे को मेरे खिलाफइस्तेमाल किया है जबकि गोवंश की सुरक्षा पार्टी की प्राथमिकता थी और मैंने पार्टी लाइन पर ही काम किया इसके बावजूद मुझे इसका नुकसान उठाना पड़ा और मैंने अपना टिकट गवा दिया। आपको बताते चलें कि भाजपा राष्ट्रीय संगठन ने नरैनी से इस बार ओम मणि वर्मा ;नगर पंचायत अध्यक्ष को टिकट दिया है। इस बात का विरोध गोवंश रक्षक समाज बराबर कर रहा है विरोध प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पोर्टल पर भी इन लोगों ने शिकायत दर्ज की मात्र 2 लोगों के निलंबन से ढाई सौ गौवंश की हत्या के मामले में इंसाफ नहीं हुआ। इस के तहत हत्या का मुकदमा कायम होना चाहिए। लगभग दो अधिकारी जिसमें से आयुक्त और जिला कलेक्टर अनुराग पटेल और नीचे के अधिकारियों को निलंबित किया जाना चाहिए। वर्तमान विधायक से मख्यमंत्री को भी जिला प्रशासन के खिलाफ चिट्ठी लिखी थी इसमें आखिर दोषी कौन। उन्होंने कहा कि प्रशासन की इस भूमिका को लेकर उन्हें बेहद अफसोस है। उन्होंने मामले की पुन: जांच की मां की है।

मौसम की मार से किसानों की फसलों पर मंड़राये संकट के बादल

जालौन (उरई)। बेमौसम हो रही बारिश रुकने का नाम ले रही है। बरसात जैसी बारिश होने के कारण खेत में खड़ी फसलों को नुकसान होने लगा है। खेत में पानी की अधिकता के कारण मटर, सरसों की फसल 30 प्रतिशत तक नुकसान हो गया है।

बारिश की मार से प्रभावित किसानों की मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही। माह के प्रथम सप्ताह में शुरू हुई बारिश का सिलसिला अभी भी बरकरार है। शुक्रवार की रात को शुरू हुई बारिश शनिवार को दोपहर तक जारी रही। बारिश का पानी खेतों में भर जाने के कारण निचले क्षेत्र में लगी मटर और सरसों की फसल पीली पड़ गई है। किसान पुनीत दुबे, बल्लू कुशवाहा, रामकुमार बाथम, हेमवती नंदन, बाल मुकुंद पाठक, दीपेन्द्र मिश्रा, ब्रजेश पाल बताते हैं कि पानी बरसने व मौसम न खुलने के कारण जमीन गीली है जिससे मटर का पौधा गलने लगा है तथा पीला पड़ रहा है। इसके साथ ही फली में दाग आ गये हैं। साथ ही साथ बारिश के कारण मटर का उत्पादन कम होगा। जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। क्षेत्र में करीब 1000 एकड़ में लगी फसल के खराब होने का खतरा मंडरा रहा है।

तेरह केंद्रों पर दो पालियों में सकुशल हुई शिक्षक पात्रता परीक्षा

संवाददाता। अमेठी

जनपद में शिक्षक पात्रता परीक्षा ;टीईटीद्ध दोनों पालियों में नकलविहीनए सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। टीईटी की परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्रए पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंहए मुख्य विकास अधिकारी डॉ अंकुर लाठर सहित सभी उप जिलाधिकारीए पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते रहे। बताते चलें कि जनपद अमेठी में टीईटी की परीक्षा 13 केंद्रों पर सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों में कुल 11612 अभ्यर्थियों में से 10504 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा 1108 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहेए जिसमें प्रथम पाली 10रू00 बजे से 12रू30 बजे तक 13 परीक्षा केंद्रों पर 7006 अभ्यर्थियों में से 6333 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा

- डीएम, एसपी, सीडीओ सहित अन्य अधिकारी लगातार भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों का करते रहे निरीक्षण
- दोनों पालियों में 1108 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित
- सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में सकुशल हुई टीईटी की परीक्षा

673 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहेए द्वितीय पाली 02रू30 बजे से 05रू00 बजे तक 9 परीक्षा केंद्रों पर 4606 अभ्यर्थियों में से 4171 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा 435 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। टीईटी की परीक्षा को नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जनपद स्तर पर जीजीआईसी गौरीगंज में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई थी जिसके माध्यम से सभी परीक्षा केंद्रों के सभी कक्षों को कंट्रोल रूम से जोड़ते हुए प्रत्येक कक्ष की निगरानी की जा रही थीए परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सर्वप्रथम जनपद स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया एवं सभी परीक्षा केंद्रों पर कंट्रोल रूम के माध्यम से सतत निगरानी रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिएए इसके उपरांत डीएम व एसपी ने श्री रणवीर इंटर कॉलेज अमेठीए एएच इंटर कॉलेज मुसाफिरखानाए जीजीआईसी गौरीगंजए इंदिरा गांधी पीजी कॉलेज गौरीगंज का निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सभी परीक्षा केंद्रों पर कोविड.19 के दृष्टिगत हेल्प डेस्क स्थापित कराए गए थे तथा सभी केंद्रों पर कोविड.19 गाइडलाइन का पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए टीईटी की परीक्षा सकुशल संपन्न कराई गई।

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए डीएम व एसपी — पायनियर

ब्लूटूथ डिवाइस के सहारे नकल करता पकड़ा गया परीक्षार्थी

- मामला अमेठी के शिव प्रताप इंटर कालेज का

संवाददाता। अमेठी

जिले में टेट की परीक्षा के लिए बनाए गए केंद्र शिव प्रताप इंटर कॉलेज अमेठी में एक पर परीक्षार्थी को ब्लूटूथ डिवाइस के सहारे नकल करते हुए पकड़ा गया जिसे पुलिस पकड़ कर विधिक कार्रवाई करने में जुट गई है प् मिली जानकारी के अनुसार आज टेट परीक्षा चल रही में अफ्रातफ्री मच गईए जब एक मुन्ना भाई को नकल करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े जाने पर आरोपी रोने और गिड़गिड़ाने लगा। उसने कान के अंदर ब्लूटूथ फिट कर रखा था। टीचरों को शक हुआ तो उन्होंने उसकी सघन तलाशी ली। अंत में डॉक्टरों को बुलाकर ब्लूटूथ निकाली गई। अब उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है। एसडीएम अमेठी संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि शिव प्रताप इंटर कॉलेज में आज टीईटी की परीक्षा हो रही थी। जिसमें परीक्षा में एक परीक्षार्थी के संदिग्ध होने की सूचना पर उसकी तलाशी की गई तो उसके पास से ब्लूटूथ डिवाइस मिली। आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

परीक्षार्थी के कान से ब्लूटूथ डिवाइस निकालते हुए

चुनाव प्रचार प्रसार का अहम जरिया बना सोशल मीडिया

जगदीशपुर,अमेठी। कोविड के बढते मामलो को लेकर चुनाव आयोग ने होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रैलियों व जन सभाओं पर पूरी तरह से अंकुश लगा दिया है ।जिसके चलते चुनाव प्रचार का जरिया सोशल मीडिया बन गया है ।ऐसे में पार्टी के साथ सम्भावित उम्मीदवार व प्रत्याशी अपना अपना सोशल मीडिया व आईटी सेल तैयार करने में जुट गयी है । जगदीशपुर 184 विधानसभा सुरक्षित सीट पर सभी राजनैतिक दलों के प्रत्याशी व भावी प्रत्याशी कोविड के बढते मामलो को लेकर पार्टी कार्यकर्ता घर घर जा कर चुनाव प्रचार कर रहे हैं चुनाव आयोग ने इस बार कोरोना को लेकर रैलियों व सभाओं पर पूरी तरह प्रतिबन्ध लगा दिया है वहीं अबकी बार के चुनाव प्रचार प्रसार में व्हाट्सएप यूट्यूब फेसबुक इंस्टाग्राम व ट्यूटर जैसे सोशल साइट्स ही मुख्य हथियार होंगे ।इन साइट्स पर पोस्ट डालना वाइस वीडियो क्लिप अपनी संघर्ष यात्रा की पूरी व डॉक्यूमेंटरी बनवाकर पोस्ट किया जा रहा है ।स्टीकर डिजाइनिग कार्टून मूवी के जरिए विरोधियों को परास्त करना टी .शर्ट कोरिग काफी मग सोशल मीडिया पर फास्ट बीट के लिए तडकता भडकता प्रचार गीत फेसबुक पर अपना पेज बना कर मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने और लुभाने की कोशिश की जा रही है ।चुनाव प्रचार के बदलते मोड में नेताओ को अच्छे गायक लेखक अभिनेता और भाषा विशेषज्ञ युवा चाहिए जो उनके लिए प्रचार सामग्री प्रचार कंटेंट तैयार कर सकें यदि महंगे शहरों से विशेषज्ञों को बुलाया जाए तो उनकी फीस अधिक होती है साथ ही साथ उन्हे स्थानीय मुद्दों और मतदाताओं के बारे में जानकारी नहीं होती ।जब कि मकामी युवा कलाकारों की फीस कम होने के चलते आसानी से मिल जाते हैं काम भी अच्छा करते हैं भरपूर वक्त भी देते है।

तिलक भवन में मनायी गयी नेताजी की जयंती

रायबरेली। नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी की जयंती पर कांग्रेस कार्यालय तिलक भवन मे नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई कांग्रेस युवक जिलाध्यक्ष एवं सदस्य जिला पंचायत विरेन्द्र यादव ने कहा कि नेताजी ने आज़ाद हिंद फौज की स्थापना करके देश से अंग्रेजों को निकाल भगाया, प्रवक्ता महताब आलम ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस को श्रधांजलि अर्पित करते हुए कहा कि नेताजी के नारे ष्तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगाष् ने देश मे नई क्रांति की अलख जगाने का काम किया नेताजी की फौज में हर जाति धर्म के लोग शामिल थे जो देश की आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार थे कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि ये दुर्भाग्य की बात है कि आज की गंदी राजनीति में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और सुभाषचंद्र बोस जी के बीच दुश्मनी की बातें प्रचारित की जाती है जो कि बेबुनियाद और झूठी है।

राणा बेनी माधव समिति ने किया समरसता भोज आयोजित

संवाददाता। रायबरेली

बैसवारा की धरती से स्वतंत्रता संग्राम की लौ जलाने वाले प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राणा बेनी माधव बक्स सिंह को रायबरेली क्लब में राणा बेनी माधव स्मारक समिति द्वारा समरसता भोज के आयोजन के साथ याद किया। वहीं काव्य की धारा से मुखर कवियों ने वीरता के वीरगाथा गाकर अपने अमर शहीदों को याद करते हुए कवि जय चक्रवर्ती ने कहा कि जिनके तन मन में था सिर्फ अहले वतन खून से सींचा जिसने चमन उनको शत-शत नमन उनको शत-शत नमन। कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ अजेन्द्र सिंह ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राणा बेनी माधव बक्स सिंह के नाम शासन द्वारा एक विशाल ऑडिटोरियम प्रस्तावित है तथा

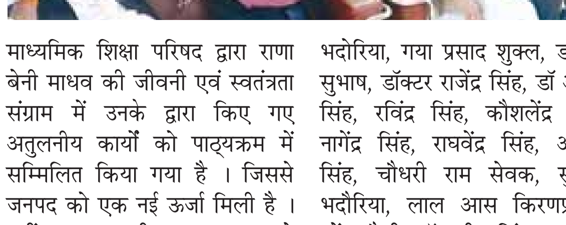

माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा राणा बेनी माधव की जीवनी एवं स्वतंत्रता संग्राम में उनके द्वारा किए गए अतुलनीय कार्यों को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है । जिससे जनपद को एक नई ऊर्जा मिली है । वहीं काव्यपाठ की अध्यक्षता कर रहे अंजनी कुमार सिंह ने तथा सविता बृजेश व अरशद ने अपने गीतों और गजलों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया । समरसता भोज में मोहम्मद इलियास, मोहित अग्रवाल, गुरजीत तनेजा, शैलजा सिंह, नागेष सिंह ,अजय सिंह, विजय रस्तोगी, राकेश भदोरिया, गया प्रसाद शुक्ल, डॉक्टर सुभाष, डॉक्टर राजेंद्र सिंह, डॉ अजेंद्र सिंह, रविंद्र सिंह, कौशलेंद्र सिंह, नागेंद्र सिंह, राघवेंद्र सिंह, आरबी सिंह, चौधरी राम सेवक, सुनील भदौरिया, लाल आस किरणप्रताप, नरेंद्र फौजी, डॉ मनीष सिंह, रामबली सिंह, अतुल गुप्ता, निरंजन राय, जय सिंह सेंगर, अजीत सिंह, हरीशानंद मिश्र, रोहित सिंह, गोविंद खन्ना, धर्मेंद्र सिंह, आदि विभिन्न संगठनों के लोग उपस्थित रहे। वहीं संभ्रांत नागरिकों द्वारा कवियों को अंग वस्त्र भेंट कर समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

एम्बुलेंस में हुआ सकुशल प्रसव

ऊंचाहार,रायबरेली। सीएचसी के अंतर्गत कार्यरत एम्बुलेंस चालक व ईएमटी की सजगता से एम्बुलेंस में सकुशल प्रसव कराया गया, जच्चा व बच्चा दोनों स्वस्थ हैं और उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

क्षेत्र के भागीपुर गाँव निवासी शिवेंद्र कुमार की पत्नी शीला देवी 25 को शनिवार की देर रात दूसरे बच्चे के प्रसव हेतु पीड़ा शुरू हो गई, जिसके बाद स्वजनों की सूचना पर एम्बुलेंस लेकर चालक राजेश कुमार व ईएमटी दीपक कुमार मौके पर पहुंचे, जिसके बाद प्रसव पीड़िता को लेकर वो सीएचसी आ रहे थे तभी पूरे छीटू सिंह गांव के निकट महिला की प्रसव पीड़ा बढ़ गई, आखिरकार चालक, ईएमटी व आशा बहु बिटाना देवी ने सजगता दिखाते हुए एम्बुलेंस में ही सकुशल प्रसव कराया ।महिला ने इस दौरान बेटी को जन्म दिया ।उसके बाद स्वस्थ अवस्था में जच्चा व बच्चा को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

गायत्री शक्तिपीठ पर रक्तदान महायज्ञ शिविर हुआ आयोजित

संवाददाता। श्रावस्ती, भिनगा

भिनगा नगर स्थित गायत्री शक्तिपीठ पर रविवार को नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के मौके पर एक रक्तदान महायज्ञ का आयोजन किया गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित रक्त दान शिविर में 6 लोगों ने रक्तदान किया। गायत्री परिवार के सक्रिय कार्यकर्ता दधिबल सिंह ने बताया इस तरह के रक्तदान शिविर समय.समय गायत्री परिवार करता रहा हैए सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती पर विशेष शिविर के रूप में आयोजित रक्तदान महायज्ञ में विजय कुमार सोनीए अनिल कुमार गुप्ताए शिवकुमार यादवए शिव कुमार विश्वकर्मा और आरती शुक्ला ने रक्तादान किया। ब्लड बैंक से ब्लड का कलेक्शन करने आये डॉक्टर

अनिल कुमार सिंह ने बताया रक्तदान करने वालों को हार्ट और बीपी में बहुत लाभ मिलता हैए ब्लड सर्कुलेशन अच्छे से होता हैए कैंसर जैसी बीमारी का खतरा बहुत ही कम हो जाता हैए उन्होंने बताया कि जैसे किसी नल और कुएं से पानी खत्म नहीं होता है वैसे ही रक्तदान से रक्तदाताओं का भी शरीर से खून कम नहीं होता है धीरे.धीरे शरीर पुनः रक्त बना लेता है। इस अवसर पर दधिबल सिंह ए पंकज देव गुप्ता व चिकित्सक आदि लोग मौजूद रहे।

अमेठी में आज आएगी मतदाता जागरूकता एक्सप्रेस

संवाददाता। अमेठी

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से प्रदेश के समस्त जनपदों में मतदाता जागरूकता के लिए मतदाता जागरूकता एक्सप्रेस बस भेजी जा रही हैए जिसके क्रम में 24 जनवरी को जनपद अमेठी में मतदाता जागरूकता एक्सप्रेस आएगी। मतदाता जागरूकता एक्सप्रेस को गुब्बारोंए बैनर एवं अन्य चीजों के साथ सजाया जाएगा। इसके पश्चात एनएसएस और एनसीसी के छात्रों के साथ कलेक्ट्रेट पर लाया जाएगा। जहां पर जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र एवं मुख्य विकास अधिकारीध्नोडल स्वीप डॉ अंकुर लाठर द्वारा हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया जाएगा। बस पर एनसीसी के छात्र.छात्राएं एवं नुक्कड़ नाटक की टीम एवं विभिन्न अधिकारीगण सवार होकर बस को गौरीगंज विधानसभा से अमेठी विधानसभा तत्पश्चात जगदीशपुर विधानसभा एवं तिलोई विधानसभा में घुमाया जाएगा। मतदाता जागरूकता एक्सप्रेस के द्वारा अधिक से अधिक मतदान की अपील मतदाताओं से की जाएगी। इसके पश्चात शाम तक बस को लखनऊ जाने के लिए छोड़ दिया जाएगा। बस में एक नुक्कड़ नाटक की टीम रहेगी जो विभिन्न विधानसभाओं में नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत करेगी यह नुक्कड़ नाटक मतदाता जागरूकता से संबंधित होगा। प्रत्येक विधानसभा में मतदाता जागरूकता एक्सप्रेस के स्वागत के लिए संबंधित उप जिलाधिकारियों एवं खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र मुख्य विकास अधिकारी की तरफसे प्रेषित कर दिया गया हैए जिस विधानसभा में बस जाएगी वहां पर संबंधित एसडीएम एवं खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा बस का स्वागत किया जाएगा एवं उसे अपनी विधानसभा के प्रमुख मार्गो से प्रमुख बाजारों से घुमाया जाएगा।

क्विक न्यूज

हाईटेशन विद्युत लाइन की चपेट में आकर वृद्ध महिला की दर्दनाक मौत

श्रावस्ती, जमुनहा। थाना मल्हीपुर अंतर्गत ग्राम लक्ष्मनपुर कोठी के निकट घर से मायके जाने के लिए बस के इंतजार में एक वृद्ध महिला बैठी थी जिस जगह वह बैठी थी ठीक उसके ऊपर से हाईटेशन विद्युत लाइन गुजर रही थी मौसम खराब होने के कारण तेज हवा से बिजली का तार टूटकर गिर गया जिसकी चपेट में आकर महिला बुरी तरह से झुलस गई जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची मल्हीपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। जनपद के थाना मल्हीपुर क्षेत्र के ग्राम भरथा मोहनपुर निवासिनी घुमना पत्नी होलीराम अपने मायके मोहम्मदपुर परसा जाने के लिए घर से निकली थी। वह बस के इंतजार में कानीबोझी भिनगा मार्ग पर ग्राम लक्ष्मनपुर कोठी में प्रधान के घर के सामने बैठी थी। इस दौरान तेज हवा के चलते हाईटेशन विद्युत लाइन का तार टूटकर उसके ऊपर गिर पड़ा जिसकी चपेट में आकर महिला की झुलसकर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी । आसपास के लोगो ने इसकी सूचना मृतका के पति होली को दी। मौके पर पहुंचे होली ने पुलिस को घटना की सूचना दी मौके पर पहुँची मल्हीपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज कार्यवाही में जुट गई है।

आपराधिक मामले वाले व्यक्तियों को अभ्यर्थी बनाये जाने पर 48 घंटे के अन्दर प्रकाशित करानी होगी सूचना: जिला निर्वाचन अधिकारी

अमेठी। जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राजनैतिक दलों द्वारा आपराधिक मामले वाले व्यक्तियों को अभ्यर्थी बनाये जाने पर अभ्यर्थी के चयन के 48 घंटे के अन्दर प्रारूप सी.7 पर समाचार पत्रए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एवं पार्टी वेबसाइट पर सूचनाएं प्रकाशित करानी होगीं। तत्पश्चात उम्मीदवारों के चयन के 72 घंटे के अंदर राजनैतिक दलों द्वारा प्रारूप सी.8 पर सूचनाएं भारत निर्वाचन आयोग को भेजनी होगी। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों से अपेक्षा की है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आपराधिक मामले वाले व्यक्ति को प्रत्याशी बनाने की दशा में आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा के अन्दर विभिन्न माध्यमों में प्रकाशन कराने के साथ ही आयोग की वेबसाइट पर भी सूचनाएं अपलोड कराने के साथ ही आयोग को समय से सूचनाएं प्रेषित कराएं।

पराक्रम दिवस पर हुआ वेबीनार का आयोजन

बछरावां रायबरेली। दयानंद पीजी कॉलेज बछरावां के एनसीसी, एनएसएस, रोवर्स रेंजर्स ने वर्चुअल पराक्रम दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर सुभाष चंद्र श्रीवास्तव ने संबोधित करते हुए कहा कि ष्नेता जी सुभाष चन्द्र बोस देश के अनमोल रत्न, अप्रतिम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, आजाद हिंद फौज के संस्थापक, अद्भुत, अदम्य साहस ,पराक्रम एवं विलक्षण मेधा के महामानव थे। ष्महाविद्यालय की चीफप्रॉक्टर डॉ कल्पना श्रीवास्तव ने पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं दी। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर शालिनी श्रीवास्तव ने नेताजी के देश के लिए किए गए योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन करते हुए एनसीसी एएनओ डॉ विष्णु चंद श्रीवास्तव ने नेताजी के संक्षिप्त जीवन परिचय को प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के एनसीसी एनएसएस के स्वयंसेवकों में नरगिस बानो, मानसी, साक्षी दीक्षित, तनु शर्मा, सुनीता, संजय कुमार, दिव्या ने नेताजी पर अपने विचार प्रस्तुत किए। एनसीसी कैडेट वर्षा सिंह ने आजाद हिंद फौज के प्रेरणादाई गीत को प्रस्तुत किया। इस वेबीनार में कुलदीप, शहनवाज, आनंद, नेहा, अमर, मुकीम आशीष, आलोक, राहुल, मनु, दीपक अर्पिता, प्रांशी आदि सभी कैडेटों एवं स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया।

ओवरब्रिज की रेलिंग से टकराने पर गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों की इलाज के दौरान मौत, क्षेत्र में शोक की लहर

बछरावां रायबरेली। बछरावां में लखनऊ राजमार्ग पर बने कालरूपी ओवर ब्रिज पर आए दिन मौत होना आम बात हो चुकी है। फिर भी प्रशासन चेतने का नाम नहीं ले रहा है ना जाने कितने राहगीरों की मौतों का इंतजार कर रहा है। अभी कल देर शाम ओवरब्रिज से दुर्घटनाग्रस्त होकर विकासखंड के दो युवकों की इलाज के दौरान मौत हो गई। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बछरावां नगर के गल्ला मंडी निवासी महेश कुमार पुत्र बाबादीन उम्र 32 वर्ष व रामपुर मोहद्दीनपुर गांव के निवासी सत्येंद्र कुमार पुत्र छेदा लाल उम्र 38 वर्ष की ओवरब्रिज की रेलिंग से टकराने पर गंभीर रूप से घायल होने के बाद आज लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश कुमार अपने मित्र सतेंद्र कुमार उर्फरिंकू के साथ निमंत्रण बांटने के लिए गया हुआ था। लौटते समय यह दुर्घटना घटित हुई। उनकी मौत की सूचना मिलने पर परिवारी जनों क रो रो कर बुरा हाल है वहीं क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बछरावां का यह खूनी ओवर ब्रिज अब तक सैकड़ों राहगीरों की जाने ले चुका है। हर बार नागरिकों व जनप्रतिनिधियों द्वारा इसकी शिकायत की जाती है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी नहीं चेत रहे हैं। लगातार राहगीर इस ओवरब्रिज की चपेट में आकर अपनी जान गवा रहे हैं।

न्यू स्टैण्डर्ड बालिका विद्या मन्दिर में मनायी गयी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती

रायबरेली। न्यू स्टैण्डर्ड बालिका विद्या मन्दिर में माँ भारती के वीर सपूत आजाद हिन्द फौज के संस्थापक, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक देषभक्त, क्रांतिकारी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गयी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य तारकेष्वर सिंह ने बाबू सुभाष जी के चित्र पर श्रद्धाभाव के साथ माल्यार्पण और पुष्पार्पण किया। तदोपरान्त विद्यालय के सभी षिक्षक-षिक्षिकाओं ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानाचार्य ने कहा कि सुभाषचन्द्र जी ने जीवन पर्यन्त विषम परिस्थितियों से जुझते हुए भी देषभक्ति की लौ को बुझने नहीं दिया। वे साहसी, विद्वान, क्रांतिकारी विचारों के धनी परम देषभक्त थे। बाबू सुभाष जी भारत की आजादी के लिए जीवन भर अंग्रेजों से संघर्ष करते रहे।

बैसवारा चेतना संघ ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती मनाई

संवाददाता। लालगंज रायबरेली

बैसवारा चेतना संघ द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती समारोह बैसवारा इंटर कॉलेज के गोविंद हाल में आयोजित की गईस कार्यक्रम के पहले बैसवारा चेतना संघ द्वारा सुभाष शोभा यात्रा आयोजित की गई शोभा यात्रा उपेन्द्र सदन से प्रारंभ होकर लालगंज नगर के विभिन्न मार्गो से भ्रमण करते हुए गोविंद हाल में समाप्त की गईस शोभा यात्रा का शुभारंभ रामबाबू गुप्ता नगर पंचायत अध्यक्ष लालगंज द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गयास शोभायात्रा में विभिन्न स्कूलों के बच्चे महापुरुषों की वेशभूषा में शामिल हुएस समारोह के मुख्य अतिथि आनंद विक्रम सिंह वित्त एवं लेखाधिकारी फ्तेहपुर एवं विशिष्ट अतिथि लाल देवेंद्र बहादुर सिंह एवं गिरीश पांडे रहेस कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद, सुभाषचंद्रबोस व हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण कर समारोह की शुरुआत की गईस समारोह में प्रमुख रूप से सुभाषचंदबोष पूर्व सेनानी सम्मान श्री

हीरालाल बाजपेई सेवानिवृत्त सूबेदार को दिया गया विवेकानंद युवा प्रतिभा सम्मान रोहित मिश्रा असिस्टेंट प्रोफेसर इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं रानी लक्ष्मीबाई सम्मान कुमारी नेहा सिंह आल्हा गायिका को प्रदान किया गया ससमारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा की आजादी मिलती नहीं है इसे छीनना पढ़ता है उन्होंने कहा अगर जीवन में संघर्ष ना रहे किसी भय का सामना न करना पड़े तो जीवन का आधा स्वाद ही समाप्त हो जाता हैस समारोह को प्रमुख रूप से लाल देवेंद्र बहादुर सिंह, गिरीश नारायण पांडे ,अमरपाल सिंह, राम प्रताप सिंह ,अवनीश सिंह , अवनींद्र सिंह आदि लोगों ने संबोधित कियास कार्यक्रम का संचालन सुरेश सिंह आचार्य एवं आशीष प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से कियास कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत विश्वास बहादुर सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह ने कियास कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम अदिति विक्रम सिंह, माही बाजपेयी,पायल सोनकर,अपर्णा सिंह , रोली गौतम ,प्रीति गौतम ,अर्थव् तिवारी, अभिषेक त्रिवेदी, अक्षय प्रताप सिंह आदि बच्चों ने प्रतिभाग कियास कार्यक्रम में बैसवारा डिग्री कॉलेज, एस जे एस स्कूल ,न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल ,ब्राइट लैंड पब्लिक स्कूल, प्राथमिक विद्यालय लालपुर सरेनी, इंटर कॉलेज ,सरस्वती शिशु मंदिर, बाल मांटेसरी स्कूल ने प्रमुख रूप से प्रतिभाग कियास कार्यक्रम में मुख्य रूप से विष्णु कुमार पांडे , राजेश सिंह फौजी ,संतोष सिंह, मोहन सिंह संतलाल ,पन्नालाल, सुरेंद्र सिंह, अनंत विजय सिंह ,पवन सिंह ,हरिओम जितेंद बाजपेई, अमनदीप ,अक्षय प्रताप रमेश बहादुर सिंह, पुष्पा बरनवाल, रमेश सिंह आदि लोगों की उपस्थिति रही।

सार्वजनिक स्थलों पर गोवंश मिलने पर ग्राम सचिवों पर होगी कार्रवाई

श्रावस्ती। मुख्य विकास अधिकारी ने आदेश जारी करते हुए सभी ग्राम सचिवों को सख्त निर्देश दिए देते हुए कहा है कि यदि सार्वजनिक स्थलों पर निराश्रित गोवंश पाए गए तो ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसानों के फसल के हो रहे नुकसान व सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंश के कारण आये दिन हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने अब शख्त कदम उठाए हैं। सभी ग्राम पंचायत में निराश्रित गोवंश के लिए तत्काल अस्थाई गो संरक्षण ए पशुवाड़ा स्थापित के लिए आदेश दिए गए हैं। ग्राम पंचायतों के द्वारा मनरेगा योजना से इसका निर्माण कराया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने आदेश जारी करते हुए आदेश का कड़ाई से पालन करने के लिए ग्राम सचिवों को सख्त निर्देश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि यदि सार्वजनिक स्थानों पर गोवंश दिखाई दिए तो उस ग्राम पंचायत के ग्राम सचिव के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 24 जनवरी 2022

शान पट्टी के खेल में यूं ही डोलता रहा ईमान!

- पैसा और ठेका पट्टी को लेकर किसी भी स्तर पर समझौता कर लेते हैं जिला पंचायत सदस्य
- तीन विभिन्न चरणों में अब तक 20 सदस्य रख चुके हैं अपनी निष्ठा को गिरवी
- जो बचे हैं वह बेहतर अवसर की तलाश में
- शपथ-पत्र देने के बाद भी बिक गए सदस्य जनता और साथियों के साथ किया विश्वासघात

संवाददाता। बस्ती

पिछले कई दिनों से टेंडर में जिला पंचायत सदस्यों के प्रस्ताव को शामिल न करने के विरोध में जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी को हिलाने की साजिश करने वाले जिला पंचायत सदस्यों की पोल धीरे-धीरे खुलने लगी। कहने को इनका विरोध भ्रष्टाचार के खात्मे के लिए रहा, भ्रष्टाचार तो समाप्त नहीं कर पाए, अलबत्ता खुद भ्रष्टाचार का हिस्सा अवश्य बन गए। 24 में से 20 सदस्यों का तीन चरणों में बिकने की घटना ने यह साबित कर दिया कि इनका विरोध-विरोध नहीं बल्कि धन कमाने की साजिश थी। पूरे जिला पंचायत को हंसी का पात्र बनाने वाले यह सदस्य असल में विरोध जताकर अध्यक्ष को डराना और धमकाना चाी रहे थे ताकि ठेका पटटी और पैसा हासिल किया जा सके। हुआ भी वही जिसका अंदेशा पहले से था। इस सच को पूरी दुनिया ने देखा। कहा भी जा रहा है, कि अगर शपथ-पत्र देने के बाद भी दस सदस्य अपना ईमान-धर्म सिर्फठेका पटटी हासिल करने के लिए बेच सकते हैं, तो इस बात की क्या गांरटी की बाकी चार सदस्य नहीं बिकेगें। जानकार कहते है, कि अवशेष चारों को भी हर हाल में बिकना हैं, आज बिके या कल बिके बिकना अवश्य है। अंदरखाने की खबर यह है, कि यह चारों भी बिकने को तैयार है, बस सही मौके और अच्छी कीमत का इंतजार कर रहे है। जिला पंचायत का इतिहास गवाह है, कि विरोध करने वाले सदस्यों को आखिर में जिला पंचायत अध्यक्ष की गोद में बैठना ही पड़ा। सरेंडर करने वाले कुछ सदस्यों का तो यहां तक कहना है, कि जो सदस्य असलहे के साथ मंहगी गाड़ियों में चलने की ख्वाहिश लेकर चुनाव में पर्चा दाखिल करते हैं, वह कैसे अपने आप को अधिक दिन तक इन सुविधाओं के बिना रह पाएंगे। जब इन्हें शपथ-पत्र नहीं रोक सका तो इनके साथी सदस्य क्या रोक पाएंगे। हर सदस्य जिला पंचायत के जरिए अपनी रोजी रोटी का कारोबार चलाना चाहता है। इसके आगे उसके सामने क्षेत्र का विकास और आमजनमानस का विश्वास बहुत छोटा नजर आता है। बहरहाल अधिक दिनों तक कोई भी सदस्य अध्यक्ष से पंगा लेने की स्थित में नहीं दिखाई दे रहे हैं। बयान देने को चाहें कुछ भी बयान दे दें। अब बागी सदस्यों के सामने सरेंडर करने के आलावा कोई रास्ता नहीं बचा है, अगर मान भी लिया जाए तो कि यह लोग सत्ता परिवर्तन का इंतजार कर रहे हैं, तो उससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं हैं, क्यों कि पिछले तीन अध्यक्षों के कार्यकाल का परिणाम लोग देख चुके हैं। सत्ता परिवर्तन के बाद भी विपक्ष के अध्यक्षों ने अपने पांच साल के कार्यकाल को बिना किसी रुकावट के सिर्फ अपने तिकड़म के बल पर पूरा किया, और वर्तमान अध्यक्ष के बारे तो यह तक कहा जाता है, कि इनके अंदर वे सारे गुण और अवगुण है, जिसके बल पर विरोधियों को पस्त किया जा सकता है। इनके शुभचिंतक दावे के साथ कहते हैं कि जिस कुर्सी को पाने के लिए अध्यक्ष ने इतनी बदनामी झेली हैं, उसे आसानी से नहीं जाने देंगे। जो लोग सत्ता परिवर्तन के बाद कुर्सी हथियाने का सपना देख रहे हैं, उनका सपना धरा का धरा ही रह जाएगा। जिला पंचायत सदस्यों का विरोध देख शुरु में लग रहा था, कि यह लोग अध्यक्ष की कुर्सी को ही संकट में डाल देगें। लोग मानने लगे थे कि बेईमान किस्म के लोग इनके आगे घुटना टेक देंगे। लेकिन बाद के क्रियाकलापों से ऐसा लगा कि इन्हें न तो क्षेत्र के विकास से कोई लेना देना और न अपने मतदाताओं से कोई सरोकार, इनका मकसद तो केवल अध्यक्ष पर दबाव बनाकर लूटखसोट में अपनी हिस्सेदारी बनाना था। इनके संघर्ष से जो परिणाम सामने आया वह काफी घिनौना एवं निचले स्तर का रहा। इस तरह की घटना लोकतांत्रिक परम्परा में शायद ही किसी सदन में हुआ होगा, जब सदस्य इतने निचले स्तर तक जाकर बेईमानी और लूट में हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए गिरने का काम किया होगा। इससे सदन एवं सदस्य ही शर्मसार नहीं हुए बल्कि क्षेत्र की जनता कहने पर मजबूर हो गई कि ऐसे जनप्रतिनिधि न होते तो ठीक था। इनके इतने पतित होने के बावजूद भी शासन ने जिस तरह से संज्ञान में लेकर कार्यादेश पर आचार संहिता तक रोक लगा दिया। उसे सदस्यों की जीत नहीं बल्कि शासन की कार्रवाई माना जा रहा है। कहा जा रहा है, कि इतना सब कुछ होने के बाद भी अगर कुछ सदस्य ईमानदारी दिखाते तो भले ही भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लगता, मगर भविष्य में इस तरह की हरकत कोई भी जिला पंचायत प्रशासन या अध्यक्ष नहीं कर पाता। सदस्यों के सरेंडर करने से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलने का अंदेशा किया जा रहा है। सदस्यों ने जिस तरह अपने भ्रष्ट होने का सबूत दिया है, उससे स्पष्ट होता है, कि इनकी बेईमानी ही इनका ईमान-धर्म बन गया है।

बेईमानी के आगे ईमानदारी की चढ़ी बलि

जिला पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार की जांच कराने के लिए जिन 24 जिला पंचायत सदस्य कमिश्नर से मिले और बाद में इनमें 14 सदस्यों ने डीएम, सीडीओ को शपथ-पत्र के साथ शिकायत करते हुए जांच कराने की मांग की थी। बाद में जांच के दौरान इनमें से दस सदस्यों ने यह लिखकर दे दिया कि भूलवश और दबाव में आकर उनसे शपथ-पत्र दिलवाया गया। साथ में यह भी लिखा कि अब वह लोग अध्यक्ष के कार्यो से संतुष्ट है। यानि इन लोगों ने एक तरह से भ्रष्टाचार का प्रमाण-पत्र दे दिया। इन्हीं दस सदस्यों के पत्र को आधार बनाकर शिकायत को निक्षेपित करने की रिपोर्ट कमिश्नर को कर दी गई। शपथ-पत्र को दरकिनार कर जिस तरह सिर्फसदस्यों के पत्र को सही मानकर मामले को रफादफा कर दिया गया, उससे कई सवाल उठ रहे है। सीडीओ से जब यह पूछा गया कि क्या उन शपथ-पत्र का कोई मतलब नहीं, और अगर शपथ-पत्र गलत है, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई। यह भी पूछा गया कि जिन चार सदस्यों ने लिखकर नहीं दिया गया, उनके शिकायतों की क्यों अनदेखी की गई? इतना ही नहीं मामले को रफादफा करने के लिए जिला पंचायत के एएमए ने कर अधिकारी व अभियंता सहित तीन सदस्यों की जांच टीम बना दी, जिसने बाद में सभी को क्लीट चिट दे दिया। सीडीओ ने बताया कि टेंडर में कोई भी मनमाना नहीं किया गया, कार्ययोजना से सभी सदस्यों के संतुष्ट होने की बात कही। बताया कि सभी 14 ब्लॉकों के विकास के लिए टेंडर निकाला गया। कहा कि कोई जरुरी नहीं कि सदस्य जो प्रस्ताव दें, उसे स्वीकार ही कर लिया जाए। रिपोर्ट की मजबूती के लिए सात जनवरी 22 को हुई शाति पूर्वक बैठक संपन्न होने का हवाला भी दिया गया। यहां ध्यान देने की बात यह है, कि कमिश्नर ने सीडीओ और एएमए की जांच टीम बनाई थी, मगर लीपापोती करने के लिए उसी विभाग के लोगों की जांच टीम बना दी गई, जिस पर आरोप है।

लापरवाही के चलते 249 पंचायत भवनों का निर्माण अधर में!

बस्ती। पंचायत भवनों के जरिए गांव वालों को सारी सुविधा देने की मंशा पर प्रधान और सेक्रेटरी पानी फेर रहे हैं। हालत यह है, कि जो पंचायत भवन कई माह पहले बन जाने चाहिए थे वे आज तक निर्मित्त नहीं हो सका। सात ग्राम पंचायतों में अभी तक तहसील वाले भूमि तक उपलब्ध नहीं करा सके। 1185 पंचायत भवन में से अभी तक 936 का ही निर्माण हो सका, जब कि धन की कोई कमी नहीं है। अधिकतर भवनों का निर्माण तो पुराने और नए प्रधानों के बीच कमीशन को लेकर रुका हुआ है। निर्माण पूरा करने के लिए डीएम, सीडीओ और डीपीआरओ की ओर से अनेक पत्र के जरिए आदेश और निर्देश दिए जा चुके है। बावजूद निर्माण को पूरा करने में ग्राम पंचायतें रुचि नहीं ले रही है। पंचायत भवनों के जरिए सरकार गांव वालों को सभी सुविधा कराना चाहती, जिसके लिए गांव वालों को शहर की ओर जाना पड़ता था, इस ग्राम पंचायत में एक सहायक पंचायत की नियुक्ति की गई। यह भवन पूरी तरह कम्पयूटर से लैश होगा। निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण की जो स्थित सामने आई हैं, उसे किसी भी दशा में संतोषजनक नहीं माना जा सकता है। सबसे खराब स्थित परसुरामपुर की है। इस ब्लॉक में 107 ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन का निर्माण होना है, मगर अभी तक मात्र 78 ग्राम पंचायतों में ही निर्माण हुआ। सबसे अच्छी स्थित सल्टौआ ब्लॉक की है, यहां पर सबसे अधिक 93 पंचायत भवन का निर्माण हुआ, जब कि निर्माण का लक्ष्य 95 का है। जिन ब्लॉको में निर्माण अधूरा है, उनमें बहादुरपुर में 17, बनकटी में 23, बस्ती सदर में 21, दुबौलिया में 16, गौर में 20, हर्रैया में 14, कप्तानगंज में आठ, कुदरहा में 16, परसरामपुर में 29, रामनगर में 28 एवं जीर्णशीर्ण, रुधौली में 26, सल्टौआ में दो, साउंघाट में दो भवन जीर्णशीर्ण एवे दो का निर्माण जमीन न मिलने के कारण लंबित और विक्रमजोत ब्लॉक में 18 पंचायत भवन निर्माणधीन है।

नेताजी की कथनी व करनी में अंतर नहीं : वर्षा सिंह

संवाददाता। गोंडा

पराक्रम दिवस के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मॉडर्न पब्लिक स्कूल पटेल नगरए गोंडा में धूमधाम से मनाई गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉण् विजय शंकर सिंह ने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि नेताजी के व्यक्तित्व व कृतित्व को अभी तक पाठ्यक्रमों में शामिल नहीं किया गया। मुख्य अतिथि वर्षा सिंहए उपाध्यक्ष प्रबंध समिति एलबीएस कॉलेजए गोंडा ने इस मौके पर कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की कथनी और करनी में अंतर नहीं था। उन्होंने देश की आजादी में जो भूमिका निभाई उसको कभी भुलाया नहीं जा सकता। विशिष्ट अतिथि डॉण् पुण्योदय मिश्रा व डॉण् अनीता मिश्रा ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों से कोविड.19 को देखते हुए अधिकाधिक संख्या में वैक्सीनेशन कराने की अपील की। इस समारोह को डॉण् ओंकार

समारोह को सम्बोधित करते डॉ. शेर बहादुर सिंह पायनियर

पाठकए जसपाल सिंह सलूजाए डॉण् उमा सिंहए अजेय विक्रम सिंहए महेंद्र सिंहए केबी सिंहए वंदना जायसवाल आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन केण्केण् श्रीवास्तवए अनिल श्रीवास्तव एवं नेशनल पीजी कॉलेजए लखनऊ की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉण् बीनू सिंह ने संयुक्त रुप से किया। डॉण् अनीता मिश्रा को मिसेज इंडिया 2021 चुने जाने पर पटेल नगर वासियों ने सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के आयोजक डॉण् शेर बहादुर सिंह ने आए हुए अतिथियों का धन्यवाद व आभार ज्ञापित किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष इसी तरह से उल्लास पूर्ण तरीके से मनाया जाता रहेगा। कार्यक्रम में रवि मोदीए सुशील श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, सुदीप श्रीवास्तव, अवधेश श्रीवास्तव, श्याम बहादुर सिंहए राम शरण सिंह, क्षत्रिय कल्याण परिषद के अध्यक्ष अमित सिंह व इंकलाब फाउंडेशन के अविनाश सिंह आदि की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। विशेष आकर्षण में सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमूर्ति के रूप में विवान राजपूत व अथर्व प्रताप सिंह रहे।

टीईटी की दोनों पालियों की परीक्षा शान्तिपूर्ण ढंग से संपन्न

- प्रथम पाली 12 और द्वितीय पाली 16 परीक्षा केन्द्रो पर पुलिस बल के साथ स्टेटिक मजिस्ट्रेट रहे तैनात
- डीएम-एसपी व एडीएम एएसपी करते रहे भ्रमण

संतकबीरनगर। जनपद में टी0ई0टी0 परीक्षा शान्तिपूर्ण ढंग से जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुआ। किसी भी परीक्षा केन्द्र पर किसी प्रकार की अव्यवस्था नही पायी गई। अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह लगातार परीक्षा केन्द्रो पर भ्रमण करते रहे। आज की परीक्षा में 12682 परीक्षार्थी उपस्थित रहे एवं 962 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाये गये। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ द्वारा संयुक्त रुप से आगामी उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यू0पी0 टी0ई0टी0) को सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत जनपद में परीक्षा केंद्र बनाए गए विद्यालयों का परीक्षा के दौरान भ्रमण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया गया कि नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरा की निगरानी में परीक्षा हो रही है तथा परीक्षा समाप्ति तक निर्बाधरुप से रिकॉर्डिंग कराई गई तथा सभी अभ्यर्थियों से कोविड-19 के सभी दिशा निर्देशों का पालन कराया जा रहा है।

गांव-गांव घूम रहे बसपा प्रत्याशी

- बसपा के नीतियों को लेकर घर-घर कर रहे है जनसम्पर्क

संवाददाता। संतकबीरनगर

बहुजन समाज पार्टी के खलीलाबाद विधानसभा प्रत्याशी आफताब आलम लगातार जनता के बीच में पहुँचकर पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के शासन काल के कार्यो को बता रहे है। वह अपने सहयोगियों के साथ प्रतिदिन खलीलाबाद विधानसभा के दर्जनो गांव में घर-घर जनसम्पर्क कर रहे है। रविवार को आफताब आलम खलीलाबाद के उत्तर क्षेत्र गांव में चौपाल लगाकर लोगों को बहुजन समाज पार्टी के नीतियों एवं विचारों को बताते हुए कहा कि एक अच्छा शासनकाल बहन मायावती दे सकती है। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें अवसर मिला तो सर्वप्रथम युवाओं

बुजुर्ग से आर्शीवाद लेते बसपा प्रत्याशी पायनियर

को शिक्षित करके आगे बढ़ाने, रोजगार से जोड़ने का कार्य करेगे तथा गरीबो, किसानों, मजदूरो सहित सर्वसमाज की सेवा करेगे। रविवार को महुआर, उपरौध, कर्री, तरैनी सहित दर्जनों गांव में जनसम्पर्क किये। इस दौरान भूपेन्द्र सिंह सोनल, प्रधान प्रतिनिधि अम्बिका सिंह, सर्वेश कुमार चौरसिया, राकेश यादव, अभिषेक, धनन्जय सिंह, धीरेन्द्र कुमार सहित कई ग्राम प्रधान शामिल रहे।

सुभाष चन्द्र बोस की क्रान्ति से ही देश को मिली आजादी: अंकुर

- धूमधाम से मनाई गई सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती

संतकबीरनगर। रविवार को खलीलाबाद शहर के गोला बाजार स्थित अपने कार्यालय पर भाजपा नेता अंकुर तिवारी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती धूमधाम से मनाई व नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया और कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माला पहनाकर श्रद्धा पूर्वक याद कर नमन किया। भाजपा नेता अंकुर तिवारी ने कहा कि नेताजी क्रांति से ही आजादी दिलाने के पक्षधर थे। इसलिए उन्होंने विदेशों में रह कर अपनी भूमिका का बखूबी निर्वहन किया और नौजवानों को एकत्रित कर 1943 में आजाद हिन्द फौज का गठन किया। उन्होंने कहा कि नेताजी महात्मा गांधी की अहिंसा

नमन करते भाजपा नेता अंकुर राज तिवारी

वादी नीति से सहमत नहीं थे। इसीलिए उन्होंने नौजवानों में तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा बुलंद किया और युद्ध लड़कर अंग्रेजों को परास्त करने में अपनी भूमिका निभाई, नेताजी एक महान पुरुष थे और आजादी दिलाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी। कार्यक्रम में चंद्रपाल सिंह, विनय दुबे, बागेश तिवारी, अमित चौबे, अवनीश पाण्डेय, ठाकुर प्रसाद पाण्डेय, रविंद्र चौधरी, भोला अग्रहरी, रजत गुप्ता, नर्मदा मिश्रा, शूरसेन मिश्रा आदि मौजूद रहे।

ताबिश खान मेंहदावल से बसपा प्रत्याशी घोषित

- कार्यकर्ता समीक्षा बैठक में हुआ जोरदार स्वागत

संवाददाता। संतकबीरनगर

बसपा सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के संस्तुति पर रविवार को जिलाध्यक्ष धर्मदेव प्रियदर्शी ने जनपद के मेंहदावल विधानसभा के पूर्व विधायक ताबिश खान को प्रत्याशी घोषणा की है। कार्यकर्ता सम्मेलन के आयोजन में ताबिश खान का भव्य स्वागत हुआ। ज्ञात हो कि पूर्व विधायक ताबिश खान बसपा सरकार में विधायक चुने गये थे। पूर्व विधायक मुहम्मद ताबिश खान को प्रभारी/प्रत्याशी घोषित किया गया। श्री खान को प्रत्याशी बनाने की घोषणा पूर्व सांसद एवं मुख्य जोनल कोआर्डिनेटर घनश्याम चंद्र खरवार ने मेंहदावल स्थित एक मैरेज हाल में बसपा की कार्यकर्ता समीक्षा बैठक में किया। पूर्व विधायक मुहम्मद ताबिश

जिलाध्यक्ष के साथ बसपा प्रत्याशी पायनियर

खान को प्रभारी / प्रत्याशी बनने पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान श्री खरवार ने कहा कि मु0 ताबिश खान पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं। सभी कार्यकर्ता आज से ही बीएसपी सरकार बनाने का संकल्प लें। आज केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों से हर वर्ग के लोग परेशान हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक भगवानदास, कल्पनाथ बाबूजी, रामसूरत चौधरी, झिनकान प्रसाद, यशोदानंद निषाद, आर सी राव, कुलदीप मणि, अशोक चौधरी, रामू चौधरी, राजेन्द्र आजाद, सुरेश राव, त्रियुगानंद गौतम, अख्तर खान, रामराज मौर्या, रामलौट अकेला, पप्पू खान, सईद प्रधान, अजीजुल्लाह, जब्बार अहमद, जवाहर लाल, कपिलदेव, समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आज से एनएचएम कर्मियों करेंगे कार्य बहिष्कार

बस्ती। पिछले दो माह से मानदेय और एरियर का भुगतान न होने से नाराज एन.एच.एम. संविदा कर्मियों उनके समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। जो मानदेय सात जनवरी को मिल जाना चाहिए, वह 22 जनवरी तक नहीं मिला। इससे नाराज कर्मियों ने 24 जनवरी से कार्यबहिष्कार करने का निर्णय लिया है। उ.प्र. राष्टीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डा. अजय कुमार ने बताया कि उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को पत्र भेजकर एन.एच.एम. संविदा कर्मियों का वेतन भुगतान कराए जाने की मांग करते हुए लिखा है, अगर वेतन नहीं मिला तो कर्मी 24 जनवरी से कार्य बहिष्कार करेगें। जिसकी पूरी जिम्मेदारी सीएमओ की होगी। बताया कि नियमित और जिम्मेदारी पूर्वक दायित्वों का निवर्हन करने के बावजूद मानदेय न मिलने से सभी संविदा कर्मियों में रोष व्याप्त है।

सहायक चीनी आयुक्त ने गन्ना क्रय केंद्रों का किया निरीक्षण

- बभनान और मुंडेरवा चीनी मिल को दिए सख्त निर्देश
- निरीक्षण में सहायक चीनी आयुक्त ने पकड़ी कांटें में गड़बड़ी
- क्रय केंद्र गौर बी में चार किलो का अंतर पकड़ा
- किसानों ने की गन्ना उतवराई की कीमत लेने की शिकायत, चीनी मिल को थमाया नोटिस

संवाददाता। बस्ती

सहायक चीनी आयुक्त गोरखपुर नीलू सिंह ने बभनान और मुंडेरवा चीनी मिल के कई गन्ना क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने

गन्ना क्रय केंद्रों का निरीक्षण करती सहायक चीनी आयुक्त पायनियर

किसानों को समुचित सुविधाएं मुहैया कराने एवं घटतौली को रोकने का निर्देश दिया। सहायक चीनी आयुक्त ने सबसे पहले बभनान चीनी मिल के गन्ना क्रय केंद्र गौर बी का निरीक्षण किया। यहां पर कांटे में तकनीकी गड़बड़ी पाई गई। जिसमें लगभग चार किलो का अंतर पाया गया। इस पर गन्ना आयुक्त ने गन्ना तौल बंद कराते हुए बभनान चीनी मिल को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जब तक पूर्ण रूप से कांटा ठीक न हो जाए, तब तक तौल न किया जाए। इसके साथ ही भीषण ठंड को देखते हुए क्रय केंद्रों पर अलाव की व्यवस्था हर हाल में करने को कहा। जिससे किसानों को ठंड से राहत मिल सके। इसके बाद उन्होंने गन्ना क्रय केंद्र शिवपुर पहुंची तो वहां मौजूद किसानों ने मौखिक रूप से शिकायत किया कि यहां पर गन्ना उतरवाई के नाम पर किसानों से पैसा लिया जाता है। इस पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए चीनी मिल को नोटिस भेजा है और कहा कि यदि किसानों का शोषण बंद नहीं किया गया तो संबंधित चीनी मिलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा गन्ना क्रय केंद्र आमा प्रथम व कर्मी का भी निरीक्षण किया जहां सब कुछ ठीक-ठाक मिला। मुंडेरवा चीनी मिल के गन्ना क्रय केंद्र परसा जाफर, बनकसही, भिटिया और मिल गेट के कांटा नंबर पांच और तीन का औचक निरीक्षण किया। यहां लगभग सब कुछ सामान्य रहा। लेकिन क्रय केंद्रों पर अलाव की व्यवस्था न होने पर सहायक गन्ना आयुक्त ने मुंडेरवा चीनी मिल को किसानों को सहूलियत देने के लिए निर्देश दिया।

विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से कराने को लेकर तैयारी शुरू

संवाददाता। ऊंचाहार, रायबरेली

कोतवाली पुलिस ने विधान सभा चुनाव को शांति पूर्ण ढंग से कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। अराजकता की आशंका के चलते जहां 5 हजार से अधिक लोगों को पाबंद किया गया है। वहीं अवैध तमंचे के साथ 20 गिरफ्तारियां भी की गई है। लगातार अपराध में लिप्त लोगों पर भी गुंडा एक्ट व मिनी गुंडा के तहत भी कार्रवाई की गई है।

गौरतलब है कि चुनाव को लेकर पुलिस सतर्क है। गांवों में फ्लैग मार्च के साथ ही अराजकतत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की जा रही है। बताते हैं कि लगभग एक माह पहले ही पुलिस ने चुनाव में गड़बड़ी फैलाने की आशंका वाले संदिग्धों की सूची तैयार कर ली थी। अब चुनाव की घोषणा के साथ ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली 73 ग्राम पंचायतों व नगर क्षेत्र में अब तक 5067 लोगों को शांति भंग की आशंका में पाबंद किया है। जबकि 23 लोगों पर गुंडा एक्ट, 167 लोगों पर मिनी गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। वहीं अब तक 20 लोगों को अवैध शस्त्र के साथ गिरफ्तार किया है।इसके अलावा तीन लोगों पर गैंगस्टर की कार्यवाही हुई हैं और 2 लोगों की हिस्ट्रीशीट भी खोली गई है, पुलिस ने क्षेत्र में छापेमारी कर शराब के अवैध कारोबार में लिप्त 54 लोगों को पकड़ा है, जिनके पास 1154 ली कच्ची शराब बरामद की गई है। पुलिस की लगातार कार्रवाई से अवैध कार्यों में लिप्त लोगों में हड़कंप है।

कोतवाल शिवशंकर सिंह ने बताया कि अराजकता फैलाने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। चुनाव में गड़बड़ी कराने का मंसूबा पालने वालों को सलाखों के पीछे भेजा जायेगा।

सदर से आधी आबादी को नुमाइंदगी का मौका नहीं

संवाददाता। सीतापुर

● पहली दफा हाकिम बशीर अहमद चुने गए थे विधायक

● सर्वाधिक छह दफा चुने गए थे राजेंद्र गुप्ता

● वर्ष 1985 से अब तक छह चुनावों में सात महिलाएं आजमा चुकीं हैं किस्मत

उत्तर प्रदेश की एक ऐसी विधानसभा जो विख्यात तो है सीता की नगरी के रूप में, लेकिन विधानसभा चुनाव में यहां की जनता ने मातृशक्ति को कभी भी मौका नहीं दिया। जबकि लोक सभा चुनाव में पहली महिला सांसद उमा नेहरू को बनाने का काम किया, राजनीतिक दलों में भी महिलाओं को टिकट देने में खास दिलचस्पी नहीं दिखाई, फिर भी जब महिला प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमाई, तब उन्हें हार का सामना पड़ा। हम बात कर रहे हैं सीतापुर की सदर विधानसभा सीट की। आजादी से अब तक सत्रह चुनाव हुए, लेकिन यहां के मतदाताओं ने आधी आबादी को कभी भी नुमाइंदगी का मौका नहीं दिया, ऐसा नहीं कि इस सीट पर आधी आबादी ने अपने दांव नहीं लगाए, यहां से उन्होंने अपनी खूब किस्मत तो आजमाई, मगर वो सफल नहीं हो सकी। शायद यही वजह है कि आजादी से अब तक एक भी महिला यहां से चुनकर विधानसभा में दाखिल नहीं हो सकी। आपको बता दें कि वर्ष 1985 में पहली दफा सीतापुर सीट पर दो महिलाएं कमला कुमारी और शांती देवी निषाद दोनों निर्दलीय रूप में चुनावी अखाड़े में उतरी थी। इस चुनाव में कमला देवी को 1139 मत व शांती देवी को 188 मत मिले थे। इसके बाद वर्ष 1991 में जनता दल ने गीता देवी को मैदान में उतारा, इस चुनाव में गीता देवी 3 हजार 673 मत पाकर चौथे पायदान पर रही थी। वर्ष 1993 में राजे मिश्रा उर्फ रजनी निर्दलीय चुनाव लड़ी, उन्हें महज 140 मत मिले थे। वर्ष 2002 में कांग्रेस ने अनुसूइया शर्मा को मैदान में उतारा, वो इस चुनाव में छठवें पायदान पर रही थीं, उन्हें 2 हजार 774 मत हासिल हुए थे। इसके बाद वर्ष 2012 में लोकजनशक्ति पार्टी ने फूलमती को इस सीट पर उतारा, उन्हें 666 मत पाकर संतोष करना पड़ा। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश रिपब्लिकन पार्टी ने कोनिका को मैदान में उतारा, लेकिन उन्हें महज 252 मत मिले। ऐसे में एक बार फिर वर्ष 2022 में आधी आबादी अपनी किस्मत में आजमाने को मैदान में उतरेंगी, अभी केवल कांग्रेस ने राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व सदस्या शमीना शफीक को अपना उम्मीदवार बनाया, हालांकि बाकी दलों ने अभी अपने प्रत्याशी घोषित नहीं किए है। अब जरा सीतापुर विधानसभा के राजनीतिक परिदृश्य पर एक नजर डाल लीजिए, वर्ष 1947 में देश को आजादी मिलने के बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए 1950 में चुनाव आयोग का गठन किया गया, वर्ष 1951 में पहली दफा हुए चुनाव में सीतापुर जिले में छह विधानसभा सीटें थी। कांग्रेस के हाकिम बशीर अहमद को जनता ने पहली दफा विधायक चुनकर विधान सभा में भेजा था। 1957 में कांग्रेस के हरीश चंद्र विधायक बने। 1962 में कांग्रेस को हराकर शारदानंद विधायक बने थे। 1967 में टम्ब्रेश्वर प्रसाद उर्फ बच्चा बाबू ने जीत हासिल की थी। इसके बाद 1969 और 1974 में कांग्रेस के श्याम किशोर ने अपना परचम लहराया। 1977 में जनता पार्टी के राजेंद्र कुमार गुप्ता यहां से विधायक बने। इस क्षेत्र में स्वर्गीय राजेंद्र गुप्ता सर्वाधिक छह बार विधायक बनें, इनमें एक बार जेएनपी और पांच बार बीजेपी से विधायक चुने गए। इनके बाद चार बार विधायक राधेश्याम जायसवाल रहे। 1996 के चुनाव से 2012 तक समाजवादी पार्टी का सीतापुर सीट पर दबदबा रहा। 2017 के चुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े राकेश राठौर ने सपा के राधेश्याम जायसवाल को 24 हजार 839 मतों से पराजित किया था। राकेश राठौर को 98 हजार 850 और राधेश्याम जायसवाल को 74 हजार 011 वोट मिले थे।

एक हजार 242 परीक्षार्थियों ने छोड़ी टीईटी परीक्षा

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर में संपन्न हुई शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए पंजीकृत कुल 24 हजार 391 परीक्षार्थियों में से 22 हजार 210 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। डीआईओएस देवी सहाय तिवारी ने बताया कि 33 केन्द्रों पर प्रथम पाली की परीक्षा के लिए 15056 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें से 13 हजार 814 ने परीक्षा दी और 1 हजार 242 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह द्वितीय पाली में 21 केंद्रों पर परीक्षा संपन्न हुई। जिसमें 9 हजार 335 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें से 8 हजार 396 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। जबकि 939 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया सभी केंद्रों पर सकुशल परीक्षा संपन्न हुई कहीं कोई नकलची नहीं पकड़ा गया।

पब्लिक ओपिनियन पर प्रशासन ने बदली रणनीति

● अब चुनाव में 90 फीसद पार मतदान का होगा लक्ष्य

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में प्रशासन ने मतदान के लिए तय किए गए लक्ष्य में बदलाव किया है। खीरी में मतदाताओं के उत्साह व फीडबैक पर प्रशासन ने अब मतदान प्रतिशत का लक्ष्य 90 फ़ीसदी से अधिक तय किया। जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिला मजिस्ट्रेट महेंद्र बहादुर सिंह जनपद खीरी के लिए 80 फ़ीसदी से अधिक मतदान के लक्ष्य लेकर पूरे जिले में जागरुकता मुहिम चला रहे है। इसी बीच जनपद के प्रबुद्ध नागरिकोंए मतदाताओंए समाजसेवियोंए अन्य वर्गो से उन्हें विभिन्न सोशल प्लेटफॉर्म पर मतदान प्रतिशत का लक्ष्य न्यूनतम 80 फ़ीसदी बढ़ाकर 90 फ़ीसदी पार करने का सुझाव प्राप्त हुए। डीएम ने बताया कि जनपद लखीमपुर.खीरी के मतदाताओं के उत्साह एवं फीडबैक के क्रम में अब विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में 90 फ़ीसदी के पार मतदान का लक्ष्य होगा। इस लक्ष्य को पाने हेतु प्रशासन बेहतर रणनीति के साथ काम करेगाए जिसमें समाज के सभी वर्गों का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि खीरी ने ठाना है अबकी बार 90 प्रतिशत से अधिक मतदान कराना है। टैग लाइन को फोकस करना है। बताते चलें कि खीरी में विधानसभा चुनाव 2022 की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। प्रशासन की ओर से निष्पक्ष मतदान के साथ ही 90 फ़ीसदी से अधिक मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव में मतदाता प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन काफी गंभीर है।

टीईटी परीक्षा केंद्रों का डीएम ने किया निरीक्षण

● सकुशल संपन्न हुई टीईटी की दोनों पालियों की परीक्षा

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

खीरी में प्रशासन की निगरानी में रविवार को शिक्षक पात्रता परीक्षा ;टेटद्ध की दोनों पालियों की परीक्षा सकुशल एवं निर्विघ्न संपन्न हुई। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने शिक्षक पात्रता परीक्षा.2022 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु परीक्षा केंद्र जीआईसीए स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेज समेत कई परीक्षा केंद्रों में स्वयं निरीक्षण कियाए संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने राजकीय इंटर कॉलेज पहुंचकर शिक्षक पात्रता परीक्षा ;टीईटीद्ध का अवलोकन किया। वहां मौजूद केंद्र व्यवस्थापकध्जीआईसी के प्रधानाचार्यए स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं तैनात पुलिसकर्मियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा छूटने के समय व्यवस्थित ढंग से परीक्षा केंद्र के गेटों से परीक्षार्थियों को निकाला जाए। इस दौरान उन्होंने जीआईसी प्रिंसिपल से परीक्षा हेतु उनके केंद्र पर आवंटित अभ्यर्थियों के सापेक्ष उपस्थिति जानी। इसके बाद उन्होंने स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेज पहुंचेए जहां उन्होंने एक.एक परीक्षा कक्षों का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके बाद डीएम ने भ्रमणसील रहकर शिक्षक पात्रता परीक्षा के अन्य परीक्षा केंद्र भी देखे। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगणों को जरूरी निर्देश दिये। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट ने भ्रमणशील रहकर अपने सेक्टर के सभी परीक्षा केंद्रों का स्वमं पर्यवेक्षण व अनुश्रवण किया। वही अपर जिला मजिस्ट्रेट संजय सिंह ने डीआईओएस ओम प्रकाश त्रिपाठी के संग भ्रमणसील रहकर परीक्षा केंद्र आर्यकन्या इंटर कॉलेजए आर्यकन्या डिग्री कॉलेजए इस्लामिया इंटर कॉलेजए स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेजए पीके इंटर कॉलेज देखें। डीआईओएस ओपी त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम पाली में पंजीकृत 12698 बच्चों के सापेक्ष 11529 बच्चों ने परीक्षा दी। वहीं 1169 बच्चों ने परीक्षा छोड़ी। वहीं दूसरी पाली में पंजीकृत 8035 बच्चों के सापेक्ष 7126 बच्चों ने परीक्षा दी। वही 909 बच्चों ने परीक्षा छोड़ी।

क्विक न्यूज

एसडीएम ने क्रिटिकल बूथों का किया निरीक्षण

संडीला(हरदोई)। एसडीएम ने क्षेत्र के क्रिटिकल बूथों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसडीएम देवेन्द्र पाल सिंह ने सीओ महावीर सिंह के साथ मलेहरा, अटवा, शाहपुर, मलैंया, जवंर, सांक, तकिया आदि के क्रिटिकल बूथों का निरीक्षण किया तथा वहां लोगों से विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा बूथों पर आवश्यक सुविधाओं का भी उन्होंनें जायजा लिया।

डरा रहे कोरोना के आंकड़े, मिले 190 नए मरीज

सीतापुर। सीतापुर में कोरोना के आंकड़े डराने लगे हैं। पिछले कई दिनों से एक साथ इतनी बड़ी संख्या में मरीजों के मिलने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। आज फिर एक साथ 190 नए मरीज जिले में पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आज जारी रिपोर्ट के मुताबिक पाए गए कोरोना संक्रमितों में 104 पुरुष और 86 महिलाएं शामिल हैं। इनमें 0 से 10 साल तक के 11 मरीज हैं। जबकि 11 से 20 साल के 32 और 21 से 55 साल तक के 132 मरीज तथा 55 साल के ऊपर के 15 मरीज पाए गए हैं।

सर्द हवाओं ने छुड़ायी कंपकंपी

सीतापुर। मौसम का मिजाज रविवार को भी तल्ख रहा। सुबह से रिमझिम और दोपहर में तेज बारिश के बाद चलने वाली सर्द हवाओं ने लोगों की कंपकंपी छुड़ा दी। रविवार का अवकाश और सुबह से बारिश होने के चलते लोग घरों में ही दुबके रहे। शहर की सड़कों पर चहल-पहल न के बराबर दिखी। ठंड के राहत पाने को लोग अलाव तथा हीटर का सहारा लेते नजर आए। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अगले चौबीस घंटों तक मौसम में खास बदलाव के आसार नहीं हैं। छिटपुट तो कहीं मध्यम बारिश फसलों के लिए अमृत समान है। हालांकि यदि तेज बारिश हुई या हवाएं चली तो रवी फसलों में सबसे ज्यादा सरसों फसल को नुकसान पहुंच सकता है। कृषि विज्ञान केंद्र कटिया के अध्यक्ष वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दयाशंकर श्रीवास्तव ने बताया कि अभी तक फसलों के लिए कोई हानि नहीं है। किसान संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करें। मौसम साफहोने पर ही उर्वरक व दवाओं का छिड़काव करें। जिला कृषि अधिकारी सत्येंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि यह पानी रवी फसलों के लिए काफी लाभदायक है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वह फसलों की सतत निगरानी करते रहें और कीट रोगों की संभावना दिखे तो कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर समय पर उपचार करें।

सेवता विधायक ने जनता के समक्ष पेष किया रिपोर्ट कार्ड

सीतापुर। सेवता विधानसभा से भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी घोषित होने के बाद विधायक ज्ञान तिवारी ने आज अपने विधायक कार्य काल का रिपोर्ट कार्ड जनता के समक्ष पुस्तक के जरिए पेश किया और अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। रामपुर मथुरा क्षेत्र के चकदहा में विधायक ज्ञान तिवारी ने सरकार की विकास, रोजगार, कानून व्यवस्था, किसान, युवा, महिलाओं के मुद्दे पर उपलब्धियां गिनाई तो पूर्ववर्ती सरकार व जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों पर जमकर निशाना भी साधा। इस दौरान विधायक ने कहा कि योगी की अगुवाई में भाजपा फिर से यूपी में सरकार बनाएंगी।

खिचड़ी भोज का आयोजन

सीतापुर। आजाद हिन्द भगत संगठन के पूर्व जिला अध्यक्ष स्व. पवन हिन्दू की स्मृति में खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। शहर के खूबपुर में इस बार षष्टम आयोजन हुआ। इस दौरान स्वर्गीय पवन हिंदू के पिता संजय पांडेय, पीयूष पांडे, विशाल पांडे, आजाद हिंद भगत संगठन के मंडल महामंत्री शरद, जिला संयोजक सत्यम, जिला अध्यक्ष सूरज, नगर अध्यक्ष प्रभात, अनुराग, दीपक, दिव्यांश, ऋषभ, मयंक, महेंद्र, वैभव, वेदी, शशांक शेखर, सूरज, राहुल आदि प्रसाद ग्रहण किया।

अधिवक्ताओं ने निधन पर जताया दुख

सीतापुर। बार एसोसिएशन सीतापुर के पूर्व उपाध्यक्ष सुनील सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट कैंपस के अधिवक्ता चैंबर नंबर 16 में शोक सभा की गई। जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता बाबूजी परम श्रद्धेय शिव कुमार सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया गया। शोक सभा में दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस मौके पर डॉ. हरपाल सिंह चौहान, डॉ .अजीत सिंह चौहान, वरिष्ठ अधिवक्ता बृजराज सिंह तोमर, शिव कुमार शुक्ला, नरेंद्र त्रिपाठी, भानु प्रताप सिंह, शैलेंद्र यादव, इशरत अली खान, सुरेश प्रकाश वर्मा, सुबोध मिश्रा, आदित्य गुप्ता, श्रीकांत बाजपेई, जमील अहमद खान आदि मौजूद थे।

चुनाव के मद्देनजर हुआ फ्लैग मार्च

ओयल खीरी। एसपी खीरी संजीव सुमन के निर्देशन में चुनाव के मद्देनजर थाना खीरी क्षेत्र के पुलिस चौकी ओयल दिलीप प्रजापतिए खीरी थाना एसओ प्रमोद कुमार मिश्राए आरक्षी आशीष प्रजापति व अनेको एसएसबी जवानों के साथ ओयल चौकी से मुख्य बाजार होते हुएए मेढकमन्दिर से मतदान स्थल पोलिंग बूथ ओयल देहात युवराज दत्त इंटर कालेज तक रुट मार्च किया गया। इस बावत एसओ प्रमोद मिश्राए चौकी इंचार्ज दिलीप प्रजापति व अनेको एसएसबी जवानों ने भय मुक्त मतदान करने का संदेश दिया। इस बावत चौकी इंचार्ज दिलीप प्रजापति से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि ओयल कस्बे में मुख्य मार्गो से होते हुए युवराज दत्त इन्टर कालेज मेढक मन्दिर व समस्त मुख्य मार्गो पर पैदल भृमण किया गया है।

सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल में हुआ बच्चों का वैक्सीनेशन

लखीमपुर खीरी। सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल में प्रथम वैक्सीनेशन शिविर के बाद 22 जनवरी शनिवार को द्वितीय वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन किया गया। पहले शिविर से छूटे बच्चों व अन्य व्यक्तियों ने इस शिविर में अपना टीकाकरण करवाया। विद्यालय प्रधानाचार्या शालिनी सचान के अनुसार वे कोरोना से बचाव के सभी नियमो का पालन कर रहे हैं और अपने बच्चों की सुरक्षा हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

तीन दिवसीय महान गुरमत समागम आज से

गोला गोकरणनाथ.खीरी। नगर के मोहल्ला कुमारन टोला स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में 24 जनवरी से तीन दिवसीय महान गुरमत समागम मनाया जाएगा। यह जानकारी गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रमुख गुरदीप सिंह ने देते हुए बताया कि गुरु गोविंद सिंह के महान सेनापति अमर शहीद बाबा दीप सिंह के जन्म उत्सव पर 23वां महान गुरमत समागम होगा जिसमें 24 जनवरी सोमवार को श्री अखंड साहिब का पाठ गुरुद्वारा साहिब में प्रारंभ होगा। इसका विश्राम 26 जनवरी बुधवार को संपन्न होगा। इसी के साथ रागी जत्था का कीर्तन प्रवचन भी होगा। अंत में गुरु का लंगर अटूट बरसेगा कार्यक्रम को सफल बनाने मैं स्वर्गीय सरदार जोगिंदर सिंह भाटिया परिवार सुरेंद्र सिंह जसपाल सिंह हरिजीत सिंह भाटिया कुलजीत सिंह मनदीप साहिर रंजीत कौर रूबी भाटिया रानी भाटिया समेत गुरुद्वारा के सेवादार लगे हुए।

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर हुईं ऑनलाइन प्रतियोगिताएं

संवाददाता। सीतापुर

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर ऑनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। पेंटिंग में नैना मेहरोत्रा व कविता पाठ में यथार्थ मिश्रा, काव्य मिश्रा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसे खूब सराहा गया। प्रधानाचार्य सुनील कुमार, शिक्षक अशोक कुमार, पुष्पेंद्र कौशल, श्वेता मिश्रा, हरिशंकर दीक्षित, प्यारे लाल आदि ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला एवं आजादी में उनके द्वारा दिए गए योगदान पर चर्चा की।

धूमधाम से मनायी गयी नेता जी की जयंती

हमराह एक्स कैडेट एनसीसी सेवा संस्थान के तत्वधान में ब्लॉक सिधौली के मनिकापुर में पराक्रम दिवस के पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती धूमधाम से मनाई गई। संस्थान के सदस्यों, पदाधिकारियों ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला। संस्थान के सचिव ज्ञानेश पाल धनगर ने बताया कि आजादी की बात हो और नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जिक्र ना हो, ऐसा कभी नहीं हो सकता है। इस मौके पर संगठन मंत्री हर्षवर्धन पाल, राम सागर पाल, प्रदीप पाल, ज्योति, श्वेता पाल, सुनीता पाल, सावित्री, हर्षवर्धन, प्रेमलता यादव, दीपक पाल, प्रदीप रावत आदि मौजूद थे।

महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता

महमूदाबाद के सीता इंटर कालेज में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन पर समारोह आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य आरके वाजपेयी ने कहा कि क्रांति के अग्रदूत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उनकी सांगठनिक क्षमता का अंग्रेज भी लोहा मानते थे। समारोह को वरिष्ठ साहित्यकार व अंग्रेजी प्रवक्ता विनोद गुप्त, कालेज की सांस्कृतिक प्रमुख प्रतिभा सिंह ने भी संबोधित किया। इससे पहले शुभारम्भ मां शारदे व नेता सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ। छात्र-छात्राओं ने वाणी वंदना व प्रेरणा गीत प्रस्तुत किये। इस मौके पर डिप्टी मैनेजर वागीश दिनकर, शिशु भारती प्रमुख यशपाल वर्मा, नवनीत पांडेय आदि मौजूद थे।

नवीन मूर्ति स्थापना के लिए हुआ मंदिर का शुद्धिकरण व सुंदरकांड पाठ

गोला गोकर्णनाथ.खीरी। नगर से सटे कंजा गांव स्थित देवस्थान बरम बाबा कंजा हनुमान मंदिर में लगभग 70 साल पुरानी खंडित और जर्जर हनुमान जी की मूर्ति को हटाकर नई मूर्ति स्थापित करने के क्रम में स्थान शुद्धिकरण के लिए मंदिर परिसर में सुंदरकांड का पाठ शनिवार दोपहर किया गया। सुंदरकांड के पाठ के उपरांत देर शाम तक हनुमान चालीसा और भगवान नाम संकीर्तन होता रहा। इसी के साथ 51 कन्याओं को कन्या भोज भी कराया गया। इस अवसर पर मंदिर के प्रमुख सेवादार राजेश गुप्ता गुड्डन और अवधेश जायसवाल ने बताया कि कोरोना के कारण प्रतीक रूप में यह कार्य किया जा रहा है अन्यथा विशाल और भव्य रूप में हनुमान जी की मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम होता। इस अवसर पर ओमकार वर्मा पंकज गुप्ता राजीव गुप्ता शरद गुप्ता महेश पटवारी गोपाल जयसवाल श्यामू गुप्ता नीलम जायसवाल राधा गुप्ता पूनम जयसवाल पूजा गुप्ता समेत तमाम भक्त उपस्थित रहे।

सियासी हलचल सीतापुर में गर्म

बिसवां, महोली, सदर और सिधौली सीट पर भाजपा किस पर लगाएगी दांव

संवाददाता। सीतापुर

सर्द मौसम के बीच सियासी हलचल सीतापुर में गर्म रही। चुनावी चर्चा में खास टॉपिक प्रत्याशी चयन का रहा। भाजपा के पांच सीटों पर उम्मीदवार घोषित करने पर भी सपा फिलहाल साइलेंट है। इसे लेकर हर कोई जानकारी करता रहा कि आखिर सपा किस पर दांव लगा रही है। क्योंकि चुनावी अखाड़े में किसका पलड़ा भारी होगा और कौन कड़े मुकाबले से जूझेगा इन सवालों का जवाब तभी मिलेगा जब सपा अपने धुरंधरों को मैदान में उतारेगी। बहरहाल, चुनावी माहौल भांपने की जुगत में तकरीबन हर कोई लगा हुआ है। बिसवां, महोली, सदर और सिधौली सीट पर भाजपा आखिर किस पर भरोसा जताएगी, यह लाख टके का सवाल इन दिनों जिले के अधिकतर लोगों को बेचैन किए है। सड़क और गली में आते-जाते, चाय व पान की दुकान पर कोई परिचित मिलता है तो दुआ सलाम के बाद अगला सवाल यही होता है कि फलां सीट पर कब तक प्रत्याशी घोषित होगा। भाजपा किस सीट पर किस दावेदार पर दावं खेल सकती है। इसके बाद जातीय समीकरणों और पार्टी में पहुंच का हवाला देकर अपने-अपने तर्क पेश करना शुरू कर दिए जाते हैं। चुनावी बहस तो चटखारे लेकर आगे बढ़ती है मगर प्रत्याशी चयन को लेकर उठे सवाल का फिर भी जवाब नहीं तलाशे मिलता है। आखिर में इंतजार करना ही विकल्प बचता है।

टीईटी परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों ने किया हंगामा

संडीला(हरदोई)। टीईटी की परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों ने कॉलेज का गेट जल्दी बंद होने का आरोप लगाकर हंगामा किया। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हंगामा कर रहे अभ्यर्थियों को शांत कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के भगवान बुद्ध इंटर कॉलेज के टीईटी परीक्षा केन्द्र पर पहुंचे परीक्षार्थियों ने कॉलेज का गेट समय से पहले बंद करने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसकी सूचना मिलने पर मीडियाकर्मी मौके पर पहुंचे। वहां मौजूद हरदोई निवासी एहरार अहमद तथा बीना गुप्ता, शाहाबाद निवासी सुनैना, बावन निवासी स्मृति सिंह और गौसगंज निवासी साधना ने आरोप लगाया कि वह कॉलेज के गेट पर ठीक साढ़े नौ बजे पहुंच गयीं थीं लेकिन केन्द्र व्यवस्थापक ने समय से पहले ही गेट बंद करा दिया और तमाम खुशामद करने के बाद भी गेट नहीं खोला। अभ्यर्थियों ने इसके बाद हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक बेणीमाधव त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और उन्होंनें हंगामा कर रहे अभ्यर्थियों को समझा बुझाकर शांत किया। उन्होंनें केन्द्र व्यस्थापक मिथलेश कुमार से भी बात की। केन्द्र व्यवस्थापक का कहना था कि परीक्षा नियामक कमेटी के अनुसार केन्द्र का गेट परीक्षा शुरू होने से तीस मिनट पहले बंद कर दिया जाना चाहिए। ठीक समय पर ही गेट बंद किया गया है और आरोप लगाने वाले अभ्यर्थी निर्धारित समय से नहीं आए हैं इसलिए उनकी परीक्षा नहीं ली जा सकती। इसके बाद अभ्यर्थी वापस चले गए।

अमन, भाईचारा, समानता, प्रेम और सौहार्द के प्रसार में सूफियों का महत्वपूर्ण योगदान

संवाददाता। संडीला(हरदोई)

जश्न ए साबिर पाक व जश्न ए शेकुल आलम के मौके पर बोलते हुए परचम ए मोहम्मदी कमेटी के अध्यक्ष फरीउद्दीन अहमद ने कहा कि इस्लाम अमन, भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का मजहब है और सूफियों ने इस संदेश का प्रसार करने में महत्वपूर्ण योगदान किया है।

इसी मौके पर साबरी मिशन के सदस्य मुईन खां साबरी ने कहा कि इस्लाम के पैरोकारों ने सूफी संतो के रास्तों को अपनाया तो सदियों से इस्लामी तालीम की रोशनी से मानवता का कल्याण होता रहा। आज सूफी संतो के संदेशों को छोड़कर लोग परेशान हैं। दरगाह सागर मियां से सज्जादानशीन मुईज उद्दीन अहमद सागरी ने कहा कि औलिया कराम की बदौलत मोहब्बत के रिश्ते आज भी जुड़े हुए हैं। खानकाहों और दरगाहों से भाईचारे के पैगाम लगातार दिए जा रहे हैं जिससे इंसान का इंसान से रिश्ता मजबूत हो रहा है। उन्होंनें मुसलमानों से बच्चों को आला तालीम दिलाने पर भी जोर दिया। मौलाना अनवारुल हक ने कहा कि पै0 इस्लाम ने तमाम आलम के लिए इंसानियत की जिस शमा को रोशन किया उसका उजाला औलिया कराम की दरगाहों से बिखर रहा है। सूफी शफी अहमद साबरी तथा मुन्ना साबरी ने भी तालीम पर जोर दिया। इस मौके पर मसूद उल हसन, इकबाल अहमद, हाफिज फरहान उल हक, हाफिज रिजवान साबिर, हाफिज फरदीन, दावर रजा, फरहत महमूद वगैरा ने भी अपने खयालात रखे।

फूलबेहड़ पुलिस व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने 11 जुआरी पकड़े

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में थाना फूलबेहड़ पुलिस एवं क्राइम ब्रांच खीरी द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम रुद्रापुरवा मजरा पयाग गन्ने खेत से हारजीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते समय 11 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। मौके से ताश के पत्तेए 31000 रुपये नगदए 2 मोटरसाइकिल बरामद की गईं। सभी को जुआ अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करके अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पकड़े गये जुआरियों की पहचान शिव शंकर उर्फ छोटकन्न पुत्र दीन दयाल निवासी ग्राम सुथरी थाना फूलबेहड़ खीरीए नसीम पुत्र आशिक अली निवासी महेवागंज थाना कोतवाली सदर खीरीए अरबाज पुत्र मोहम्मद दीन निवासी ग्राम दलालनपुरवा मजरा बालूडीह थाना कोतवाली सदर खीरीए मोहम्मद कयूम पुत्र दरगाही निवासी ग्राम घोसियाना थाना फूलबेहड़ खीरीए बलराम पुत्र मालिकराम निवासी ग्राम रकेहटी थाना निघासन जनपद खीरीए सर्वेश कुमार पुत्र माखन लाला निवासी ग्राम नरहर थाना फूलबेहड़ खीरीए वसीम पुत्र शफ्फू निवासी ग्राम घोसियाना थाना फूलबेहड़ खीरीए रामकिशोर पुत्र इतवारी निवासी ग्राम पयाग थाना फूलबेहड़ खीरीए कमरूद्दीन पुत्र नबी अहमद निवासी ग्राम महेवागंज थाना कोतवाली सदर खीरीए रामजीवन पुत्र गोकरन प्रसाद निवासी ग्राम खानशाहपुरवा थाना फूलबेहड़ खीरी व रहीश अली पुत्र गफ्फार अली निवासी ग्राम गौरा थाना फूलबेहड़ खीरी के रूप में हुई।

सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल का महिला एकल खिताब जीता

लखनऊ (भाषा)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने रविवार को यहां युवा हमवतन भारतीय मालविका बंसोड़ को सीधे गेम में हराकर सैयद मोदी इंटरनेशल बैडमिंटन टूर्नामेंट का दूसरी बार महिला एकल खिताब जीता।

कोविड-19 के कई मामलों के कारण कई शीर्ष खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में हो रहे इस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीय सिंधू को एकतरफा फाइनल में मालविका के खिलाफ 21-13 21-16 की जीत के दौरान अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। सिंधू ने फाइनल में सिर्फ 35 मिनट में जीत दर्ज की। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू का यह दूसरा सैयद मोदी खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2017 में भी इस बीडब्लयूएफ विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट का खिताब जीता था। इससे पहले इशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की भारतीय जोड़ी ने हमवतन टी हेमा नागेंद्र बाबू और श्रीवेद्या गुराजादा को सीधे गेम में हराकर मिश्रित युगल का खिताब अपने नाम किया। इशान और तनीषा ने गैरवरीय भारतीय जोड़ी के खिलाफ सिर्फ 29 मिनट में 21-16 21-12 से जीत दर्ज की। अर्नाड मर्कल और लुकास क्लेयरबाउट के बीच पुरुष एकल खिताबी मुकाबले को नो मैच (मैच नहीं हुआ) घोषित किया गया जब एक फाइनलिस्ट कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू और 84वें नंबर की खिलाड़ी मालविका के बीच एकतरफा मुकाबले की उम्मीद थी और अंततः ऐसा ही हुआ। सिंधू ने अपने अनुभव और कौशल का इस्तेमाल करते हुए मालविका को कोई मौका नहीं दिया। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सिंधू ने शुरुआत से ही दबदबा बनाते हुए 7-0 की बढ़त बनाई। सिंधू अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुए ब्रेक तक 11-। से आगे थी। ब्रेक के बाद मालविका ने अपने खेल में सुधार करते हुए कुछ अंक जुटाए और सिंधू की बढ़त को कम किया लेकिन पूर्व विश्व चैंपियन को पहला गेम आसानी से जीतने से नहीं रोक पाईं। दूसरे मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच बेहतर मुकाबला देखने को मिला। मालविका ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया लेकिन यह सिंधू के स्तर को चुनौती देने के लिए पर्याप्त नहीं था। सिंधू ने अपनी लंबाई का अच्छा इस्तेमाल करते हुए शानदार स्मैश लगाए और कुछ अच्छे ड्रॉप शॉट खेले जिसका मालविका के पास कोई जवाब नहीं था। सिंधू ब्रेक तक 11-4 से आगे थी। मालविका ने ब्रेक के बाद कुछ हद तक वापसी की और लगातार चार अंक के साथ स्कोर 12-17 किया। मालविका चार और अंक जुटाने में सफल रहीं लेकिन सिंधू ने बिना किसी परेशानी से गेम, मैच और खिताब जीत लिया।

सानिया-राम की जोड़ी मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में

भाषा। मेलबर्न

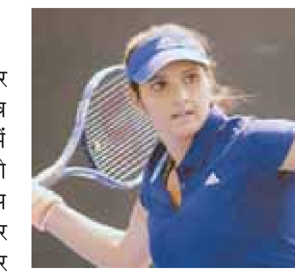

) भारत की सानिया मिर्जा और अमेरिका के उनके जोड़ीदार राजीव राम ने रविवार को यहां सीधे सेट में एलेन पेरेज और मात्वे मिडलकूप को हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारत और अमेरिका की गैरवरीय जोड़ी ने कोर्ट नंबर तीन पर दूसरे दौर के मुकाबले में एक घंटा 27 मिनट में आस्ट्रेलिया की पेरेज और नीदरलैंड के मिडलकूप की जोड़ी को 7-6 (8/6),6-4 से हराया। क्वार्टर फाइनल में सानिया और राम की भिड़ंत सैम स्टोसुर और मैथ्यू एबडेन तथा जेमी फोरलिस और जेसन कुब्लर की आस्ट्रेलियाई जोड़ियों के बीच होने वाले दूसरे दौर के मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगी। सानिया और राम ने पहले दौर में सर्बिया की एलेक्सांद्रा क्रुनिच और निकोला केसिच की जोड़ी को हराया था।

क्विक न्यूज

लाहिड़ी ने अमेरिकन एक्सप्रेस के कट में जगह बनाई

ला क्विंटा (अमेरिका)। अनिर्बान लाहिड़ी तीसरे दौर में पार 72 के कार्ड के दम पर अमेरिकन एक्सप्रेस गोल्फ टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने में सफल रहे। इस भारतीय गोल्फर ने स्टेडियम कोर्स के दौरान दो बर्डी और इतने ही बोगी लगाए। वह 54 होल के खेल के बाद आठ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 45वें स्थान पर है। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे 156 पेशेवरों में से शीर्ष 70 खिलाड़ियों ने कट में प्रवेश किया। लाहिड़ी ने पहले होल और 16 होल में बर्डी जबकि छठे और 15वें होल में बोगी किया। वह दूसरे दौर के बाद संयुक्त 32वें स्थान पर थे लेकिन तीसरे दौर के बाद संयुक्त 45वें स्थान पर खिसक गए।

भारतीय ग्रैंडमास्टर ललित बाबू ने चेक गणराज्य में शतरंज प्रतियोगिता जीती

मारियांस्के लाजने (चेक गणराज्य)। भारतीय ग्रैंडमास्टर एम आर ललित बाबू यहां मारियनबाद ओपन 2022 शतरंज टूर्नामेंट में जीत दर्ज की। वह नौ दौर के इस मुकाबले में अजेय रहे और कुछ 6.5 अंकों के साथ उन्होंने जीत दर्ज की। वह आइसलैंडिक के उपविजेता ग्रैंडमास्टर हेस स्टीफंसन से आधा अंक आगे रहे। ललित बाबू ने इस दौरान चार गेम जीते और अन्य पांच मुकाबलों को ड्रॉ करके शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने चेक गणराज्य के खिलाड़ियों वेक्लेव फिनेक, कारेल मालिनोवस्कु, डेनियल सोर्म और जैकब कुसा के खिलाफ जीत दर्ज की। इस 29 वर्षीय भारतीय ने शनिवार की देर रात स्टीफनसन के खिलाफ अपने अंतिम दौर के मैच को ड्रॉ कर के शीर्ष स्थान हासिल किया। ललित बाबू के लिए यह लगातार तीसरा खिताब था। वह इससे पहले थाईलैड और इटली मे जीत दर्ज कर चुके है।

सिंगापुर में वीर अहलावत का करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर ओपन में जगह बनाने से चूके

सेंटोसा (सिंगापुर)। भारत के वीर अहलावत ने एसएमबीसी सिंगापुर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट मे रविवार को यहां करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए संयुक्त पांचवां स्थान हासिल किया लेकिन सेंट एंड्रयूज मे होने वाली 150वी ओपन चैपियनशिप मे जगह बनाने से चूक गए। वीर ने अंतिम दो होल मे एक डबल बोगी और एक बोगी की जिससे वह दूसरे से संयुक्त पांचवे स्थान पर खिसक गए और उन्होने द ओपन चैपियनशिप के लिए उपलब्ध चार स्थानो मे से एक हासिल करने का मौका गंवा दिया। वीर का कुल स्कोर सात अंडर रहा। शिव कपूर भी अंतिम दौर मे 69 के स्कोर से कुल पांच अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष 10 मे जगह बनाने मे सफल रहे। विराज मादप्पा (73) संयुक्त 48वें, राशिद खान (73) संयुक्त 53वें और एस चिकारंगप्पा (76) संयुक्त 65वें स्थान पर रहे। थाईलैंड के सेडोम केइवकांजाना ने कुल 13 अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता।

डेको के गोल से इंटर ने वेनेजिया को हराया

मिलान। एडिन डेको के अंतिम लम्हो मे दागे गोल की बदौलत इंटर मिलान ने शनिवार को यहां खिलाड़ियों को कोरोना वायरस संक्रमण से जूझ रहे वेनेजिया को 2-। से हराकर सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट के शीर्ष पर पांच अंक की बढ़त हासिल की। थॉमस हेनरी ने 19वें मिनट मे वेनेजिया को बढ़त दिलाई जिसके बाद निकोलो बारेला ने 40वें मिनट मे स्कोर।-। किया। जेको ने 90वें मिनट मे गोल दागकर इंटर मिलान की 2-। से जीत सुनिश्चित की। इस जीत से इंटर के 22 मैच मे 53 अंक हो गए है और उसने दूसरे स्थान पर मौजूद एसी मिलान पर पांच अंक की बढ़त बना ली है। वेनेजिया पर निचली लीग मे खिसकने का खतरा मंडरा रहा है। टीम 18 अंक के साथ 20 टीम की तालिका मे 17वें स्थान पर है। अंक तालिका में अंतिम तीन स्थान पर रहने वाली टीम निचली लीग में खिसक जाएंगी। वेनेजिया के आठ खिलाड़ी और कोच पाउलो जेनेटी सहित कोचिंग स्टाफ के कई सदस्य कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए है। सिरी ए के नए नियमो के अनुसार टीम के 25 सदस्यो मे से अगर नौ वायरस से संक्रमित होते है तो मुकाबला स्थगित किया जाएगा।

हरियाणा स्टीलर्स ने करीबी मुकाबले में यूपी योद्धा को हराया

बेंगलुरू। हरियाणा स्टीलर्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) मैच मे रविवार को यहां यूपी योद्धा पर 36-35 से रोमांचक जीत दर्ज की। पूरे मैच मे दोनो टीमो के बीच बराबरी का मुकाबला दिखा लेकिन अंतिम कुछ सेकेंड मे हरियाणा के विनय ने एक बोनस अंक हासिल कर मैच मे अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। हरियाणा के लिए रोहित गुलिया ने सबसे ज्यादा सात अंक बटोरे जबकि कप्तान विकास कंडोला, जयदीप, विनय और रोहित ने पांच-पांच अंको का योगदान दिया। यूपी के लिए रेडर श्रीकांत जाधव ने सुपर 10 (10 अंक) बटोरे जबकि अनुभवी प्रदीप नरवाल ने छह अंक का योगदान दिया। मध्यांतर के समय हरियाणा की टीम 15-14 से आगे थी लेकिन दूसरे हाफ मे उन्होने यूपी योद्धा के ऑल आउट कर 20-16 और फिर 25-18 की बढ़त हासिल कर ली। सात अंक से पिछड़ने के बाद यूपी ने वापसी की और स्कोर को 32-31 करने के बाद 39वे मिनट में 35-35 से बराबर कर दिया। विनय ने इसके बाद आखिरी कुछ सेकेंड मे बोनस अंक हासिल कर हरियाणा को विजेता बना दिया। दिन के दूसरे मुकाबले मे बेंगलुरु बुल्स ने तेलुगू टाइटंस को 36-31 से हराया। बेंगलुरु की जीत मे कप्तान पवन सहरावत ने 12 अंको के साथ योगदान दिया।

दुनिया में कोई भी बायो-बबल अभेद नहीं: एआईएफएफ अध्यक्ष

नवी मुंबई। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने रविवार को इस बात से इनकार किया कि महिला एशियाई कप के लिए बायो-बबल (जैव सुरक्षित माहौल) कमजोर है क्योंकि घरेलू टीम के खिलाड़ियो मे कोरोना वायरस संक्रमण के कई मामलो के कारण चीनी ताइपे के खिलाफ उनका मैच रद्द कर दिया गया।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को चार रन से हराया

भाषा। केपटाउन

● श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की

दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत को चार रन से हराकर श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की। दक्षिण अफ्रीका की टीम 49.5 ओवर में 287 रन पर सिमट गई थी जिसमें क्विंटन डिकॉक ने 124 रन और रासी वान डर डुसेन ने 52 रन की पारी खेली। शिखर धवन (61) और पूर्व कप्तान विराट कोहली (65) के अर्धशतकों तथा दीपक चाहर (54) की अंत में खेली गई आक्रामक पारी के बावजूद भारतीय टीम इसके जवाब में 49.2 ओवर में 283 रन पर सिमट गई।

वहीं दक्षिण अफ्रीका ने फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (124) के शानदार शतक और रासी वान डर डुसेन (52 रन) के अर्धशतक की मदद से रविवार को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत को जीत के लिए 288 रन का लक्ष्य दिया। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद दक्षिण अफ्रीका की पारी 49.5 ओवर में 287 रन पर सिमट गई।

विकेटकीपर बल्लेबाज डिकॉक ने 130 गेंद में 124 रन की पारी खेली और वान डर डुसेन के साथ चौथे विकेट के लिए 144 रन की भागीदारी निभाई। इसके बाद भारत ने इन दोनों के लगातार विकेट झटक कर घरेलू टीम की रन गति पर लगाम कसी। दक्षिण अफ्रीका ने पहले दो वनडे जीतकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई हुई है। अपने छठे वनडे शतक से डिकॉक ने भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी एबी डिविलियर्स के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। कप्तान लोकेश राहुल का पहले गेंदबाजी करने का फैसला कारगर रहा क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने आठ रन ही बनाए थे कि दीपक चाहर (53 रन देकर दो विकेट) ने सलामी बल्लेबाज जानेमन मलान (01) को तीसरे ओवर की पहली गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराया।

भारतीयों के लिए यह बड़ा विकेट था क्योंकि मलान ने पार्ल में दूसरे वनडे में 91 रन की शानदार पारी खेली थी जिसमें जीत से दक्षिण अफ्रीका ने श्रृंखला अपने नाम कर ली थी। इसका श्रेय चाहर को जाना चाहिए जिनकी अंदर की ओर कोण लेती फुल लेंथ गेंद को मलान समझ नहीं सके और विकेट गंवा बैठे। भारतीय कप्तान राहुल के मिडऑफ से फेंके गए सीधे थ्रो से फॉर्म में चल रहे दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा की आठ रन की पारी खत्म हुई जो समय पर नान-स्ट्राइकर छोर पर पहुंचने में असफल रहे। यह भी भारत के लिए बड़ा ब्रेक था क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ने शुरूआती वनडे में शतक जड़ा था और दूसरे मैच में भी अच्छा योगदान दिया था। पॉवरप्ले में दो विकेट हासिल करने के बाद भारत सही दिशा में बढ़ रहा था जब ऐडन मार्कराम ने डीप स्क्वायर लेग क्षेत्र में पुल शॉट खेलने का प्रयास किया लेकिन स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक रुतुराज गायकवाड़ को कैच दे बैठे और इस तरह 13वें ओवर में मेजबान टीम का स्कोर तीन विकेट पर 70 रन हो गया। डिकॉक और वान डर डुसेन ने हालांकि इन झटकों के बावजूद अच्छी साझेदारी निभाई जिसमें उन्होंने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण से निपटने के लिए आक्रामकता के साथ पूरी सतर्कता बरती।

डिकॉक दो चौकों के साथ 90 रन तक पहुंचे और फिर उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा (59 रन देकर तीन विकेट) के सिर के ऊपर सीधा छक्का जड़ दिया। उन्होंने शतक पूरा करने के लिए समय लिया और थोड़ी देर तक 99 रन पर ही अटके रहे। उन्होंने श्रेयस अय्यर पर दो रन लेकर शतक पूरा किया। वान डर डुसेन ने युजवेंद्र चहल पर मिडविकेट पर चौका लगाया। इन दोनों ने विकेट के चारों ओर अलग अलग तरह के स्ट्रोक्स लगाकर रन जुटाए। लेकिन जब ऐसा दिख रहा था कि दोनों अपनी टीम को भारत के खिलाफ बड़े स्कोर की ओर पहुंचा देंगे, तभी मेहमानों ने उनके विकेट झटक लिए। डिकॉक (12 चौके और दो छक्के) जसप्रीत बुमराह (52 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर डीप स्क्वायर लेग में शिखर धवन को आसान कैच देकर पवेलियन पहुंचे। इसके बाद चहल ने वान डर डुसेन को डीप में अय्यर के हाथों कैच आउट कराया। इन दोनों के अलावा डेविड मिलर ने 39 रन और ड्वेन प्रिटोरियस ने 20 रन का योगदान दिया।

रिजवान आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ टी-20 क्रिकेटर बने

दुबई। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को रविवार को 2021 में शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 क्रिकेटर चुना गया। पाकिस्तान के इस सलामी बल्लेबाज ने 2021 में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया। रिजवान ने सिर्फ 29 मैच में 73.66 की औसत और 134.89 के स्ट्राइक रेट के साथ।,326 रन बनाए। बल्ले से शानदार प्रदर्शन के अलावा रिजवान ने विकेट के पीछे भी प्रभावित किया और उन्होंने पाकिस्तान को टी20 विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाई। रिजवान टूर्नामेंट के तीसरे शीर्ष स्कोरर रहे थे। उन्होंने 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लाहौर में अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक भी जड़ा और कराची में वेस्टइंडीज के खिलाफ साल के अंतिम टी20 मुकाबले में 87 रन की पारी खेली। अगले साल एक और टी20 विश्व कप होना है और ऐसे में पाकिस्तान को उम्मीद होगी कि रिजवान इस प्रदर्शन को जारी रखेंगे। रिजवान ने टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले में भारत के खिलाफ 55 गेंद में नाबाद 79 रन भी बनाए थे जिससे पाकिस्तान ने इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ इस वैश्विक टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की थी।

वेस्टइंडीज ने पहले टी-20 में इंग्लैंड को नौ विकेट से रौंदा

ब्रिजटाउन (बारबडोस)। इंग्लैंड को एशेज में करारी शिकस्त के बाद शनिवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में नौ विकेट की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करने उतरे इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और 10 ओवर में टीम ने 39 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मेहमान टीम अंततः 19.4 ओवर में 103 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज ने इसके जवाब में सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग (नाबाद 52) के अर्धशतक की बदौलत 17 गेंद शेष रहते हुए एक विकेट पर 104 रन बनाकर नौ विकेट की आसान जीत दर्ज की। असमान उछाल वाली पिच पर टॉसकर हारकर बल्लेबाजी करने उतरे इंग्लैंड ने 10 रन पर तीन और फिर 49 रन पर सात विकेट गंवा दिए थे जिससे आस्ट्रेलिया में टीम का लचर प्रदर्शन यहां कैरेबिया में पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में भी जारी रहा। निचले क्रम के बल्लेबाजों क्रिस जोर्डन और आदिल राशिद ने आठवें विकेट के लिए 36 रन जोड़कर टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। जोर्डन 23 गेंद में 28 रन के साथ टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। राशिद ने 22 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कप्तान इयोन मोर्गन (17) और जेम्स विन्स (14) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। सलामी बल्लेबाज किंग ने इसके बाद 49 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 52 रन बनाकर वेस्टइंडीज की आसान जीत का मंच तैयार किया।

अफगानिस्तान, बांग्लादेश अंडर-19 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में

भाषा। बासेटेरे

गत चैंपियन बांग्लादेश ने वर्षा से प्रभावित करो या मरो के मुकाबले में शनिवार को यहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत नौ विकेट से हराकर अंडर-19 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने यूएई को सिर्फ 148 रन पर ढेर कर दिया। गत चैंपियन टीम ने इसके बाद 61 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे यूएई ने तीन ओवर के भीतर ही दो विकेट गंवा दिए। ध्रुव पराशर और कप्तान आलिशान शराफु ने इसके बाद तीसरे विकेट के लिए 44 रन जोड़कर पारी को संभाला। पुण्य मेहरा ने इसके बाद 43 रन की पारी खेली लेकिन उन्हें दूसरे छोर से उम्दा जोड़ीदार नहीं मिला। टीम ने अंतिम सात विकेट 98 रन जोड़कर गंवाए। बांग्लादेश की ओर से रिपोन मंडल सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 31 रन देकर तीन विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने पहले विकेट के लिए 86 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत की। महफिजुल इस्लाम (नाबाद 64) और इफ्तेखार हुसैन (37) की सलामी जोड़ी ने जब 45 रन जोड़े तो बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। खेल दोबारा शुरू होने पर बांग्लादेश को 107 रन का लक्ष्य मिला। महफिजुल ने अर्धशतक पूरा किया लेकिन इफ्तेखार पवेलियन लौट गए। महफिजुल ने प्रंतीक नवरोज नाबिल (नाबाद 05) के साथ मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया जिससे टीम ने नाकआउट में जगह बनाई। बांग्लादेश की भिड़ंत क्वार्टर फाइनल में 29 जनवरी को भारत से होगी जहां वह पिछले टूर्नामेंट के फाइनल के प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेगा। दूसरी तरफ अफगानिस्तान ने ग्रुप सी में जिम्बाब्वे को 109 रन से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया जहां उसका सामना श्रीलंका से होगा। अफगानिस्तान की ओर से कप्तान सुलेमान सफी ने 118 गेंद में 14 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 111 रन की पारी खेली जिससे टीम ने छह विकेट पर 261 रन बनाए। सफी पारी की अंतिम गेंद पर आउट हुए। सलामी बल्लेबाज नंगेयालिया खरोते ने भी 45 गेंद में आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाए। जिंबाब्वे की ओर से एलेक्स फलाओ ने 54 रन देकर तीन विकेट चटकाए। इसके जवाब में जिंबाब्वे की टीम स्पिनर नंगेयालिया (30 रन पर चार विकेट) की फिरकी के जादू के सामने 36.4 ओवर में 152 रन पर ढेर हो गई।

फिलीपींस के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का दावा मजबूत

भाषा। मुंबई

● थाईलैंड और इंडोनेशिया की नजरें पहली जीत पर

अपने पहले मैच में इंडोनेशिया को 18-0 के बड़े अंतर से शिकस्त देने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम एएफसी महिला एशियाई कप के ग्रुप बी मैच में सोमवार को जब फिलीपींस के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश इस लय को बरकरार रखने की होगी।

नवी मुंबई में खेले जाने वाले ग्रुप बी के एक अन्य मैच में इंडोनेशिया और थाईलैंड की टीम आमने-सामने होगी। इन दोनों टीमों की कोशिश पहले मैच में मिली हार को पीछे छोड़कर जीत का खाता खोलने की होगी। फिलीपींस के कोच एलेन स्टैजिक के सामने अपनी पूर्व टीम को रोकने की कठिन चुनौती होगी। उनकी टीम ने हालांकि थाईलैंड के खिलाफ विजई शुरुआत की थी। ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस के बीच खेले जाने वाले मैच की विजेता टीम का नॉकआउट चरण में क्वालीफाई करने का रास्ता लगभग साफ हो जाएगा।

स्टैजिक के कार्यकाल में ऑस्ट्रेलिया की टीम 2014 और 2018 के सत्र में इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। उनके करार को हालांकि 2019 में अचानक समाप्त कर दिया गया। इस 48 साल के कोच ने इसके बाद पुरुष क्लब टीम के साथ समय बिताया और फिर टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर फिलीपींस के नए मुख्य कोच नियुक्त हुए। उन्होंने एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) की वेबसाइट से कहा, निश्चित रूप से मेरे लिए यह व्यक्तिगत तौर से एक दिलचस्प मुकाबला होने जा रहा है। उन्होंने कहा, इस तरह की भूमिका में जब आप किसी अन्य राष्ट्रीय टीम को कोचिंग देते हैं, तो यह बहुत सम्मान की बात होती है। ऐसी परिस्थितियों में मेरी निष्ठा अपने देश की जगह कोचिंग टीम के साथ होगी। मैं इस फिलीपींस साथ हूं जिसके साथ मैंने पिछले तीन महीने बिताए हैं। हमने वास्तव में वहां एक-दूसरे के साथ अच्छी समझ बनाई है। फिलीपींस ने थाईलैंड के खिलाफ सीनियर स्तर पर 13 मैचों में पहली जीत दर्ज की थी। चांडलर मैकडेनियल ने मैच का इकलौता गोल 81वें मिनट में दागा था। ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस ने एक-दूसरे का सामना केवल एक बार किया है। एएफएफ चैम्पियनशिप 2008 में खेले गए इस मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 7-0 से जीता था। थाईलैंड की टीम भी पिछले मैच में मिली हार से वापसी करना चाहेगी। टीम की कोशिश 18 गोल खाने वाली इंडोनेशिया के कमजोर मनोबल का फायदा उठाने की होगी। टीम के मुख्य कोच मियो ओकामोटो को भरोसा है कि उनकी टीम इंडोनेशिया के खिलाफ जीत के साथ वापसी करेगी।

नडाल 14वीं बार आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में

एपी। मेलबर्न

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल ने रविवार को यहां एड्रियन मनारिनो को सीधे सेट में हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में 14वीं बार जगह बनाई जहां उनका सामना कनाडा के युवा खिलाड़ी डेनिस शापोवालोव से होगा।

नडाल ने चौथे दौर के मुकाबले में 7-6 (14), 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। उन्हें पहले सेट के टाईब्रेक में जीत दर्ज करने के लिए 28 मिनट 40 सेकेंड तक जूझना पड़ा और इस दौरान उन्होंने सातवें सेट प्वाइंट पर जीत दर्ज की। बाएं हाथ से खेलने वाले नडाल की बाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ियों पर यह लगातार 21वीं जीत है। वह अब रिकॉर्ड 21वां पुरुष एकल ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से तीन जीत दूर हैं। नडाल ने कहा, पहला सेट काफी अधिक भावनात्मक था। वहां कुछ भी हो सकता था। अंत में मैं थोड़ा भाग्यशाली रहा। मुझे मौके मिले, उसे भी काफी मौके मिले। नडाल क्वार्टर फाइनल में कनाडा के 22 साल के शापोवालोव से भिड़ेंगे जिन्होंने उलटफेर करते हुए तीसरे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। चौदहवें वरीय शापोवालोव ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ज्वेरेव को मारग्रेट कोर्ट पर सीधे सेट में 6-3, 7-6 (5), 6-3 से हराया। शापोवालोव ने पहले तीन दौर में जीत दर्ज करने के दौरान लगभग 11 घंटे कोर्ट पर बिताए। उन्होंने इस दौरान दो बार चार सेट और एक बार पांच सेट में जीत दर्ज की। ज्वेरेव के खिलाफ वह हालांकि तीन सेट में दो घंटे और 21 मिनट में जीत दर्ज करने में सफल रहे।

नडाल ने इसके साथ ही आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में सबसे अधिक बार जगह बनाने वालों की सूची में जॉन न्यूकॉम्ब के साथ दूसरे स्थान पर जगह बनाई। रोजर फेडरर 15 बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर शीर्ष पर हैं। नडाल ने 45वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई है और वह सर्वकालिक सूची में फेडरर (58) और नोवाक जोकोविच (51) के बाद तीसरे स्थान पर हैं। फेडरर, जोकोविच और नडाल के नाम पर अभी समान रिकॉर्ड 20 पुरुष एकल ग्रैंडस्लैम खिताब हैं। आस्ट्रेलियाई ओपन में हालांकि इन तीनों में से सिर्फ नडाल खेल रहे हैं। महिला एकल में फ्रेंच ओपन चैंपियन बारबरा क्रेज्सिकोवा ने चौथे दौर में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेट में हराया। चौथी वरीय क्रेज्सिकोवा ने रोड लावेर एरेना में सिर्फ 85 मिनट में 2012 और 2013 की चैंपियन अजारेंका को 6-2, 6-2 से हराया। क्रज्सिकोवा ने चार ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में तीसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। अगले दौर में क्रेज्सिकोवा का सामना 2017 की अमेरिकी ओपन चैंपियन मेडिसन कीज से होगा जिन्होंने आठवीं वरीय पॉला बाडोसा को सीधे सेट में 6-3, 6-। से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।